



Printed by Balchand Hiralal at the Jun Bhaskarodaya
Printing Press, Ashapura Road—JAMNAGAR



॥ स्वाध्यायमाला-विषयानुक्रम ॥



पाना

उत्तराध्ययनसूत्रम्	१ थी ७८
दशवैशालिकसूत्रम्	७५ थी १००
न दीसूत्रम्	१०१ थी ११९
उपनाइसूत्र गाथा-२२	१२० थी १२०
मुखविपाकसूत्रम्	१२१ थी १२५
सूत्रकृताग-६-११ अध्ययन	१२६ थी १२८
प्रास्ताविक गाथाओ बुद्धिपत्रम्	१२९ थी १३२

निवेदन

वाचकगण !

आ स्वाध्यायमाला नामना पुस्तकमा निरतर व्याख्याय धता, भगवत् सुधर्मस्वामी गुफित निपयानुकममा जणावला सूत्रोना न्ठाप्र करवा लायन मूळ पाठो आपवाना आव्या उ अने छापली प्रतोना आधार छापल उ जुदी जुदी सन्धाओ तरफधी उपायला सूत्रोमा पाठतर फेर आरतो जधी अमोण ग्याम जागमोदय समितिगळ्ळा प्रथोनो विशेष आधार राखी छापल उ अन प्रेमदोष अथवा मुफ दोषधी रहल भूलो माट अतमा शुद्धिपत्रक आपवाना आव्यु छे छता कां विपरीत छपायु होय तो वाचकगण शतव्य करी सुशरीर वाचणे इति ॥

लि०

प्रकाशक

॥ णमोऽथु ण तस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स ॥

श्री जैन

॥ सिद्धान्त-स्वाध्यायमाला ॥

॥ सिरि-उत्तरज्झयण-सुत्त ॥

विणयसुय पढम अज्झयण

सजोगा विप्पमुक्कस्स, अणगारस्स भिक्खुणो। विणय पाउरुरिस्सामि, आणुपुच्चि सुणेह मे ॥ १ ॥
आणानिहेसकरे, गुरुणमुत्तमायकारए। इगियागारसपन्ने, से विणीए च्चि बुच्चई ॥ २ ॥
आणाऽनिहेसकरे, गुरुणमणुवमायकारए। पडिणीए असबुद्धे, अविणीए च्चि बुच्चई ॥ ३ ॥
जहा सुणी पूडकणी, निकसिज्जड मवमो। एव दुरस्सीलपडिणीए, मुहरी निक्कसिज्जई ॥ ४ ॥
कणकुण्डग च्चत्ताण, विट्ठ भुत्तइ स्यरे। एव सील च्चत्ताण, दुस्सीले रमइ मिए ॥ ५ ॥
सुणिया भात्त भाणस्स, स्ययरम्म नरस्स य। विणण ठपेज्ज अप्पाणमिन्धन्तो हियमप्पणो ॥ ६ ॥
तम्हा विणयमेसिज्जा, सील पडिलमेज्जए। उद्वपुत्त नियागट्ठी, न निक्कसिज्जइ कण्हुई ॥ ७ ॥
निसन्ते सियाऽमुहरी, बुद्धाण अन्तिग सया। जट्टुत्ताणि सिम्भिसज्जा, निरट्टाणि उ वज्जए ॥ ८ ॥
अणुसासिओ न कुप्पिज्जा, यत्ति सेविज्ज पण्टिए। सुट्ठेहि सह ससग्गि, हास कीड च्च वज्जए ॥ ९ ॥
मा य च्चण्डालिय कासी, न्ह्य मा य आलवे। कालेण य अहिज्जित्ता, तओ झाइज्ज एगगो ॥ १० ॥
आहच्च च्चण्डालिय ण्ह्य, न निण्हविज्ज ण्याड वि। ण्ह्य कटे च्चि भासेज्जा, अण्ह्य नो ऋडे च्चि य ॥ ११ ॥
मा गलियम्सेत्त वस, वयणमिन्धे पुणो पुणो। कस न दट्टुमाडण्णे, पावग परियज्जए ॥ १२ ॥

अणासमा गुलया कुसीला मिउपि च्चण्ड परुरित्ति सीसा।

चित्ताणुया ल्हु ण्णोत्तयेया, पमायए त ह्णु दुगमथपि ॥ १३ ॥

नापुट्टो नागर किच्चि, पुट्टो नानालिय जए। कोह असच्च कुपेज्जा, धारज्जा पियमप्पिय ॥ १४ ॥

अप्पा चेत्त दमेय गो, अप्पा ह्णु सत्तुट्ठमो। अप्पा दतो सुही होइ, अस्सिं लोए परत्थ य ॥ १५ ॥

वर मे अप्पा दतो, सज्जेण तवण य। माह परहि दम्मतो, वधणेहि उहेहि य ॥ १६ ॥

पडिणीय च्च बुद्धाण, वाया अदुत्त म्मुणा। आरी वा जट्ट वा रहस्से, नेत्त बुद्धा ण्यात्त वि ॥ १७ ॥

न पक्खओ न पुरओ, नेत्त किच्चाण पिट्ठओ। न जुत्ते उरुणा ऊरु, सयणे नो पडिस्सुणे ॥ १८ ॥

नेत्त पद्धत्थिय बुद्धा, पक्खपिण्ड च्च सत्तए। पाए पसारिए तावि, न च्चिट्ठ गुरुणन्तिए ॥ १९ ॥

आयरिण्ह वाहित्तो, तुसिणीओ न क्यात्तवि। पसायपेही नियागट्ठी, उवचिट्ठे गुरु सया ॥ २० ॥

आलवन्ते लवन्ते वा, न निसीएज्ज कयाइ वि । चइऊणमासण धीरो, जओ जत्त पडिस्सुणे ॥ २१ ॥
 आसणगओ न पुच्छेज्जा, नेव सेज्जागओ कया । आगम्भुककुडुओ सतो, पुच्छिज्जा पजलीउडो ॥ २२ ॥
 एव विणयजुत्तस्स, मुत्त अत्थ च तदुभय । पुच्छमाणस्स सीसस्स, वागरिज्ज जहासुय ॥ २३ ॥
 मुस परिहरे भिक्खू न य ओहारिणिं वए । भासादोस परिहर, माय च वज्जए सया ॥ २४ ॥
 न लवेज्ज पुट्ठो सावज्ज, न निरट्ट न मम्मय । अप्पणट्ठा परट्ठा वा, उभयस्स तरेण वा ॥ २५ ॥
 समरेसु अगारेसु, सन्धीसु य महापहे । एगो एगत्थिए मद्धिं, नेन चिट्ठे न सलवे ॥ २६ ॥
 ज मे बुद्धाऽणुसासत्ति, सीण्ण फरुसेण वा । मम लाहो त्ति पेहाए, पयओ त पडिस्सुणे ॥ २७ ॥
 अणुमासणमोनाय, दुक्कडस्स य चोयण । हिय त मण्णई पण्णो, वेस होड अमाहुणो ॥ २८ ॥
 हिय विगयभया बुद्धा, फरुसपि अणुमासण । वेस त होइ मूढाण, रत्तिसोहिक्कर पय ॥ २९ ॥
 आमणे उवचिट्ठेज्जा, अणुत्थे अकुए थिरे । अप्पुट्ठाई निस्सुट्ठाई, निसीण्णज्जप्पवुक्कुए ॥ ३० ॥
 कालेण निमत्तमे भिक्खू, कालेण य पडिक्कमे । अकाल च विवज्जित्ता, काळे काल समायरे ॥ ३१ ॥
 परिआडीए न चिट्ठेज्जा, भिक्खू दत्तेसण चरे । पडिरुवेण एसित्ता, मिय काठेण भक्कए ॥ ३२ ॥
 नाइदूरमणासन्ने, नाऽन्नेसि चक्खुफासओ । एगो चिट्ठेज भचट्ठा, लघित्ता त नाऽडक्कमे ॥ ३३ ॥
 नाइउत्ते न नीए वा, नामन्ने नाइदूरओ । फासुय परकड पिण्ड, पडिगाहेज्ज सजए ॥ ३४ ॥
 अप्पपाणेऽण्वीयम्मि, पडिल्लन्नम्मि सवुड । समय सजए भुजे, जय अपरिसाडिय ॥ ३५ ॥
 सुकडित्ति सुपक्खित्ति, सुच्छिन्ने सुहडे मडे । सुणिट्ठिए मूलदित्ति, सावज्ज वज्जए मृणी ॥ ३६ ॥
 रमए पण्डिए सास, इय भद्द व वाहए । बाल सम्मड सासतो, गलियस्स व वाहए ॥ ३७ ॥
 रुद्धया मे चवेडा मे, अकोसा य वहा य मे । कल्लणमणुसामतो, पावदिट्ठित्ति मन्नई ॥ ३८ ॥
 पुत्तो मे भाय नाइ त्ति, साह कल्लण मन्नई । पावदिट्ठि उ अप्पाण, साम दासु त्ति मन्नई ॥ ३९ ॥
 न कोवए जायरिय, अप्पाणपि न कोवए । बुद्धोवघाई न सिया, न सिया तोत्तगोसए ॥ ४० ॥
 आयरिय वुचिय नचा, पत्तिएण पसायए । विज्जणज्ज पजलीउडो, वएज्ज न पुणोत्ति य ॥ ४१ ॥
 धम्मज्जिय च ववहार, बुद्धेहायरिय सया । तमायगन्तो ववहार, गरह नाभिगच्छई ॥ ४२ ॥
 मणोगय वक्कय, जाणित्तायरियस्म उ । त परिगिज्ज वायाए, कम्म्युणा उववायए ॥ ४३ ॥
 वित्ते अचोडए निच, गिप्प हइ सुचोडए । जहोवड्ड सुक्कय, किच्चाइ कुप्पई सया ॥ ४४ ॥
 नचा नमइ मेहावी, लोए त्ति सी से जायए । हनई किच्चाण सरण, भूयाण जगई जहा ॥ ४५ ॥
 पुज्जा जस्म ण्णीयन्ति, सपुद्धा पुव्वसथुया । पमना लाभइस्सत्ति, विउल अट्ठिय सुय ॥ ४६ ॥
 स पुज्जमत्थे सुविणीयससण, मणोरुई चिट्ठड कम्मसपया ।
 तवोममायारिममाहिसवुड, महज्जुई पच वयाइ पालिया ॥ ४७ ॥
 स देवगध्वमणुस्सपूइए, चइत्तु दह मलपक्कपुव्वय ।
 सिद्धे ना हइ सामए दवे वा अप्परए महिइट्ठीए ॥ ४८ ॥

त्ति वेन्नि ॥ इअ विणयसुय नाम पढम अज्झयण ममत्त ॥

॥ अह दुडअ परिसहज्जयण ॥

सुय मे आउस-तेण भगवया एमकवाय । इह खलु बावीस परीसहा समणेण भगवया महावीरेण कामवेण पेडया । जे भिक्खू मोचा नचा जिच्चा अभिभूय भिक्खुयारियाए परिव्वयन्तो पुट्ठो नो निण्हवेज्जा ॥ कयं ते खलु बावीस परीमहा समणेण भगवया महावीरेण कासवेण पवेडया जे भिक्खू मोचा नचा जिच्चा अभिभूय भिक्खुयारियाए परि उयतो पुट्ठो नो निण्हवेज्जा ? ॥ इमे ते खलु बावीस परीसहा समणेण भगवया महावीरेण फासण पेडया, जे भिक्खू सोचा नचा जिच्चा अभिभूय भिक्खुयारियाए परिव्वयन्तो पुट्ठो नो निण्हवेज्जा, तजहा-दिगिछापरीसहे १ पिवा सापरीमह २ सीयपरीमह ३ उसिणपरीमह ४ टममयपरोमह ५ अचेलपरीमह ६ अरइपरीसहे ७ इत्थीपरीमहे ८ चरियापरीमह ९ निमीहियापरीमह १० सेजापरांमहे ११ जकोसपरीसहे १२ वहपरीमहे १३ जायणापरीसह १४ अलाभपरीसहे १५ रोगपरीमह १६ तणफामपरीसहे १७ जल्लपरीसहे १८ सक्कारपुक्कारपरीसह १९ पन्नापरीमहे २० अन्नाणपरीसह २१ टमणपरीमह २२ ॥

परीमहाण पविभत्ती, फासणेण पेडया । त मे उदाहरिस्सामि, आणुपुब्बि सुणेह मे ॥ १ ॥ दिगिछापारिगए देहे, तजस्सी भिक्खू थामर । न छिंद न उिदानए, न पए न पयाणए ॥ २ ॥ कालीपव्वगमफासे फिसे वमणिसतए । मायन्ने असणपाणस्स, अदीणमणसो चरे ॥ ३ ॥ तओ पुट्ठो पिगामाए, दोगुच्छी लज्जसजण । सीओदग न सेविज्जा, विघटस्सेमण चरे ॥ ४ ॥ छिन्नावाएसु पवेसु, जाउरे सुपियामिए । परिसुम्बमुहाज्जदीणे, त तितिकखे परीमह ॥ ५ ॥ चरत विरय ट्ठ, मीय फुमइ एगया । नाइवेल मुणी गन्डे, सोच्चाण जिणसामण ॥ ६ ॥ न मे निराण अत्थि, उवित्ताण न जिज्जट्ठे । जह तु अग्गि सगामि, इड भिक्खू न चितए ॥ ७ ॥ उसिण परियाणेण, परिदाहण तज्जिण । घिसु वा परियाणेण, माय नो परिदेवए ॥ ८ ॥ उण्हाहितत्ते मेहावी, सिणाण नो वि पथए । गाय नो परिमिचेज्जा न गीएज्जा य अप्पय ॥ ९ ॥ पुट्ठो य दममसण्हि, ममरे व महामुणी । नामो सगाममीसे वा, खरो अभिहणे पर ॥ १० ॥ न सतसे न वागेज्जा, मण पि न पओमए । उरेहे न हणे पाणे, भुज्जते मससोणिय ॥ ११ ॥ परिजुण्णेहि वत्थेहि, होक्खामि त्ति अचेलए । जदुग्गा सचेले होक्खामि इ भिक्खू न चितए ॥ १२ ॥ एगयाज्जेलए होड, मचेले आवि एगया । एय धम्म हिय नच्चा, नाणी नो परिदेवए ॥ १३ ॥ गामाणुगाम रीयत, अणगार अकिंचण । अरई अणुप्पेसेज्जा, त तितिकखे परीसह ॥ १४ ॥ अरइ पिट्ठो अक्किचा, विरए आयरक्खिए । धम्मारांमे निरांरम्मे, उरसत्ते मुणी चरे ॥ १५ ॥ सङ्को एम मणूसाण, जाओ लोगम्मि इत्थिओ । जस्म एया परिन्नाया, सुकड तस्म सामण्य ॥ १६ ॥ एयमादाय मेहावी, पङ्कभूया उ इत्थिओ । नो ताहिं विणिहम्मेज्जा, चरेज्जचगगसेए ॥ १७ ॥ एग एव चरे लाडे, अभिभूय परीमहे । गामे वा नगरे वावि, निगमे वा रायहाणिए ॥ १८ ॥ असमाणे चरे भिक्खू, नेव बुज्जा परिग्गह । अससत्ते गिहत्थेहिं, अणिएओ परिव्वए ॥ १९ ॥ सुमाणे सुन्नगारे वा, रक्खमूले व एगओ । अहुक्खुओ निसीएज्जा, न य वित्तासए पर ॥ २० ॥

तत्थ से चिट्ठपाणस्स, उवसग्गाभिधारण । सकाभीओ न गच्छेज्जा, उट्ठिता अन्नयासण ॥ २१ ॥
 उचावयाहिं सेज्जाहिं, तवस्सी भिक्खू थामव । नाइवेल विहम्मैज्जा, पावदिट्ठी विहम्मई ॥ २२ ॥
 पइरिक्कुणस्सय लब्धु, कल्लणमदुवा पायय । किमेगराइ करिस्सइ, एव तत्थऽहियासए ॥ २३ ॥
 अंकोसेज्जा परे भिक्खु, न तेसिं पडिसज्जे । सरिमो होइ चालाण, तम्हा भिक्खू न सज्जे ॥ २४ ॥
 सोच्चाण करुसा भासा, दाएणा गामकण्टया । तुसिणीओ उवेहेज्जा, न ताओ मणसीकरे ॥ २५ ॥
 इओ न सज्जे भिक्खू, मणपि न पओसए । तितिकए परम नच्चा, भिक्खू धम्म समायरे ॥ २६ ॥
 समण सजय दत्त, हणिज्जा कोइ कथई । नत्थि जीयस्स नासुत्ति, एव पेहेज्ज सजए ॥ २७ ॥
 दुक्कर खलु भो निच्च, अणगारस्स भिक्खुणो । सव्व से जाइय होइ, नत्थि किंचि अजाइय ॥ २८ ॥
 गीयरग्गपनिट्ठस्स, पाणी नो सुप्पसारए । सुओ अगारवासुत्ति, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ २९ ॥
 परेसु घासमेसज्जा, भोयणे परिणिट्ठिए । ळद्धे पिण्ठे अलद्धे वा, नाणुतप्पेज्ज पडिए ॥ ३० ॥
 अज्जेवाह न ल-भामि, अत्रिळाभो सुए सिया । जो एव पडिसच्चिक्खे, अलाभो तन तज्जए ॥ ३१ ॥
 नच्चा उप्पइय दुक्कए, वेयणाए दुइट्ठिए । अदीणो थानए पन्न, पुट्ठो तत्थऽहियासए ॥ ३२ ॥
 तेइ-उ नाभिनदेज्जा सच्चिकएत्तगवेसए । एव खु तस्स सामण्ण, ज न कुज्जा न कारवे ॥ ३३ ॥
 अवेलगास्स लुइस्स, सत्तयस्स तत्तस्सिणो । तणेसु सयमाणस्स, हुज्जा गायविराहणा ॥ ३४ ॥
 आयनस्स निजाएण, अउला हवइ वेयणा । एव नच्चा न सेवति, ततुज तणतज्जिया ॥ ३५ ॥
 किलिन्नगाए मेहावी, पक्केण व रएण वा । धिसु वा परियावेण, साय नो परिदेवए ॥ ३६ ॥
 वेणज्ज निज्जरापेही, आरिय धम्मणुत्तर । जान सरीरमेउत्ति, जल्ल काण्ण धारण ॥ ३७ ॥
 अभिजायणमन्धुट्ठाण, सामी कुज्जा निमतण । जे ताइ पडिसवन्ति, न तेसिं पीहए म्मुणी ॥ ३८ ॥
 अणुक्कसार् अप्पिच्छे, अनाण्मी अलोलुण । रसेसु नाणुगिज्जेज्जा, नाणुतप्पेज्ज पन्न ॥ ३९ ॥
 से नूण मए पुव्व, रम्माऽणाणफला कडा । जेणाह नाभिजाणामि, पुट्ठो केणऽ कण्हुई ॥ ४० ॥
 अह पन्ठा उइज्जन्ति, कम्माऽणाणफला कडा । एवमस्सासि अप्पाण, नच्चा कम्मविवागय ॥ ४१ ॥
 निरट्ठगाम्मि निरओ, मेहुणाओ सुसवुडो । जो सकए नाभिजाणामि, धम्म कल्लणपावग ॥ ४२ ॥
 तवोवहाणमादाय, पडिम पडिनज्जओ । एव पि विहरओ मे, छउम न नियट्ठई ॥ ४३ ॥
 नत्थि नूण परे लोए, इइट्ठी वानि तवस्सिणो । अत्वा वच्चिओमित्ति, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ ४४ ॥
 अभू जिणा अत्थि जिणा, अदुवावि भविस्सई । सुस ते एनमाहसु, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ ४५ ॥
 एण परीसहा सव्व कासवेण निवइया । जे भिक्खू न विहम्मैज्जा, पुट्ठो केणऽ कण्हुई ॥ ४६ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ दुइअ परिसहज्जयण समत्त ॥ २ ॥

॥ अह तइअ चाउरगिज्ज अज्झयण ॥

चत्तारि परमगाणि दुल्लहाणीह जतुणो । माणुसत्त सुइ सद्धा, सजमम्मि य वीरिय ॥ १ ॥
 समावन्नाण ससारे, नाणागोत्तासु जाइसु । कम्मा नाणाविहा कट्टु, पुढो विस्सभिया पया ॥ २ ॥
 एगया देवलोएसु, नरएसु वि एगया । एगया आसुर काय, अहाकम्मेहिं गच्छई ॥ ३ ॥
 एगया सत्तिओ होइ, तओ चण्डालोक्का । तओकीडपयगो य, तओ हुन्नुपिमासिया ॥ ४ ॥
 एवमाउज्जोणीसु, पाणिणो कम्मविणिसा । न निविज्जन्ति ससारे, सच्चट्टेसु व खत्तिया ॥ ५ ॥
 कम्मसगोहिं सम्मूढा, दुक्खिया उहुवेयणा । अमाणुमासु जोणीसु, विणिहम्मन्ति पाणिणो ॥ ६ ॥
 कम्माण तु पहाणाए, आणुपुव्वी कयाट उ । जीमा सोहिमणुपत्ता, आययति मणुससय ॥ ७ ॥
 माणुसस विग्गह लद्धु, सुई वम्मस्स दल्लहा । ज सोच्चा पडिक्खिं त, तत्र सतिमहिंसय ॥ ८ ॥
 आहच्च सण लद्धु, सद्धा परमदुल्लहा । सोच्चा नेआउय मग्ग, बहवे परिभस्सई ॥ ९ ॥
 सुइ च लद्धु सद्ध च, वीरिय पुण दुल्लह । उद्वे रोयमाणानि, नो य ण पडिपज्जण ॥ १० ॥
 माणुसत्तमि आयाओ, जो धम्म सुच महहे । तपस्सी वीरिय लद्धु, सवुढे निधुणे रय ॥ ११ ॥
 सोही उज्ज्वय भूयस्स, धम्मो सुद्धस्म चिट्ठई । निव्वाण परम जाइ, वयसिच्चिव्व पाणए ॥ १२ ॥
 विगिच कम्मणो हेउ, जस सच्चिणु सतिए । मरीर पाढव हिच्चा, उट्टु पक्कमए दिस ॥ १३ ॥
 विसालमेहिं सीलेहि, जक्का उत्तरउत्तरा । महासुक्का व दिप्पता, मन्नाता जपुणचय ॥ १४ ॥
 अप्पिया देवकामाण, कामरूपविउत्तिणो । उट्टु रूपेसु चिट्ठति, पुव्वावाममया बहु ॥ १५ ॥
 तत्थ ठिच्चा जहाठाण, जक्का आउक्खये चुया । उप्पेति माणुस जोणिं, से दसगोभिनायए ॥ १६ ॥
 सित्त वत्थु हिरण्ण च, पमनो दासपोरस । चत्तारि कामसधाणि । तत्थ से उववज्जइ ॥ १७ ॥
 मित्त नान्न होइ, उच्चागोए य ण्णण । जप्पायके मत्तापत्ते, अभिनाए जमो उले ॥ १८ ॥
 सुच्चा माणुसए भोए, अप्पटिरूवे अहाउय । पुब्ब विसुद्धसद्धम्मे, केवल मोहिनुज्झिया ॥ १९ ॥
 चउरग दुल्लह नच्चा, सन्नम पडिगज्झिया । तत्रमा धुयस्स से, सिद्धे हउइ सामए ॥ २० ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ तृतीय परिज्जयण समत्त ॥

॥ अह चतुर्थ अससय अज्झयण ॥

अससय जीविय मा पमायए, जरोरणीयस्म हु नत्ति ताण ।
 एउ वियाणाहि जणे पमत्ते ऋणु विहिंमा अनिया गिहिति ॥ १ ॥
 जे पाणकम्महिं ण मणूमा, ममाययती अमट गणाय ।
 पहाय त पामपयट्टिए नर, वराणुपद्धा नगय उतिंति ॥ २ ॥
 तेणे जहा सधिसुह गहीए, मन्म्मण्णा विच्चड पाणकारी ।
 एउ पया पेच इह च लोण, कडाण कम्माण न सुक्खु अत्थि ॥ ३ ॥

ससारमावन्न परस्स अद्वा, साहारण ज च करेइ कम्म ।
 कम्मस्स ते तस्म उवेयकाले, न चधवा चधवय उर्विति ॥ ४ ॥
 विचेण ताण न लभे पमत्ते, इममि लोए अदुवा परत्थ ।
 दीवप्पणट्ठेव अणतमोहे, नेयाउय दहुमदहुमेव ॥ ५ ॥
 सुत्तेसुआवी पडिबुद्धजीवी, न वीससे पडिय आसुपण्णे ।
 घोरा महुत्ता अधल सरीर, भारडपक्खीर चरप्पमत्तो ॥ ६ ॥
 चरे पयाइ परिसकमाणो, ज किंचि पास इह मन्नमाणो ।
 लाभतरे जीवियवूहइत्ता, पच्छा परिन्नाय मलानधसी ॥ ७ ॥
 छदनिरोहेण उवेइ मोक्ख, आसे जहा सिक्खियवम्मधारी ।
 पुब्वाइ वासाइ चरप्पमत्तो, तम्हा मुणी रिप्पमुवेइ मुक्ख ॥ ८ ॥
 स पुच्चमेव न लभेज्ज पच्छा, एमोवमा सासउवाइयाण ।
 विमीदई सिट्ठिले आउयम्मि, कालोवणीए सरीरस्म भेए ॥ ९ ॥
 रिप्प न सक्केइ विवगमेउ, तम्हा समुट्ठाय पहाय कामे ।
 समिच्च लोय समया महेसी, आयाणुरक्खी चरमप्पमत्ते ॥ १० ॥
 मुहु मुहु मोहगुणे जय त, अणेगरूपा समण चरन्त ।
 फामा फुसती अममजस च, न तेसि भिक्खू मणसा पउस्से ॥ ११ ॥
 मन्दा य फामावहूलोहणिज्जा, तहप्पगारेसु मण न बुज्जा ।
 रक्खिज्ज कीह विणएज्ज माण, माय न सेवेज्ज पयहेज्ज लोह ॥ १२ ॥
 जेस्ससया तुच्छपरप्पयाइ ते पिज्जदोमाणुगया परब्भा ।
 एए अहम्मे त्ति दुगुलमाणो, कखे गुणे जाण सरीरभेउ ॥ १३ ॥
 त्ति चेन्नि ॥ इअ असखय चउत्त अज्झयण समत्त ॥

॥ अह अकाममरणिज्ज पञ्चम अज्झयण ॥

अण्णवसि महोहसि एगे तिण्णे ऱरुत्तर । तत्थ एगे महापन्ने, इम पण्हमुदाहरे ॥ १ ॥
 सन्तिमे य दुवे ठाणा, अक्खाया मरणन्तिया । अकाममरण चेव, सकाममरण तथा ॥ २ ॥
 बालाण तु अकाम तु, मरण असइ भवे । पण्डियाण सफाम तु, उक्कोसेण सड भवे ॥ ३ ॥
 तत्थिम पढम ठाण, महापेस्सण दसिय । कामगिद्धे जहा बाले, मिस कुराइ बुव्वई ॥ ४ ॥
 जे गिद्धे काममोगेसु, एगे कूडाय गच्छइ । न मे दिट्ठे परे लोए, चक्खुदिट्ठा इमा रइ ॥ ५ ॥
 हत्थागया इमे कामा, नालिया ने अणागया । को जाण परे लोए, अत्थि वा नत्थि या पुणो ॥ ६ ॥
 जणेण सद्धि होत्तामि इड बाले पगम्भइ । कामभोगाणुराएण, कस सपडिउज्जइ ॥ ७ ॥
 तओ से दण्ड समारभइ, तसेसु यारसेसु य । अट्ठाए य अणट्ठाए, भुयगाम विहिर्मई ॥ ८ ॥
 हिंसे बाले सुमायाइ, माइहे पिसुणे मडे । भुनमाणे सुर भम, सेयमेय ति मन्ई ॥ ९ ॥

कायसा वयमा मत्ते, वित्ते गिद्धे य इत्थिसु। दुडओ मल सचिण्ड, सिमुणाशु व्य मट्टिय ॥ १० ॥
 तओ पुट्टो आयक्रेण, गिलाणो परितप्पई। पमीओ परओगस्म, कम्माणुप्पेहि अप्पणो ॥ ११ ॥
 मुया मे नरण्ठाणा, अमीलाण च जा गट्टं। बालाण कुरक्कमाण, पगाढा जत्थ वेयणा ॥ १२ ॥
 तत्थोपनाडय ठाण, जहा मेयमणुस्सुय। जाहारुम्मेहिं गच्छन्तो, सो पन्डा परितप्पई ॥ १३ ॥
 जहा मागडिओ जाण, मम हिच्चा महापह। विमम मग जोटण्णो अक्खे भग्गम्मि सोयड ॥ १४ ॥
 एव घम्म विउक्कम्म, जहम्म पडिउज्जिया। बाले मन्चुमुह पत्ते, अक्खे भग्ग व सोयई ॥ १५ ॥
 तओ म मरणत्तम्मि, बाले सत्तमई भया। अक्काममरण मरई, पुत्ते व कलिणा निए ॥ १६ ॥
 एय अक्काममरण, बालाण तु पवेडय। एत्तो सकाममरण, पण्डियाण सुणेह मे ॥ १७ ॥
 मरण पि सपुण्णाण, जहा मेयमणुस्सुय। विप्पमण्णमणाघाय, सजयाण वुत्तीमजो ॥ १८ ॥
 न इम मव्वेसु भिक्खुसु, न इम सव्वेसु गाविसु। नाणासीला जगारत्था, विममसीला य भिक्खवूणो ॥ १९ ॥
 सन्ति एगेहिं भिक्खव्हिं, गारत्था सजमुत्तरा। गारत्थेहिं य सव्वेहिं, साहरो सजमुत्तरा ॥ २० ॥
 चीराज्जिण नगिणिण, जडी सघाट्टिमुण्ठिण। एयाणि वि न तायन्ति, दुस्सील परियागय ॥ २१ ॥
 पिडोल ण्व दुस्सीले, नरगाजो न मुच्चई। भिक्खुसाए ना गिहत्थे वा, सुव्वए कम्मई दिव ॥ २२ ॥
 अगारिमामाडयगाणि, मट्टी काण्ण फामए। पोमह दुडओ पत्त, एगाराय न हानए ॥ २३ ॥
 एव सिक्खाममान्ने, गिहिनासे वि सु-ए। मुच्चई उविपच्चाओ, गच्छे जम्मतमलोगय ॥ २४ ॥
 अह जे सटुडं भिक्खू, दोण्ह जन्नयरे सिया। म-ए दुक्खपहीणे वा, देवे वावि महिद्धीण ॥ २५ ॥
 उत्तराड विमोहाड, जुईमन्ताणुप्पमो। ममाडण्णाड जक्खोहिं, आनासाइ अससिणो ॥ २६ ॥
 दीहाउया इड्डीमन्ता, समिद्धा नामरुविणो। अट्टणोपनन्नसन्नामा, भुज्जो अच्चिमलिप्पभा ॥ २७ ॥
 ताणि ठाणाणि गच्छन्ति, सिन्निस्सत्ता सनम तए।
 भिक्खुसागे वा गिहत्थे वा, जे सन्ति पडिनिव्जुडा ॥ २८ ॥
 तेसिं मोच्चा मपुज्जाण, मजयाण वुत्तीमओ। न सतसति मरणत, सीलउन्ता बह्मुसुया ॥ २९ ॥
 तुलिया विसेममादाय, दयाधम्मम्म सन्तिए। विप्पसीएज्ज मेहानी, तहाभूएण जप्पणा ॥ ३० ॥
 तओ काले जभिप्पए, सड्ढी तालिममन्तिए। विणएज्ज लोमहरिम, भेय देहस्म कव्वए ॥ ३१ ॥
 जह मालम्मि सपत्ते, जाघायाय सपुम्मय। मन्नाममरण मरई तिण्हमन्नयर मुणी ॥ ३२ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ अक्काममरणिज्ज पचम अज्झयण समत्त ॥ ५ ॥

॥ अह सुद्धागनियट्टिज्ज छट्ट अज्झयण ॥

जावन्तविज्जापुरिमा म-वे ते दुक्खमभवा। लुप्पन्ति नट्टसो मूढा, समाग्गम्मि अणत्तए ॥ १ ॥
 समिस्स पण्डए तम्हा, पामनाई पडे न्ह। जप्पणा मच्चमेसेज्जा, मेत्ति भूण्णु रूपए ॥ २ ॥
 माया पियान्ठभा भाया, भज्जा पुचा य जोरसा। नाल ते मम ताणाण, लुप्पतस्म सक्खमुणा ॥ ३ ॥
 एयमट्ट मपेहाण, पामे समियदमणे। छिन्द गेद्धि सिणेह च, न क्खे पुव्वमट्टुय ॥ ४ ॥
 गणास मणिक्खण्डल, पमनो दासपोरुम। सव्वमेय चइत्ताण नामनी भविम्मसि ॥ ५ ॥

अज्ज्ञत्थ सञ्चओ सञ्च, दिस्स पाणे पियायण । न हणे पाणिणो पाणे, भयवेराओ उवरए ॥ ६ ॥
 आदाण नरथ दिस्स, नायएज्ज तणामवि । दोगुञ्छी अप्पणो पाए, दिक्क भुजेज्ज भोयण ॥ ७ ॥
 इहमेगे उ मन्नन्ति, अपच्चकप्पाय पावग । आयरिय विदित्ताण, सञ्चदुक्खाण भुच्चए ॥ ८ ॥
 भणता अकरेन्ता य, बन्धमोक्खपइण्णिणो । चायाविरियमेत्तेण, समासासेन्ति अप्पय ॥ ९ ॥
 न चित्तातायए भासा, कुओ विज्जाणुसासण । विसन्ना पात्रम्महेहिं, बाला पडियमाणिणो ॥ १० ॥
 जे केइ सरीरे सत्ता, चण्णे रुवे य सञ्चसो । मणसा ऱायक्केण, सञ्चे ते दुक्खसम्भया ॥ ११ ॥
 आवन्ना दीहमद्दाण, ससारम्मि अण तए । तम्हा सञ्चदिस पस्स, अप्पमत्तो परिव्वए ॥ १२ ॥
 बहिया उड्ढमादाय, नावक्खे क्याइ वि । पुव्वकम्मक्खयट्ठाए, इम देह समुद्धर ॥ १३ ॥
 विविच्च मम्मणो हेउ कालक्खी परिव्वए । माय पिंडस्स पाणस्स, कड लद्धण भक्खए ॥ १४ ॥
 सन्निहिं च न कुव्वेज्जा, लेवमायए सजए । पक्खीपत्त समादाय, निरेक्खो परिव्वए ॥ १५ ॥
 एसणासमिओ लज्ज, गामे अणियओ चरे । अप्पमत्तो पमत्तेहिं, पिण्डवाय गवेसए ॥ १६ ॥
 एव से उदाहु अणुत्तरनाणी अणुत्तरदसी अणुत्तरनाणदसणधरे अरहा नायपुत्ते भग्न वेमालिए वियालिए

इअ खुद्धागनियठिज्ज छट्ठ अज्ज्ञयण समत्त ॥ ६ ॥

॥ अह एलय सत्तम अज्ज्ञयण ॥

जहाएस समुद्दिस्स, कोइ पोसेज्ज एलय । ओयण जस देज्जा, पोसेज्जावि सयङ्गणे ॥ १ ॥
 तओ से पुट्टे परिव्वूटे, जायमेए महोदरे । पीणिए विउले देहे, आएस परिक्रए ॥ २ ॥
 जाव न एइ आएसे, तात्र जीवइ सो दुही । अह पतम्मि जाएसे, सीस छेत्तूण भुज्जई ॥ ३ ॥
 जहा से खल्ल उरब्भे, थाएसाए समीहिए । एत्र वाले अहम्मिडे, ईहर्द नरयाउय ॥ ४ ॥
 हिंसे वाले सुसावाइ, अद्दाणसि विलोक्कए । अन्नदत्तहरे तेणे, माई व नु हरे सटे ॥ ५ ॥
 इत्थीत्रिसयगिद्धे य, महारभपरिग्गहे । भुजमाणे सुर मस, परिव्वूटे परदमे ॥ ६ ॥
 अयक्करभोई य, तुडिछे चियलोहिए । आउय नरए करे, जहाए न एलए ॥ ७ ॥
 आसण सयण जाण, वित्त कामे य भुज्जिया । दुस्साहट धण हिच्चा, बहु सच्चिणिया रय ॥ ८ ॥
 तओ कम्मगुरू जतू, पच्चुप्पनपरायणे । अए वत्र आगयाएसे मरणतम्मि सोयई ॥ ९ ॥
 तओ आउपरिक्रणीणे, चुया दहा विहिंसगा । आसुरीय दित्त बाला, गउन्ति जससा तम ॥ १० ॥
 जन्ना कागिणिए इउ, सहस्स हारण नरो । अपच्छ अम्भग भोच्चा, राया रज्ज तु हारए ॥ ११ ॥
 एव माणुस्सगा कामा, देवत्तामाण अन्तिए । सहस्सगुणिया भुज्जो, आउ कामा य दिच्चिया ॥ १२ ॥
 अणेगनासानउया, जा सा पन्नओ ठिई । जाणि जीयन्ति दुम्महा, ऊणनासमयाउए ॥ १३ ॥
 जहा य तिन्निवाणिया, मूल धेत्तूण निग्गया । एगोऽत्थ लई लाभ एगो मूलेण आगओ ॥ १४ ॥
 एगो मूल पि हारिच्चा, आगओ तत्थ वाणिओ । ववहारे जन्मा एमा, एव धम्मे वियाणह ॥ १५ ॥
 माणुसत्त भवे मूल, लाभो दवगई भव । मूलच्छेएण जीमाण नरगतिरिक्खत्तण धुव ॥ १६ ॥
 दुहओ गई चालस्स, आनई वहम्मलिया । देवत्त माणुसत्त च, ज निए लोलासटे ॥ १७ ॥

तत्रो जिए सह होइ, दुविह दोगगड गए । दुहुदा तस्त उम्मग्गा, अद्दाए सुइरादवि ॥ १८ ॥
 एव जिय सपेदाए, तुल्लिया त्राल च पण्डिय । मूलिय ते पवेमन्ति, माणुसिं जोणिमेन्ति जे ॥ १९ ॥
 वेमायाहिं सिक्खाहिं, जे नरा गिहिसुव्वया । उवेन्ति माणुम जोणिं, कम्मसत्ता हु पाणिणो ॥ २० ॥
 जेमिं तु निउला सिक्खा, मूलिय ते अइन्डिया । सीलपन्ता सनीसेमा, अदीणा जन्ति देवय ॥ २१ ॥
 एउमदीणव भिक्खु, आगारिं च रियाणिया । ऋण्णु निच्चमेलिस्सु, जिच्चमाणे न सविडे ॥ २२ ॥
 जहा कुसग्गे उदगा, समुहेण मम मिणे । एउ माणुस्सगा कामा, देवकामाण अतिए ॥ २३ ॥
 कुसग्गमेत्ता इमे कामा, सन्निट्ठम्मि आउए । कम्म इउ पुराणउ, जोगक्खेम न सविडे ॥ २४ ॥
 इह कामाणियट्ठस्म, अत्तट्ठे अउरज्जट । सोच्चा नेयाउय मग्गा, ज भुज्जो परिमस्सई ॥ २५ ॥
 इह कामाणियट्ठस्स, अत्तट्ठे नाउरज्जई । पट्ठेहनिरोहण, भवे देवि त्ति मे सुय ॥ २६ ॥
 इह्दी जुई जस्सो वण्णो, आउ सुहमणुत्तर । भुज्जो जत्थ मणुस्सेसु, तत्थ से उववज्जई ॥ २७ ॥
 बालस्स पस्स बालत्त, जहम्म पडिउज्जिया । चिच्चा धम्म अहम्मिडे, नए उउवज्जई ॥ २८ ॥
 धीरस्स पस्स धीरत्त मच्चवमाणुत्तिणो । चिच्चा जपम्म वम्मिडे, देवेसु उउवज्जई ॥ २९ ॥
 तुलियाण बालभान, अत्राल चेउ पटिण । चइऊण बालभान, अत्राल सेउई सुणि ॥ ३० ॥
 त्ति वेमि ॥ उअ गलय-उज्जयण ममत्त ॥ ७ ॥

॥ अह काविलिय अट्टम अज्जयण ॥

अनुवे जमामयम्मि, समारम्मि दुक्खपउराण ।
 कि नाम होज्जत कम्मय जेणा दोगगड न गन्हेज्जा ॥ १ ॥
 विजहित्तु पुव्वमज्जोय, न सिणेह ऋहिचि कुव्वेज्जा ।
 असिणेहसिणेहऋहेहिं, दोमपओमहि मुच्चए भिक्खू ॥ २ ॥
 तो नाणदमणममग्गो, हियनिम्सेसाय मच्चजीराण ।
 तेमिं निमोस्सणट्ठाए, भाउटं मुणिररो विगयमोहे ॥ ३ ॥
 स उ गय ऋह च, निप्पज्जह तहाविह भिक्खू ।
 मन्नु नामनाएसु, पाममाणो न लिप्पई ताटं ॥ ४ ॥
 भोगामिमटोमनिमत्त, हियनिम्सेयसपुद्धिरोच्चत्थ ।
 बाळे य मन्टिण्ण मूट्ठे, उज्जट मण्डिया उ येलम्मि ॥ ५ ॥
 दुप्परिचया इमे कामा, नो सुचहा अरीरपुरीमेहिं ।
 अह मन्ति मुच्चया माह जे तरन्ति अतर रणिया उ ॥ ६ ॥
 समणासु एगे वयमाणा, पाणउह मिया अयाणन्ता ।
 मन्ना निरय गच्छन्ति, बाला पाणियाहिं टिट्ठीहिं ॥ ७ ॥
 न हु पाणउह अणुत्ताणे, मुच्चेज्ज मयाद मच्चदुक्खाण ।
 एवारिणहिं असमाय, जेहिं म्मो साउपम्मो पत्तत्तो ॥ ८ ॥

पाणे य नाह्वाएज्जा, से समीहं चि बुच्चईं ताई ।
 तओ से पावय कम्म, निज्जाइ उदग व थलाओ ॥ ९ ॥
 जगनिस्सिएहिं भूएहिं, तसनामेहिं वावरेहिं च ।
 नो तंसिमारभे दड, मणसा वायसा कायसा चेव ॥ १० ॥
 सुद्धेसणाओ नच्चाण, तत्थ ठवेज्ज भिक्खु अप्पाण ।
 जायाए घासमेसेज्जा, रसगिद्धे न सिया भिक्खाए ॥ ११ ॥
 पत्ताणि चेव सेवेज्जा, सीयपिंड पुराणकुम्मास ।
 अट्ट वकस पुलग वा, जणट्टाए निवेसए मट्टु ॥ १२ ॥
 जे लक्खण च सुविण, अङ्गविज्ज च जे पवज्जन्ति ।
 न हु ते समणा वूचन्ति, एव आयरिएहिं अक्खाय ॥ १३ ॥
 इहजीविय अणियमेत्ता, यभट्टा समाहिजोएहिं ।
 ते कामभोगरसगिद्धा, उववज्जन्ति आसुरे काए ॥ १४ ॥
 तत्तो वि य उव्वट्टित्ता, ससार बहु अणुपरियडन्ति ।
 बहुकम्मलेवलित्ताण, बोही होइ सुट्टुछदा तेसिं ॥ १५ ॥
 कसिणपि जो इम लोय, पडिपुण्ण टलेज्ज इक्खस ।
 तेणावि से न सतुस्से, इइ दुप्पूरए इमे आया ॥ १६ ॥
 जहा लाहो तहा लोहो, लाहा लोहो पवद्धइ ।
 दोमासक्य कज्ज, कोडीए वि न निट्ठिय ॥ १७ ॥
 नो खएसीसु गिञ्जेज्जा, गडवच्छासु ऽणोमचित्तासु ।
 जाओ पुरिस पलोमिच्चा, खेच्छन्ति जहा व दासेहिं ॥ १९ ॥
 नारीसु नोवगिञ्जेज्जा, इत्थी विप्पजहे अणागारे ।
 धम्म च पेमल नच्चा, तत्थ ठवेज्ज भिक्खु अप्पाण ॥ १९ ॥
 इअ एस धम्मे अक्खाए कविलेण च विमुद्धपन्नेण ।
 तरिहिनति जे उ काहिनति, तेहिं आराहिया दुवे लोग ॥ २० ॥
 च्चि वेमि ॥ इअ काविलीय अट्टम अज्झयण समत्त ॥ ८ ॥

॥ अह नम नमिपठ्वज्जा अज्झयण ॥

चइऊण देवलोगाओ, उवव नो माणुमम्मि लोगम्मि । उवमन्तमोहणिज्जो, सरइ पोरणिय जाइ ॥ १ ॥
 जाइ सरिच्चु भयन, महसउद्धो अणुत्तरे धम्मे । पुत्त ठवेत्तु रज्ज, अभिणिकएमईं नमी राया ॥ २ ॥
 से देवलोगसरिस, अन्तेउरवरगओ वरे भोए । भुजिच्चु नमी राया, बुद्धो भोगे परिच्चयईं ॥ ३ ॥
 मिहिल सपुरजणयय, बलमारोह च परियण सव्वा चिच्चा अभिनिएन्तो एगं तमहिदट्ठीओ भयव ॥ ४ ॥
 कोलाहलगसभूय, आसी मिहिलाए पव्वयन्तम्मि । तइया रायरिसिम्मि, नमिम्मि अभिणिकखमतम्मि ॥ ५ ॥

अञ्चुड्डिय रायरिसि, पव्वज्जाठाणमुत्तम । सक्को माहणस्वेषण, इम वयणमन्ववी ॥ ६ ॥
 किण्णु भो अज्ज मिहिला, कोलाहलगसकुला । सुव्वन्ति दारुणा सदा, पासाएसु गिहेसु य ॥ ७ ॥
 एयमट्ट निसामित्ता, हेउकारणचोइओ । तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमन्ववी ॥ ८ ॥
 मिहिलाए चेडए वन्ठे, सीयच्छाण मणोरमे । पत्तपुप्फफलोदेष, बहूण वहुगुणे सया ॥ ९ ॥
 वाएण हीरमाणम्मि, चेडयम्मि मणोरमे । दुहिया जसरणा अत्ता, एए वन्दन्ति भो खगा ॥ १० ॥
 एयमट्ट निसामित्ता, हेउकारणचोइओ । तओ नमि रायरिसि, देविन्दो इणमन्ववी ॥ ११ ॥
 एस अग्गी य गाऊ य, एव उज्झइ मन्दि । भयव अनउर तेण, कीम ण नापेक्कसह ॥ १२ ॥
 एयमट्ट निसामित्ता हउकारणचोइओ । तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमन्ववी ॥ १३ ॥
 सुहवसामो जीगामो, जेसि मो नत्थि किचण । मिहिलाए उज्झइमाणीए, न मे उज्झइ किचण ॥ १४ ॥
 चत्तपुत्तफलत्तम्म, नि वाजारस्म भिम्भूणो । पिय न विज्जट्ठ किचि, अप्पिय पि न विज्जई ॥ १५ ॥
 बहु गु मुणिणो भद, अणगारस्स भिम्भूणो । सच्चओ विप्पमुक्कस्स, एगन्तमणुपमओ ॥ १६ ॥
 एयमट्ट निसामित्ता, हेउकारणचोइओ । तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमन्ववी ॥ १७ ॥
 पागार कारइत्ताण, गोपुरड्डालगाणि च । उस्सूलगमयग्गीओ तओ गच्छसि खत्तिया ॥ १८ ॥
 एयमट्ट निसामित्ता, हउकारणचोइओ । तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमन्ववी ॥ १९ ॥
 मट्ट नगर म्मिच्चा, तवसतरमग्गल । खन्ति निउणपागार, तीएुत्त टुप्पधमय ॥ २० ॥
 धणु परक्क म्मिच्चा, जीव च इरिय भया । धिड च केयण म्मिच्चा, मत्तेण पलिमथए ॥ २१ ॥
 तवनारायजुत्तेण, मित्तूण कम्मञ्चुय । मृणी विजयसगामो, भाजाओ परिमुच्चए ॥ २२ ॥
 एयमट्ट निसामित्ता हेउकारणचोइओ । तओ नमि रायरिसि, देविन्दो इणमन्ववी ॥ २३ ॥
 पामाण कारइत्ताण, उट्टमाणगिहाणि य । बालग्गपोइयाओ य तओ गच्छसि खत्तिया ॥ २४ ॥
 एयमट्ट निसामित्ता, हेउकारणचोइओ । तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमन्ववी ॥ २५ ॥
 समय एलु सो बुणइ, जो मग्गे कुणई घर । जत्थेव गन्तुमिच्छेज्जा, तत्थ कुव्वेज्ज सामय ॥ २६ ॥
 एयमट्ट निसामित्ता, हेउकारणचोइओ । तओ नमि रायरिसि, देविन्दो इणमन्ववी ॥ २७ ॥
 आमोमे लोमहारे य, गटिभेए य तकर । नगरस्स खेम काउण, तओ गच्छसि खत्तिया ॥ २८ ॥
 एयमट्ट निसामित्ता, हेउकारणचोइओ । तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमन्ववी ॥ २९ ॥
 अमइ तु मणुस्सेहि, मिच्छा दडो पञ्जई । अकारिणोऽत्थ वज्झन्ति, मुच्चई मारओ जणो ॥ ३० ॥
 एयमट्ट निसामित्ता, हेउकारणचोइओ । तओ नमि रायरिसि, देविन्दो इणमन्ववी ॥ ३१ ॥
 जे केइ पत्थिवा तुज्झ, नानमन्ति नराहिवा । वसे ते ठानइत्ताण, तओ गच्छसि खत्तिया ॥ ३२ ॥
 एयमट्ट निसामित्ता, हेउकारणचोइओ । तओ नमी रायरिसी, देविन्दो इणमन्ववी ॥ ३३ ॥
 जो महस्स सहस्माण, सगामे च्छए जिणे । एग जिणेज्ज अप्पाण, एस से परमो जओ ॥ ३४ ॥
 अप्पणामव जुज्झाहि, कि ते जुज्जेण वज्झओ । अप्पणामेयम्पाण, जइत्ता मुहमेहए ॥ ३५ ॥
 पच्चिन्दियाणि कोह, माण माय तहेव लोह च । दुज्जय चैय अप्पाण, मच्च अप्पे निए निय ॥ ३६ ॥
 एयमट्ट निसामित्ता, हेउकारणचोइओ । तओ नमि रायरिसि, देविन्दो इणमन्ववी ॥ ३७ ॥
 जइत्ता विउले जन्ने, भोत्ता सणमाहणे । दत्ता भोच्चा य निट्ठा य, तओ गच्छसि खत्तिया ॥ ३८ ॥

एयमट्ट निमामित्ता, हेऊकारणचोडओ । तओ नमी रायरिसी, देवि दो इणमच्चवी ॥ ३९ ॥
 जो सहस्स सहस्साण, मासे मासे गव दए । तस्स वि सज्जो सेओ, अदि तस्म वि किंचण ॥ ४० ॥
 एयमट्ट निमामित्ता, हेऊकारणचोडओ । तओ नमिं रायरिसिं, दविन्दो इणमच्चवी ॥ ४१ ॥
 घोरासम चइत्ताण, अन्न पत्थेसि आमम । इहेव पोसहरओ, भनाहिवा मणुवाहिना ॥ ४२ ॥
 एयमट्ट निमामित्ता हेऊकारणचोडओ । तओ नमी रायरिसिं, देवि दो इणमच्चवी ॥ ४३ ॥
 मासे मासे तु जो वालो, हुमग्गेण तु भुजए । न सो सत्तायधम्मस्म, कल अग्घइ सोत्तिसिं ॥ ४४ ॥
 एयमट्ट निमामित्ता, हेऊकारणचोडओ, तओ नमिं रायरिसिं, दवि दो इणमच्चवी ॥ ४५ ॥
 हिरण्ण सुत्तण मणिमुत्त, कस दूस च गहण । कोस वट्ठागइत्ताण, तओ गच्छसि खत्तिया ॥ ४६ ॥
 एयमट्ट निमामित्ता, हेऊकारणचोडओ । तओ नमी रायरिसिं, दविंदो इणमच्चवी ॥ ४७ ॥
 सुत्तणरूपस्स उ पव्वया भवे, सिया हू कैलामममा जसत्ताया ।

नरस्म लुद्धस्स न ताहि किंचि, इच्छा उ आगाससमा अणन्तिया ॥ ४८ ॥

पुढवी माली जवा चेन, हिरण्ण पसुमिस्सह । पडिपुण्ण नालमेगस्म, इइ विज्जा तर चरे ॥ ४९ ॥
 एयमट्ट निमामित्ता, हेऊकारणचोडओ । तओ नमिं रायरिसिं, दवि दो इणमच्चवी ॥ ५० ॥
 अच्छेरयमच्चुए भोए चयसि पत्थिया । असन्ते कामे पत्थेसि, सरूपेण विहम्मसि ॥ ५१ ॥
 एयमट्ट निमामित्ता, हेऊकारणचोडओ । तओ नमी रायरिसी, देवि दो इणमच्चवी ॥ ५२ ॥
 सल्ल कामा विस कामा, कामा आसोविसोवमा । कामे पत्थेमाणा, अकामा जन्ति दोग्गइ ॥ ५३ ॥
 अहे वयन्ति कोहण, माणेण अहमा गई । माया गई पडिग्घाओ, लोभाओ दुहओ भय ॥ ५४ ॥
 अउज्झिऊण माहणरूव, पिउच्चिऊण इन्दत्ता व दइ अभित्तुण तो, इमाहि महुराहिं वग्गूहिं ॥ ५५ ॥
 अहो ते निज्जिओ कोहो, अहो माणो पराजिओ । अहो निरक्किया माया, अहो लोभो वसीकओ ॥ ५६ ॥
 अहो ते अज्जव साहु, अहो ते साहु मइव । अहो ते उत्तमा रन्ती, अहो ते मुत्ति उत्तमा ॥ ५७ ॥
 इइ सि उत्तमो भत्ते, पच्छा होहिसि उत्तमो । लोमुत्तमुत्तम ठाण, सिद्धिं गच्छसि नीरओ ॥ ५८ ॥
 एव अभित्तुण तो, रायरिसिं उत्तमाए सद्दाए । पयाहिण करे तो, पुणो पुणो बन्दई सको ॥ ५९ ॥
 तो वदिऊण पाए, चक्ककुसलक्खणे मुणिरस्म । आगासेणुप्पइओ, रलियचलहुडलतिरीडी ॥ ६० ॥
 नमी नमेइ अप्पाण, सक्ख सक्खेण चोडओ । चइऊण गेह च वेदही, सामण्णे पज्जुवट्ठिओ ॥ ६१ ॥
 एव करेन्ति सउद्धा, पडिया पपियक्खणा । विणियट्ठन्ति भोगेसु, जहा से नमी रायरिसि ॥ ६२ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ नमिपच्चज्जा ममत्ता ॥

॥ अहं तुमपत्तय दसम अङ्गयण ॥

- दुमपत्तए पड्डयए जहा, निरडड गडगणाण अच्चए ।
 एण मणुयाण जीविय, समय गोयम मा पमायण ॥ १ ॥
 हुसग्गे जह जोमविन्दुए, योम चिद्धड लम्बमाणण ।
 एण मणुयाण जीविय, समय गोयम मा पमायण ॥ २ ॥
 ट्ट इत्तगियम्मि जाउए, जीवियण ऱ्हुपच्चयायए ।
 विट्ठगाहि यथ पुरे ऱ्हट, समय गोयम मा पमायण ॥ ३ ॥
 ऱ्हट्ट सल माणुमे भण, चिग्गाले वि मन्तपाणिण ।
 गाढा य चियाग रम्मणुणो, समय गोयम मा पमायण ॥ ४ ॥
 पुट्टिग्गियमडगजो, उक्कोम जीणो ऱ्ह सण्णमे ।
 काल सग्गाटय, समय गोयम मा पमायण ॥ ५ ॥
 आण्णायमडगजो, उक्कोम जीणो उ सण्णमे ।
 काल सग्गाटय, समय गोयम मा पमायण ॥ ६ ॥
 तउण्णायमडगजो, उक्कोम जीणो य सण्णमे ।
 काल सग्गाटय समय गोयम मा पमायण ॥ ७ ॥
 ताउक्काटयमडगजो, उक्कोम जीणो य सण्णमे ।
 काल सग्गाटय, समय गोयम मा पमायण ॥ ८ ॥
 वणम्मण्णायमडगजो, उक्कोम जीणो उ सण्णमे ।
 कालमणन्तण्णन्तय समय गोयम मा पमायण ॥ ९ ॥
 ऱ्हडन्टियणायमडगजो, उक्कोम जीणो उ सण्णमे ।
 काल मण्णिज्जसन्निय, समय गोयम मा पमायण ॥ १० ॥
 तण्णन्टियणायमडगजो, उक्कोम जीणो उ सण्णमे ।
 काल मण्णिज्जसन्निय, समय गोयम मा पमायण ॥ ११ ॥
 चउरिण्णियणायमडगजो, उक्कोम जीणो उ सण्णमे ।
 काल मण्णिज्जसन्निय, समय गोयम मा पमायण ॥ १२ ॥
 पच्चिण्णियणायमडगजो, उक्कोम जीणो उ सण्णमे ।
 मत्तड्डभण्णगण्णे, समय गोयम मा पमायण ॥ १३ ॥
 द्रव नेग्गण यमण्णज्जो उक्कोम जीणो ऱ्ह सण्णमे ।
 ऱ्हक्कभण्णगण्णे समय गोयम मा पमायण ॥ १४ ॥
 एण भण्णमण्ण, समय उक्काट्टिग्गि रम्मोण्ण ।
 जीणो पमायण्णण्णो, समय गोयम मा पमायण ॥ १५ ॥

लद्भूण वि माणुमत्तण, आरिअत्त पुणरावि दुल्लह ।
 विगलिन्दियया हु दीसई, समय गोयम मा पमायए ॥ १६ ॥
 लद्भूण वि आयरित्तण, अहीणपचेन्दियया हु दुल्लहा ।
 विगलिन्दियया हु दीसई, समय गोयम मा पमायए ॥ १७ ॥
 अहीणपचेन्दियत्त पि से लदे, उत्तमधम्मसुई हु दुल्लहा ।
 कुत्तित्थिनिवेसए जणे, समय गोयम मा पमायए ॥ १८ ॥
 लद्भूण वि उत्तम सुइ, सण्हणा पुणरावि दुल्लहा ।
 मिच्छत्तनिवेसए जणे, समय गोयम मा पमायए ॥ १९ ॥
 धम्म पि हु सहहन्तया, दुल्लहया काएण फासया ।
 इह कामगुणेहि मुच्छिया, समय गोयम मा पमायए ॥ २० ॥
 परिजूरइ ते सरीरय, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
 से सोयवले य हायई, समय गोयम मा पमायए ॥ २१ ॥
 परिजूरइ ते सरीरय, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
 से चक्खुवले य हायई, समय गोयम मा पमायए ॥ २२ ॥
 परिजूरइ ते सरीरय, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
 से घाणवले य हायई, समय गोयम मा पमायए ॥ २३ ॥
 परिजूरइ ते सरीरय, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
 से जिब्बवले य हायई, समय गोयम मा पमायए ॥ २४ ॥
 परिजूरइ ते सरीरय, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
 से फासवले य हायई, समय गोयम मा पमायए ॥ २५ ॥
 परिजूरइ त सरीरय, केसा पण्डुरया हवन्ति ते ।
 से मच्चवले य हायई, समय गोयम मा पमायए ॥ २६ ॥
 अरई गण्ड विमूइया आयका विविहा फुमन्ति ते ।
 विहडड विद्धसइ ते सरीरय, समय गोयम मा पमायए ॥ २७ ॥
 बोच्छिउन्द सिणेहमत्तणो, कुट्टय सारइय व पाणिय ।
 से मच्चसिणेहवज्जिए, समय गोयम मा पमायए ॥ २८ ॥
 चिच्चाण धण च भारिय, पच्चइओ हि सि अणगारिय ।
 मा वन्त पुणो वि आइए समय गोयम मा पमायए ॥ २९ ॥
 अबउज्झिय मित्तवन्धव, विउल चेव धणोहसचय ।
 मा त विउय गवेसए, समय गोयम मा पमायए ॥ ३० ॥
 न हु जिणे अज्ज दिस्सई बहुमए दिस्सइ मग्गदसिए ।
 सपइ नेयाउए पहे, समय गोयम मा पमायए ॥ ३१ ॥
 अवमोहिय कण्टगा पह, ओइण्णो सि पह महालय ।

गच्छसि मग्ग विसोहिया, समय गोयम मा पमायए ॥ ३२ ॥
 अणले जह भारवाहए, मा मग्गे विसमे वगाहिया ।
 पच्छा पच्छाणुताणए, ममय गोयम मा पमायए ॥ ३३ ॥
 तिण्णो हु सि अण्णव मह, कि पुण चिद्धसि तीरमागओ ।
 अभितुर पार गमित्तए, समय गोयम मा पमायए ॥ ३४ ॥
 अरुलेउरसेणि उस्सिया, सिद्धि गोयम लोय गच्छसि ।
 खेम च सिउ अणुत्तर, समय गोयम मा पमायए ॥ ३५ ॥
 बुद्धे परिनि बुडे चरे, गामगए नगरे व सजए ।
 मन्तीमग्ग च वृहए, ममय गोयम मा पमायए ॥ ३६ ॥
 बुद्धस्म निमम्म भासिय, सुउहियमइएओउसोहिय ।
 राग दोस च छिन्दिया, सिद्धिगइ गए गोयमे ॥ ३७ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ दुमपत्तय समत्त ॥ १० ॥

॥ अह बहुस्सुयपुज्ज एगारस अज्झयण ॥

सजोगा विप्पमुक्कस्म, अणगारस्स भिक्खुणो । जावार पाउकरिस्सामि, आणुपुण्वि सुणेह मे ॥ १ ॥
 जे यावि होइ नि विज्जे, थद्धे लुद्धे अणिग्गहे अभिक्खण उल्लयड, अविणीए अणुस्सुए ॥ २ ॥
 अह पचहिं ठाणेहिं, जेहिं सिक्खा न लब्भइ । थम्मा कोहा पमाणण, रोगेणालम्मणण य ॥ ३ ॥
 अह अट्ठहिं ठाणेहिं, सिक्खासीलि त्ति बुच्चइ । अहस्सिरे सया दन्ते, न य मग्गमुदाहरे ॥ ४ ॥
 नासीले न विसीले न सिया अइलोलए । अओहणे मच्चरण, सिक्खासीलि त्ति बुच्चइ ॥ ५ ॥
 अह चोइसहिं ठाणेहिं, वट्टमाणे उ सजए । अविणीए बुच्चइ सो उ, निव्वाण च न गच्छइ ॥ ६ ॥
 अभिक्खण कोही हणइ, पवघ च पट्टव्वइ । मेत्तिज्जमाणो उमइ, सुय लद्धणमज्जई ॥ ७ ॥
 अवि पावपरिक्खेवी, अवि मित्तेसु कुप्पइ । सुप्पियस्सावि मित्तस्स, रहे भाम पाउय ॥ ८ ॥
 पइण्णगइ दुहिले, थद्ध लुद्ध अणिग्गहे । असविभागी अवियत्ते, अविणीए त्ति बुच्चइ ॥ ९ ॥
 अह पन्नरसहिं ठाणेहिं, सुविणीए त्ति बुच्चइ । नीयानत्ती अचणले, अमाई अइ ऊहले ॥ १० ॥
 अप्प च अहिक्खिउइ, पवघ च न बुच्चइ । मेत्तिज्जमाणो भयई, सुय लद्धु न मज्जई ॥ ११ ॥
 न य पावपरिक्खेवी, न य मित्तेसु कुप्पइ । अप्पियस्सावि मित्तस्स, रहे कल्लण भासई ॥ १२ ॥
 कलहडमरवज्जिए बुद्धे अभिजाइए । हिरिम पडिसलीणे, सुविणीए त्ति बुच्चइ ॥ १३ ॥
 वसे गुरुकुले निच, जोगव उउहाणव । पियकरे पियवाई, से सिक्ख लद्धुमरिहई ॥ १४ ॥
 जहा सखम्मि पय, निहिय दुहओ वि विरायड । एव बहुस्सुए भिक्खु, धम्मो किती तहा सुय ॥ १५ ॥
 जहा से कम्मोयाण, आइण्णे कन्थए सिया । आसे जवेण पवरे, एव हणइ बहुस्सुए ॥ १६ ॥
 जहाइण्णममारूढे, सूररे दट्टपरकमे । उभओ नन्दिघोसेण, एव हवइ बहुस्सुए ॥ १७ ॥
 जहा करेणुपरिकिण्णे, कुजरे मट्ठिहायणे । बलवन्ते अप्पडिहए, एव हवइ बहुस्सुए ॥ १८ ॥

जहा से तिम्रसिगे, जायसधे विरायई । वमहे ज्हाहिवई, एव हनइ बहुस्सुए ॥ १९ ॥
 जहा से तिम्रदाढे, उदग्गे दुप्पहसण । सीहे मियाण परे, एव हवइ बहुस्सुए ॥ २० ॥
 जहा से वामुदवे, ससचक्कयावरे । अप्पडिहयवले जोढे, एव हनइ बहुस्सुए ॥ २१ ॥
 जहा से चाउरन्त, चक्कण्टीमहिड्डिए । चोदमरयणाहिउई, एव हनइ बहुस्सुए ॥ २२ ॥
 जहा से सहासक्खे, वज्जपाणी पुरन्दरे । सक्खे दन्नाहियई, एव हनइ बहुस्सुए ॥ २३ ॥
 जहा से तिमिरविद्धसे, उच्चिद्ध ते दिवायरे । जलन्त इव तएण, एव हनइ बहुस्सुए ॥ २४ ॥
 जहा से उड्डुई चदे नक्कवत्तपरिवारिए । पडिपुण्णे पुण्णमासीए, एव हनइ बहुस्सुए ॥ २५ ॥
 जहा से ममाइयाण कोट्टागार सुरन्निण । नाणा उन्नपटिपुण्णे एव हनइ बहुस्सुए ॥ २६ ॥
 जहा सा दुमाण परा, जम्भू नाम सुदसणा । जणादियस्स दंस्स, एव हवइ बहुस्सुए ॥ २७ ॥
 जहा सा नईण पवरा, सलिला सागरगमा । सीया नीलन्तपवहा, एव हनइ बहुस्सुए ॥ २८ ॥
 जहा से नगाण पर, सुमह मन्त्तर गिरी । नाणोमहिपज्जलिण, एव हनइ बहुस्सुए ॥ २९ ॥
 जहा से सयभुग्गणे, उट्ठी जम्पओदए । नाणारयणपडिपुण्णे एव हनइ बहुस्सुए ॥ ३० ॥

समुद्गम्भीरसमा दुगासया, अचक्रिया केणट टुप्पहमया ।

सुयस्सपुण्णा विन्लस्स ताइणो, सुवित्तुक्कम गम्भुत्तम गया ॥ ३१ ॥

सम्हा सुयमहिड्डिज्जा, उत्तमद्दुगवेमए । जेणप्पाण पर चैव, सिद्धि सपाउणेज्जामि ॥ ३२ ॥

त्ति चेन्नि ॥ इअ बहुस्सुयपुज समत्त ॥ ११ ॥

॥ अह हरिएसिज्ज वारह अज्झयण ॥

सोनागकुलसभूओ, गुणुत्तरधरो मुणी, हरिएमवलो नाम, आसि भिम्भू जिइन्दिओ ॥ १ ॥
 इरिएसणभासाए, उच्चारसमिईसु य । जओ आयाणनिम्खेवे, सजओ मुसमाहिओ ॥ २ ॥
 मणुत्तो वषुत्तो, कापुत्तो जिइन्दिओ । भिक्खट्टा वम्भइज्जम्मि, जन्नवाडे उरट्टिओ ॥ ३ ॥
 त पामिउण एज्जन्त तवेण परिमोसिय । पत्तोउरिउउगरण, उवहसन्ति अणारिया ॥ ४ ॥
 जाईमयपडिथद्दा, हिंसगा अजिन्दिआ । अवम्भचारिणो वाला, इम वयणमच्चवी ॥ ५ ॥

कयर आगछड दित्तरूवे, काले विगराले फोक्कनासे ।

ओमचेलए पमुपिमायभूए सक्करदूम परिवरिय कण्ठे ॥ ६ ॥

को रे तुम य अदसणिज्जे, काए उ आमाइहमागओमि ।

ओमचेलया पमुपिमायभूया, मा उक्कल्लाहिं किमिहिं ठिओ सि । ७ ॥

जक्खे तहिं ति दुयरुक्कवासी, अणुक्कम्पओ तस्स महामुणिस्स ।

पच्छापहत्ता नियग सरीर, इमाइ वयणाइमुदाहरित्था ॥ ८ ॥

समणो अह मन्जो, वम्भयारी, तिरओ घणपयणपरिग्गहाओ ।

परप्पविचस्स उ भिम्भकाले, अन्नस्स जद्दा इहमागओमि ॥ ९ ॥

नियरिज्ज सज्जइ भुज्जइ, अन्न पभूय भवयाणमेय ।

जाणेह मे जायणजीविणु चि, सेमायसस लभउ एवस्सी ॥ १० ॥
उत्तवत्तड भोयण माहणाण, अत्तट्टिय सिद्धमिहगपक्ख ।
न ऊ नय एरिसमन्नपाण, दाहामु तुज्ज किमिह ठिओ सि ॥ ११ ॥
थलेसु वीयान ववति ऋसगा, तद्व व निन्ने सु य आमसाए ।
एयाए मद्दाए दलाह मज्ज, आराहण पुण्णमिण सु सित्त ॥ १२ ॥
खेत्ताणि जम्ह विडयाणि लोण, जहिं पक्खिणा विरुहन्ति पुण्णा ।
जे माहणा जाडविज्जोववया, ताड तु खेत्ताड सुपेमलाड ॥ १३ ॥
कोहो य माणो य व्हो य जेसिं, मीस जदत्त च परिग्गह च ।
ते माहणा जाडविज्जाविहणा, ताड तु खेत्ता सुपाययाड ॥ १४ ॥
तुमेत्थ भो माग्गवा गिराण, जट्ट न जाणेह अहिज्ज वेए ।
उच्चाययाड मुण्णिणो चरन्ति, ताड तु खेत्ताड सुपेमलाड ॥ १५ ॥
अज्जाययाण पटिकूलमासी, पभामसे कि तु मगासि अम्ह ।
अवि ण्य विणम्मउ अन्नपाण, न य ण दाहामु तुम नियण्ठा ॥ १६ ॥
समिदंति मज्ज सुममाहियम्म, सुचीहि गुत्तम्म जिन्दियम्म ।
जट्ट म न दाहित्य भइमणिज्ज, तिमिज्ज जन्नाण लहि य ताह ॥ १७ ॥
के एत्थ सत्ता उज्जोत्तया वा, जज्जायया वा मह खण्णिट्ठहि ।
एय ण्ण्डेण फलणण दन्ता, कण्ठम्मि घेत्तण खलेज्ज जोण ॥ १८ ॥
अज्जाययाण वयण सुणेत्ता, उद्दाडया तत्थ नत्तमाग ।
दण्डहि विचेहि ऋसेहि चेन ममागया त इसि तात्थयन्ति ॥ १९ ॥
रत्तो तहि कोमलियस्स धूया, भइत्ति नामेण जणिन्दियगी ।
त पासिया सजय हम्ममाण, वट्ट कुमार परिनिव्ववेट ॥ २० ॥
त्ताभिओगेण निओटण्ण, त्तिन्ना सु रत्ता मणमा न भाया ।
नरिन्दत्ति वभिण्णिट्ठण, जेणम्मि वत्ता इसिणा म ण्णो ॥ २१ ॥
ण्णो तु सो उग्गततो महप्पा, त्तिन्तिन्टिओ सज्जो उम्भयारी ।
जो मे तया नत्तड दिज्जमारिण, पिउणा मय कोमलिण रत्ता ॥ २२ ॥
महाजग्गो एम महाणुभागो, धोग्गज्जो धोग्गपत्तमो य ।
मा एय हीलह अहीलणिज्ज, मा मच्च तएण मे निदहज्जा ॥ २३ ॥
णयाड तीसे उयणाड सोच्चा, पत्तीट भत्ताड सुहामियाट ।
इसिम्म वयाग्गडियट्टयाए, जम्मा कुमार विणिगाग्गन्ति ॥ २४ ॥
ते धोररुत्ता ठिय अत्तलिक्खेस्सुगा तहिं त जण तालयन्ति ।
ते भिन्नदड रुहिर वमन्त, पासित्तु भन्ना इणमाहु भुज्जो ॥ २५ ॥
गिरिं नहेहि खणह, अय मत्तेहि स्वायह ।
जायतेय पाणहि हणह, जे भिक्खु अणमन्नह ॥ २६ ॥

'आसीविसो उग्गतमो महेसी, घोरव्यओ परकमो य ।
 अगणि वपक्ख द पयगसेणा, जे भिक्खुय भत्तकाले वदेह ॥ २७ ॥
 सीसेण एय सरण उवेह, समागया सव्वजणेण तुब्भे ।
 जइ इच्छह जीविय वा धण मा, लोगपि एसो कुविओ डहेज्जा ॥ २८ ॥
 अबहेडिय पिट्टिसउत्तमगे, पसारिया चाहु अकमवेट्टे ।
 निज्जेरियच्छे रुहिर वमन्ते, उद्धमुहे निग्गयजीहनेचे ॥ २९ ॥
 ते पासिया खण्डियकट्ठभूए, विमणो विसण्णो अह माहणो सो ।
 इसिं पमाएइ सभारियाओ, हील च निन्द च रमाह भ ते ॥ ३० ॥
 बालेहि मूढेहि अयाणएहिं, ज हीलिया तस्स खमाह भन्ते ।
 महप्पमाया इसिणो ह्वन्ति, न हु मुणी कोपपरा ह्वन्ति ॥ ३१ ॥
 पुब्बि च इण्हि च अणागय च, मणप्पदोसो न मे अत्थि कोइ ।
 जक्खा हु वेयाण्डिय करन्ति, तम्हा हु एए निहया कुमारा ॥ ३२ ॥
 अत्थ च धम्म च वियाणमाणा, तुब्भ न वि कुप्पह भूइपत्ता ।
 तुब्भ तु पाए सरण उवमो, समागया सव्वजणेण अम्हे ॥ ३३ ॥
 अच्चेमु ते महाभाग, न ते किचि न अच्चिमो ।
 भुजाहि सालिम कूर, नाणाजणसजुय ॥ ३४ ॥
 इम च मे अत्थि पभूयमन्न, त भुजसू अम्ह अणुग्गहट्ठा ।
 वाढ ति पडिच्छइ भत्तपाण, मासस्स ऊ पारणए महप्पा ॥ ३५ ॥
 तहिय गन्धोदयपुप्फमास, दिव्वा तर्हि वसुहारा य वुट्ठा ।
 पहायाओ दुन्दहीओ सुरहिं, जागासे जहो दाण च वुट्ठ ॥ ३६ ॥
 सक्ख खु दीसइ तवोविसेसो न दीसइ जाडविसेम कोई ।
 सोरागपुत्त, हरिएमसाहु, जस्सेरिसा इड्ढि महाणुभागा ॥ ३७ ॥
 कि माहणा जोइसमारभन्ता, उदएण सोहिं वहिया विमग्गह ।
 ज मग्गहा वाहिरिय विसोहिं न त सुइट्ठ कुसला वयन्ति ॥ ३८ ॥
 कुस च जूव तणकट्ठमग्गि, साय च पाय उदग फुसत्ता ।
 पाणाइ भूयाइ विहेडयत्ता, भुज्जो वि मदा पगरेह पाव ॥ ३९ ॥
 कह च र भिक्खु वय जयामो, पावाइ कम्माइ पुणोत्थयामो ।
 अक्खाहि णे सजय जक्खपड्या, वह सुजट्ठ कुसला वयन्ति ॥ ४० ॥
 छज्जीरकाए अममारभन्ता, मोस अदत्त च असवमाणा ।
 परिग्गह इत्थिओ माणमाय, एय परिन्नाय चरन्ति दन्ता ॥ ४१ ॥
 सुसवुडा पचहिं सग्गहिं इह जीविय अणवकवमाणा ।
 वोसट्ठकाइ सुइचत्तदहा, महानय जयइ जन्नसिट्ठ ॥ ४२ ॥
 क ते जोइ क व त जोन्ठाणे, मा ते सुया किं व त मारिसग ।

एहा य ते क्यरा सन्ति भिक्खू, क्यरेण होमेण हुणासि जोइ ॥ ४३ ॥
 तवो जोइ जीवो जोइठाण, जोगा सुया सरीर ऋरिसण ।
 कम्महा सजमजोगसन्ती, होम हुणामि इसिण पसत्थ ॥ ४४ ॥
 के ते हरए के य त सन्तितित्थे, ऋहिं सिणाओ व रय जहासि ।
 आइक्ख णे सजय जक्खपइया, इच्छामो नाउ भयओ सगासे ॥ ४५ ॥
 वम्मे हरए वम्मे सन्तितित्थ, अणाविले अत्तपसन्नछेसे ।
 जहिं सिणाओ विमलो विसुद्धो, सुसीडभूओ पजहामि दोस ॥ ४६ ॥
 एय सिणाण कुमठेहि दिट्ठ, महासिणाण इसिण पसत्थ ।
 जाहि सिणाया विमला विसुद्धा, महारिसी उत्तम ठाण पत्त ॥ ४७ ॥

त्ति वेमि ॥ ४८ हरिणसिज्ज ममत्त ॥ १० ॥

॥ अह चित्तसम्भूज्ज तेरहम अज्झयण ॥

जाइपराजइओ खलु, कामि नियाण तु इत्थिणपुरम्मि। चूलणीए वम्भदत्तो, उवयन्नो पउग्गुमाओ ॥ १ ॥
 कम्पिह्ले सम्भूओ, चित्तो पुण जाओ पुरमतालम्मि। सेट्ठिकुलम्मि विसाले, धम्म मोऊण पच्चइओ ॥ २ ॥
 कम्पिह्लम्मि य नयर, समागया दो वि चित्तसम्भूया। सुहदुक्खकलविवाग, कहेन्ति ते एकमेकस्स ॥ ३ ॥
 चक्खवट्ठी महिड्ढीओ, वम्भदत्तो महायसो । नायर चहुमाणेण, इम वयणमवची ॥ ४ ॥
 आसीसु भायरो दोवि, जन्नमन्नवसाणुगा । जन्नमन्नमणूरत्ता, अन्नमन्नहिएसिणो ॥ ५ ॥
 दासा दसण्णे आसीसु, मिया कालिंजर नगे । हया मयगतोर, मोवागा कासिभूमिए ॥ ६ ॥
 देवा य देवलोगम्मि, आसि अम्ह महिड्ढीया। इमा नो छट्ठिया जाट, अन्नमन्नेण जा विणा ॥ ७ ॥
 कम्मा नियाणपयटा, तुमे राय विचिन्तिया । तेसिं फलविवागेण, रिप्पओग्गुमागया ॥ ८ ॥
 सच्चसोयप्पगहा, कम्मा मए पुरा कटा । ते अज्ज परिञ्जामो, ऋं तु चित्तेवि से तहा ॥ ९ ॥

सच्च सुचिण्ण सफल नराण, कडाण कम्माण न मोम्म अत्थि ।
 अत्थेहि कामेहि य उत्तमेहि, आया मम पुण्णफलोउवए ॥ १० ॥
 जाणाहि सभूय महाणुभाग, महिड्ढीय पुण्णफलोउवेय ।
 चित्त पि जाणाहि तह्व राय, इड्ढी जुड तम्म वियप्भूया ॥ ११ ॥
 महत्थरूजा वयणप्पभूया, गाहाणुगीया नरमघमज्जे ।
 ज भिक्खुणो सीलगुणोववेया, इह जयते सुमणो मि जाओ ॥ १२ ॥
 उच्चोयए महु क्खे य वम्मे, पवेइया आउमहा य रम्मा ।
 रम गिह चित्त घणप्भूय, पसाहि पत्तालगुणोउवय ॥ १३ ॥
 नट्टेहि गीएहि य वाएहि, नारीणणाहि परिवारयन्तो ।
 भुजाहि भोगाड इमाड भिक्खू, मम रोयइ प उज्ज हू दुय ॥ १४ ॥

त पुञ्जनेहण ज्याणुराग, नगाहिन कामगुणेषु गिद्ध ।
 धम्मस्सिओ तस्स हियाणुपही, चित्तो इम यणमुदाहरित्था ॥ १५ ॥
 सब्ब विलविय गीय, सब्ब नट्ट विडम्बिय ।
 सब्बे आभरणा भारा, सब्ब कामा दुहावहा ॥ १६ ॥
 मालाभिरामेषु दुहावहेसु, न त सुह कामगुणेषु राय ।
 विरत्तकामाण तरोहणाण, ज भिक्खुण सीलगुणे रयाण ॥ १७ ॥
 नरिंद जाद अहमा नराण, सोत्तागनाट दुहओ गयाण ।
 जहिं वय सब्बजणम्स, वस्सा, वसी य भोगानिवसणेषु ॥ १८ ॥
 तीसे य जाड्ड उ पावियाण, बुट्ट म्मु सोत्तागनिवेशणेषु ।
 सन्नम्प लोगम्म दुगठणिज्जा, इह तु कम्माद पुरे कडाड ॥ १९ ॥
 सो दाणि सिं राय महाणुभागो, महिड्डी पुण्णफलोपवेओ ।
 चत्तु भोगाइ असासयाइ, आत्ताणहेउ अभिणिकरमाहि ॥ २० ॥
 इह जीविए राय अमासयम्मि धणिय तु पुण्णा अट्टव्वमाणो ।
 से मोयड मच्चुमुहोवणीण, वम्म अत्ताऊण परसि लोए ॥ २१ ॥
 जहेह सीही व मिय गहाय, मच्चू नर नड हु अन्तमाले ।
 न तस्म माया न पिया न भाया, कालम्मि तम्मसहरा भवन्ति ॥ २२ ॥
 न तस्स ट्ठक्ख विभयत्ति, नाइओ, न मित्तत्रग्गा न सुया न बवरा ।
 एको सय पच्चणुहो दुक्ख, कत्ताग्गेन अणुजाड कम्म ॥ २३ ॥
 चेच्चा दुपय च चउप्पय च, खेच गिह धणधन्न च सब्ब ।
 सरुम्मवीओ असो पयाइ, पर भय सुदर पावग वा ॥ २४ ॥
 त एक तुच्छसरीरग से, च्चिट्ठगय दहिय उ पावगेण ।
 भज्जा य पुत्तावि य नायओ य, दायरमन्न अणुसकमन्ति ॥ २५ ॥
 उण्णिज्जइ जीवियमप्पमाय उण्ण जग हरइ नरस्म राय ।
 पचालाराया उण्ण सुणाहि मा कामि कम्मा महालयाड ॥ २६ ॥
 अह पि जाणाभि जहह सारू ज मे तुम सारहिति उक्कमेय ।
 भोगा इमे सगगरा भवन्ति, जे ट्ठज्जया भज्जो अम्हारिसेहिं ॥ २७ ॥
 इत्थिणपुरम्मि चित्ता दट्ठण नरयइ महिड्डीय ।
 कामभोगेषु गिद्धेण, नियाणमसुह कड ॥ २८ ॥
 वस्स म अपडिक्खन्तस्स, इम एयारिसि फल ।
 जाणमाणो वि ज धम्म, कामभोगेषु मुत्तिओ ॥ २९ ॥
 नागो जहा पत्तज्जलायसदो, दट्ठ थल नाभिसमह तीर ।
 एव वय कामगुणेषु गिद्धा, न भिक्खुणो मग्गमणु वयामो ॥ ३० ॥
 अच्चेड कालो तरन्ति राडओ, न यावि भोगा पुरिमाण निच्चा ।

उभिच्च भोगा पुरिस चयन्ति, दुम जहा रीणफल व पक्खी ॥ ३१ ॥
जड त मि भोगे चडउ असत्तो, जज्जाड कम्माट करहि राय ।
वम्भे ठिओ मव्वपयाणुम्पी, तो होहिसि देवो ड्जो विउवी ॥ ३२ ॥
न तुज्ज भोगे चड्ढण बुद्धी, गिद्धो सि आरम्भपरिग्गहसु ।
मोह कओ एत्तिउ पिप्पलाउ, ग ठामि राय आनन्तिओ मि ॥ ३३ ॥
पचालराया पि य वम्भट्ठो, साहुस्म तस्म वयण अफाउ ।
अणुत्तर सुजिय कामभोगे, अणुत्तर सो नरए पविद्धो ॥ ३४ ॥
चित्तो पि कामेहि पिरत्तकामो, अटग्गचारित्ततपो महसी ।
अणुत्तर सजम पालइत्ता, अणुत्तर मिद्धिगड गओ ॥ ३५ ॥
त्ति वेमि ॥ इअ चित्तसम्भूटज्ज समत्त ॥

॥ अह उसुयारिज्ज चोइहम अज्झयण ॥

दवा भविच्चाण पुर भवम्मी, केइ ष्टया एगविमाणवासी ।
पुरे पुराणे उसुयारनामे, साए समिद्धे सुरलोगरम्भे ॥ १ ॥
सकम्मसेसेण पुराकएण, कुळेसुदग्गेषु य ते पद्धया ।
निधिण्णससारभया जहाय, जिणिदमग्ग सरण पन्ना ॥ २ ॥
पुमत्तभागम्म कुमार दो वी, पुरोहिओ तस्म जसा य पत्ती ।
विसालकिच्ची य तहोसुयारो, रायत्थ देवी कमलापइ य ॥ ३ ॥
जाट्ठरामञ्चुभयाभिभूया, गहिविहाराभिनिविद्धचित्ता ।
समारचक्कस्त विमोक्खणट्ठा, ददइण ते कामगुणे विरत्ता ॥ ४ ॥
पियपुत्तगा दोन्नि वि माहणस्म, मरुम्मसीलस्स पुरोहियस्म ।
सरित्तु पीराणिय तत्थ जाइ, तहा भुच्चिण्ण तवसजम च ॥ ५ ॥
ते कामभोगेषु असज्जमाणा, जाणुस्सएमु जे यावि दिव्वा ।
मोक्खामिक्खसी अभिजायसट्ठा, ताप उवागम्म इम उटाहु ॥ ६ ॥
अमामय ददइ डग्ग विहार, चहुअन्तराय न य हीयमाउ ।
तम्हा गिहिसि न रइ लहामो, आमन्तयामो चरिम्मासु भोग ॥ ७ ॥
अह तायगो तत्थ मुणीण तसि, तपस्स वाधायकर वयासी ।
इम वय वेयविओ वयन्ति, जहा न होद अत्तयाण लोगो ॥ ८ ॥
अहिज्ज वेए परिविस्स विप्प, पुत्ते परिद्धप्प गिहिसि जाया ।
भोच्चाण भोए सह इत्थियाहि, आरण्णागा होह मुणो पसत्था ॥ ९ ॥
सोयग्गिणा आयगुणि धणेण, मोहाणिला पज्जलणाट्ठिएण ।
सतत्तमान परितप्पमाण, लालप्पमाण बहुहा बहु च ॥ १० ॥

पुरोहित त कमसोऽपुण्णिन्त, निमतयन्त च सुए धणेण ।
 जहक्कम कामगुणेहि चैन, कुमारगा ते पसमिक्ख उक्क ॥ ११ ॥
 वेया अहीयान भवन्ति ताण, भुत्ता दिया निन्ति त्तम तमेण ।
 जाया य पुत्ता न हवन्ति ताण, को णाम ते अपुमत्तेज्ज एय ॥ १२ ॥
 खणमेत्तसोकखा बहु कालदुक्खा, पगामदुक्खा अणिगाममोक्खा ।
 ससारमोक्खस्स विपक्खभूया, स्याणी अणत्थाण उ कामभोगा ॥ १३ ॥
 परिव्वयत्ते अणियत्तमामे, अहो य राजो परितप्पमाणे ।
 अन्नप्पमत्ते धणभेसमाणे, पप्पोति मञ्जु पुरिसे जर च ॥ १४ ॥
 इम च मे अत्थि इम च नत्थि, इम च मे किच्च इम अकिच्च ।
 त एवमेय लालप्पमाण, हरा हरति चि कह पमाए ॥ १५ ॥
 धण पभूय सह इत्थियाहिं, सयणा तहा ऋयगुणा पगामा ।
 तव कए तप्पइ जस्म लोगो, त सव साहीणमिमेज तुब्भ ॥ १६ ॥
 धणेण किं धम्मपुराहिगारे, सयणेण वा कामगुणेहि चैन ।
 समणा भविस्सामु गुणोहवारी, महिावहारा अभिगम्म भिक्ख ॥ १७ ॥
 जहा य अग्गी अरणी असत्तो, रीरे घय तल्लमहा तिल्लेषु ।
 एमेव ताया सरीरसि सत्ता, समुच्छइ नासइ नाचिद्ध ॥ १८ ॥
 नो इन्दियग्गेञ्ज चमुत्तभावा अमुत्तभावा त्रि य होइ निच्चो ।
 अज्जत्थहेउ निययस्स बन्धो, समारहेउ च वयन्ति व ध ॥ १९ ॥
 जहा वय धम्म अजाणमाणा, याव पुरा कम्ममकासि मोहा ।
 ओलभमाणा परिरक्खयन्ता, त नेज भुज्जो ति समायरामो ॥ २० ॥
 अब्भाहयम्मि लोगम्मि, सवओ परिवारिए ।
 अमोहाहिं पडन्तीहिं, गिहसि न रइ लमे ॥ २१ ॥
 केण अब्भाहओ लोगो कण वा परिारिओ ।
 का वा अमोहा वुत्ता, जाया चि तापरो हुमे ॥ २२ ॥
 मञ्जुणाब्भाहओ लोगो, जराप् परिवारिओ ।
 अमोहा रयणी वुत्ता, एज ताय विजाणह ॥ २३ ॥
 जा जा वच्चइ रयणी, न सा पडिनियत्तइ ।
 अहम्म कुणमाणस्स, अफला जन्ति राइओ ॥ २४ ॥
 जा जा वच्चइ रयणी, न सा पडिनियत्तइ ।
 धम्म च कुणमाणस्स, मफला जन्ति राइओ ॥ २५ ॥
 एगओ सरसित्ताण, दुइओ सम्मत्तसजुया ।
 पच्छा जाया गमिप्पामो, भिक्खमाणे कुले कुले ॥ २६ ॥
 जस्सत्थि मञ्जुगा सरस, जस्स चत्थि पलायण ।

णो जाणे न मरिस्मामि, सो हु ऋषे सुष्ट सिया ॥ २७ ॥
 अञ्जेन धम्म पडिवज्जयामो, जहिं पनना न पुण्णभवामो ।
 अणागय नेत्र य अत्थि किची, सद्दास्यमाणे विणइत्तु राग ॥ २८ ॥
 पहीणपुत्तस्म हु नत्थि वामो, गसिद्धि भिक्खापरियाड कालो ।
 माहाहि रुम्पो ऱ्हई समाहिं, छिन्नाहि माहाहि तमेव ठाणु ॥ २९ ॥
 पखाविट्ठणो व्यज्जेय पक्खी, भिच्चविट्ठणो व्यरणे नरि दो ।
 विवन्नमारो वणिओ व्यपोए, पहीणपुत्तो मि तहीं अट्ठपि ॥ ३० ॥
 सुसमिया ञामगुणे ऱ्मे ते, सपिण्डिया अग्गरमव्वभूया ।
 भुजाअ ता कामगुणे पगाम, पच्छा गमिस्साम्मु पहाणमग्ग ॥ ३१ ॥
 भुत्ता रसा भोड जहाड णे वओ न जीवियट्ठा पजहामि भोए ।
 लाभ अलाभ च सुह च दुक्ख, मच्चिस्समाणो चरिस्सामि मोण ॥ ३२ ॥
 माहू उम मौपरियाण सम्भरे, जुणो व हमो पडिसोत्तगामी ।
 भुजाडि भोगाट मए समाण, दुक्ख खु भिक्खापरियाविहारो ॥ ३३ ॥
 जहा य भोड तणुय भुयगो, निम्मोयणिं हिच्च पलेइ सुत्तो ।
 एमेए जाया पयहन्ति भोए, ते ह कह नाणुगमिस्ममेक्को ॥ ३४ ॥
 छिन्दित्तु जाल अल य रोहिया, मच्छा जहा कामगुणे पहाय ।
 बोरेयसीला तरसा उदारा, गीरा हु भिक्खाचरिय चरन्ति ॥ ३५ ॥
 नहेव कुचा सयइक्कमन्ता तयाणि जालाणि दलित्तु हसा ।
 पलेत्ति पुत्ता य पइ य मज्ज, ते ह कह नाणुगमिस्ममेक्का ॥ ३६ ॥
 पुरोहिय त समुय मदार, सोच्चाऽभिनिस्सम्प पहाय भोए ।
 वुड्ढममार विउत्तम च, राय, अभिक्ख नमुत्ताय ढवी ॥ ३७ ॥
 वन्तासी पुरिमो राय, न सो हो पममिओ ।
 माहणेण परिचत्त, धण आटाठमिच्छसि ॥ ३८ ॥
 सव्व जग जइ तुह, सव्व वावि ऱण भव ।
 सव्व पि ते अपज्जत्त, नेत्र ताणाय त तत्र ॥ ३९ ॥
 मरिहिसि राय जया तया वा, मणोरमे ञामगुणे विहाय ।
 ण्को हु धम्मो नरट्टर ताण न विज्जई अन्नमिहेह किंचि ॥ ४० ॥
 नाह ऱ्मे पक्खिण्णि पनरे वा, सताणछिन्ना चरिस्सामि मोण ।
 अक्कि उगा उज्जुफडा निगमिमा, परिग्गहाग्गम्भनियत्तदोमा ॥ ४१ ॥

दननिगणा जहा ऱ्णणे, उच्चमाणेसु जन्तुसु । अञ्जे मत्ता पमोयन्ति, रागदोमवस गया ॥ ४२ ॥
 एणमेव यय मूढा, कामभोगेसु मुच्छिया । उच्चमाण न वुड्ढामो, रागदोमग्गिणा जग ॥ ४३ ॥
 भोगे भोच्चा वमिच्चा य, न्हृदुभूयविहारिणे । आमोयमाणा गच्छति, दिया ञामरूपा इव ॥ ४४ ॥
 इमे य वद्दा फन्दन्ति, मम हत्थज्जमाणा । वय च मत्ता कामेसु, भविस्सामो जहा इमे ॥ ४५ ॥

सामिस बुलल दिस्स, वज्झमाण निरामिस । आमिस सव्वमुज्झिता, विहरिस्सामि निरामिसा ॥ ४६ ॥
 गिद्धोवमा उ नच्चाण, कामे ससारवड्डणे । उरगो सुउण्णपासे व्व, सङ्गमाणो तणु चरे ॥ ४७ ॥
 नागो व्व ब धण छित्ता, अप्पणो व्वमहिं उए । एय पठ महागय, उस्सुयारि त्ति मे सुय ॥ ४८ ॥
 चइत्ता विउल रज्ज, कामभोगे य दुच्चए । निव्विमय निरामिसा, निन्नेण निप्परिग्गहा ॥ ४९ ॥
 धम्म धम्म वियाणित्ता, चेच्चा कामगुणे व्वरे । तव पग्गिज्झहक्खाय, धोर धोरपरव्वमा ॥ ५० ॥
 एव ते कमसो बुद्धा, सव्व धम्मपरायणा । जम्ममन्चुभउव्विग्गा, दुक्खस्स तगवेसिणो ॥ ५१ ॥
 सासणे विगयमोहाण, पुत्तिं भावणभारिया । अचिरणेण कालेण, दुक्खस्सन्तमुवागया ॥ ५२ ॥
 राया सह दवीए, माहणो य पुरोहिओ । माहणी दारगा चेव मव्व ते परिनिव्वुड ॥ ५३ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ उस्सुयारिज्ज समत्त ॥ १४ ॥

॥ अह सभिन्सू पचदह अज्जयण ॥

मोण चरिस्सामि समिच्च धम्म, सहिए उज्जुक्खडे नियाणठिन्ने ।
 सथय अहिज्ज अकामकामे, अन्नायएसी परिव्वए स भिक्खू ॥ १ ॥
 राओरय चरेज्ज लाटे, विरए वेयनियापरक्खिए ।
 पन्ने अभिभूय सव्वदसी जे, कम्मिच्चि न मुच्छिए स भिक्खू ॥ २ ॥
 अक्कोसगह मिइत्तु धीरे, मुणी चरे लाटे निच्चमायभुत्ते ।
 अव्वग्गमणे असपहिट्ठे, जे कसिण अहियासए स भिक्खू ॥ ३ ॥
 पत्त सयगासण भइत्ता, सीउण्ह विविह च दसमसग ।
 अव्वग्गमणे असपहिट्ठे, जे कसिण अहियासए स भिक्खू ॥ ४ ॥
 नो सक्खमिन्च्छई न पूय, नो पि य वदणग कुओ पसस ।
 से सजए सुव्वए तनस्सी, सहिए आयगवेसए स भिक्खू ॥ ५ ॥
 जेण पुण जहाइ जीविय, मोह वा कसिण नियच्छई ।
 नरनारिं पजहे सया तवस्सी, न य कोऊहल उवेइ स भिक्खू ॥ ६ ॥
 छिन्न सर भोमन्तलिक्ख, सुमिण लक्खणदण्डवत्पुविज्ज ।
 अगवियार सरस्स विजय, जे विज्जाहि न जीगइ स भिक्खू ॥ ७ ॥
 मन्त मूल विविह वेज्जचित्त, वमणविरेयणवूमणेत्तसिणाण ।
 आउरे सरण तिगिच्छिय च, त परिन्नाय परिव्वए स भिक्खू ॥ ८ ॥
 सत्तियगणउग्गशयपुत्ता, माहणभोइय विविहा य सिप्पिणो ।
 नो तेसिं वयइ सिलोगपूय, त परिन्नाय परि वए स भिक्खू ॥ ९ ॥
 गिहिणो जे पव्वइएण दिट्ठा, अप्पणइएण व सथुया हविज्जा ।
 तेसिं इयलोइयफलट्ठा, जो सथव न करेइ स भिक्खू ॥ १० ॥
 सयणासणपाणभोयण, विविह सइमसाइम परेसिं ।

अदए षडिसेहिए नियण्ठे, जे तत्थ न पउस्सई स भिक्खू ॥ ११ ॥
 ज किं चि आहारपाणजाय, विविह राडममाइम परेसिं लध्धु ।
 जो त तिविहेण नाणुकम्पे, मणत्रयकायसुसबुडे स भिक्खू ॥ १२ ॥
 आयामग चेव जवोदण च, सीय सोवीरजवोदग च ।
 न हीलए पिण्ह नीरस तु, पन्तबुलाइ परिच्चए स भिक्खू ॥ १३ ॥
 सहा विविहा भवन्ति लोए, दिव्वा माणुस्मगा तिरिच्छा ।
 भीमा मयमेरवा उराला, सोच्चा न विहिज्जई स भिक्खू ॥ १४ ॥
 वाद विविह ममिच्च लोए, सहिए खेयाणुरए य कोवियप्पा ।
 पन्ने अभिभूय सब्बसी, उवसन्ते अविहेडिण स भिक्खू ॥ १५ ॥
 अविसप्पजीवी अगिठे अमित्ते, जिइन्दिए मव्वओ विप्पमुक्के ।
 अणुकसाई लहुअप्पभवत्ती, चेच्चा गिह एगचरे स भिक्खू ॥ १६ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ सभिक्खुय समत्त ॥ १५ ॥

॥ अह वम्मचेरसमाहिठाणाणाम सोलसम अज्झयण ॥

सुय मे आउस-तेण भगवया एवमकखाय । इह खलु धेरहिं भगवन्नेहिं दम वम्मचेरसमाहिठाणा
 पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा निसम्म सजमवहुले सवरवहुले ममाहिवहुले गुत्ते गुत्तिन्दिए गुतवम्म-
 यारी मया अप्पमत्ते निहरज्जा । कयरे खलु ते धेरहिं भगव तेहिं दस वम्मचेरसमाहिठाणा पन्नत्ता,
 जे भिक्खू सोच्चा निसम्म सजमवहुले समाहिवहुले गुत्ते गुत्तिन्दिए गुतवम्मयारी मया अप्पमत्ते
 विहरज्जा ॥ इमे खलु ते धेरहिं भगव तेहिं दम वम्मचेरठाणा पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा निसम्म
 सजमवहुले सवरवहुले समाहिवहुले गुत्ते गुत्तिन्दिए गुत्तवम्मयारी सया अप्पमत्ते विहरेज्जा तजहा
 विविच्चाइ सयणासणाइ सेत्तिच्चा हवइ से निग्ग थे । नो इत्थीपसुपण्डगसमत्ताइ सयणासणाइ सेविच्चा
 हवइ से निग्गन्थे । त ऱ्हमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु इत्थिपसुपण्डगसमत्ताइ सय-
 णासणाइ सेत्तिमाणस्म वम्मयारिस्स वम्मचेरे सका वा कखा वा निडगिच्छा वा समुप्पज्जिजा, भेद
 वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केरलिपन्नत्ताओ धम्माओ
 भसज्जा । तम्हा नो इत्थिपसुपण्डगसमत्ताइ सयणासणाइ सेत्तिच्चा हवइ से निग्गन्थे ॥ १ ॥ नो
 इत्थिण ऱ्ह कहित्ता हए से निग्गन्थे । त ऱ्हमिति चे आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु इत्थीण
 कह केहेमाणस्म वम्मयारिस्स वम्मचेरे सका वा कखा वा निडगिच्छा वा समुप्पज्जिजा, भेद वा
 लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा केरलिपन्नत्ताओ धम्माओ भ-
 सेज्जा । तम्हा नो इत्थीण कह कहज्जा ॥ २ ॥ नो इत्थीण सद्धिं मन्निसेज्जाणए विहरिच्चा हवइ
 से निग्गन्थे । त ऱ्हमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु इत्थीण सद्धिं मन्निसेज्जाणयम्म
 वम्मयारिस्स वम्मचेरे सका वा कखा वा निडगिच्छा वा समुप्पज्जिजा, भेद वा लभेज्जा उम्माय
 वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केरलिपन्नत्ताओ धम्माओ भसज्जा । तम्हा खलु

नो निग्गथे इत्थीहिं सद्धिं सभिसेज्जागए विहरेज्जा ॥ ३ ॥ नो इत्थीण इन्दियाइ मणोहराइ मणोरमाइ आलोइत्ता निज्जाइत्ता हवइ से निग्गथे । त कहमिति चे आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु इत्थीण इन्दियाइ मणोहराइ मणोरमाइ आलोएमाणस्स निज्जायमाणस्स बम्भयारिस्म बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गन्थे इत्थीण इन्दियाइ मणोहराइ मणोरमाइ आलोएज्ज निज्जाएज्जा ॥ ४ ॥ नो इत्थीण बुडु तरसि वा दूमन्तरसि वा भित्तन्तरसि वा कूइयसद् वा रइयसद् वा गीयसद् वा हसियसद् वा थणियसद् वा कन्दियमद् वा विलवियमद् वा सुणेत्ता हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्म खलु इत्थीण कुडुन्तरसि वा दूमन्तरसि वा भित्तन्तरसि वा कूयसद् वा रुइयसद् वा गीयसद् वा हसियसद् वा थणियसद् वा कन्दियमद् वा विलवियसद् वा सुणेमाणस्स बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गन्थे इत्थीण कुडु तरसि वा दूमन्तरसि वा भित्तन्तरसि वा कूइयसद् वा रइयसद् वा गीयसद् वा हसियमद् वा थणियसद् वा कन्दियसद् वा विलवियसद् वा सुलेमाणे विहरेज्जा ॥ ५ ॥ नो निग्गन्थे पुव्वरय पुव्वकीलिय अणुसरिच्चा हवइ से निग्गन्थे त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गथस्स खलु पुव्वरय पुव्वकीलिय अणुममाणस्म बम्भयारिस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गन्थे पुव्वरय पुव्वकीलिय अणुसरेज्जा ॥ ६ ॥ नो पणीय जाहार आहारेच्चा हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु पणीय जाहार आहारेमाणस्स बम्भयारिस्म बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गन्थे पणीय जाहार आहारेज्जा ॥ ७ ॥ नो अइमायाए पाणभोयण आहारत्ता हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु अमायाए पाणभोयण आहारेमाणस्स बम्भयारिस्म बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गन्थे अइमायाए पाणभोयण आहारेज्जा ॥ ८ ॥ नो विभूसाणुवादी हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे आयरियाह । विभूसावत्तिण विभूसियसरीं इत्थिज्जणस्स अभिलसणिजे हवइ तओ ण इत्थिज्जणेण अभिलसिज्जमाणस्स बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केवलपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गन्थे विभूसाणुवादी हविज्जा ॥ ९ ॥ नो सदरूपरसगन्धफामाणुवादी हवइ से निग्गन्थे । त कहमिति चे । आयरियाह । निग्गन्थस्स खलु सदरूपरसगन्धफामाणुवादिस्स बम्भयारिस्म बम्भचेरे सका वा कखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेद वा लभेज्जा, उम्माय वा पाउणिज्जा, दीहकालिय वा रोगायक हवेज्जा, केव

लिपन्नत्ताओ धम्माओ भसेज्जा । तम्हा ख उ नो मद्दरुग्गमग्ग्वक्कामाणुयादी भयेज्जा मे निग्गन्थे ।
दसमे वम्भचेरममाहिठाणे हउइ ॥ १० ॥ भवन्ति इत्थं सिलोगा तजहा—

ज विवित्तमणाइण, रहिय इत्थि जणेण य वम्भचेरम रक्खड्ढा, आलय तु निसेए ॥ १ ॥
मणपल्हायजणणी, कामरागविउड्ढणी । वम्भचेरओ भिक्खु, यीरुह तु विवज्जए ॥ २ ॥
सम च सथव गीहि, मउह च अभिक्खण । उम्भचेरओ भिक्खु, निचसो परिवज्जए ॥ ३ ॥
अगपच्चगमठाण, चारुल्लवियपेहिय । उम्भचेरओ धीण, चक्खुगिज्झ विवज्जए ॥ ४ ॥
कूडय रूडय गीय, इसिय यणियरुन्दिय । उम्भचेरओ धीण, सोयगेज्झ विउज्जए ॥ ५ ॥
हास किडु रइ दप्प, सहमावित्तासियाणि य । वम्भचेरओ धीण नाणुचिन्ते रुयाइ वि ॥ ६ ॥
पणीय भत्तपाण तु, रिप्प मयविउड्ढण । वम्भचेरओ भिक्खु, निचसो परिवज्जण ॥ ७ ॥
धम्मलद्ध मिय काले, जत्तथ पणिहाणव । नाडमत्त तु भुत्तेज्जा, उम्भचेरओ मया ॥ ८ ॥
विभूस परिउज्जेज्जा, मरीरपरिमण्डण । वम्भचेरओ भिक्खु, सिंगारत्थ न धारए ॥ ९ ॥
सदे रुवे य ग धे य, रसे फासे तहवय । पचविदे कामगुणे, निचमो परिवज्जए ॥ १० ॥
आलओ धीजणा ण्णो, थीरुहा य मणोरमा । मथयो चेउ नारीण, तासि इन्दियदरिमण ॥ ११ ॥
कूडय रूडय गीय, हासभुत्तामियाणि य । पणीय भत्तपाण च, अट्टमाय पाणभोयण ॥ १२ ॥
गत्तभूसणमिड्ड च, कामभोगा य दुज्जया । नरस्सत्तगवेसिस्स, विस तालउड जहा ॥ १३ ॥
दुज्जए कामभोगे य, निचमो परिवज्जए । सक्काथाणाणि सव्वाणि, वज्जेज्जा पणिहाणव ॥ १४ ॥
धम्मारावरते चरे भिक्खु, धिइम वम्मसारही । धम्मारावरते दत्ते, वम्भचेरममाहिए ॥ १५ ॥
देउणावगन्धवा, जकररक्खसक्खिन्ना । वम्भयारिं नमसन्ति, दुक्खर जे मरन्ति त ॥ १६ ॥
एस धम्मे धुवे निचे, मामए जिणदसिए । सिद्धा सिज्झन्ति चाणेण, सिज्झिस्सन्ति तहाउरे ॥ १७ ॥
त्ति वेमि ॥ इअ उम्भचेरममाहिठाणा ममत्ता ॥ १६ ॥

॥ अह पावसमणिज्ज सत्तदह अज्झयण ॥

जे केइ उ पव्वहण नियण्ठ, धम्म सुणिचा विणओउरन्ने ।

सुदुल्लह लहिउ चोहिलाभ, विहारेज्ज पच्छा य जहासुह तु ॥ १ ॥

मेज्जा दढा पाउरणम्मि अत्थि, उप्पज्जइ भोत्त तहव पाउ ।

जाणामि ज वट्टइ आउसु त्ति, कि नाम कहामि मृएण भन्ते ॥ २ ॥

जे केई पव्वहण, निहामीले पगाममो । भोचा पेचा सुह सुउड पाउसमणि त्ति बुच्चई ॥ ३ ॥

आयरियउवज्जणहि सुय विणय च गाहिए । ते चेउ रिंमई गले, पावसमणि त्ति बुच्चई ॥ ४ ॥

आयरियउवज्जहायाण, सम्म न पडितप्पह । अप्पाडिपूगण थद्वे पाउसमणि त्ति बुच्चई ॥ ५ ॥

सम्मइमाणो पाणाणि, वीयाणि हरियाणि य । असजए सनयमन्नमार्णी, पाउसमणि त्ति बुच्चई ॥ ६ ॥

सथार फलय पीढ, निसेज्ज पायकम्बल । अप्पमज्जियमारुहइ, पाउसमणि त्ति बुच्चई ॥ ७ ॥

दवदवस्स चरई, पमत्ते य अभिक्खण । उल्लपणे य चण्डे य, पावसमणि त्ति बुच्चई ॥ ८ ॥

पडिलेहेइ पमत्ते, पडज्जइ पायकम्बल । पडिलेहा अणाउत्ते, पावममणि त्ति बुच्चई ॥ ९ ॥
 पडिलेहेइ पमत्ते, से किंचि हु निसामिया । गुरुपारिभावए निच्च, पावममणि त्ति बुच्चई ॥ १० ॥
 घट्टुमाई पमुहरे, थद्वे लुद्वे अणिग्गहे । असविभागी अत्रियत्ते, पावममणि त्ति बुच्चई ॥ ११ ॥
 विवाद च डदीरेइ, अहम्मे अत्तपन्नहा । बुग्गहे कलहे रत्ते, पावममणि त्ति बुच्चई ॥ १२ ॥
 अथिरासणे कुकुइए, जत्थ त थ निसीयई । आसणाम्मि अणाउत्ते, पावसमणि त्ति बुच्चई ॥ १३ ॥
 तसक्खपाए सुवई, सेज्ज न पडिलेहेइ । सथारए अणाउत्ते, पावममणि त्ति बुच्चई ॥ १४ ॥
 दुद्धदहीविगईओ, आहारेइ अभिक्खण । अरए य तवोकम्मे, पावसमणि त्ति बुच्चई ॥ १५ ॥
 जत्थन्तम्मि य सूरम्मि आहारेइ अभिक्खण । चोइओ पडिचोएइ, पावसमणि त्ति बुच्चई ॥ १६ ॥
 आयरियपरिच्चाई, परपासण्डसनए । गाणगणिए दृब्भूए, पावसमणि त्ति बुच्चई ॥ १७ ॥
 सय गेह परिच्चज्ज, परगेहसि वावरे । निमित्तेण य ववहरइ, पावममणि त्ति बुच्चई ॥ १८ ॥
 सच्चाइ पिण्ड जेमेइ, नेच्छई सामुदाणिय । गिहिनिसेज्ज च वाहेइ, पावसमणि त्ति बुच्चई ॥ १९ ॥

एयारिमे पच्चकुसीलसुवुडे, रूग्घरे सुणिपनराण हेट्ठिमे ।

अयसि लोए विसमेव गरहिए, न से इह नेव परत्थ लोए ॥ २० ॥

जे वज्जए एए सया उ दोसे, से सुवए होइ सुणीण मज्जे ।

अयसि लोए अमय व पूइए, आराहण लोमिण तहा पर ॥ २१ ॥

॥ ति वेमि ॥ इअ पावसमणिज्ज समत्त ॥ १७ ॥

॥ अह सजइज्ज अढारहम अज्जयण ॥

कम्पिल्ले नयरे राया, वदिण्णवलराहणे । नामेण सजए नाम, मिग्ग उवणिग्गए ॥ १ ॥

हयाणीए गयाणीए, रयाणीए तदेव य । पायताणीए महया, सबओ परिवारिए ॥ २ ॥

मिए छुहिचा हयगओ, कम्पिल्लुजाण केसरे । भीए सन्ते मिए तत्थ, वहेइ रसमुच्छिए ॥ ३ ॥

अह केसरम्मि वज्जाणे, अणगारे तवोधणे । सज्जायज्जाणसज्जुत्ते, धम्मज्जाण श्लियायइ ॥ ४ ॥

अप्पेवमण्डवम्मि, भायइ कखविधामवे । तस्मागए मिग पास वहेइ से नराहिवे ॥ ५ ॥

अह आसगओ राया, खिप्पसागम्म सो तहिं । हए मिए उ पासिता अणगार तत्थ पासई ॥ ६ ॥

अइ राया तत्थ मम्भन्तो, अणगारो मणा हओ । मए उ मद्दुपुणेण, रमगिद्वेण घजुगा ॥ ७ ॥

आस विसज्जइत्ताण, अणगारस्स सो निवो । विगएण वद्दए पाए भगव एत्थ मे खमे । ८ ॥

अह मोणेण सो भग्गन, अणगारे ज्ञाणमस्सिए । रायाण न पडिम तेइ, तओ राया भवइदुओ ॥ ९ ॥

सजओ आहमम्भीति, भगव वाहराहि मे । कुद्वे तेएण अणगारे, डहेज्ज नरकोडिओ ॥ १० ॥

अब्भओ पत्थिवा तुब्भ, अभयदाया भवाहि य । अणिवे जीनलोगम्मि, किं हिंमाए पमज्जसी ॥ ११ ॥

जया सव परिच्चज्ज, गन्तवमवसस्स ते । अणिवे जीनलोगम्मि, किं रज्जम्मि पसज्जसी ॥ १२ ॥

जीविय चेव रूव च, विज्जुसपाय चचल । जत्थ त मुज्जसी राय पेच्चत्थ नावुवज्जसे ॥ १३ ॥

दाराणि य सुया चेव, मित्ता य तह बन्धवा । जीनन्तमणुजीवन्ति, मय नाणुवयन्ति य ॥ १४ ॥

नीहरन्ति मय पुत्रा, पितर परमदुस्त्रिया । पितरो वि तहा पुत्रे, बन्धू राय तव चरे ॥ १५ ॥
 तओ तेणज्जिए दवे, दारे य परिरक्खिए । कीलन्तिञ्जे नरा राय, हट्टतुट्टमलकिया ॥ १६ ॥
 तेणावि ज कय कम्म, सुह वा जइ वा दुह । कम्मणा तेण सजुत्तो, गच्छई उ पर भव ॥ १७ ॥
 सोजण तस्स सो धम्म, अणगारस्म अन्तिए । महया सबेगनिवेद, समावन्नो नराहिणो ॥ १८ ॥
 सजओ चइउ रज्ज, निक्खतो जिणसासणे । गद्भालिस्स भगवओ, अणगारस्म अन्तिए ॥ १९ ॥
 चिच्चा रट्ट पव्वइए, खत्तिए परिभासइ । जहा ते दीसई रूव, पसन्न ते महा मणो । २० ॥
 किं नामे कि गोच, कस्सट्टाए व माहणे । रुह पडियरसी बुद्धे, कह विणीण चि बुच्चसी ॥ २१ ॥
 सजओ नाम नामेण, तहा गोत्तेण गोयमो । गद्भाली ममायरिया विज्जाचरणपारगा ॥ २२ ॥
 किरिय अकिरिय विणय, णत्ताण च महामुणी । एएहिं चउहि ठाणेहिं, मेयन्ने कि पभामई ॥ २३ ॥
 इइ पाउकरं जुद्धे, नायए परिणिच्चुए । विज्जाचरणसपन्ने, सच्चे सच्चपरकमे ॥ २४ ॥
 पडन्ति नरए धोरे, जे नरा पाउकारिणो । दिव च गइ गच्छन्ति, चरित्ता धम्ममारिय ॥ २५ ॥
 मायाबुइयमेय तु, मुसाभासा निरत्थिया । सजममाणो वि अह, वमामि इरियामि य ॥ २६ ॥
 सब्बे विइय मज्ज, मिच्छादिट्ठी अणारिया । विज्जमाणे परे लोण, मम्म जाणामि अप्पग ॥ २७ ॥
 अहसासि महापाणे, जुइम ररिससओवमे । जा सा पालिमहापाली, दिवा वरिससओउमा ॥ २८ ॥
 से घुए वम्मभोगाओ, माणुस्स भयमागए । अप्पणो य परेसिं च, आउ जाणे जहा तहा ॥ २९ ॥
 नाणारुड च छन्द च, परिवज्जेज्ज सजए । अणट्ठा जे य सब्बया, इयविज्जामणुसचरे ॥ ३० ॥
 पडिक्कामि पसिणाण परमतहिं या पुणो । अहो वट्टिए अहोराय, इइ विज्जा तव चरे ॥ ३१ ॥
 ज च मे पुच्छसी काले, सम सुद्धेण चैयसा । ताइ पाउकरे बुद्धे त नाण जिणसासणे ॥ ३२ ॥
 किरिय च रोयई धीर, अकिरिय परिज्जए । दिट्ठीए दिट्ठीसम्पन्ने, धम्म चरसु दच्चर ॥ ३३ ॥
 पय पुण्णपय सोच्चा, अत्थधम्मोवमोहिय । भरहो वि भारह वास, च्च्चा कामाइ पव्वए ॥ ३४ ॥
 सगरो वि सागरन्त, भरहवास नराहिणो । इस्सरिय वल्ल हिच्चा, दयाइ परिनिच्चुडे ॥ ३५ ॥
 चउत्ता भारह वास, चवण्टी महिड्डिओ । पव्वज्जमन्धुगओ, मघय नाम महात्तसो ॥ ३६ ॥
 सणकुमारो मणुस्मिन्दो चक्कण्टी महिड्डिओ । पुत्त रज्जे ठवेज्जण, सो वि राया तव चरे ॥ ३७ ॥
 चइत्ता भारह वास, चक्कणी महिड्डिओ । सन्ती सन्तिअर लोए, पत्तो गइमणुत्तर ॥ ३८ ॥
 इक्खागारायवसभो, इत्थ नाम नरिसरो । विक्खायक्कित्ती भगव पत्तो गइमणुत्तर ॥ ३९ ॥
 मागरन्त चइत्ताण, भरह नरवरीसरो । अरो य अरय पत्तो, पत्तो गइमणुत्तर ॥ ४० ॥
 चउत्ता भारह वास, चइत्ता वल्लगहण । चइत्ता उत्तमे भोण महापग्गे तत्र चरे ॥ ४१ ॥
 एगच्छत्त पमाहिता, महिं माणनिच्चरणो । हरिसेणो मणुस्मिन्दो, पत्तो गइमणुत्तर ॥ ४२ ॥
 अन्निओ रायमहस्सेहिं सुपरिचार्ड, दम चर । जयनामो जिणक्खाय, पत्तो गइमणुत्तर ॥ ४३ ॥
 दमण्णरज्ज मुदिय चइत्ताण मुणी चर । दसण्णभट्ठो निक्खतो, सत्तु मक्कण चोओ ॥ ४४ ॥
 नमी नमेइ अप्पाण, मक्क मक्केण चोइओ । चइउण गेह उददेही, मामण्णे पज्जुवट्ठिओ ॥ ४५ ॥
 करक्कण्ट कलिगेसु, पचालेसु य दुम्महो । नमी राया वीदहसु, गन्धारेसु य नग्गई ॥ ४६ ॥
 एए नरिन्दवसभा, निक्खत्ता निणमामणे । पुत्ते रज्जे ठवेज्जण, मामण्णे पज्जुवट्ठिया ॥ ४७ ॥

सोवीररायवसभो, चइचाण मुणी चर । उदायणो पवइओ, पत्तो गइमणुत्तर ॥ ४८ ॥
 तहेव कासीराया, सेओसच्चपरकमे । रामभोगे परिच्चज्ज, पवणे कम्ममहावण ॥ ४९ ॥
 तहेव विजओ राया, अणट्ठाकित्ति पवए । रज्ज तु गुणसमिद्ध, पर्यहित्तु महाजसो ॥ ५० ॥
 तहेवुग्ग तव किंचा, अबक्खित्तेण चेषसा । मइन्वलो रायरिसी, आदाय सिरसा सिरिं ॥ ५१ ॥
 कह धीरो अहेऊहिं, उम्मत्तो व महिं चरे । एए विसेममादाय, स्या ददपरकमा ॥ ५२ ॥
 अच्चन्तनियाणसमा, मच्चा मे भासिया रई । अतरिंसु तरन्तेगे, तरिस्मन्ति अणागया ॥ ५३ ॥
 कहिं धीरे अहेऊहिं अत्तण परियावसे । मवसगविनिम्मूके, सिद्धे भवइ नीरण ॥ ५४ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ सजइज्ज समत्त ॥ १८ ॥

॥ मियापुत्तीय एगुणवोसडम अज्जयण ॥'

मुग्गीवे नयरे रम्मे, णणणुज्जाणसोहिए । राया बलभदि चि, मिया तस्सग्गमाहिसी ॥ १ ॥
 तेसिं पुत्ते बलसिरी, मियापुत्ते चि विस्सुए । अम्मापिऊण दइए, जुवराया दमीमरे ॥ २ ॥
 नन्दणे मो उ पासाए, कीलए सह इरिथिहिं । देवोदोएण्णदगे चेष, निच्च मुइयमाणसो ॥ ३ ॥
 मणिरयणकोट्टिमत्ते पामायालोयणट्ठिओ । आलोएड नगरम्स, चउक्क चियच्चरं ॥ ४ ॥
 अह तत्थ अइच्छन्त, पासई ममणसज्जप । तपनियमसज्जमधर, सीलड्डु गुणआगर ॥ ५ ॥
 त हेवइ मियापुत्ते, दिट्ठीए अणिमिमाए उ । कहिं मन्ने रिस रूव, दिट्ठपुव मए पुरा ॥ ६ ॥
 साहुस्स दरिमणे तस्स, अज्जवसाणम्मि सोहणे । मोह गयस्स सत्तस्स, जाइसरण समुप्पन्न ॥ ७ ॥
 जाससरणे समुप्पन्न, मियापुत्ते महिड्डिण । सगई पोरणिणिय जाई, सामण्ण च पुरा कय ॥ ८ ॥
 विमएहि अरज्जन्तो, रज्जन्तो सज्जम्मि य । अम्मापियरमुत्ताग्गम्म, इम वयणमन्ववी ॥ ९ ॥

मुयाणि मे पच महज्जयाणि नरएसु दुक्ख च तिरिक्खजोणिसु ।

निव्विण्णकामो मि महण्णवाउ, अणुत्ताण पवइम्मामि अम्मो ॥ १० ॥

अम्म ताप मए भोगा, भुत्ता विसफलोममा । पच्छा कहयविवागा, अणुबन्धदुहाणहा ॥ ११ ॥
 इम सरिीर अणिच्च असुइ असुइसभव । अमासयागसमिण दुक्खकेमाण भायण ॥ १२ ॥
 असासए मरीरम्मि, रइ नोवलभामह । पच्छा पुरा य चइयव्वे फेणवुव्वुयगन्निमे ॥ १३ ॥
 माणुमत्त असारम्मि, वाहीरोमाण आलए । जरामरणघत्थम्मि, गणपि न रमाह ॥ १४ ॥
 जम्म दुक्खजरा दुक्ख, रोगाणि मरणाणि य । अहो दुक्खो हुसमारो, जत्थ कीसन्ति जन्तवो ॥ १५ ॥
 खेत्त तत्थ हिरण्ण च पुत्तदार च बच्चया । चइत्ताण हम देह, गतत्तमसस्स मे ॥ १६ ॥
 जह किम्पागफलाण, परिणामो न सुन्दरो । एव भुत्ताण भोगाण, परिणामो न सुन्दरो ॥ १७ ॥
 अदाण जो महत्त तु, अप्पाहेओ पवजई । गच्छन्तो मो दुही होइ, उहातण्हाण पीडिओ ॥ १८ ॥
 एव धम्म अकाऊण, जो गच्छइ पर भव । गच्छ तो सो सुही हो, वाहीगेगेहि पीडिओ ॥ १९ ॥
 अदाण जो महत्त तु, सपाहेओ पवजई । गच्छन्तो सो सुही होइ, उहातण्हाविवज्जिओ ॥ २० ॥

एव धम्म पि काऊण, जो गच्छइ पर भन । गच्छन्तो सो सुही होइ, अप्पकम्मे अवेयणे ॥ २१ ॥
 जहा गेहे पलित्तम्मि, तस्म गेहस्स जो पट्ट । सारभण्डाणि नीणेइ, असार अउउद्दइ ॥ २२ ॥
 एव लोए पलित्तम्मि, जराए मरणेण य । अप्पाण तारइस्सामि, तुब्भेहि अणुमन्निओ ॥ २३ ॥
 त विन्तम्मापियरो, सामण्ण पुत्त दुच्चर । गुणाण तु सहस्साइ, धारेयव्वाइ भिक्खुणा ॥ २४ ॥
 ममया मव्वभूएसु, मत्तुमित्तेसु वा जगे । पाणाइयायविरई, जान्जीवाए टुक्कर ॥ २५ ॥
 निच्चकालप्पमत्तेण, मुमानायविवज्जण । भासियच्च हिय सच्च, निच्चाउत्तेण दुक्कर ॥ २६ ॥
 दन्तसोहणमाइस्स, अदत्तस्म विवज्जण । अणवज्जेमणिज्जस्स, गिहण्णा अवि दुक्कर ॥ २७ ॥
 विरई अउम्भेचरस्स, कामभोगरन्नुणा । उग्ग महव्वय वम्म, धारेयव्व सुदुक्कर ॥ २८ ॥
 णधन्नपेमव्वग्गसु परिग्गहविज्जण । मव्वारम्भपरिच्चाओ, निम्ममत्त सुदुक्कर ॥ २९ ॥
 चउन्विह्वे वि आहारे, राइभोयणज्जणा । मन्निहोमचओ चेव, वज्जेयव्वो सुदुक्कर ॥ ३० ॥
 टुहा तण्हा य सीउण्ह दसमसगवेयणा । अक्कोमा टुक्करसेज्जा य, तणफामा जलमेव य ॥ ३१ ॥
 तालणा तज्जणा चेव, वट्ठव धपरीसहा । दुक्कर भिक्खायरिया, जायणा य अलभया ॥ ३२ ॥
 काओया जा रमा वित्ती, केसलोओ य दाट्ठणो । दुक्कर धम्मव्वय धोर, धारेउ य महप्पणो ॥ ३३ ॥
 सुहोइओ तुम पुत्ता, सुक्कुमालो सुमज्जिओ । न ट्ट सी पभू तुम पुत्ता, मामण्णमणुपालिया ॥ ३४ ॥
 जावजीनमविस्सामो गुणाण तु महम्मरो । गुरु उ लोहभारव्व, जो पुत्ता होइ दुव्वहो ॥ ३५ ॥
 आगासे गगमोउ व्व, पडिपोउ व्व दत्तरो । वाहाहि सागरो चेव, तरियव्वा गुणोदही ॥ ३६ ॥
 वाळुया कउलो चेव, निरस्माए उ मज्जे । असिधारागमण चेव, टुक्कर चरिउ तवो ॥ ३७ ॥
 अही वेगन्तदिट्ठीए, चरित्ते पुत्त दुक्कर । जवा लोहमया चेव, चावयव्वा सुदुक्कर ॥ ३८ ॥
 जहा अग्गिसिहा टित्ता, पाउ होइ सुदुक्करा । एहा दुक्कर करेउ जे, तारण्णे ममणत्तण ॥ ३९ ॥
 जहा दुक्कर भरेउ जे, होइ णायम्म मोत्थलो । तहा दुक्कर करेउ जे, कीवेषण समणत्तण ॥ ४० ॥
 जहा तुलाए तोलेउ, इक्कगे मन्दरो गिरी । तहा निहुयनीसक, दुक्कर ममणत्तण ॥ ४१ ॥
 जहा भुयाहिं तरिउ, दुक्कर ग्यणायरो । तहा अणुपसन्तेण, दुक्कर दमसागरो ॥ ४२ ॥
 भुज माणुस्मए भोगे, पचलक्खणए तुम । भुत्तभोगी तओ जाया, पच्छा धम्म चरिस्समि ॥ ४३ ॥
 सो नइ अम्मापियरो, एवमेय जहा फुड । इह लोए निप्पिवामस्स, नत्थि क्किचिवि दुक्कर ॥ ४४ ॥
 मारीरमाणमा चेव, वेयणाओ द्दन तसो । मए सोढाओ भीमाओ, जमइ दुक्करभयाणी य ॥ ४५ ॥
 जरामणक्खन्तार, चाउरन्ते भयागरे । मए सोढाणि भीमाणि, जम्माणि मरणाणि य ॥ ४६ ॥
 जहा इह अगणीउण्हो, एत्तोऽणन्तगुणे तहिं । नरएभु वेयणा उण्हा, अस्साया वेइया मए ॥ ४७ ॥
 इम इह सीय, एत्तोऽणन्तगुणे तहिं । नरएसु वेयणा सीया, अस्सया वेइया मए ॥ ४८ ॥
 वन्दन्तो न्दुव्वम्मीसु, उट्टुपाओ अहोसिगे । इयामणे जण्णन्तम्मि पक्कयुव्वो अणत्तसो ॥ ४९ ॥
 महादवग्गिसकासे, मरम्मि वडरवाळुण । कदम्बवाळुयाए य, न्दुव्वुव्वो अणन्तसो ॥ ५० ॥
 रसन्तो वन्दुव्वम्मीसु, उट्टु वदो अच धवो । करवत्तकरन्पईहिं छिन्नपुव्वो अणन्तसो ॥ ५१ ॥
 अइत्तिक्खकण्ठगाइण्णे, तुग सिम्बलिपायवे । खेविय पासवद्वेण, कट्टोकट्टाहिं दुक्कर ॥ ५२ ॥
 महाजन्तेसु उच्छ वा, आरमन्तो सुमेरव । पीडिओ मि मक्ख्मेहिं, पारम्भोअणत्तसो ॥ ५३ ॥

क्वन्तो कोलमुण्णहिं, सामेहिं सजलेहि य । फाडिओ फालिओ छिन्नो, विफुन्तो अणेगसो ॥ ५४ ॥
 असीहि अवसिवण्णाहिं, म्हेहिं पट्टिसेहि य । छिन्नो भिन्नो विमिन्नो य, ओइण्णो पावकम्मुणा ॥ ५५ ॥
 अनसे लोहरह जुत्तो, जलन्ते समिलजुण्ण । चोइओ तोत्तजुत्तहिं, रोज्जो वा जह पाडिओ ॥ ५६ ॥
 हुयासणे जल-तम्मि, चियासु महिसो विज । दङ्को पक्को य अवसो, पावकम्महिं पाविओ ॥ ५७ ॥
 वला सडामतुण्डेहिं, लोहतुण्डेहिं पक्किन्वहिं । विलुत्तो मिलन्तो ह, ढक्किण्णोहिं णन्तसो ॥ ५८ ॥
 तण्हाकिलन्तो धाव तो, पत्तो वेयरणिं नदिं । जल पाहिं ति चिन्त तो, खुरधारहिं विवाइओ ॥ ५९ ॥
 उण्णामित्तो सपत्तो, असिपत्त मदाण । असिपत्तेहिं पडन्तेहिं, छिन्नपुच्चो अणेगसो ॥ ६० ॥
 मुग्गरेहिं मुसदीहिं, म्हेहिं मुमलेहिं य । गया सभग्गगत्तेहिं, पत्त दुक्ख अणन्तसो ॥ ६१ ॥
 खुरेहिं तिक्खधारेहिं, छुरियाहिं कप्पणीहि य । प्पिओ फालिओ छिन्नो, उक्कित्तो य अणेगसो ॥ ६२ ॥
 पासेहिं वृडजालेहिं मिओ वा अवसो अह । वाहिओ बद्धो वा, बहू चेव विवाइओ ॥ ६३ ॥
 गलेहिं मगरजालेहिं, मन्डो वा अवसो अह । उल्लिओ फालिओ गहिओ, मारिणो य अणन्तसो ॥ ६४ ॥
 वीदसएहिं जालेहिं लेप्पाहिं सउणो विव । गहिओ लग्गो बद्धो य, मारिओ य अणन्तसो ॥ ६५ ॥
 कुहाडफरसुमाईहिं, वट्टुईहिं दुमो विव । कुट्टिओ फालिओ छिन्नो, तच्छिओ य अणन्तसो ॥ ६६ ॥
 चवेडमुट्टिमाईहिं कुमागहिं अय पिव । ताडिओ कुट्टिओ मिन्नो, चुण्णिओ य अणन्तसो ॥ ६७ ॥
 तत्ताइ तम्बलोहाइ, तउयाइ सीसयाणि य । पाइओ कलकलन्ताइ, आरमन्तो सुभेरव ॥ ६८ ॥
 तुह पियाइ मसाइ, सएडाइ सोलगाणि य । राविओ मिमममाइ, अग्गिण्णोहिं णन्तसो ॥ ६९ ॥
 तुह पिया सुरा सीहू, मेरओ य महूणि य । पाइओ मि जल-तीओ, वमाओ रहरिणि य ॥ ७० ॥
 निच्च भीएण तत्थेण, दुहिएण चहिएण य । परमा दुहमवद्धा वेपणा वेदिता मए ॥ ७१ ॥
 तिच्चण्डप्पगाढाओ, घोराओ अइदुस्सहा । महब्भयाओ भीमाओ, नग्गसु वेदिता मए ॥ ७२ ॥
 जारिसा माणुसे लोए, ताया दीसन्ति वेपणा । एत्तो अणन्तगुणिया, नरएसु दुक्खवेपणा ॥ ७३ ॥
 सबभवेसु अम्साया, वेपणा वेदिता मए । निमेष-तरमित्त पि, ज साता नत्थि वेपणा ॥ ७४ ॥
 त विन्तम्मापियरो, छन्देण पुत्त पव्या । नरर पुण सामण्णे, दुक्ख निष्पट्टिकम्मया ॥ ७५ ॥
 सो वेइ अम्मापियरो, ण्वमेय जहा फुड । पट्टिकम्म को बुण्णइ, अरण्णे मियपक्खिण्ण ॥ ७६ ॥
 एगब्भूए अरण्णे व, जहा उ चरई मिगे । एत्त धम्म चरिस्सामि, सजमेण तवेण य ॥ ७७ ॥
 जया मिगस्स आयको, महारण्णम्मि जायई । अत्त रुक्खमूलम्मि, को ण ताहे तिगिच्छई ॥ ७८ ॥
 को वा से ओमह देइ, को वा से पुच्छई सुह । को से भत्त च पाण वा, आहरित्तु पणामए ॥ ७९ ॥
 जया से सुही होइ, तया गच्छई गोयर । भत्तपाणस्स अट्ठाए बल्लगखि मराणि य ॥ ८० ॥
 खाइत्ता दाणिप पाउ, वल्लरेहिं मरेहि य । मिगचारिय चरित्ताण गच्छई मिगचारिय ॥ ८१ ॥
 एव समुट्टिओ भिक्खु, एवमेव अणेगए । मिगचारिय चरित्ताण, उट्ठ पक्कमई दिम ॥ ८२ ॥
 जहा मिगे एणे अणेगचारी, अणेगनासे धुनगोयरे य ।
 एव सुणी गोपरिय पविट्ठे, नो हीलए नो वि य रिमएज्जा ॥ ८३ ॥
 मिगचारिय चरिस्सामि, एव पुत्ता जहासुह । अम्मापिईहिं णन्ताओ, जहाइ उवहिं तहा ॥ ८४ ॥
 मियचारिय चरिस्सामि, सवक्खनिमोक्खणि । तुम्भेहिं अभणुनाओ, गच्छ पुत्त जहासुह ॥ ८५ ॥

एव सो अम्मापियरो, अणुमाणिचाण बहुनिह । ममत्त छिन्दई ताहे, महानागो व कञ्जुय ॥ ८६ ॥
 ड्डी नि च मित्ते य, पुत्तदार च नायओ । रेणुय व पढे लग्ग, निधुत्ताण निग्गओ ॥ ८७ ॥
 पचमहद्वयजुत्तो, पचहि ममिओ तियुत्तिगुत्तो य । सव्विभन्तरवाहिरओ, तवोकम्मसि उज्जुओ ॥ ८८ ॥
 निम्ममो निरहकारो, निस्सगो चत्तगारो । समो य सव्वभूएसु, तसेसु थावरेसु य ॥ ८९ ॥
 लाभालामे सुहे दुक्खे, जीणिए मरणे तथा । समो निन्नापससासु, तथा माणापमाणओ ॥ ९० ॥
 गारवेसु कमाएसु, दण्डसल्लभएसु य । नियत्तो हामसोगाओ, अनियाणो अवन्धणो ॥ ९१ ॥
 अणिस्मिओ इह लोए, परलोए अणिस्सिओ । वासीचन्दणकप्पो य, असणे अणसणे तथा ॥ ९२ ॥
 अपसत्थेहि दारेहिं, सव्वओ पिहियामवे । अज्झप्पज्झाणजोगेहिं, पसत्थदमसासणे ॥ ९३ ॥
 ण्य नाणेण चरणेण, दसणेण तवेण य । मात्रणाहि य सुदुद्धाहिं, सम्म भावेसु अप्पय ॥ ९४ ॥
 बहुयाणि उ वासाणि, सामण्णमणुपालिया । मासिएण उ मत्तेण, सिद्धिं पत्तो अणुत्तर ॥ ९५ ॥
 एण कगन्ति मनुद्दा, पण्डिया पनियक्खणा । त्रिणिअट्टन्ति भोगेसु, मियापुत्ते जहारिसी ॥ ९६ ॥

महापभावस्म महाजसस्म, मियापुत्तस्स निसम्म भासिय ।

तत्तप्पहाण चरिय च उत्तम, गटप्पहाण च तिलोगविस्सुत्त ॥ ९७ ॥

नियाणिया दुक्खविवद्वण धण, ममत्तवन्ध च मयाभयावह ।

सुहावह धम्मधुर अणुत्तर, धारेज निव्वाणगुणावह मह ॥ ९८ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ मियापुत्तीय समत्त ॥ १९ ॥

॥ अह महानियण्ठिज्ज वीसइम अज्झयणं ॥

सिद्धाण नमो रिच्चा, सजयाण च भावओ । अत्थधम्मगई तच्च अणुसट्ठिं सुणेह मे ॥ १ ॥

पभूयरायणो राया, सेणिओ मगहाहिवो । विहारजत्त निज्जाओ, मण्डिक्खिंसि चेइए ॥ २ ॥

नाणादुमलयडण्ण, नाणापक्खिसनिसविय । नाणाकुसुमसल्लभ, उजाण नन्दणोवम ॥ ३ ॥

तत्थ सो पासई साहु, सजय सुममाहिय । निसन्न रम्भमूलम्मि, सुकुमाल सुहोइय ॥ ४ ॥

तस्स रुव तु पासित्ता, राडणो तम्मि सजए । अचन्तदरमो आसी, अउलो रुवविम्हओ ॥ ५ ॥

अहोवण्णो अहो रुव, अहो अज्जम्स मोमया । अहो रन्ती अहो शुत्ती, अहो भोगे असजया ॥ ६ ॥

तम्म पाए उ वन्दिच्चा, काज्जण य पयाहिन । नाइदूरमणासने, पजली पडिपुच्छई ॥ ७ ॥

तरणो सि अजो पव्वइओ, भोगकालम्मि सजया । उवट्ठिओ सि सामण्णे, एयमट्ट सुणेमि ता ॥ ८ ॥

अणाहोमि महाराय, नाहो मज्झ न विज्जई । अणुकम्पग सुहिं वावि, कचि नामिममेमह ॥ ९ ॥

तओ मो पहसिओ राया, सेणिया मगहाहिवो । एव ते इट्ठिमन्तस्स, कह नाहो न विज्जई ॥ १० ॥

होमि नाहो भयत्ताण, भोगे भुजाहि सत्तया । मिचनार्परिवुडो, माणुस्स ख सुदुल्लह ॥ ११ ॥

अप्पणा विअगाहो सि, सेणिया मगहाहिवो । अप्पणा अणाहो मन्तो, कस्स नाहो भविस्समि ॥ १२ ॥

एव युत्तो नरिन्दो सो, सुममन्तो सुविम्हिओ । वयण अस्सुपपुव्व, साहुणा विम्हपन्नो ॥ १३ ॥

अस्सा इत्थी मणुस्सा मे, पुर अन्तेउरं च मे । सुनामिमाणुस्से भोगे, आणा इस्सरिय च मे ॥ १४ ॥

एरिसे मम्पयग्गाम्मि, सब्बकामसमप्पिए । ऱ्ह अणाहो भवइ, मा हु भन्ते सुस वए ॥ १५ ॥
 न तुम जाणे अणाहस्स, अत्थ पोत्थ च पत्थिना । जहा अणाहो भवइ, सणाहो वा नराहिवा ॥ १६ ॥
 सुणेह मे महाराय, अब्बक्खिस्सेण चेषसा । जहा अणाहो भवइ, जहा मेय पवत्थिय ॥ १७ ॥
 कोम्मवी नाम नयरी, पुराण पुरभेयणी । तत्थ आसी पिया मज्झ, पभूयधणसच्चओ ॥ १८ ॥
 पढमे वए महाराय, अउलामे अच्छिवयणा । अहोत्था विउलो डाहो, सब्बगत्तेसु पत्थिना । १९ ॥
 सत्थ जहा परमतिकस, सरीरविवरन्तर । आगीलिज्ज अरी कुट्ठी, एव मे अच्छिवेयणा ॥ २० ॥
 तिय मे अत्तरिच्छ च, उच्चमग च पीडइ । इन्दासणिसमा घोरा, वेयणा परमदारुणा ॥ २१ ॥
 उवट्ठिया मे आयरिया, विज्जामत्ततिगिच्छया । अधीया सत्थकुमला, मन्तमूलविमारया ॥ २२ ॥
 ते मे तिगिच्छ कुवन्ति, चाउप्पाय जहाहिय । नय दुक्खा विमोयन्ति, एसा मज्झ अणाहया ॥ २३ ॥
 पिया मे सब्बसारपि, दिज्जाहि ममकारणा । न य दुक्खा विमोएइ, एसा मज्झ अणाहया ॥ २४ ॥
 माया य मे महाराय, पुत्तसोयदुहट्ठिया । न य दुक्खा विमोएइ, एसा मज्झ अणाहया ॥ २५ ॥
 भायरो मे महाराय, सगा जेट्ठकणिट्ठगा । न य दुक्खा विमोयन्ति, एसा मज्झ अणाहया ॥ २६ ॥
 भइणीओ मे महाराय, सगा जेट्ठकणिट्ठगा । न य दुक्खा विमोयन्ति, एसा मज्झ अणाहया ॥ २७ ॥
 भारिया मे महाराय, अणुरत्ता अणुवया । असुपुण्णेहिं नयणेहिं, उर मे परिमिच्चई ॥ २८ ॥
 अन्न च पाण ण्हाण च, गघमल्लविलेवण । मए नायमणाय वा, सा बाला नेव भुजई ॥ २९ ॥
 खण पि मे महाराय, पासाओ मे न फिडई । नय दुक्खा विमोएइ, एसा मज्झ अणाहया ॥ ३० ॥
 तओ ह एउमाहसु, दुक्खमा हु पुणो पुणो । वेयणा अणुभविउ जे, ससारम्मि अणन्तए ॥ ३१ ॥
 सइ च जइ मुच्चेजा, वेयणा विउला इओ । सन्तो दन्तो निरारम्मो, पवए अणगारिय ॥ ३२ ॥
 एव च चिन्तत्ताण, पसुत्तो मि नराहिवा । परियत्तन्तीए राईए, वेयणा मे खय गया ॥ ३३ ॥
 तओ कल्लेपमायम्मि, आपुच्छित्ताण बन्धव । स तो दन्तो निरारम्मो, पवइओऽणगारिय ॥ ३४ ॥
 तो ह नाहो जाओ, अप्पणो य परस्स य । सब्बे सिं चैव भूयाण, तप्पाण थावराण य ॥ ३५ ॥
 अप्पा नई वेयरणी, अप्पा मे कूडमामली । अप्पा कामदुहा धेणू, अप्पा मे न दण वण ॥ ३६ ॥
 अप्पा कत्ता विकत्ता य, दुक्खराण य सुहाण य । अप्पा मित्तममित्त च, दुप्पट्ठियसुपट्ठिओ ॥ ३७ ॥

इमा हु अजा त्रि अणाहया निवा, तमेगचित्तो निहुओ सुणेहि ।
 नियण्ठधम्म लहीयाण वी जहा, सीयन्ति एगे बहुकायरा नरा ॥ ३८ ॥
 जो- पवइत्ताण महव्वयाइ, सम्म च नो फामयई पमाया ।
 अनिग्गहप्पा य रसेसु गिद्धे, न मूलओ छिन्नइ बन्धण से ॥ ३९ ॥
 आउत्तया जस्स न अत्थि काइ, इरियाए भासाए तहेसणाए ।
 आयाणनिकखेनदुगल्लणाए, न धीरजाय अणुजाइ मग्ग ॥ ४० ॥
 चिर पि से मुण्डरइ भवित्ता, अथिरव्वए तपनियमेदि भट्टे ।
 चिर पि अप्पाण किट्ठेसइत्ता, न पारए होइ हु सपराए ॥ ४१ ॥
 पोले व मुट्ठी जह से असारो, अयन्तिए कूडकहारणे वा ।
 राटामणी वेरुलियप्पगासे, अमहग्घए होइ हु जाणएसु ॥ ४२ ॥

कुसीललिङ्ग इह वारडना, इतिञ्जय जीविय वृहडत्ता ।
असजए सनयलप्पमाणे, विणिग्घायमागञ्जड से चिरपि ॥ ४३ ॥
विस तु पीय जह कालकूड, इणाइ सत्थ जह कुग्गहीय ।
पमो वि धम्मो विसओपपन्नो, इणाइ वेपाल इवाविपन्नो ॥ ४४ ॥
जे लक्खण सुविण पञ्जमाणे, निमित्तकोउहलसपगाढे ।
कुहेडविज्जासवदारजीयी, न गच्छइ मग्ग तम्मि काठ ॥ ४५ ॥
तम तमेणेउ से असीले, सया इही विप्परियासुवेड ।
सघाणइ नरगतिरिक्खजोणि, मोण विराहत्तु अमाहुक्खे ॥ ४६ ॥
उद्देसिय कीयगड नियाम, न मुच्चइ कि च जणेमणिज्ज ।
अग्गी विना सबभक्की भविता, इत्तो चुण गच्छइ कट्टु पाउ ॥ ४७ ॥
न त अरी कठछेत्ता करड, ज से कर अप्पणिया दग्गपया ।
से नाहइ मच्चुमुह त पत्ते, पच्छामितावेण दयाविण्णे ॥ ४८ ॥
निरद्धिया नग्गस्ट उ तम्म, जे उत्तमइ विज्जासमेड ।
इमे वि से नत्थि पर वि लोण, दुहओ वि से भिज्जइ तत्थ लोण ॥ ४९ ॥
एमेव हा छन्दकुसीलस्वे, मग्ग विराहेत्तु निणुत्तमाण ।
इररी विवा भोगरसाणुगिडा, निरद्धसोया परियासमेड ॥ ५० ॥
सोच्चाण मेत्तापि सुभासिय इम, जणुसामण नाणणोपव्वेय ।
मग्ग कुसीलाण जहाय मव्व, महानियण्ठाण वए पण्ण ॥ ५१ ॥
चरित्तमाचारगुणन्निए तओ, जणुत्तर मच्चम पालियाण ।
निरासवे सखविषाण वम्म, उवेइ ठाण विउत्तम धुउ ॥ ५२ ॥
एवुग्गन्त ति महातपोधणे, महामुणी मत्तापड्ढे महायस ।
महानियण्ठिज्जमिण महासुय, से इह महाया विशग्गण ॥ ५३ ॥
तद्धो य सणिओ गया, इणमुत्ताइ रज्जली ।
अणाहत्त जहाभूय मुत्तु मे उरत्तसिय ॥ ५४ ॥
तुज्जसुत्तद्ध रु मणुस्म जम्म, लाभा सुत्तद्धा य तुमे मत्सी ।
तुभे मणाहा य मव्वन्धया य, ज भे टिया मग्गे निणुत्तमाण ॥ ५५ ॥
त सि नाहो अणाहाण, मव्वभूयाण मजया ।
खामेमि ते महाभाग, इत्तामि जणुमासिउ । ५६ ॥
पुच्छिऊण मए तुभ, आणविग्घाओ जो वओ ।
निमन्तिया य भोगहि त मव्व मरिमहि मे । ५७ ॥
एव धुणित्ताण म रायमीहो, अणगारसीह पग्गाइ भत्तीण ।
सओरोहो मपरियणो मव्वन्धयो, धम्ममाणत्तो विमत्तण चेरसा ॥ ५८ ॥
ऊमसियरोमत्तो, काउण य पयाहिण ।

अभिवन्दिऊण सिरसा, जइयाओ नराहिवो ॥ ५९ ॥
 न्यरो वि गुणसमिद्धो, तिगुत्तिगुत्तो तिदण्डविरओ य ।
 विहग इय विप्पमुक्को, विइरइ वसुह विगयमोहो ॥ ६० ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ महानियण्ठिज्ज समत्त ॥

॥ अह समुद्दपालीय एगवीसइमं अज्झयण ॥

चम्पाए पालिए नाम, साएण आसि वाणिण । मडावीरस्म भगएओ, सीसे सो उ महप्पणो । १ ॥
 निग्गन्धे पाएयणे, माएण स वि कोएिए । पोएण ववहरन्ते, पिहुण्ड नगरमानए ॥ २ ॥
 पिहुण्डे ववहन्तस्स, वाणिओ दइ धूयए । त ससत्त पडगिज्ज, सदेसमह पत्थिओ ॥ ३ ॥
 अह पालियस्स घरिणी, समुद्दम्मि पसवई । अह बालए तहि जाए, समुद्दपालि त्ति नामए ॥ ४ ॥
 खेमेण आगए चम्प, सावए वाणिए घर । सबड्डुइ तस्स घरे, दारए से सुहोइए ॥ ५ ॥
 वावत्तरी कलाओ य, सिक्खवई नीइकोविए । जोवणेण य सपत्ते, सुरूवे पियदमणे ॥ ६ ॥
 तस्स रुयइ भज्ज, पिया आणेड रविणि । पासाए कीलए रम्मे, देवो दोगुन्दओ जहा ॥ ७ ॥
 अह अन्नया कयाई, पासायालौयणे ठिओ । वज्जमण्डणसोभाग, उज्ज पासइ वज्जग ॥ ८ ॥
 त पासिऊण सवेग, समुद्दपालो इणमच्चवी । अहोऽसुमाण कम्माण, निजाण पावग इम ॥ ९ ॥
 सउद्धो सो तहिं भगव, परमसवेमाणओ । आपुच्छमापियरो, पवए अणगारिय ॥ १० ॥

जहिउ ऽमगाथमहाकिलेस, महन्तमोह कसिण भयावह ।
 परिपायधम्म चमिरोयएज्जा, वयाणि सीलाणि परीसहे य ॥ ११ ॥
 अहिंससच्च च अतेणग च, तत्तो य वम्म जपरिगह च ।
 पट्टिवज्जिया पच महबयाणि, चरिज धम्म जिणदेसिय विद् ॥ १२ ॥
 सबेहिं भूएहिं दयानुकम्पी, खन्तिक्खमे सजमवम्मभयारी ।
 सावज्जजोग परिवज्जयन्तो, चरिज भिक्खु सुसमाहिइन्दिए ॥ १३ ॥
 कालेण काल विहरेज्ज रडे, बलाबलं जाणिय अप्पणो य ।
 सीहो व सहेण न स तसेज्जा, वयजोग सुच्चा न असच्चमाहु ॥ १४ ॥
 उवेहमाणो उ परिवएज्जा, पियमप्पिय मव तितिखएज्जा ।
 न सब सब्बत्थ ऽभिरौयएज्जा, न यावि पूय गरह च सजए ॥ १५ ॥
 अपेगच्छन्दामिह माणवेहिं, जे भाएओ सपगरेइ भिक्खु ।
 भयभेरेवा तत्थ उइन्ति भीमा दिव्वा मणुस्सा अदुवा तिरिच्छा ॥ १६ ॥
 परीसहा दुब्बिसहा अणेगे, सीयन्ति जत्था बहुकायरा नरा ।
 से तत्थ पत्ते न वहिज्ज भिक्खु, सगामसीसे इव नागराया ॥ १७ ॥
 सीओसिणा दसमसा य फासा, आयका विविहा फुसन्ति देह ।
 अडुक्कुओ तत्थऽहियासहेज्जा, रयाइ खेवेज पुरे कयाइ ॥ १८ ॥

पहाय राग च तद्देव दोम, मोह च भिक्खु सतत विषक्खणो ।
 मेरु ध्व वाएण अम्पमाणो, परीसहे आयगुचे सहेज्जा ॥ १९ ॥
 अणुन्नए नाणणए महेसी, न यावि पुय गरह च सजए ।
 स उज्जभाव पडिउज्ज, सजए, निव्वाणमग्ग विरए उवेइ ॥ २० ॥
 अरडरइसहे पहीणमयवे, निरए आयहिए पहाणव ।
 परमट्टपपहिं चिट्ठीई, टिन्नसोए अममे अक्किचणे ॥ २१ ॥
 नित्रित्तलयणाड भएज्ज ताई, निरोमलेवाइ अमथडाइ ।
 इसीहि चिण्णाड महायसेहिं, काएण फासेज्ज परीसहाड ॥ २२ ॥
 सन्नाणनाणोउगए महेमी अणुत्तर चरिउ घम्मसचय ।
 अणुत्तरे नाणधरे जससी, ओभासई छरिए वन्तलिकखे ॥ २३ ॥
 दुविह खवेऊण य पुण्णपाव, निरगणे सन्नओ विप्पमुक्के ।
 तरित्ता समुद्द य महाभगोध, ममुद्दपाले अपुणागम गए ॥ २४ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ समुद्दपालीय समत्त ॥

॥ अह रइनेमिज्ज वावोसइम अज्जयण ॥

सोरियपुरम्मि नयरे, आसि राया महिड्डिए । वसुदेवु त्ति नामेण, रायलक्खणसजुए ॥ १ ॥
 तस्म भज्जा दुणे आसी, रोहिणी देवई तथा । तासिं दोण्ह दुवे पुत्ता, इट्ठा रामकेमना ॥ २ ॥
 सोरियपुरम्मि नयरे, आसि राया महिड्डिए । समुद्दविजण नाम, रायलक्खणसजुए ॥ ३ ॥
 तस्स भज्जा सिवा नाम, तीसे पुत्तो महायसो । भगव अरिट्ठनेमि त्ति लोगनाहे दमीसर ॥ ४ ॥
 सो ऽरिट्ठनेमिनागे उ, लक्खणस्सरसजुओ । अट्टमहस्सलक्खणधरो, गोयमो कालगन्धवी ॥ ५ ॥
 वज्जरिसहसघयणो, समचउरसो बसोयरो । तस्म रायमईकन्न, भज्ज जायइ केसो ॥ ६ ॥
 जह सा रायवरकन्ना, सुसीला चारुपेहणी । सबलक्खणसपन्ना, विज्जुमोयामणिप्पमा ॥ ७ ॥
 अहाह जणओ तीसे, वासुदेव महिड्डिये । इहागच्छउकुमारो, जा से कन्न ददामि ह ॥ ८ ॥
 सबोसहीहिं ण्हविओ, कयनोउयमगलो । दिव्वजुयलपरिहिओ, आभरणेहिं विभूसिओ ॥ ९ ॥
 मत्त च गधहत्थि, वासुदेवस्म जेद्वग । आरुटो सोहए अहिय, सिरे चूडामणि जहा ॥ १० ॥
 अह ऊसिएण छत्तेण चामराहिय सोहिए । दसारचकेण य मो मव्वओ परिगारिओ ॥ ११ ॥
 चउरगिणोए सेणाए, रइयाए जहकम । तुरियाण मन्निनाएण, दिव्वेण गगण फुसे ॥ १२ ॥
 ग्यारिमाए इट्ठीए, जुत्तीए उत्तमाइ य । नियगाओ भनणाओ, निज्जाओ वण्हिपुगो ॥ १३ ॥
 अह सो तत्थ निज्ज तो, दिस्स पाणे भयदुण । वाडेहिं पजरहिं च, मन्निस्से सुदुक्खिए ॥ १४ ॥
 जीवियन्त तु सम्पत्ते, मसट्ठा भक्खियववए । पासेत्ता से महापने, मारहिं इणमचवी ॥ १५ ॥
 कस्स अट्ठा इमे पाणा, एए सबे सुहेसिणो । वाडेहिं पजरहिं च, मन्निस्से य अच्छहिं ॥ १६ ॥
 अह सारही तओ भणइ, एए मदा उ पाणिणो । तुज्ज विनाहकज्जम्मि, भोयावउ घट्टुजण ॥ १७ ॥

सोऊण तस्स वयण, बहुपाणिविणासण । चिन्तेड से महापन्नो, साणुकोसे जिए द्विज ॥ १८ ॥
 जइ मज्झ कारणा एए, हम्मन्ति सुबहू जिया । न मे पय तु निस्सेसं, परलोगे भविस्सई ॥ १९ ॥
 सो कुण्डलाण जुयल, सुत्तग च महायसो । आभरणाणि य सद्वाणि, साग्गहिस्स पणामए ॥ २० ॥
 मणपरिणामे य कए, देवा य जहोइय समोइण्णा । सबट्टीइ सपरिमा, निक्खमण तस्स काउ जे ॥ २१ ॥
 देवमणुस्सपरिवुडो सीयारयण तओ समारूढो, निक्खिमय वारगाओ, रेवयम्मि द्विओ भगव ॥ २२ ॥
 उज्जाण सपत्तो, ओइण्णो उच्चमाउ सीयाओ । साहम्सी, परिवुडो, मह निक्खमइ उच्चिआहिं ॥ २३ ॥
 अह से सुगन्धग धीए, तुरिय मउकुचिए । सयमेव भुचई केसे, पचमुट्टीहिं समाहिओ ॥ २४ ॥
 वासुदेवो य ण भणइ लुत्तकेम जिइन्दिय । इच्छिरियमणोरह तुरिय, पावच्च त दमीसरा ॥ २५ ॥
 नाणेण दसणेण च, चरिचेण तहेय य । खत्तीए मुत्तीए, वट्टुमाणो भवाहि य ॥ २६ ॥
 एव ते रामकेमरा, दमारा य बहू जणा । अरिट्ठणेमिं वन्दिता, अभिगया दारगापुरिं ॥ २७ ॥
 सोऊण रायकन्ना, पवज्ज सा जिणस्स उ । नीहासा य निराणन्दा, सोणेण उ समुत्थिया ॥ २८ ॥
 राईमई विनि तेइ, धिरत्थु मम जीविय । जा ह तेण परिचत्ता, सेय पव्वइउ मम ॥ २९ ॥
 अह सा भमरसन्निभे, कुच्चफणगमाहिए । सयमेव लुचई केसें, धिइम ता ववस्सिया ॥ ३० ॥
 वासुदेवो य ण भण, लुत्तकेम जिइन्दिय । समारमागर घोर, तर कन्ने लहु लहु ॥ ३१ ॥
 सा पव्वइया मन्ती, पग्गावेसी तहिं वट्टु मयण परियण चेय, मीलनता बहुस्सुया ॥ ३२ ॥
 गिरिं रेवतय जन्ती, तासेणुञ्जा उअ तरा । वासन्ते अ धयारम्मि, अन्तो लयणस्स सा ठिया ॥ ३३ ॥
 चीनराइ विसारन्ती, जहा जाय त्ति पासिया । रहनेमी भग्गचित्तो, पन्छा दिट्ठो य तीइ वि ॥ ३४ ॥
 मीया य सा तहिं ददुडु, एगन्ते सजय तय । वाहाहिं काउ सगोप्फ, वेवमाणी निसीयई ॥ ३५ ॥
 अह मो वि रायपुत्तो, समुहविजयगओ । मीय पवेविय ददुडु, इम वक्क उदाहरे ॥ ३६ ॥
 रहनेमी अह भदे, सुरूवे चारुभासिणी । मम भयाहि सुयणु, न ते पीला भविस्सई ॥ ३७ ॥
 एहि ता भुजिमो भोए, माणुस्स सुसुदुल्लह । भुत्तभोगी पुणो पच्छा, जिणमग्ग चरिस्समो ॥ ३८ ॥
 ददुडुण रहनेमिं त, भग्गुजोयपराजिय । राईमइ असम्भन्ता, अप्पाण सवरे तहिं ॥ ३९ ॥
 अह मा रायपरकन्ना, सुट्ठिया नियमवए । जाई कुल च सील च, रक्खमाणी तय वए ॥ ४० ॥
 जं सि रूवेण वेसमणो, लल्लिएण नलकुबरो । तहा वि ते न इच्छामि, जइ सि मक्ख पुरदरो ॥ ४१ ॥
 धिरत्थु तेऽजसोकामी, जो त जीवियकारणा । वन्न इच्छसि आराउ, सेय त मरण भवे ॥ ४२ ॥
 अह च भोगरायस्स, त च सि जन्धगउण्णो । माहुते गन्धणा होमो, सजम निहुजो चर ॥ ४३ ॥
 जइ त माहिसि भाय, जा जा दच्छसि नारिओ । वायारद्धो व हटो, अट्ठिअप्पा भविस्ससि ॥ ४४ ॥
 गोपालो भण्डवालो वा, जहा तद्वणिम्सरो । एउ अणिस्सरो त पि, सामणस्स भविस्ससि ॥ ४५ ॥
 तीसे सो वयण सोच्चा, मययाए सुभासिय । अहुसेण जहा नागो, वम्मे सपडिवाइओ ॥ ४६ ॥
 मणगुत्तो वायगुत्तो, कायगुत्तो जिइन्दिए । सामण्ण निच्चल फासे, जाउजीउ ददवओ ॥ ४७ ॥
 उग्ग तर चरिचाण, चाया दोण्णि वि कएली । सब वम्म रावित्ताण, सिद्धिं पत्ता अणुत्तर ॥ ४८ ॥
 एउ करिं त मधुद्धा, पण्डिया पवियकरणा । विणियइन्ति भोगेसु, जहा मो पुरिमोत्तमो ॥ ४९ ॥
 त्ति वेमि ॥ रहनेमिज्ज समत्त ॥

॥ अह केसिगोयमिज तेवीसइम अज्जयण ॥

जिणे पासि त्ति नामेण, अरहा लोगपूढओ । सउद्धप्पा य सव्वन्नु, वम्मतित्थयरे जिणे ॥ १ ॥
 तस्म लोगपदीयस्म, आसि मीसे महायसे । केमी कुमारमणो, विज्जाचरणपारणे ॥ २ ॥
 ओहिनाणसुए उद्धे, भीमसवममाउले । गामाणुगाम रीयन्ते, मात्थि पुग्मागण ॥ ३ ॥
 ति दुय नाम उज्जाण, तस्मि नगरमण्डले । फासुए सिज्जसथारे, तत्थ नासमुत्तागण ॥ ४ ॥
 अह तेणेय कालेण वम्मतित्थयरे जिणे । भगर उद्धमाणि त्ति, सव्वलोगम्मि विस्सुए ॥ ५ ॥
 तस्म लोगपदीयस्स आसि मीसे महायसे । भगर गोयमे नाम, विज्जाचरणपारण ॥ ६ ॥
 चारसगाविऊ उद्धे, सीमसवममाउले । गामाणुगाम रीयन्ते, से वि मात्थिमागण ॥ ७ ॥
 कोट्टग नाम उज्जाण, तस्मी नगरमण्डले । फासुए सिज्जसथारे, तत्थ नासमुत्तागण ॥ ८ ॥
 केमी कुमारमणो, गोयमे य महायसे । उभओ वि तत्थ विहरिंसु, अल्लीणा सुममाहिया ॥ ९ ॥
 उभओ मीमसवाण, सजयाण तवम्मिण, । तत्थ चिन्ता समुप्पन्ना, गुणवन्ताण ताण ॥ १० ॥
 केरिमो ना इमो वम्मो, इमो धम्मो व केरिमो । आयासधम्म पणिही, मा ना मा व केरिमी ॥ ११ ॥
 चाउज्जामो य जो धम्मो, जो इमो पचसिन्निओ । देसिओ वद्धमाणेण, पासेण य महासुणी ॥ १२ ॥
 अचेलओ य जो धम्मो, जो सो सत्तरत्तरो । एगग्गजपवन्नाण, विसेसे किं तु कारण ॥ १३ ॥
 अह ते तय सीसाण, विन्नाय पपित्तकिय । ममागमे ययमई, उभओ केसिगोयमा ॥ १४ ॥
 गोयमे पडिरूय नू, मीससवममाउले । जेद्ध कुलमवेकउन्तो, तिन्दुय उणमागओ ॥ १५ ॥
 केमी कुमारमणो, गोयम दिस्समागय । पडिरूय पडिरत्ति मम्म सपडिउज्जई ॥ १६ ॥
 पलाल फासुय तत्थ, पचम वुसतणाणि य । गोयमस्म निमेज्जाए, विप्प समणामए ॥ १७ ॥
 केमी कुमारमणो, गोयमे य महायसे । उभओ निमण्णा मोहन्ति, चन्त्सरममपपभा ॥ १८ ॥
 ममागया बहू तत्थ, पासण्डा कोउगामिया । गिहत्थाण चणेगाओ, साहस्सीओ समागया ॥ १९ ॥
 देवदानवगन्धवा, जस्सरस्समस्सिन्नरा । जदिस्साण च भूयाण, जामी तत्थ समागमो ॥ २० ॥
 पुच्छामि ते महाभाग, केमी गोयममववी । तओ केसिं उव्वण तु, गोयमो इणमव्ववी ॥ २१ ॥
 पुच्छ भन्ते अहिच्छ ते, केसिं गोयममववी । तओ केमी अणुत्ताए, गोयम इणमव्ववी ॥ २२ ॥
 चाउज्जामो य जो धम्मो, जो इमो पचसिन्निओ । देसिओ वद्धमाणेण, पासेण य महासुणी ॥ २३ ॥
 एगग्गजपवन्नाण, विसेसे किं तु कारण । वम्म दुविदे मेहाणी, उह विप्पचओ न ते ॥ २४ ॥
 तओ केमि वुत्त तु, गोयमो इ मववी । पना ममिस्सए धम्मवत्त तत्तविणिञ्चि ॥ २५ ॥
 पुरिमा उज्जुज्जा उ, उरुत्ताय पठिमा । पज्झिमा उज्जुपत्ता उ, तण धम्मे दुहाकेए ॥ २६ ॥
 पुरिमाण दुविमोउओ, चरिमाण दुरणुपालओ । कप्पो मज्जिमगाण तु, सुविमोउओ सुपालओ ॥ २७ ॥
 साहु गोयम पत्ता ते, ठिओ मेससओ इमो । अनो वि समओ मत्त, न मे उहमृ गोयमा ॥ २८ ॥
 अचेलगो य जो धम्मो जो इमो सत्तरत्तरो । देसिओ उद्धमाणेण, पासेण य महानमा ॥ २९ ॥
 एगग्गजपवन्नाण, विसेसे किं तु कारण । लिगे दुविदे मेहाणी, उह विप्पचओ न ते ॥ ३० ॥

केसिमेव बुवाण तु, गोयमो इणमन्ववी । विन्नाणेण समाग्ग्म, धम्मसाहणमिच्छिय ॥ ३१ ॥
 पच्चयत्य च लोगस्स, नाणाविहविगप्पण । जत्तथ गणहत्थ च, लोगे लिंगपओपण ॥ ३२ ॥
 अह भवे पइत्ता उ, मोक्खसम्भूयसाहणा । नाण च दसण चे, चरित चेव निच्छए ॥ ३३ ॥
 साहु गोयमपन्ना ते, छिन्नो मे समओ इमो । अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ३४ ॥
 अपेभाण सहस्साण, मज्झे चिट्ठसि गोयमा । ते य ते अहिगच्छन्ति, वह ते निज्जिया तुमे ॥ ३५ ॥
 एगे जिए जिया पच, पच जिए जिया दम । इसहा उ जिणित्ताण, सबसत्तु जिणामह ॥ ३६ ॥
 सत्त् य इह के बुत्ते, केसी गोयम मन्ववी । तओ केसिं बुवत तु गोयमो इणमन्ववी ॥ ३७ ॥
 एग्ग्पा अजिए सत्तु, कमाया इन्दियाणि य । ते जिणित्तु जहानाय, विहरामि अह मुणी ॥ ३८ ॥
 साहु गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो, अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ३९ ॥
 दीसन्ति यहवे लोए, पासवद्धा सरीरिणो । मुक्कपासो लहुब्भुओ, कह विहरिसी मुणी ॥ ४० ॥
 ते पासे सबसो चित्ता, निदन्तूण उवायओ । मुक्कपासो लहुब्भुओ, कह विहरामि अह मुणी ॥ ४१ ॥
 पासा य इह के बुत्ता, केसी गोयममन्ववी । केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमन्ववी ॥ ४२ ॥
 रागद्वोमादओ तिवा, नेहपामा भयरुग । ते छिन्दित्ता जहानाय, विहरामि जहकम ॥ ४३ ॥
 साहु गोयमपन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो । अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ४४ ॥
 अतोहियपसभूया, लया चिट्ठइ गोयमा । फलेइ विमभक्खीणि, सा उ उद्धरिया कह ॥ ४५ ॥
 त लय मव्वसो छित्ता, उद्धरित्ता समूलिय । विहरामि जहानाय मुक्को मि विसभक्खण ॥ ४६ ॥
 लया य इह के बुत्ता, केसी गोयममन्ववी । केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमन्ववी ॥ ४७ ॥
 भवतण्हा लया बुत्ता, भीमा भीमफलोदया । तमुद्धिच्चा जहानाय, विहरामि जहासुह ॥ ४८ ॥
 साहु गोयमपन्ना ते, छिन्नो, मे समओ इमो । अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ४९ ॥
 सपज्जलिया घोरा, अग्गी चिट्ठइ गोयमा । जे डहन्ति सरीरत्थे, कह विज्जाणिया तुमे ॥ ५० ॥
 महामेहप्पघ्घ्याओ, गिज्झ वारि जलुत्तम । सिंचामि समय देह सित्ता नो व डहन्ति मे ॥ ५१ ॥
 अग्गी य इह के बुत्ता, केसी गोयममन्ववी । केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमन्ववी ॥ ५२ ॥
 कसाया अग्गिणो बुत्ता, सुयसीलतना जल । सुयधारामिहया सन्ता, भिन्ना हु न डहन्ति मे ॥ ५३ ॥
 साहु गोयमपन्ना ते, छिन्नो मे समओ । अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ५४ ॥
 अय साहसिओ भीमो, दुट्ठस्सो परिघावई । जसि गोयममारूढो, वह तेण न हीरसि ॥ ५५ ॥
 पधावन्त निगिण्हामि सुयरस्सीसमाहिय । न मे गच्छड उम्मग्ग, मग्ग च पडिवज्जइ ॥ ५६ ॥
 आसे य इह के बुत्ते, केसी गोयममन्ववी । केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमन्ववी ॥ ५७ ॥
 मणो साहसिओ भीमो, दुट्ठस्सो परिघावई । त सम्म तु निगिण्हामि, धम्मसिक्खाइ कन्थग ॥ ५८ ॥
 साहु गोयमपन्ना ते, छिन्नो मे समओ इमो । अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ५९ ॥
 कुप्पहा बहवो लोए, जेहिं नासन्ति जत्तुणो । अद्दाणे कह वट्ठन्ते, त न नाससि गोयमा ॥ ६० ॥
 जे य मग्गेण गच्छन्ति, जे य उम्मग्गपट्टिया । ते सबे वेइयामज्झ, तो न नस्सामह मुणी ॥ ६१ ॥
 मग्गे य इह के बुत्ते, केसी गोयममन्ववी । केसिमेव बुवत तु, गोयमो इणमन्ववी ॥ ६२ ॥
 कुप्पयणपासण्डी, मवे उम्मग्गपट्टिया । सम्मग्ग तु जिणक्खाय, एस मग्गे हि उत्तमे ॥ ६३ ॥

साहू गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ६४ ॥
 महाउदगवेगेण, बुज्झमाणाण पाणिण। सरण गई पडट्ठा य, दीन क मन्नसी मुणी ॥ ६५ ॥
 अत्थि एगो महादीपो, वारिमज्जे महालओ। मणाउदगवेगस्स, गई तत्थ न विज्जई ॥ ६६ ॥
 दीवे य इड के बुत्ते, केसी गोयममन्ववी। केसिमेव पुवत तु, गोयमो इणमन्ववी ॥ ६७ ॥
 जरामरणवेगेण, बुज्झमाणाण पाणिण। धम्मो दीपो पडट्ठा य, गइ सरणमुत्तम ॥ ६८ ॥
 साहू गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ६९ ॥
 अण्णवसि महोहसि, नाया विपरिधावइ। जसि गोयममारूढो, कह पार गमिस्ससि ॥ ७० ॥
 जा उ सस्माविणी नावा, न मा पारस्स गामिणी। जा निरस्माविणी नाया, मा उ पारस्स गामिणी ॥ ७१ ॥
 नाया य इड ऱा पुत्ता, केसी गोयममन्ववी। केसिमव पुवत तु, गोयमो इणमन्ववी ॥ ७२ ॥
 मरीरमाहू नाव त्ति, जीवे बुच्चड नाविओ। ससारो अण्णो बुत्तो, ज तरति महसिणो ॥ ७३ ॥
 साहू गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ७४ ॥
 अन्वयाग् तमे धोर, चिट्ठन्ति पाणिणो वइ। को ऱरिस्सइ उज्जोय, सबलोयम्मि पाणिण ॥ ७५ ॥
 उग्गओ विमलो भाणू, सबलोयपभक्करो। सो ऱरिस्सइ उज्जोय, सबलोयम्मि पाणिण ॥ ७६ ॥
 भाणू य इड के बुत्ते, केसी गोयममन्ववी। केसिमेव पुवत तु, गोयमो इणमन्ववी ॥ ७७ ॥
 उग्गओ खीणससारो, सबन्नू निणभक्करो। सो ऱरिस्सइ उज्जोय, सबलोयम्मि पाणिण ॥ ७८ ॥
 माहू गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। अन्नो वि ससओ मज्झ, त मे कहसु गोयमा ॥ ७९ ॥
 मारीरमाणसे टक्खे, बुज्झमाणाण पाणिण। खेम सिवमणावाह, ठाण कि मन्नसी मुणी ॥ ८० ॥
 अत्थि एग धुवठाण, लोग्गम्मि दुरारुह। जत्थ नत्थि जरा मन्चू, वाहिणो वेयणा तहा ॥ ८१ ॥
 ठाणे य इड के बुत्ते, केसी गोयममन्ववी। केसिमेव पुवत तु, गोयमो इणमन्ववी ॥ ८२ ॥
 निव्वाण ति अवाह ति, सिद्धी लोग्गमेव य। खेम सिव अणावाह, ज चरति महसिणो ॥ ८३ ॥
 त ठाण मामय वास, लोयग्गम्मि दुरारुह। ज सपत्ता न सोयन्ति, भवोहन्तग्ग मुणी ॥ ८४ ॥
 साहू गोयम पन्ना ते, छिन्नो मे ससओ इमो। नमो ते समयातीत, सब्वसुत्तमहोयही ॥ ८५ ॥
 एव तु ससए छिन्ने, केसी धोग्परक्कमे। अभिवन्दिता सिग्गा, गोमय तु महायस ॥ ८६ ॥
 पच्चमह वयधम्म, पडिउज्जड भावओ। पुरिमस्स पच्छिमम्मि, मग्गे तत्थ सुहावह ॥ ८७ ॥
 केसीगोयमओ निच्च, तम्मि आसि समागम। सुयमीलमपुक्कमो, महत्थत्थविणिन्ठओ ॥ ८८ ॥
 तोमिया परिसा म्हा, मम्मग्ग समुवट्ठिया। मयुया त पसीयत्तु भयव क्विगोयमे ॥ ८९ ॥

त्ति वेमि ॥ केसिगोयमिज्ज ममत्त । ०० ॥

॥ अहं समिद्धंओ चउवीसइम अज्जयण ॥

अट्ट पवयणमायाओ, समिद्धं गुत्ती तइव य । पचेन य समिद्धंओ, तओ गुत्तीउ आहीया ॥ १ ॥
 इरियाभासेसणादाणे, उच्चारे मसिद्धं इय । मणगुत्ती वयगुत्ती, कायगुत्ती य अट्टमा । २ ॥
 एयाओ अट्ट समिद्धंओ, ममासेण वियाहिया । दुगात्सग जिणक्कवाय, माथ जत्थ उ पवयण ॥ ३ ॥
 आलम्बणेण कालेण, मग्गण जयणाय य । चउच्चारणपरिसुद्ध, सजए इरिय रिए ॥ ४ ॥
 तत्थ आलम्बण नण दसण चरण तहा । जाले य दिवसे वुत्ते, मग्गे उप्पहवज्जिए ॥ ५ ॥
 दवओ खेत्तओ चेन, कालओ भावओ तहा । जायणा चउव्विहा वुत्ता, त मे कित्तयओ सुण ॥ ६ ॥
 दव्वओ चक्खुसा पेहे, जुगमित्त च खेत्तओ । कालओ जाय रीइज्जा, उववत्ते य भावओ ॥ ७ ॥
 इन्दियत्थे विवज्जित्ता, सज्झाय चेव पञ्चहा । तम्मूत्ती तप्पुरक्कारे, उउत्ते रिय रिए ॥ ८ ॥
 कोह माणे य मायाए, लोभे य उउत्तया । हासे भए मोहरिए, विकहासु तहेव य ॥ ९ ॥
 एयाइ अट्ट ठाणाइ, परिगज्जित्तु सजए । अमावज्ज मिय काले, भास भासिज्ज पन्नव ॥ १० ॥
 गवेसणाए गट्ठे य, परिभोगेमणाय य । आहारोवहिसेज्जाए, एण तिन्नि विसोहए ॥ ११ ॥
 गग्गमुप्पायण पदम, वीए सोहेज्ज एसण । परिभोयम्मि चउक्क, विसोहज्ज जय चइ ॥ १२ ॥
 ओहोमहोमग्गहिय, भण्डम दुविह सुणी । गिण्हन्तो निक्खित्तो वा, पउजेज्ज इम विहिं ॥ १३ ॥
 चक्खुमा पडिळेहित्त, पमज्जज्ज जय जइ । अइए निक्खित्तवेज्जा या, दुहओ वि समिण सया ॥ १४ ॥
 उच्चार पामवण, खेल सिंघाणजल्लिय । आहार उउहिं दह, अन्न वावि तहाविह ॥ १५ ॥
 अणावायमसलोए, अणोवाण चेव होइ सलोए । आनायमसलोए, आवाए चेव सलोए ॥ १६ ॥
 अणावायमसलोए, परस्सणुववाइए । ममे अज्जुत्तिरे यावि, अच्चिरकालक्कयम्मि य ॥ १७ ॥
 वित्थिण्णे दूरमोगाटे, नासने विलवज्जिए । तसपाणवीयरहिए, उच्चाराइणि चोसिरे ॥ १८ ॥
 एयाओ पञ्च समिद्धंओ, ममासेण वियाहिया । एत्तो य तओ गुत्तीओ, वोच्छामि अणुपुव्वमो ॥ १९ ॥
 सरम्भममारम्भे, आरम्भे य तहेव य । चउत्थी अमच्चमोसा य, मणगुत्तीओ चउव्विहा ॥ २० ॥
 सरम्भसमारम्भे, आरम्भे य तह्व य । मण पवत्तमाण तु, नियत्तेज्ज जय जई ॥ २१ ॥
 सच्चा सत्तं मोसा य, सच्चमोसा सत्तं य । चउत्थी अमच्चमोसा य, चइगुत्ती चउव्विहा ॥ २२ ॥
 सरम्भममारम्भे आरम्भे य तहेव य । वय पवत्तमाण तु, नियत्तेज्ज जय जई ॥ २३ ॥
 ठाणे निसीयणे चेव, तहेव य तुयट्ठणे । उल्लघणपल्लघण, इन्दियाण य जुज्जणे ॥ २४ ॥
 सरम्भसमारम्भे, आरम्भम्मि तहेव य । काय पवत्तमाण तु नियत्तेज्ज जय जइ ॥ २५ ॥
 एयाओ पञ्च समिद्धंओ, चरणसस य पवत्तणे । गुत्ती निपत्तणे वुत्ता, असुमत्थसु सव्वमा ॥ २६ ॥
 एमा पवयणमाया, जे सम्म आवरे सुणी । रिप्प मव्वमसारा, विप्पमुच्च पण्डिए ॥ २७ ॥

त्ति वेमि ॥ इअं समिद्धंओ समत्ताओ

॥ अह जन्नटज पञ्चवीसडम अज्जयण ॥

माहणकुलमभूजो, आसि विप्पो महायसो । जायाई जमजन्नम्मि, जयघोसि ति नामजो ॥ १ ॥
 इन्दियग्गामनिग्गामी, मग्गामी महासुणी । गामानुग्गाम रीयते, पत्ते णारमिं पुरिं ॥ २ ॥
 वाणारसीए च्हिया, उज्जाणम्मि मणोरमे । फामुए सेज्जसथाने, तत्थ वाममुताए ॥ ३ ॥
 अह तेणेण कालेण, पुरीए तत्थ माहणे । विजयघोसि ति नामेण, जन्न जयड पेयवी ॥ ४ ॥
 अह से तत्थ अणगार, मासकसमणवारणे । विजययोसस्म जन्नम्मि, भिक्खमट्ठा उपट्ठिए ॥ ५ ॥
 समुपट्ठिय तहिं स त, जायगो पडिसेहिए । न ह दाहामि ते भिक्ख, भिक्खु जायान्ति अन्नओ ॥ ६ ॥
 जे य वेयविज्ज विप्पा, जन्नट्ठा य जे दिया । जो भगविज्ज जे य, जे य धम्माण पारगा ॥ ७ ॥
 जे समत्था समुद्धत्तु, परमप्पाणमेव य । तेसिं अन्नमण्डिये, भो भिक्खू मव्वकामिय ॥ ८ ॥
 सो तत्थ एव पडिसिद्धो, जायगेण महासुणी । न रि रट्ठो न रि तुट्ठो, उत्तिमट्ठगवेमओ ॥ ९ ॥
 नन्नट्ठ पाणहेउ वा, नवि निवाहणाय वा । तेसिं विमोक्खणट्ठाए, णण णयणमन्ववी ॥ १० ॥
 नवि जाणसि वेपमुह, नवि जन्नाण ज मुह । नक्खत्ताण मुह ज च्च, ज च्च धम्माण चा मुह ॥ ११ ॥
 जे समत्था समुद्धत्तु, परमप्पाणमेव य । न ते तुम वियाणासि, अह जाणासि तो भण ॥ १२ ॥
 तस्मक्खेउपमोरस तु, अयन्तो तहिं दिओ । मपरिसो पजली होउ, पुच्छई त महासुणिं ॥ १३ ॥
 वयाण च्च मुह उहि, उहि जन्नाण ज मुह । नक्खत्ताण मुह उहि, उहि धम्माण वा मुह ॥ १४ ॥
 जे समत्था मधुद्धत्तु, परमप्पाणमेव य । एय मे ससय मव्व, माहू ऱ्हसु अच्छिओ ॥ १५ ॥
 जग्गिहत्तमुहा वेया अन्नट्ठी वेयसा मुह । नक्खत्ताण मुह चन्दो, धम्माण कामो मुह ॥ १६ ॥
 जहा च्चद्द गहाट्या, चिद्धती पजलीउडा । वन्दमाणा भममन्ता, उत्तम मत्तहारिणो ॥ १७ ॥
 अणाणगा जन्नवार्त्त, विज्जामाहणसपथा । गूढा सज्जायतरमा, भामच्छन्ना इपग्गिणो ॥ १८ ॥
 नी लोए धम्मणो पुत्तो, अग्गीव महिओ जहा । सया कुमलमदिद्ध, त उय उम माहण ॥ १९ ॥
 जो न सज्जड आगतु, पव्वयतो न भोयड । रमट अज्जयणम्मि, त वय उम माहण ॥ २० ॥
 जायस्व जहामट्ठ, निद्धत्तमलपारग । रागदोमभयार्त्थ, त वय वम माहण ॥ २१ ॥
 तरम्मिय किम दन्त अवचियमससोणिय । सुव्वय पत्तनिवाण, त उय उम माहण ॥ २२ ॥
 तमपाणे वियाणेत्ता, सगहण य थाररे । जो न हिंमड तिविहेण, त उय उम माहण ॥ २३ ॥
 सोहा वा जइ वा हासा, लोहा वा जइ वा भया । मुम न उयई जो उ, त उय उम माहण ॥ २४ ॥
 चित्तमन्तमचित्त वा, अप्प वा जइ वा च्चु । न गिण्हाड अत्त जे, त वय उम माहण ॥ २५ ॥
 दिव्वमाणुमनेरिच्छ, जो न सेवड मेट्ठण । मग्गमा णायवक्केण, त उय उम माहण ॥ २६ ॥
 जहा पोम जले जाय, नोरल्लिप्पड वारिणा । एव अलित्त रामेहिं, त उय उम माहण ॥ २७ ॥
 अलोउय मुहानीपिं, अणगार अक्किचण । असमत्त गिह वसु त उय उम माहण ॥ २८ ॥
 च्हित्ता पुव्वसजोग नाडसगे य बन्धवे । जो न सज्जड भोगेसु, त वय उम माहण ॥ २९ ॥
 पसुव वा मव्वेया य, जट्ट च्च पायक्खुणा । न त तापन्ति दम्भील, धम्माणि वत्तन्ति हि ॥ ३० ॥

न वि मृण्डिण्यण समणो, न आकारेण चम्भणो । त मृणी रण्णसासेण, कुमचीरेण तावसो ॥ ३१ ॥
 समणए समणो होइ चम्भचैरेण चम्भणो । नाणेण उ मृणी हो, तवेण होइ तावसो ॥ ३२ ॥
 कम्भुणा चम्भणो होइ, कम्भुणा होइ सत्तिओ । उइमो कम्भुणा होइ, सुइो इवइ कम्भुणा ॥ ३३ ॥
 एए पाउकरे बुद्धे जेहिं होइ सिणायओ । सबकम्मविणिम्भुव, त वय वृम माहण ॥ ३४ ॥
 एव गुणममाउत्ता जे भवन्ति दिउत्तमा । ते समत्था उ उद्धत्तु, परमप्पाणमेव य ॥ ३५ ॥
 एउ तु ससए छिन्न, विजयघोसे य माहणे । समुगय त त तु, जयघोस महामुणि ॥ ३६ ॥
 तुइे य विजयघोमे, इणमुदाहु कयनली । माहणत्त जहाभूय, सुद्धु मे उवदसिय । ७ ॥
 तुम्भे जया जन्नाण, तुम्भे वेयविऊ विऊ । जो सगविऊ तुम्भे, तुम्भे वम्माण पारगा ॥ ३८ ॥
 तुम्भे ममत्था उद्धत्तु, परमप्पाणमेव य । तमणुग्गह करहम्ह भिक्खेण भिक्खु उत्तमा ॥ ३९ ॥
 न कज्ज मज्झ भिक्खेण, सिप्प निकरमसू दिया । मा भमिहिसि भयाउद्ध घोरससारसागरे ॥ ४० ॥
 उवलेवो होइ भोगसु अभोगी नोरलिप्पई । भोगी भमइ समारे, अभोगी सिप्पमुव्व ॥ ४१ ॥
 उल्लो सुकरोय दो छटा गोलया मद्धियामया । दो वि आवडिया उइे, जो उल्लो सोउत्थ लग्गइ ॥ ४२ ॥
 एउ लग्गन्ति तुम्मेहा, जे नरा रामलालसा । विरत्ता उ न लग्गन्ति, जहा से सुकरोगोलण ॥ ४३ ॥
 एव से विजयघोम, जयघोसस्स अन्निण । अणगारस्स निकर तो, वम्म सोच्चा अणुत्तर ॥ ४४ ॥
 सविच्चा पुच्चरम्मइ, सजमेण तणेण य । जघोसविजयघोमा, सिद्ध पत्ता अणुत्तर ॥ ४५ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ जन्नइज्ज समत्त ॥ २५ ॥

॥ अह सामायारी छटीसइम अज्झयण ॥

सामायारि पक्कसामि, सबदुउरउनिमोक्खणि । ज चरित्ताण निग्गन्धा, तिण्णा ससारसागर ॥ १ ॥
 पढमा आरस्मिया नाम, विइया य निमीहिया । आपुच्छणा य तइया, चउत्थी पडिपुच्छणा ॥ २ ॥
 पचमी छ दणा नाम इच्छाकारो य छट्ठओ । सत्तमो मिच्छाकारो य, तहकारो य अट्ठमो ॥ ३ ॥
 अब्भुट्ठाण च नरम, दममी उपसपदा । एसा दसगा माहण, सामायारी पवेइया ॥ ४ ॥
 गमणे आरस्मिय कूज्जा, ठाणे हुज्ज निसीहिय । आपुच्छथ सयररणे, परकरणे पडिपुच्छण ॥ ५ ॥
 उन्दणा दवजाएण, इच्छाकारो य सारणे । मिच्छाकारो य निन्दाए, तहकारो पडिस्सुए ॥ ६ ॥
 अब्भुट्ठाण गुरुपूया, जच्छणे उवसपदा । एव दुपचसजुत्ता, सामायारी पवेइया ॥ ७ ॥
 पुबिल्लम्मि चउम्भाए, आइवम्मि समुट्ठिए । भण्डय पडिलेहिच्चा, वन्दिच्चा य तओ गुरु ॥ ८ ॥
 पुच्छिज्ज पजलीउडो, कि कायव्व मए इह । इच्छ निओइउ भत्त, वेयापच्चे व मज्जाए ॥ ९ ॥
 वेयापच्चे निउत्तेण, कायव्व अगिलायओ । सज्जाए वा निउत्तेण, मव्वदुक्खविमोक्खणे ॥ १० ॥
 द्वियसस्स चउरो भागे, भिक्खु कुज्जा विपक्खणो । तओ उत्तरगुणे कुज्जा, दिणभागेसु चउमु वि ॥ ११ ॥
 पढम पोरिसि सज्जाय, वीय ज्ञाण श्लियायई । तइयाए भिक्खापरिय, पुणो चउत्थीइ सज्जाय ॥ १२ ॥
 आसाढे मासे दुपया, पोसे मासे चउप्पया । चित्तासोणु मासेसु, तिप्पया हउइ पोरिसी ॥ १३ ॥
 अगुल सत्तरत्तेण, पम्भेण च दुरगल । वड्डए हायए वावि, मासेण चउरगुल ॥ १४ ॥

आमाढवहुलपक्वे, भद्रए कचिए य पोसे य । कृगुणगइसाहेसु य, वोद्ववा ओमरत्ताओ ॥ १७ ॥
 जेढामृते आमाढमावणे, उहिं अगुछेहिं पटिलेहा । अट्टहिं वीयतम्मि तडए दम अट्टहि चउत्थे ॥ १६ ॥
 रत्ति पि चउरो भागे, भिक्खू वज्जा वियक्खणो । तओ उत्तरगुणे कुज्जा, गइभाएमु चउसु वि ॥ १७ ॥
 पढम पोरिसि सज्जाय, वीय ज्ञाण श्रियायइ । तयाए निदमोत्त तु चउत्थी भुजो वि मज्जाय ॥ १८ ॥
 ज नेह जयारत्ति, नक्खत्त तम्मि नहचउवभाए । सपत्ते विरमेज्जा, मज्जाय पओसकालम्मि ॥ १९ ॥
 तम्मय य नक्खत्त, गयणचउभागमावसेम्मि । वेरत्तियपि काल, पटिलेहिहा मुणी कुज्जा ॥ २० ॥
 पुबिल्लम्मि चउवभाए, पटिलेहिहाण भण्डय । गुरु वन्दिनु मज्जा यज्जा दुक्खविमोक्खण ॥ २१ ॥
 पोरिसीए चउभाए, वन्दिताण तओ गुरु । अपडिक्खित्ता कालस्म, भायण पडिलेहए ॥ २२ ॥
 मुहपोनि पडिलेहिहा, पडिलेज्ज गोच्छम । गोच्छमलटयगुल्लओ, वत्थाइ पडिलेहए ॥ २३ ॥
 वट्टु विर अतुरिय, पुव ता नत्थमेव पडिलेह । तो विय पफोडे, तइय च पुणो पमज्जिज्ज ॥ २४ ॥
 अण्णाविय जमलिय, अण्णाणुवन्दिममोमलिं चैन । उप्पुरिमान न सोडा, पाणीपाणिसोहण ॥ २५ ॥
 जारभडा मम्म ना, वजेयवा य मोसलो तया । पफोडणा चउत्थी, विक्खित्ता वेडया छट्ठी ॥ २६ ॥
 पसिदिल्लपल्लम्लोला, एगा मोमा अणेगरूणुणा । कुण्ड पमाणिपमाय, सकियगणणोत्तम कुज्जा ॥ २७ ॥
 जणूणाइरित्तपडिलेहा, अविक्खामा तदय य । पढम पय पमत्थ, सेसाणि य अप्पमत्थाइ ॥ २८ ॥
 पडिलेहण कुणन्तो, मिणे न्ह कुण्ड जणययन्ह ना । देड पच्च मयाण, माण्डसय पडिउड ना ॥ २९ ॥
 पुढवा आउक्काए, तेउ वज्ज णस्मइत्तमाण । पडिलेहणापमचो, छण्ह पि विगहओ होइ ॥ ३० ॥
 पुढवी भाउक्काए, तेउ माउ वणम्मइ तमाण । पडिलेहणाभाउचो, छण्ह सम्बरओ होइ ॥ ३१ ॥
 तडयाए पोरिसीए, भत्त पण गवसण । छण्ह जन्नयराए, मारणम्मि समुट्टिए ॥ ३२ ॥
 वेयण वयावचे, इरियट्टाए य सनमट्टए । तह पाणत्तियाए, उट्ट पुण म्मच्चित्ताए ॥ ३३ ॥
 निग्गधो धिइमन्तो निग्गन्धी चिन करुज्ज उहि चैन । याणेहि उम्मेहिं, अण वमणाइसे होइ ॥ ३४ ॥
 आयक उत्तमगे, तितिकवया वम्भचेरणीसु । पाणिदया तत्रहउ, मरीरवोच्छ यणट्टाए ॥ ३५ ॥
 अवसेस भण्डग गिज्ज, चक्खुमा पडिलेहए । परमदुजोयणाओ, विहार विहरए मुणो ॥ ३६ ॥
 चउत्थीण पोरिसीए, निक्खिवित्ताण भायण । मज्जाय तओ कुज्जा, मवभाविभायण ॥ ३७ ॥
 पोरिसीए चउवभाए, वन्दिताण तओ गुरु । पटिक्खित्ता कालस्म, सेज्ज तु पडिलेहए ॥ ३८ ॥
 पामरणुचारभूमिं च, पडिलेहिज्ज जय जइ । माउम्मग तओ कुज्जा, सब्बदुक्खविमोक्खण ॥ ३९ ॥
 दवसिय च जइयार, चिन्तिज्जा अणुपुवसो । नाणे य दसणे चैन, चरित्तम्मि तदय य ॥ ४० ॥
 पारियकाउस्मगो, वन्दिताण तओ गुरु । दमिय तु अइयार, आलोणज्ज जहक्कम्म ॥ ४१ ॥
 पडिक्खित्तु निम्सल्लो, वन्दिताण तओ गुरु । काउस्मग तओ कुज्जा, मवदुक्खविमोक्खण ॥ ४२ ॥
 पारियकाउस्मगो, वन्दिताण तओ गुरु । वडमगल च माउण काल सपटिलेहए ॥ ४३ ॥
 पढम पोरिसि मज्जाय, वितिय ज्ञाण श्रियायइ । तडयाए निदमोत्त तु, मज्जाय तु चउत्थिए ॥ ४४ ॥
 पोरिसीए चउत्थीए, काल तु पडिलेहिहा । मज्जाय तु तओ कुज्जा, जरोइन्तो असज्ज ॥ ४५ ॥
 पोरिसीए चउवभाए, वन्दिताण तओ गुरु । पडिक्खित्तु कालस्म, काल त पडिलेहए ॥ ४६ ॥
 आगए काययोम्मगे, मवदुक्खविमोक्खणो । माउम्मग तओ कुज्जा मवदुक्खविमोक्खण ॥ ४७ ॥

राइय च अईयर, चिन्तिज्ज अणुपुव्वसो । नाणमि दसणमि य, चरित्तमि तवमि य ॥ ४८ ॥
 पारियकाउस्सग्गो, वन्दिच्चाण तओ गुरु । राइय तु अईयार, आलोएज्ज जहक्कम्म ॥ ४९ ॥
 पडिक्कमित्तु निस्सल्लो, वन्दिच्चाण तओ गुरु । काउस्सग्ग तओ वुज्जा, सब्बदुक्खण ॥ ५० ॥
 किं तव पडिवज्जामि, एव तत्थ विचिन्तेए । काउस्सग्ग तु पारित्ता, वन्दई य तओ गुरु ॥ ५१ ॥
 पारियकाउस्सग्गो, वन्दिच्चाण तओ गुरु । तव तु पडिवजेज्जा, कुज्जा सिद्धाण सयव ॥ ५२ ॥
 एसा सामायारी, ममासेण वियाहिया । ज चरित्ता बहू जीवा, तिण्णा ससारसागर ॥ ५३ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ सामायारी ममत्ता ॥ २६ ॥

॥ अह खलुकिज्ज सत्तवीसइम अज्जयण ॥

थेरे गणहरे गग्गे, मृणी आसि विसारए । आइण्णे गणिभावम्मि, समार्हि पडिसघए ॥ १ ॥
 वहणे वहमाणस्स कन्तर अइत्तई । जोगे वहमाणस्स, ससारो अइत्तई ॥ २ ॥
 गलुके जो उ जोएइ, विहम्माणो किलिस्सई । असमार्हि ज वेएइ, तोत्तओ से य भज्जई ॥ ३ ॥
 एग डसड पुच्छम्मि, एग विन्धइ ऽभिकखण । एगो भजइ ममिल, एगो उप्पहदट्ठिओ ॥ ४ ॥
 एगो पइइ पासेण, निवसइ निवज्जई । उक्कइहइ उप्फिडइ, सठे बालगवी वए ॥ ५ ॥
 माइ मुद्रेण पडइ, कुद्रे गच्छे पडिप्पह । मयलम्खेण चिट्ठई, वेगेण य पइमई ॥ ६ ॥
 छिन्नाले छिन्दई सेलिं, दुदतो भजए जुग । सेवि य सुस्सुयाइत्ता, उज्जहित्ता पलायए ॥ ७ ॥
 ग्वलुक्का जारिसा जोज्जा, दुस्सीसा विट्टु तारिसा । जोइया धम्मजाणम्मि, भजन्ती धिहदुब्बला ॥ ८ ॥
 इड्डीगारविए एगे, एगेऽत्थ रसगारवे । सायागारविए एगे, एगे सुचिरकोहणे ॥ ९ ॥
 भिकखालसिए एगे, एगे ओमाणभीरुए । थद्वे एगे आणुसामम्मी, हेऊहिं कारणेहि य ॥ १० ॥
 सो वि अन्तरभासिल्लो, दोसमेव पकुवई । आयरियण तु वयण, पडिकूलेइऽभिकखण ॥ ११ ॥
 न मा मम वियाणाइ, न य सा मज्ज दाहिई । निग्गया होहिई मन्ने, सहू अन्नोत्थ वच्चउ ॥ १२ ॥
 पेसिया पलिउचन्ति, ते परियन्ति, ममत्तओ । रायवेट्ठिं च मन्नता, करेन्ति मिउडिं मुदे ॥ १३ ॥
 चाइया सगहिया चेव, भत्तपाणेण पोसिया । जायपक्खा जहा हमा, पक्कमन्ति दिसो दिंसि ॥ १४ ॥
 अह सारही विचिन्तेइ, खलुकेहिं ममागओ । किं मज्ज दुट्ठसीसेहिं, अप्पा मे अवसीयई ॥ १५ ॥
 जारिसा मम सीमाओ, तारिसा गलिगइहा । गलिगइहे जहित्ताण, दढ पणिहई तव ॥ १६ ॥
 मिउमइवसपन्नो, गम्भीरो सुममाहिओ । विहरड महिं महप्पा, सीलभूएण अप्पण ॥ १७ ॥

त्ति वेमि ॥ ग्वलुकिज्ज ममत्त ॥ २७ ॥

॥ अह मोक्खवग्गइ अट्ठावीसइम अज्झयण ॥

मोक्खमग्गइ तच्च, सुणेह जिणभासिय । चउत्तरणसज्जुत्त, नाणदसणलक्खण ॥ १ ॥
 नाण च ढसण चैव, चरित्त च तवो तहा । एस मग्गु त्ति पन्नत्तो, जिणेहिं वरदसिहिं ॥ २ ॥
 नाण च दमण चैव, चरित्त च तवो तहा । एयमग्गमणुप्पत्ता, जीवा गच्छन्ति सोग्गइ ॥ ३ ॥
 तत्थ पचविह नाण, सुय आभिनिवोहिय । ओहिनाण तु तइय, मणनाण च केवल ॥ ४ ॥
 एय पचविह नाण, दवाण य गुणाण य । पज्जराण य सब्बेसिं, नाण नाणीहि दसिय ॥ ५ ॥
 गुणाणमासओ दव्व, एगदव्वस्मिया गुणा । लक्खण पज्जवाण तु अभओ अस्मिया भवे ॥ ६ ॥
 धम्मो अहम्मो आगास, कालो पुग्गल जत्तवो । एम लोगो त्ति पन्नत्तो, जिणेहिं वरदसिहिं ॥ ७ ॥
 धम्मो अहम्मो आगाम, दव्व इक्किक्काहिय । अणन्ताणि य दव्वाणि, कालो, पुग्गलजन्तोवो ॥ ८ ॥
 गइलक्खणो उ धम्मो, जहम्मो ठाणलक्खणो । भायण सव्वद वाण, नह ओगाहलक्खण ॥ ९ ॥
 वत्तणालक्खणो कालो, जीवो उवओगलक्खणो । नाणेण दसणेण च, सुहेण य दुहेण य ॥ १० ॥
 नाण च दमण चैव, चरित्त च तवो तहा । वीरिय अणओगो य, प्य जीवम्म लक्खण ॥ ११ ॥
 महन्धयार उज्जोओ, पहा छाया तवे उ वा । उण्णरसगन्वफासा, पुग्गलाण तु लक्खण ॥ १२ ॥
 एगत्त च पुहत्त च, सखा सठाणमेव य । मज्जीगा य विभागा य, पज्जराण तु लक्खण ॥ १३ ॥
 जीवाजीवा य व घो य, पुण्ण पावासा तहा । मवरो निज्जरा मोक्खो, स तेए तहिया भव ॥ १४ ॥
 तहियाण तु भावाण, सब्भावे उवएमण । भावेण सहहन्तस्म, मम्मत्त त वियाहिय ॥ १५ ॥
 निसग्गुवपरइ, आणरइ सुत्त वीयरइमेव । अभिगम वित्थारइ, किरिया संत्तव वम्मरइ ॥ १६ ॥
 भूयत्थेणाहिगवा, जीवाजीवा य पुण्णपात्त च । महसम्मइयासवसवरो य रोणइ उ निसग्गो ॥ १७ ॥
 जो जिणदिट्ठे भावे, चउब्बिदं सदहा । एमेव नन्नह त्ति य, स निमग्गइ त्ति नायवो ॥ १८ ॥
 एए चैव उ भावे, उवड्ढे जो परेण सदहइ । उउमत्थेण जिणेण न, उवएसइ त्ति नायवो ॥ १९ ॥
 गगो दोसो मोहो, अन्नाण जस्स अवगय होइ । आणाए रोएतो, मो ग्खलु आणाइ नाम ॥ २० ॥
 जो सुत्तमहिज्जन्तो, सुण्ण ओगाहइ उ सम्मत्त । अणेण व्हिरिण न, सो सुत्तरइ त्ति नायवो ॥ २१ ॥
 एणेण अणेगाइ, पयाइ जो पसरइ उ सम्मत्त । उदए व तेत्तमिद्, सो वीयरइ त्ति नायवो ॥ २२ ॥
 सो होइ अभिगमरइ, सुयनाण जेण अत्थओ दिट्ठ । एकारस जगइ, पडण्णग दिट्ठिवाओ य ॥ २३ ॥
 दवाण सब्भावा, सब्बपाणेहि जस्म उवलद्धा । सवाइ नयविहीहि, वित्थारत्त त्ति नायवो ॥ २४ ॥
 दमणनाणचरित्ते, तवणिण मव्वसमिइयुत्तीसु । जो किरियाभावरइ, मो ग्खलु किरियारइ नाम ॥ २५ ॥
 अणमिग्गहियहुदिट्ठी सखेयरइ त्ति होइ नायवो । अविसारओ पययणे, अणमिग्गहियो य सेसेसु ॥ २६ ॥
 जो अत्थिकायधम्म, सुधम्म खलु चरित्तधम्म चा । सदहइ जिणाभिदिय, मो धम्मरइ त्ति नायवो ॥ २७ ॥
 परमत्थमथवो वा, सुट्ठिपरमत्थसेवण वा वि । वावन्नउदमणपज्जणा, य सम्मत्तमइहणा ॥ २८ ॥
 नरिथ चरित्त सम्मत्तविहण, दमणे उ भइयव्व । सम्मत्तचरित्ताइ, जुगत्त पुव व ममत्त ॥ २९ ॥

नादमणिस्स नाण, नाणेण विणा न ह्वन्ति चरणगणा ।

अणुणम्म नत्थि मोक्खो, नत्थि अमोक्खस्स निवाण

निस्सकिय निक्कसिय निव्वित्तिञ्जा अमूढदिट्ठीय । उअवूह थिरीअरणे, वच्छल पभाणणे अट्ट ॥ ३१ ॥
 सामाडत्थ पट्ठम, ठेओवट्ठाण भये वीय । परिहारविसुद्धीय, सुट्टम तह मपराय च ॥ ३२ ॥
 अकमायमहक्खाय, छउमथत्सम जिणस्म वा । एअ चयरित्तअर, चारित्त होअ आहिय ॥ ३३ ॥
 तवो य दुविहो पुत्तो, बाहिरअन्तरो तअ । बाहिरो छविहो पुत्तो, एमेअअन्तरो तओ ॥ ३४ ॥
 नाणेण जाणई भाव, दमणेण य सदहे । चरित्तण निगिण्ढाअ, तवेण परिसुज्झइ ॥ ३५ ॥
 खवेत्ता पुव्वअमाड, सजमेण तवेण य । मव्वदुअरअपहीणट्ठा पक्कमत्ति महसिणो ॥ ३६ ॥

त्ति वेमि ॥ ३७ ॥ मोअअमग्गगई ममत्ता ॥ ३८ ॥

॥ अह सम्मत्तपरक्कम एगूणतीसट्ठम अज्झयण ॥

सुअ मे आउअ-तण भगअया एवमक्खाप । इह खलु मम्मत्तपरक्कमे नाम अज्झयणे समणेण
 भगअया महाअरीण आसवेण पवेडए, ज सम्म सद्विहाता पतियाडत्ता रोअत्त फासित्ता पालडत्ता ती-
 रिता वित्तत्ता सोहत्ता जाराहिता आणाए अणुपालइत्त बहवे जीआ सिज्झन्ति बुज्झन्ति मुचन्ति
 परिनिवायन्ति सब्बदुक्खाणमत्त करन्ति । तस्म ण अयमट्ठ एवमाहिज्झइ, तअहा-सवगे १ निवेए २
 धम्मसट्ठा ३ गुरुमाहम्मियसुरसूअमणया ४ जालोयणया ५ नि दणया ६ गरिअणया ७ सामाडअ ८
 चउव्वीसत्थव ९ वदणे १० पडिक्कमणे ११ आउअमग्गे १२ पच्चक्खाणे १३ थअगुईमगले १४
 कालपडिअेहणया १५ पायच्छित्तकरणे १६ अमाअयअया १७ सज्जाए १८ अणयणया १९ पडिपु-
 च्छणया २० पडियट्ठणया २१ अणुपेहा २२ धअमकहा २३ सुअस्म आराहणया २४ एगग्गमण-
 सनिवेमणया २५ सजमे २६ तवे २७ वीदाणे २८ सुहसाए २९ अपडिवट्ठया ३० विवित्तमयणा
 सणसेअणया ३१ विणियट्ठणया ३२ सभोगपच्चक्खाणे ३३ उअहिपच्चक्खाणे ३४ आहारपच्चक्खाणे
 ३५ कमायपच्चक्खाणे ३६ जोगपच्चक्खाणे ३७ सरीरपच्चक्खाणे ३८ महायपच्चक्खाणे ३९ भत्तप-
 च्चक्खाणे ४० सअभाअपच्चक्खाणे ४१ पडिरूवणया ४२ वेयाअचे ४३ मव्वगुणसपुण्णया ४४ अय-
 रागया ४५ अत्ती ४६ सुत्ती ४७ मव्वे ४८ अज्जवे ४९ भाअसचे ५० करणसचे ५१ जोगमचे
 मणगुत्तया ५३ वयगुत्तया ५४ कायगुत्तया ५५ मणसमाधारणया ५६ वयसमाधारणया ५७ अ-
 यसमाधारणया ५८ नाणसपन्नया ५९ दसणसपन्नया ६० चरित्तसपन्नया ६१ सोइअन्दियनिग्गह ६२
 चक्खिअन्दियनिग्गहे ६३ धाणिअन्दियनिग्गहे ६४ जिअिअन्दियनिग्गहे ६५ फासिअन्दियनिग्गहे ६६
 कोहविजए ६७ माणविजए ६८ मायाविजए ६९ लोहविजए ७० पेअदोअसमिअच्छादसणविजए ७१
 सेलेसी ७२ अकम्मया ॥ ७३ ॥

सअणेण भत्ते जीवे कि जणयइ । सअणेण अणुत्तर धम्मसट्ठ जणयइ । अणुत्तराए धम्मसट्ठाए
 सर्वेअ हव्वमागच्छइ अणन्ताणुअधिक्कोहमाणमायालोमे खवेइ । मम्म न वन्धअ । तप्पचय च ण
 मिच्छत्तविसोहिं फाऊण दसणाराहए भवइ । दमणविसोहीए य ण विसुद्धाए अत्तेअइए तेणेअ
 भअग्गहणेण सिज्झई । सोहीए य ण विसुद्धाए तच्च पुणो भवग्गहण नाइक्कमइ ॥ १ ॥ निच्चेदण

भन्ते जीवे किं जणयन् । निवेदणं दिवमाणुमतेरिच्छणसु कामभोगेसु निवेद्य हृदयमागच्छेत् सवविसर्पसु
 विरज्जन् । सवविसर्पसु विरज्जमाणे आरम्भपरिचाय करइ । आरम्भपरिचाय करमाणे ससारमग्ग
 वोच्छिद्येत्, सिद्धिमग्गं पडिपन्ने यं भवइ ॥२॥ धम्मसद्दाए ण भन्ते जीवे किं जणयइ । वम्मसद्दाए
 ण मायामोक्खेसु रज्जमाणे विरज्जइ । आगारधम्मं च ण चयन् । अणगारिए ण जीवे मारीरमाणमाण
 दुक्कमाणं छेयणभेयणमजोगाटणं पोरुत्थेयं करेत् अच्चाणाहं च सुहं निरुत्तेत् ॥ ३ ॥ गरुमाहम्मिय-
 सुस्सम्मणाए ण विणयपटिपत्तिं जणयइ । विणयपटिपत्तं यं ण जीवे अणाच्चात्तायणमीले नेरइयतिरि-
 क्कपजोणियमणुम्मदेत्तुहुमर्गत्तो निरुम्मन् । उणमजलणभक्तिरुत्तुमाणयाए मणुस्सदग्गत्तो निरुत्तं वद,
 सिद्धिं भोगइ च विमोहत् । पमं वाडं च ण विणयापूलाइ मव्वकज्जाइ साहइ अत्ते यं गह्वे जीव
 विणिग्गत्ता भव ॥४॥ आलोयणाए ण भन्ते जीव किं जणयइ । आलोयणाए ण मायानियाणमिच्छा
 दमणमह्हाणं मोस्समग्गविग्गणं अणतममग्गवन्वणाणं उद्वरणं करइ । उज्जुभारं च जणयइ । उज्जु
 भारपटिपत्ते यं ण जीवे जमाटं इत्तीवयनपुमग्गयं च न वन्त्तं । पुव्वत्तं च ण निज्जरेइ ॥ ५ ॥
 निदणयाए ण भन्ते जीव किं जणयइ । निन्दणयाए ण पन्थाणुत्तायं जणयइ । पन्थाणुत्तायणं विग्ग
 ज्जमाणे उणग्गुणसहिं पटिपत्तं । उणग्गुणसेटीपडिपन्ने यं ण अणगारं मोहणिज्जं कम्म उग्गाएत् ॥ ६ ॥
 गरहणयाए ण भन्ते जीवे किं जणयइ । गरहणयाए जपुरव्वारं जणयइ । अपुरव्वारणं ण जीवे जप्प
 सत्तेत्तौ जोगेहितौ नियत्तेत् पमत्थं यं पडिपत्तं । पमत्थं चागपटिपत्ते यं ण अणगारं अणत्तवात्तपज्जे
 सुत्तेत् ७ ॥ मामाएणं भन्ते जीव किं जणयइ । मामाएणं मात्तज्जोगविटं जणयइ ॥ ८ ॥ उत्तीम
 यणं भन्ते जीव किं जणयइ । च० टमणमिहोहिं जणयइ ॥ ९ ॥ वन्दणएणं भन्ते जीवे किं जणयन् ।
 उ० नीयागोयं कम्म रत्तं । उच्चागोयं कम्म निरुत्तं सोहग्गं च ण जपडिहियं जाणाफलं निव्वत्तं ।
 दाहिणभारं च ण जणयन् ॥ १० ॥ पडिक्कमणेणं भन्ते जीवे किं जणयइ । प० उयत्तिहाणि पिप्पेत् ।
 पिहिययत्तिहे पुणं जीवं निरुत्तं जमत्तल्लग्गिं अट्टसु पययणमायामु उरत्ते अणुहत्ते सुप्पणि
 हिट्ठिणं विहरत् ॥ ११ ॥ काउमग्गेणं भन्ते जीवे किं जणयइ । का तायपत्तं पत्तं पायच्छित्तं
 विसोदत्तं । विसुद्धपायच्छित्तं यं जीवं निरुत्तं यिए ओहरिभरं उ भारत्तं पमं उच्चाणोत्तं गहं सुहं
 सुहणं विहरइ ॥ १२ ॥ पच्चक्खणोणं भन्ते जीवे किं जणयन् । प० जामत्तं गहं निरुम्भन् । पच्च-
 क्खणोणं इच्छानिरोहं जणयइ । इच्छानिरोहं गणं यं ण जीवे मव्वत्तं व्वसुं विणीयत्तं मीत्तं वि-
 हरइ ॥ १३ ॥ अरत्तमग्गलेणं भन्ते जीवे किं जणयइ । य० नाणत्तमग्गचरित्तोहितात्तं जणयइ ।
 नाणत्तमग्गचरित्तोहितात्तमग्गत्ते यं ण जीवे अत्तं विरियं उप्पिममाणोत्तं चरित्तं जागहणं आगइ ॥
 १४ ॥ णालपटिपत्तेहणयाए ण भन्ते जीवे किं जणयइ । ण० नाणात्तमग्गिज्जं कम्म रत्तं ॥ १५ ॥
 पायच्छित्तं चरणेणं भन्ते जीव किं जणयन् । पा० पात्तमिहोहिं जणयन् निग्गव्वारं रावि भवइ । मम्म
 च ण पायच्छित्तं पडिपत्तमाणे मग्गं च मग्गपत्तं च विमोहत् जायारं च आयारफलं च जागत्तं
 ॥ १६ ॥ मग्गत्तमग्गएणं भन्ते जीवे किं जणयइ । म० पल्लयाणभावं जणयइ । पल्लयाणभावमु
 वग्गं यं मव्वत्तमग्गभूयत्तीमग्गत्तेसु-मेत्ताभात्तमुप्पाएत् । मत्तीभात्तमुत्तं यत्तिं जीवे भात्तमिहोहिं
 णालं निरुम्भं भवइ ॥ १७ ॥ मज्जाएणं भन्ते जीवे किं जणयइ । म० नाणात्तमग्गिज्जं कम्म रत्ते
 ॥ १८ ॥ रायणाए ण भन्ते जीवे किं जणयइ । रा० निज्जं जणयइ सुयत्तं यं अणामायणाए

जहा सुई समुत्ता न विणस्मत् तदा जीवे समुत्ते ससारे न विणस्मत्, नाणविणयतवचरिचजोगे सपा
उणद, मसमयपरसपयमिमारए य असघायणिज्ज भवइ ॥ ५९ ॥ दसणमपन्नयाए ण भत जीवे किं
जणयइ । ६० भममिच्छत्तयेयण करेइ न विज्झायइ । पर जविज्झाएमाणे अणुत्तरण नाणमणेण
अप्पाण सजोएमाणे सम्म भायेमाणे विहरइ ॥ ६० ॥ चरिचमपन्नयाए ण भते जीवे किं जणयइ ।
च० सेलेसीभाप जणयत् । मलेसि पडिपने य अणगार चत्तारि केरलिक्कम्मस खवत् । तओ पच्छा
सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिनिवायइ सबदुक्खणम त करइ ॥ ६१ ॥ मोइन्दियनिग्गहण भ ते जीवे
किं जणयइ । सो० मणुत्तामणुत्तसु सेहेसु रागदोमनिग्गह जणयइ, तप्पच्चइय कम्म न वन्वइ, पुव्व
बद्ध च निज्जरइ ॥ ६२ ॥ चक्खिपादियनिग्गहणे भ त जीवे किं जणयइ । च० मणुत्तामणुत्तेसु
रुसेसु रागदोमनिग्गह जणयइ, तप्पच्चइय कम्म न वन्वइ, पुव्वबद्ध च निज्जरइ ॥ ६३ ॥ घाणि
दियनिग्गहण भ ते जीवे किं जणयइ । घा० मणुत्तामणुत्तसु भन्धेसु रागदोमनिग्गह जणयइ,
तप्पच्चइय कम्म न वन्वइ, पुव्वबद्ध च निज्जरइ ॥ ६४ ॥ जिठिमन्दियनिग्गहणे भन्ते जीवे किं
जणयइ । जि० मणुत्तामणुत्तसु रुसेसु रागदोमनिग्गह जणयइ, तप्पच्चइय कम्म न व वत्, पुव्वबद्ध
च निज्जरेइ ॥ ६५ ॥ फासिन्दियनिग्गहण भन्ते जीवे किं जणयइ । फा० यणुत्तामणुत्तेसु फासेसु
रागदोमनिग्गह जणयत्, तप्पच्चइय कम्म न व वत्, पुव्वबद्ध च निज्जरेइ ॥ ६६ ॥ कोहविज्जण भ ते
जीवे किं जणयइ । को० खाति जणयत् । कोद्वेयणिज्ज कम्म न वन्वत्, पुव्वबद्ध च निज्जरत् ॥ ६७ ॥
माणविज्जण भन्ते जीवे किं जणयइ । मा० मद्द जणयइ, मायाययणिज्ज कम्म न वन्वइ, पुव्वबद्ध
च निज्जरइ ॥ ६८ ॥ मायाविनएण भन्ते जीवे किं जणयइ । मा० अज्ज जणयइ, मायावेयणिज्ज
कम्म न व वत्, पुव्वबद्ध च निज्जरइ ॥ ६९ ॥ लोभविज्जण भन्ते जीवे किं जणयत् । लो० सतोम
जणयइ, लोभेयणिज्ज कम्म न वन्वत्, पुव्वबद्ध च निज्जरेत् ॥ ७० ॥ पिज्जेदोसमिच्छादसणविज्जण
भन्ते जीवे किं जणयइ । पि० नाणदसणचरिचाराहणयाए अब्भुट्ठे । अट्टविहस्स कम्मस्स कम्म
गण्ठिविमोयणयाए तप्पटमयाए जणुपुवीए अट्टवीसद्विह मोहणिज्ज कम्म उवाएत्, पञ्चविह
नाणापरणिज्ज, नपविह दमणापरणिज्ज, पचविह अन्तरादय, एण तिननि वि कम्मसे खवेइ । तओ
पच्छा जणुत्तर कसिण पडिपूत्तण निरासण दितिमर विमुद्ध लोमालोमप्यभाप करलरनाणदसण
समुप्पाडइ । जव मज्जीगी भवइ, ताप ईरियावहिय कम्म निवन्वइ सुहफरिम दुममयठिइय । त
पटमसमए चद्ध, विचसमए वेइय, तचसमए निज्जिण्ण, त चद्ध पुट्ट उदीरिय वेइय निज्जिण्ण
सेयाल य अकम्मयाच भवइ ॥ ७१ ॥ अह आउय पालडत्ता अ तोमुहुत्तद्वानसेमाए जोगनिरोह कएमाणे
सुहुमकिरिय अप्पडिवाइ सुवज्झाणज्ञायमाणे तप्पटमयाए मण नोग निरुभइ, वयजोग निरुभइ, कायजोग
निरुभइ, आणपाणुनिरोह करेइ, इसि पचगहस्मक्खरचारणट्टाए य ण अणगारे ममुच्छिन्नकिरिय अ
नियट्टिसुक्कज्झाण क्षिपायमाणे वेयणिज्ज आउय नाम गोत्त च एए चत्तारि कम्मसे जुगव खवेत् ॥ ७२ ॥
तओ ओरालियतेयकम्माइ सच्चहिं निप्पजणाहिं निप्पजहित्ता उज्जुसेडिपत्ते अफुममाणगइ उट्ट एग
समएण अविग्गहण त थ गन्ता सागारोपउत्ते सिज्झइ बुज्झइ जाप अत्त करेइ ॥ ७३ ॥ एस गल्ल
सम्मत्तपरकम्मस्स अज्जयणस्म अट्टे समणेण भगवया वहावीरेण आघरिए पत्रविए परुक्विण दसिए
उदसिए ॥ ७४ ॥ त्ति वेमि ॥ इअ सम्मत्तपरकामे समत्ते ॥ २९ ॥

॥ अह तवमग्ग तीसइम अज्झयण ॥

जहा उ पावग कम्म, गगदोसर मज्जिय । खणे तवसा भिक्खू, तमेग्गमणो सुण ॥ १ ॥
 पाणिवहसुमावाया जट्ठमेवुणपरिग्गहा विरओ । राइभोयणविरओ, जीवो भनइ अणासवो ॥ २ ॥
 पचसमिओ तिहुत्तो, अम्माओ जि दिओ । जगारओ य निस्सहो, जीवो होइ अणासवो ॥ ३ ॥
 एएमि तु विरच्चास, रागदोससमज्जिय । खणे उ जहा भिक्खू, तमेग्गमणो सुण ॥ ४ ॥
 जहा महातलायस्म, सन्निरट्ठे जलागमे । उस्सिचणाए तणणाए, कमेण सोसणा भने ॥ ५ ॥
 एउ तु सजयस्मावि, पापकम्मनिगमवे । भनकोडीसचिय कम्म, तवसा निज्जरिज्जइ ॥ ६ ॥
 मो तपो दविहो पुत्तो, बाहिरम्म तरो तहा । बाहरो छविहो पुत्तो, एवमम्भन्तरो तपो ॥ ७ ॥
 अणमणमृणोयरिया, भिक्खायरिया य रसपरिच्चाओ । कायन्निसेसो सलीणया य वज्झो तवो होइ ॥ ८ ॥
 उच्चरिय मरणफाला य, अणमणा दुविहा भवे । उत्तरिय भावक्खा, निरपक्खा उ विडज्जिया ॥ ९ ॥
 जो सो उत्तरियतपो, सो समासण उविहो । सेद्धितवो पयरतपो, घणो य तह होइ वग्गो य ॥ १० ॥
 तत्तो य पग्गपग्गो, पचमो उट्ठओ प णतवो । मणन्तिउयचित्तयो, नायवो होइ इतरिओ ॥ ११ ॥
 जा मा अणमणा मग्गे दुविहा मा वि यियाहिया । सवियारमत्रियारा, कायचिद्ध परई भने ॥ १२ ॥
 जहना सपरिक्कमा, जपरिक्कमा य आहिया । नीहारिमनीहारी, आदारउओ दोसु नि ॥ १३ ॥
 ओभोयरण पचहा, ममासेण यियाहिय । टवओ खेत्तफालेण, भायेण पज्जेहि य ॥ १४ ॥
 जो जम्म उ जाहरो, तत्तो जीम तु जो कर । जहन्नेणेगसित्थाई, एउ दवेण उ भवे ॥ १५ ॥
 गाम नगरं तह रायहाणिनिग्गमे य जागरे पट्ठी । खेडे उच्चरडदोणमुहपट्ठणमडम्भसवाहे ॥ १६ ॥
 जाममपए विहारे, सन्निसेसे समायघोसे य । यत्तिसेणाए वारे, सत्ये सवट्ठकोट्टे य ॥ १७ ॥
 गडेसु उ रच्छामु उ, घरंसु ना एउमित्तिय येत्त । रूप्प उ एवमाइ, एउ खेत्तेण ऊ भवे ॥ १८ ॥
 पडा य जट्ठपडा, गोमुत्तिपयगवीहिया चेउ । सम्भुक्काउट्ठायपगन्तुपच्चागया छट्ठा ॥ १९ ॥
 दिउसम्म पोस्सीण, चउणुपि उ जत्तिओ भने मालो । एउ चरमाणो खलु कालोमाणमुणेयव ॥ २० ॥
 अहवा त याए पोस्सीण उण्ण उअसमस तो । चउभाणुणाए वा, एउ फालेण ऊ भने ॥ २१ ॥
 इती उणुसित्तो वा, जलन्तिओ वा नलक्खिओ वावि । अन्नयरउयवो वा, अन्नयरण व व धेण ॥ २२ ॥
 अन्नेण विसेसेण, उण्णेण भावमणुमुयन्त उ । एव चरमाणो खलु भापोमाण मुणेयव ॥ २३ ॥
 दवे येत्त काल, भावम्मि य आहिया उ ज भावा । एएहि ओमचरओ, पज्जचरओ भने भिक्खू ॥ २४ ॥
 जट्ठविहोयरग्ग तु, तहा सत्तेण एमणा । अभिग्गहा य जे अन्ने, भिक्खायरियमाहिया ॥ २५ ॥
 खीरदहिसप्पिमाट, पणीय पाणभोयण । परिउज्जण रमाण तु, भणिय रसविउज्जण ॥ २६ ॥
 ठाणा वीगमणाइया, जीपस्स उ मुहानहा । उग्गा जहा धरिज्जन्ति, कायन्निसेस तमाहिय ॥ २७ ॥
 एगन्तमणायाए, इत्थीपसुविउज्जण । सयणासणसेउणया, निउत्तिसयणासण ॥ २८ ॥
 एसो बाहिरगतपो, समासेण वियाहियो । जन्मि तर तव एत्तो, वुच्छामि अणुपुहमो ॥ २९ ॥
 पायच्छिउत्त निणओ, वेयावच तदेव सज्जाओ । ज्ञाण च निउसग्गो, एसो अन्मि तरो तपो ॥ ३० ॥

आलोयणारिहाईय, पायच्छित्त तु दसविह । ज भिक्खु वहई मम्म, पायच्छित्त तमाहिय ॥ ३१ ॥
 अञ्चुट्ठाण अजलिकरण, तहेनासणदायण । गुरुभत्तिभाउसुम्भूमा, विणओ एम वियाहिओ ॥ ३२ ॥
 आयरियमाईए, वेयावच्चम्मि दसविह । आसेण जहागाम, वयाउच्च तमाहिय ॥ ३३ ॥
 वायणा पुच्छणा चेव, तहण परियट्ठणा । अणुप्पेहा धम्मजहा, अज्जाओ पञ्चहा भवे ॥ ३४ ॥
 अट्ठरुहाणि वञ्जित्ता, ज्ञाणज्जा सुसमाहिए । धम्मसुद्धाड ज्ञाणाइ, ज्ञाण त तु उदाण ॥ ३५ ॥
 सयणासणठाणे वा, जे उ भिक्खु न वापरे । कायस्म विउस्मगो, उट्ठो सो परिकित्तो ॥ ३६ ॥
 एव तव तु दुविह, जे सम्म जायरे मुणी । सो रिप्प सव्वसारा, विण्णुच्चड पण्डियो ॥ ३७ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ तत्रमग्ग समत्त ॥ ३० ॥

॥ अह चरणविही एगतीसडम अज्झयण ॥

चरणविहि पवक्खामि, जीउस्म उ सुहाउह । ज चरित्ता वहू जीया, तिण्णा ससारसाम ॥ १ ॥
 एगओ विरइ कुज्जा, एगओ य पवत्तण । असज्जेम नियत्ति च, सज्जेम य पवत्तण ॥ २ ॥
 गगदीसे य दो पाव, पावण्णमपवत्तणे । ज भिक्खु जयई निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ ३ ॥
 उण्डण गारवाण च, सल्लण च तिय तिय । जे भिक्खू जयई निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ ४ ॥
 दिव्वे य जे उवसग्गे, तहा तेरिच्छमाणुसे । जे भिक्खू जयई जयई, से न अञ्छइ मण्डले ॥ ५ ॥
 विगहाकमायसन्नाण, ज्ञाणाण च दुय तहा । ज वज्जइ निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ ६ ॥
 वणुसु इदियत्थेसु समिईसु किरियासु य । जे भिक्खु जयइ निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ ७ ॥
 लेसामु छसु काएसु, छके आहारकारणे । जे भिक्खू जयई निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ ८ ॥
 पिण्डोगहपडिमासु, भयट्ठाणेसु मत्तसु । जे भिक्खू जयइ निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ ९ ॥
 मदेसु वम्भगुत्तीसु, भिक्खुधम्मम्मि दसविह । जे भिक्खू जयइ निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ १० ॥
 उवासणाण पडिमासु, भिक्खूण पडिमासु य । जे भिक्खू जयइ निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ ११ ॥
 किरियासु भूयगामेसु, परमाहम्मिणसु य । जे भिक्खू जयई निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ १२ ॥
 गाहासोल्मएहिं, तहा असजम्मि य । जे भिक्खू जयई निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ १३ ॥
 वम्भम्मि नायज्जणेसु, ठाणेसु य समाहिए । जे भिक्खू जयइ निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ १४ ॥
 एगवीमाणे सवळे, बाधीसाण परीमह । जे भिक्खू जयई निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ १५ ॥
 ततीसाइ सयगड, रूवाहिणसु सुरेसु अ । जे भिक्खू जयई निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ १६ ॥
 पशुवीमभावणासु, उदेसेसु दमाइण । जे भिक्खू जयइ निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ १७ ॥
 मणगारणुणेहि च, पणप्पम्मि तहेव य । जे भिक्खू जयई निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ १८ ॥
 पायमुयपसग्गेसु, मोहठाणेसु चेव य । जे भिक्खू जयइ निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ १९ ॥
 सिद्धाणुणजोगेसु, तेचीमासायणामु य । जे भिक्खू जयई निच्च, से न अञ्छइ मण्डले ॥ २० ॥
 इय णसु ठाणेसु, जे भिक्खू जयई मया । खिप्प सो सव्वसारा, विण्णुच्चड पण्डियो ॥ २१ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ चरणविही समत्ता ॥ ३१ ॥

॥ अह पमायद्वाणं वतीसडम अज्जयण ॥

अच्चन्तकालम्प समूलगस्स मव्वस्म दक्खस्म उजो पमोक्खो ।
 त भामओ मे पडिपुण्णचित्ता, सुणेह एगतहिय हियत्थ ॥ १ ॥
 नाणस्म मव्वस्म पगामणाण, जन्नाणमोहम्म विवन्नाणाए ।
 गगम्म दोमग्ग य सखण्ण, एगन्तमोक्ख ससुवे मोक्ख ॥ २ ॥
 तम्सेम मग्गो सुप्पिद्धसेना, विरज्जणा जालजणस्स दूरा ।
 मत्तज्ञायएगन्तनित्सेवणा य, सुत्तत्थसच्चित्तणया प्पिद य ॥ ३ ॥
 जाहाग्गिन्ते मियमेमणिज्ज, महायमिन्धे निउणत्थवुद्धि ।
 निकेयमिन्धेज्ज विवेगजोग्गा, ममाहिकामे समणे तव्वम्सी ॥ ४ ॥
 न य लमेज्जा निउण महय, सुगात्थिय वा गुणओ मम वा ।
 ण्को वि पत्ता विरज्जयत्तो, विहरज्ज ममेसु अमज्जमाणो ॥ ५ ॥
 जहा य जएडप्पभत्ता पलागा, जड वालामप्पभव जहा य ।
 ण्मेव मोहाययण खु तण्हा, पोह च तण्हाययण ययन्ति ॥ ६ ॥
 गगो य दोमो विय रुम्मणीय, रुम्म च मोहप्पभव ययन्ति ।
 कम्म च जाडमग्गम्म मल, दुक्ख च जाडमग्ग वयन्ति ॥ ७ ॥
 दुक्ख हय जस्स न होट मोहो, मोहो हओ जस्म न होट तण्हा ।
 तण्हा हया जस्म न होट लोहो, लोहो हओ जस्म न किच्चनाड ॥ ८ ॥
 गग च त्सेत्त च तइत्त मोह, उद्धत्तु कामेण ममूलज्जाल ।
 जे जे उताया पडिपज्जियत्ता, ते त्तिन्धम्मामि जहाणुपुद्धि ॥ ९ ॥
 म्मा पगाम न नित्सेवियत्ता, पाय म्मा दित्तिकग्ग नराण ।
 टित्त च कामा ममभिन्तन्ति, दम जहा माउफल न पक्खो ॥ १० ॥
 जहा त्तरग्गी पत्तरि ण्णे वणे, ममान्णो नोवमम उवेइ ।
 एविन्दिग्गमां वि पगामभो णो, न उम्भयारिस्स हियायि रुम्मट ॥ ११ ॥
 वि वित्तमेज्जामणत्तितियाण, ओमामणाण दम्मिदिवाण ।
 न गगमत्त वरिमेइ चित्त, पग जो वाठिरिवोमहहि ॥ १२ ॥
 जहा विरालावमहम्म मूले, न मग्गमाण वमही पमत्ता ।
 ण्मेव त्थीनित्थयम्म मज्जे, न उम्भयारिम्म स्वमो निवामो ॥ १३ ॥
 न उव्वलावणविलासदास, न जपियइगियपहिय वा ।
 इत्थीण चित्तमि निवमत्ता, त्थुत्थे उव्वस्से समणे तव्वम्सी ॥ १४ ॥
 अत्तण चेत्त अपत्थण च, अत्तिन्तण चेत्त अत्तिन्तण च ।
 त्थीणम्मारियज्ज्जाणजुग्गा, हिय मया उम्भवाण रयाण ॥ १५ ॥

काम तु देवीहि विभूसियाहिं, न चाइया र्गोभइउ तिणुत्ता ।
 तहा वि एग तहिय ति नचा, विरिचिचासो मुणिण पमरयो ॥ १६ ॥
 मोबरामिभस्सिउ माणवस्स, ससारभीरुस्स ठियरस्स उम्मे ।
 नेयारिस्स दुत्तरमरिथ लोण, जहिंरिथओ चालमणोत्तगओ ॥ १७ ॥
 एए य सग्गे समइक्कमित्ता, सुदुत्तरा चैव भन्ना त सत्ता ।
 जहा महासागरमुत्तरिचा, नई भवे अवि गङ्गासमाणा ॥ १८ ॥
 कामाणुगिद्धिप्पभव खु दुक्ख, सबस्स लोमस्स सदेउगस्स ।
 जे काइय माणसिय च किचि, तस्मन्तग गच्छइ वीयरगो ॥ १९ ॥
 जहा य किम्पागफला मणोरमा, रसेण वण्णेण य भुज्जमाणा ।
 ते खुड्डए जीविय पच्चमाणा, एओउमा कामगुणा विरागे ॥ २० ॥
 जे इन्दियाण विसया मणुत्ता, न तसु भाउ निसिरे कया ।
 न यामणुत्तेसु मण पि बुज्जा, समाहिकामे समणे तउरस्सी ॥ २१ ॥
 चक्खुस्स चक्खु गहण वयन्ति, त रागइउ तु मणुत्तमाहु ।
 त दोसइउ अमणुत्तमाहु, समो य जो तेसु स वीयरगो ॥ २२ ॥
 रूउस्स चक्खु गहण वयन्ति, चक्खुस्स रूउ गहण वयन्ति ।
 रागस्स हेउ ममणुत्तमाहु, दोमस्स हेउ अमणुत्तमाहु ॥ २३ ॥
 रूवेसु जो गेहिमुवेइ तिव, अकालिय पाउइ से विणास ।
 रागाउर से जह वा पयगे, आलोपलोले समुवेइ मच्छु ॥ २४ ॥
 जे यापि दोस समुवेइ तिव, तसिक्खणे से उ उवेइ दुक्ख ।
 दुइ तदोसेण सएण ज तु, न किञ्चि रूव उवरउज्जई से ॥ २५ ॥
 एगन्तरत्ते ररसि रूवे, अतालसे से कुणई पओस ।
 दुक्खस्स सम्पीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागा ॥ २६ ॥
 रूवाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइ तेणरूवे ।
 चिचेहि ते परितावेइ बाले, पीले उचट्टगुरू किल्लिडे ॥ २७ ॥
 रूवाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे ।
 एए विओगे य कह सुह से, एए सम्भोगफाले य अतित्तलामे ॥ २८ ॥
 रूवे अतित्त य परिग्गहम्मि, सत्तोउसत्तो न उवेइ तुट्ठि ।
 अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले जायपई अदत्त ॥ २९ ॥
 तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणी, रूवे अतित्तस्स परिग्गहे य ।
 मायासुत्त वड्डइ लोभदोसा, तरुवावि दुक्खा निमुच्चई से ॥ ३० ॥
 मोत्तस्स पच्छा य पुररुओ य, पयोगफाले य दुही दुरत्ते ।
 एव अदत्ताग्गि समापयत्तो रूवे अतित्तो दुहिओ अणिसो ॥ ३१ ॥
 रूवाणुरत्तम् नरस्स एव, कत्तो सुह होज्ज कयाइ किञ्चि ।

तत्थोपभोगे वि ऋलेसदुक्ख, निवत्तई जस्स कएण दुक्ख ॥ ३२ ॥
 एमेव रुवम्मि गओ पओस, उवेइ दुक्खोहपरपराओ ।
 पदुद्धचित्तो य चिणाइ कम्म, ज से पुणो होइ दुह विवागे ॥ ३३ ॥
 रुने विरत्तो-मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरपरेण ।
 न लिप्पए भवमज्जे वि भन्तो, जलेण वा पोक्खरिणीपलास ॥ ३४ ॥
 सोयस्स सद् गहण वयन्ति, त रागहेउ तु मणुन्नमाहु ।
 त दोसहेउ अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरगो ॥ ३५ ॥
 सहस्स सोय गहण वयन्ति, सोयस्स सद्-गहण वयन्ति ।
 रागस्स हेउ समणु-नमाहु, दोसस्स हउ अमणुन्नमाहु ॥ ३६ ॥
 सहेसु जो गेहिमुवेइ तिब, अकालिय पावइ से विणास ।
 रागाउरे हरिणमिगे व मुद्धे सहे अतित्ते समुवेइ मच्चु ॥ ३७ ॥
 ज यात्रि दोस समुवेइ तिब, तसि कखणे से उ उवेइ दुक्ख ।
 दुइन्तदोसेण सएण जातू, न किञ्चि सद् अजरुज्जई से ॥ ३८ ॥
 एगन्तग्गे रुत्तसि सहे, अतालसे से कुणइ पओस ।
 दुक्खस्स सम्पीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण सुणी विरागो ॥ ३९ ॥
 सदाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरं हिंसइणोगरूवे ।
 चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अतट्टुगुरू किलिद्ध ॥ ४० ॥
 सदाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खगसन्निओगे ।
 वए विओगे य कह सुह से, सभोगकाले य अतित्तलामे ॥ ४१ ॥
 सहे अतित्ते य परिग्गहम्मि, सचोपसत्तो न उवेइ तुट्ठि ।
 अतुट्ठिदोसेण दुही परस्म लोभाविले आययई अदत्त ॥ ४२ ॥
 तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणी, सहे अतित्तस्म परिग्गहे य ।
 मायासुस वड्डइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ४३ ॥
 मोसस्म पच्छा य पुरत्थओय, पओगकाले य दुही दुरन्ते ।
 एव अदत्ताणि समाययन्तो, सहे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ४४ ॥
 सदाणुरत्तस्स नरस्म एव, कत्तो सुह होज्ज कयाइ किञ्चि ।
 तत्थोवभोगे वि ऋलेसदुक्ख, निवत्तई जस्म कएण दुक्ख ॥ ४५ ॥
 एमेव सद्दम्मि गओ पओस, उवेइ दुक्खोहपरपराओ ।
 पदुद्धचित्तो य चिणाइ कम्म, ज से पुणो होइ दुह विवागे ॥ ४६ ॥
 सहे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरपरेण ।
 न लिप्पए भवमज्जे विसत्तो, जलेण वा पोक्खरिणीपलाम ॥ ४७ ॥
 षाणस्म गन्ध गहण वयन्ति, त राअहेउ तु मणुन्नमाहु ।
 त दोसहेउ अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरगो ॥ ४८ ॥

गन्धस्स घाण गहण वयन्ति, घाणस्स गन्ध गहण वयन्ति ।
 रागस्स हेउ समणुन्नमाहु, दोमस्स हेउ अमणुन्नमाहु ॥ ४९ ॥
 गन्धेसु जो गेहिमुवेइ तिब, अकालिय पावड से विणास ।
 रागाउरे ओसहगन्धगिद्धे, सप्पे बिलाओ विप निकलमते ॥ ५० ॥
 जे यावि दोस समुवेइ तिब, तस्सिक्खणे से उ उवेइ दुक्ख ।
 दुहन्तदोसेण सण्ण जन्तू, न किचि गन्ध अवरुज्झई से ॥ ५१ ॥
 एगन्तरत्ते रुइरसि गन्धे, अतालिसे से कुणई पओस ।
 दुक्खस्स सपीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ ५२ ॥
 गन्धाणुगासाणुगण य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे ।
 चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अचट्टगुरू किलिद्धे ॥ ५३ ॥
 गन्धाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे ।
 वए विओगे य कह सुह से, समोगकाठे य अतित्तलाभे ॥ ५४ ॥
 ग धे अतिचे य परिग्गहम्मि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठि ।
 अत्तुट्ठिणेसेण दुही परस्स, लोभाचिळे आययई अदत्त ॥ ५५ ॥
 तण्हाभिभूयस्म अदत्तहारिणो, गन्धे अतित्तस्स परिग्गहे य ।
 मायामुस वड्डइ लोभदोमा, तथावि दुक्खा न विमुक्कई से ॥ ५६ ॥
 मोसस्म पच्छाय पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरते ।
 एव अदत्ताणि ममाययतो, ग रे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ५७ ॥
 ग धाणुरत्तस्म नरस्स एव, कत्तो सुह होज्ज कयाइ किचि ।
 तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्ख, निब्वतई जस्स कण्ण दुक्ख ॥ ५८ ॥
 ण्मेव गन्धम्मि गओ पओस, उवेइ दुक्खोहपरपराओ ।
 पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्म, ज से पुणो होइ तुह विवागे ॥ ५९ ॥
 गन्धे विरत्तो मणुओ तिसोगो, एएण दुक्खोहपरपरेण ।
 न लिपड भवमज्झवि सन्तो जळेण मा पोक्खरिणीपलास ॥ ६० ॥
 जिन्हाए रस गहण वयन्ति, त रागहेउ तु मणुन्नमाहु ।
 त दोसहेउ अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीपरागो ॥ ६१ ॥
 रसस्म चिन्भ गहण वयति, जिन्हाए रस गहण वयति ।
 रागस्स इउ ममणुन्नमाहु, दोमस्स हेउ अमणुन्नमाहु ॥ ६२ ॥
 रसेसु जो गेहिमुवेइ तिब, अकालिय पावड से विणास ।
 रागाउरे वड्डिमविभिन्नकाण, मच्छ जहा आमिमभोगसिद्धे ॥ ६३ ॥
 जे यानि दोस समुवेइ तिब, तस्सिक्खणे से उ उवेइ दुक्ख ।
 दुह तदोसेण सण्ण जन्तू, न किचि रस अवरुज्झई से ॥ ६४ ॥
 एगन्तरत्ते रुइरसि रसे अतालिसे से कुणइ पओस ।

दुक्त्वास्म सपीलमुवेड बाले, न लिप्पद् तेण मुणी विरागो ॥ ६५ ॥
 रसाणुगाभाणुगए य जीव, चराचरेहिसइऽणेरूवे ।
 चित्तेहि ते परितावेड बाले, पीलेइ अत्तइगुरु किल्ले ॥ ६६ ॥
 रसाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे ।
 एण, विओगे य कह सुह से, सभोगकाले य अत्तिलामे ॥ ६७ ॥
 रसे अत्तिच य परिग्गहम्मि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठि ।
 अत्तुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्त ॥ ६८ ॥
 तण्हाभिभूयस्म अदत्तहारिणो, रसे अदत्तस्स परिग्गहे य ।
 मायामुस वट्टु लोभदोमा, तत्थावि दुक्त्वा न विमुच्चई से ॥ ६९ ॥
 मोमस्स पञ्चा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरन्ते ।
 एव अदत्ताणि ममाययन्तो, रसे अत्तिचो दुहिओ अणिस्सो ॥ ७० ॥
 रसाणुरत्तम्म नरस्म एण, रत्तो सुह होज्ज कयाइ किञ्चि ।
 तत्थोवभोगे वि किल्लेसदुक्त्वा, निवर्तई जस्स कएण दुक्त्वा ॥ ७१ ॥
 एमेण रमम्मि गओ पओस, उवेइ दुक्खोहपरपराओ ।
 पदट्ठचित्तो य चिणा रम्म, ज से पुणो होइ दुह विवागे ॥ ७२ ॥
 रसे विरत्तो मणुओ विमोगो, एएण दुक्खोहपरपरेण ।
 न लिप्पई भवमज्जे वि सन्तो, जलेण वा पोक्खारिणीपलास ॥ ७३ ॥
 कायस्म फाम गहण वयन्ति, त रागहेउ तु मणुन्नमाहु ।
 त दोमहेउ अमणुन्नमाहु, ममो य जो तेसु स वीयरगो ॥ ७४ ॥
 फासस्म काय गहण वयन्ति, कायस्म फास गहण वयति ।
 गगस्स हेउ ममणुन्नमाहु दोसस्म हेउ अमणु नमाहु ॥ ७५ ॥
 फासेसु जो गेहिमुवेइ तिष्ठ, अकालिय पाए से विणास ।
 रागाउरे सीयजलावमन्ने, गाहग्गहीए महिसे विवन्ने ॥ ७६ ॥
 जे यापि दोस समुवड तिष्ठ, तसि कएणे से उ उवेइ दुक्त्वा ।
 दुइन्तदोसेण मएण जन्तू, न किञ्चि फास अरुज्जइ से ॥ ७७ ॥
 एग तरत्त रुइरसि फासे, आतालिसे से कुणइ पओस ।
 दुक्त्वास्म सपीलमुवेड बाले, न लिप्पद् तेण मुणी विरागो ॥ ७८ ॥
 फासाणुगासाणुगए य जीव, चराचरे हिंसइऽणेरूवे ।
 चित्तेहि ते परितावेड बाले, पीलेइ अत्तइगुरुकिल्लि ॥ ७९ ॥
 फासाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे ।
 एण विओगे य कह सुह से, सभोगकाले य अत्तिलामे ॥ ८० ॥
 फासे अत्तिच य, परिग्गहम्मि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठि ।
 अत्तुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययइ अदत्त ॥ ८१ ॥

- तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, फासे अतिचस्स परिग्गहे य ।
 भार्यामुसं बड्डइ लोमदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ८२ ॥
 मोसस्सं पच्छायं पुरत्थओय, पओगकाले य दुही दुरत्ते ।
 एव अदत्ताणि समाययतो, फासे अतिचो दुहियो अणिस्सो ॥ ८३ ॥
 फासाणुरत्तस्स नरस्स एव, कचो सुह होज्ज कयाइ किंचि ।
 तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्ख, निवत्तई जस्स कएण दुक्ख ॥ ८४ ॥
 एमेव फासम्मि गओ पओस, उवेइ दुक्खोहपरपराओ ।
 पदुद्धचिचो य चिणाइ कम्म, ज से पुणो होइ दुह विचागे ॥ ८५ ॥
 फासे विरत्तो मणुओ निसोगो, एएण दुक्खोहपरपरेण ।
 न लिप्पई भवमज्जे वि सन्तो, जलेण वा पोक्खरिणीपलास ॥ ८६ ॥
 मणस्सं भाव गहेण वयन्ति, त रागहउ तु मणुन्नमाहु ।
 त दोसहेउ अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ८७ ॥
 भावस्सं मण गहेण वयन्ति, मणस्सं भाव गहेण वयन्ति ।
 रागस्सं हेउ समणुन्नमाहु, दोसस्सं हेउ अमणुन्नमाहु ॥ ८८ ॥
 भावेसु जो गेहिमुवेइ तिष्ठ, अत्तालिय पाउइ से विणास ।
 रागाउरे कामणुणोसु गिद्धे, करेणुमग्गावहिए गजे वा ॥ ८९ ॥
 जे यावि दोस समुवेइ तिष्ठ, तसिक्खणे से उ उवेइ दुक्ख ।
 दुद्धन्तदोसेणं सएण जत्तु, न किंचि भाव अवरुज्झई से ॥ ९० ॥
 एगन्तरत्ते रुहरसि भावे, अतालिसे से जुणई पओस ।
 दुक्खस्सं संपीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ ९१ ॥
 भावाणुमासाणुगए य जीवे, चराचरे हिसइणेरुवे ।
 चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्टयुरू किलिद्धे ॥ ९२ ॥
 भावाणुनाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे ।
 वए विओगे य कह सुह से, सभोगकाले य अतिचलाभे ॥ ९३ ॥
 भावे अतिचे य परिग्गहम्मि, सचोवसचो न उवेइ तुट्ठि ।
 अट्टिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्त ॥ ९४ ॥
 तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, भावे अतिचस्स परिग्गहे य ।
 भार्यामुसं बड्डइ लोमदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ९५ ॥
 मोसस्सं पच्छायं पुरत्थओय, पओगकाले य दुही दुरत्ते ।
 एव अदत्ताणि समाययन्तो, भावे अतिचो दुहियो अणिस्सो ॥ ९६ ॥
 भावाणुरत्तस्स नरस्स एव, कचो सुह होज्ज कयाइ किंचि ।
 तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्ख, निवत्तई जस्स कएण दुक्ख ॥ ९७ ॥
 एमेव भावम्मि गओ पओस, उवेइ दुक्खोहपरपराओ ।

पदुद्धचित्तो य चिणाऽ कम्म, ज से पुणो होइ दुह विगगे ॥ ९८ ॥
 भावे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरपरेण ।
 न लिप्पइ भवमज्जे विस तो, जलेण वा पोक्खरिणी पलास ॥ ९९ ॥
 एविन्दियत्थाय मणस्स अत्था दुक्खस्म इउ मणुयस्म रागिणो ।
 ते चेव थोत्र पि क्खाइ दुक्ख, न वीयरागस्स करेन्ति किचि ॥ १०० ॥
 न कामभोगा ससय उवन्ति, न यावि भोगा विगइ उवेन्ति ।
 जे तप्पओसी य परिग्गही य, सो तेसु मोहा विगइ उवेइ ॥ १०१ ॥
 कोह च माण च तइव माय लोह दुगुच्छ अरइ रइ च ।
 हास भय सोगपुमित्थिवेय, नपुसवेय विविहे य भाव ॥ १०२ ॥
 आवज्जइ एवमणेगरूवे, एवविह कामगुणेसु सत्तो ।
 अन्न य एयप्पभवे विसेसे, कारुण्णदीणे हिरिमे वइस्से ॥ १०३ ॥
 कप्प न इच्छिज्ज सहायलिच्छ, पच्छाणुताव न तवप्पभाव ।
 एव वियार अमित्थियारे, आपज्जइ इन्दियचोरवस्से ॥ १०४ ॥
 तओ से जायति पओयणाइ, निमित्थिउ मोहमहण्णम्मि ।
 सुहेसिणो दुक्खविणोयणट्ठा, तप्पचय उज्जमए य रागी ॥ १०५ ॥
 विरज्जमाणस्म य इन्दियत्था, सद्दाइया तानइयप्पगारा ।
 न तस्स सबे वि मणुच्चय वा, निवत्तयन्ती अमणुच्चय वा ॥ १०६ ॥
 एव ससकप्पविकपणासु, सजायई समयसुवट्ठियस्स ।
 अत्थे असकप्पयओ तओ से, पहीयए कामगुणेसु तण्हा ॥ १०७ ॥
 स वीयरागो कयसवन्निचो, सवेइ नाणावरण रणेण ।
 तहेव ज दसणमाजरेइ, ज च तराय पकरेइ कम्म ॥ १०८ ॥
 सब तओ जाणइ पामए य, अमोहणे होइ निरतराए ।
 अणासवे ज्ञाणसमाहिजुत्ते, आउक्खए मोक्खसुवेइ सुद्धे ॥ १०९ ॥
 सो तस्म सबस्स दुहस्स सुक्को, ज वाहइ सयय जत्तुमेय ।
 दीहामय त्तिप्पमुक्को पसत्थो, तो हो अचन्तसुही कयत्थो ॥ ११० ॥
 अणाइकालप्पभवस्म एतो, सबस्स दुक्खस्म पमोक्खमग्गो ।
 वियाहिओ ज समुविच सत्ता, कमेण अचन्तसुही भवन्ति ॥ १११ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ पमायट्ठाण समत्त ॥ ३२ ॥

॥ अह कम्मप्पयडी तेत्तोसइम अज्झयण ॥

अह कम्माइ वोच्छामि आणुपुब्बि जहाकम । जेहि वद्धो अय जीवो, ससारे परिवट्ठरे ॥ १ ॥
 नाणस्मावरणिज्ज, दसणावरण तहा । वेयणिज्ज त्वा मोह, आउकम्म तहेय य ॥ २ ॥
 नामकम्म च गोय च, अन्तराय तहेय य । एममेयाइ कम्माइ, अट्टेण उ समासओ ॥ ३ ॥
 नाणावरण पञ्चविह, सुय आभिणिबोहिण । ओहिनाण च तह्य, मणनाण च केवळ ॥ ४ ॥
 निदा तहेय पयला, निदानिदा पयलपयला य । तत्तो य णीणगिद्धी उ, पचमा होइ नायव्व ॥ ५ ॥
 चक्खुमचक्खुओहिस्स, दसणे केउले य आवरणे । एव तु नवविगप्प, नायव्व दसणावरण ॥ ६ ॥
 वेयणीयपि य दुविह, सायममाहिय च अहिय । सायस्स उ बहू भेया, एमेय अमायस्स वि ॥ ७ ॥
 मोहणिज्जपि च दुविह, दसणे चरणे त्वा । दसणे तिविह वुत्त, चरणे दुविह भवे ॥ ८ ॥
 सम्मत्त चेव मिच्छत्त, सम्मामिच्छत्तमेव य । ण्याओ तिन्नि पयडीओ, मोहणिज्जस्स दसणे ॥ ९ ॥
 चरिचमोहण कम्म, दुविह त वियाहिय कमायमोहणिज्ज तु, नोकसाग्ग तहेय य ॥ १० ॥
 सोलसविहभेएण, कम्म तु कसायज । सत्तविह नवविह वा, कम्म च नोत्तमायज ॥ ११ ॥
 नेरइयतिरिक्खाउ, मणुस्साउ तहय य । नेयाउय चउत्थ तु, आउ कम्म चउत्विह ॥ १२ ॥
 नाम कम्म तु दुविह, सुहमसुह च आहिय । सुभस्स उ बहू भेया, एमेव असुहस्स वि ॥ १३ ॥
 गोय कम्म दुविह, उच्च नीय च आहिय । उच्च अट्टविह होइ, एव नीय पि आहिय ॥ १४ ॥
 दाणे लामे य भोगे य, उवभोगे वीरिए तहा । पञ्चविहमन्तराय, समासेण वियाहिय ॥ १५ ॥
 एयाओ मूलपयडीओ, उत्तराओ य आहिया । पएसग्ग खेत्तकाले य, भाव च उत्तर सुण ॥ १६ ॥
 मवेसिं चेव कम्माण, पएसग्गमण तग । गणिठथसत्ताइय, अन्तो सिद्धाण आहिय ॥ १७ ॥
 सब्बजीवाण कम्म तु, सगहे छदिसागय । सवेसु वि पएससु, सब्ब सव्वेण वद्धग ॥ १८ ॥
 उदहीमरिसनामाण, तीमई कोडिकोडिओ । उक्कोसिय टिई होइ, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १९ ॥
 आवरणिज्जाण दुण्हपि, वेयाणिज्जे तहय य । अन्तराए य कम्मम्मि, ठिइ एसा वियाहिया ॥ २० ॥
 उदहोमरिमनामाण, सत्तरि कोडिकोडिओ । मोहणिज्जस्स उक्कोसा, अ तोमुहुत्त जहन्निया ॥ २१ ॥
 तचीम सागरोत्तमा, उक्कोसेण वियाहिया । ठिइ उ आउकम्मस्स, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ २२ ॥
 उदहीमरिमनामाण, वीमई कोडिकोडिओ । नामगोत्ताण उक्कोसा, अट्ट मुहुत्ता जहन्निया ॥ २३ ॥
 सिद्धाण्णत्तपागो य, अणुभागा हनति य । मव्वेसु वि पएसग्ग, सब्बजीवे अइच्छिय ॥ २४ ॥
 तम्हा एएसि कम्माण, अणुभागा वियाणिया । एएसि सवरे चेव, खवणे य जण व्हो ॥ २५ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ कम्मप्पयडी समत्ता ॥ ३३ ॥

॥ अह लेसज्झयण चोत्तीसइम अज्झयण ॥

लेसज्झयणं पक्कसामि, आणुपुवि जहकम । उण्हपि कम्म लेमाण, जणुभावे सुहण मे ॥ १ ॥
नामाड वण्णरसग धक्कासपरिणामलक्कण । ठाण टिइ गइ चाउ, लेमाण तु सुणेह मे ॥ २ ॥
क्किण्हा नीला य काऊ य, तेऊ पम्हा तहेय य । सुक्केसा य छट्ठा य, नामाड तु जहकम ॥ ३ ॥
जीम्वयनिद्रसक्कामा, गवलरिड्डगमन्निभा । रज्जणनयणनिभा, क्किण्हेमा उ ण्णओ ॥ ४ ॥
नीलासोगमक्कामा, चामपिच्छममप्पभा । वेरुलियनिद्रसक्कामा, नीललेमा उ ण्णओ ॥ ५ ॥
अयमोपुक्कमक्कामा, कोइल्लउदमन्निभा । सुयतुण्डपटवनिभा, काउलेमा उ ण्णओ ॥ ६ ॥
हिंगुलपाउसक्कामा, तप्पणाडच्चसन्निभा । सुयतुण्डपटवनिभा, तेऊलेमा उ ण्णओ ॥ ७ ॥
हरियालभेयसक्कामा, हलिदाभेयममप्पभा । सणासणकुसुमनिभा पम्हेलेसा उ ण्णओ ॥ ८ ॥
सयरुद्धन्दमक्कामा, खीरपूरसमप्पभा । रयणहारसक्कामा, सुक्केसा उ ण्णओ ॥ ९ ॥

जह कड्डयतुम्भगरसो, निम्परसो कड्डयरोहिणिग्गो वा ।
एत्तो वि अणन्तगुणो, रसो य क्किण्हाए नायव्वो ॥ १० ॥
जह तिगड्डयस्स य रसो, तिक्खो जह इत्थिपिप्पलीए वा ।
एत्तो वि अणन्तगुणो, रसो उ नीत्राए नायव्वो ॥ ११ ॥
जह परिणअम्भगरसो, तुवरकविट्ठस्स वावि जारिसओ ।
एत्तो वि अणन्तगुणो, रसो उ काऊण नायव्वो ॥ १२ ॥
जह परिणयम्भगरसो, पक्कविट्ठस्स वावि जारिसओ ।
एत्तो वि अणन्तगुणो, रसो उ तेऊण नाय व्वो ॥ १३ ॥
वरवारुणीए वारसो, विविहाण व आमवाण जारिसओ ।
मड्डमेरयस्स व रसो, एत्तो पम्हाए परएण ॥ १४ ॥

रज्जुमुद्दियरसो, खीररसो खडसक्करसो वा । एत्तो वि अणतगुणो, रसो उ मुक्काए नायव्वो ॥ १५ ॥
जह गोमडस्स गधो सुणगमडस्स व जहा अहिमडरमाएत्तो वि अणतगुणो, लेमाण जप्पमत्थाण ॥ १६ ॥
जह मुरहिक्खुमगधो गधवामाण पिस्समाणाण । एत्तो वि अणतगुणो, पमत्थलेमाण तिण्ह पि ॥ १७ ॥
जह मरगयस्स कासो, गोनिभाए य मागपत्ताण । एत्तो वि अणतगुणो लेमाण अप्पहत्थाण ॥ १८ ॥
जह पूरस्स व कासो, नत्तणीयस्स व सिरीमड्डुसुमाणा एत्तो वि अणतगुणो, पमत्थलेसाण तिण्हपि ॥ १९ ॥
तिविहो व नत्तविहो वा, सत्तावीसइविहक्कीओ वा । दुमओ तेयालो वा लमाण होत्त परिणामो ॥ २० ॥
पचामवप्पवत्तो, तीहिं अगुत्तो छसु अविरओ य । तिब्बारभपरिणओ, सुट्ठो साहसिओ नरो ॥ २१ ॥
निद्धन्धमपरिणामो, निस्समो अनिहन्दिओ । एयनोगममाउत्तो क्किण्हेल्लेमा तु पग्गिम ॥ २२ ॥
डम्मा अमारिस्स चत्तरो, अपिञ्जमाया अहीरिय । गेही पओसे य सट्ठ, पमत्त रसलोत्ए ॥ २३ ॥
मायगवेसए य आरम्भाओ अविरओ, सुट्ठो साहसिओ नरो । एयनोगममाउत्तो, नील्लेस तु परिणमे ॥ २४ ॥
रुक्क वक्कममायारे, नियड्ढिठे अणुज्जण । पल्लिउच्चगओरहिए, मिउट्ठिटी अणारिण ॥ २५ ॥
उप्फामगड्डुट्ठार्ड य, वेणे यावि य मउठी । एयनोगममाउत्तो, काऊत्तेमा तु परिणमे ॥ २६ ॥

नीयावत्ती अचवले, अमाई अकुऊहले । पिणीपणिणए दन्ते, जोगव उग्रहाणर ॥ २७ ॥
 पियधम्मे दढधम्मेऽवज्जभीरू हिएसए । एयजोगसमाउत्तो, तेउळेस तु परिणमे ॥ २८ ॥
 पयणुकोहमाणे य, मायालोभे य पयणुए । पसन्तचित्ते द तप्पा, जोगव उग्रहाणर ॥ २९ ॥
 तहा पयणुवाई य, उवस ते जिइदिए । एयजोगसमाउत्तो, पम्हलेस तु परिणमे ॥ ३० ॥
 अट्टरूहाणि वज्जिता, धम्मसुक्काणि ज्ञायए । पसन्तचित्ते द तप्पा, समिए गुत्ते य गुत्तिसु ॥ ३१ ॥
 सरागे वीयरगे वा, उवसन्ते जिइन्दिए । एयजोगसमाउत्तो, सुक्केस तु परिणमे ॥ ३२ ॥
 असखिज्जाणोसपिणीण, उस्मप्पिणीण जे समया । सराइया लोगा, लेसाण हउन्ति ठाणाइ ॥ ३३ ॥
 मुहुत्तद्ध तु जहन्ना, तेचीसा सागरा मुहुत्तहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायवा किण्हलेसाए ॥ ३४ ॥
 मुहुत्तद्ध तु जहन्ना, दस उदही पलियमसखभागमभहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायवा नीललेसाए ॥ ३५ ॥
 मुहुत्तद्ध तु जहन्ना, तिण्णुदही पलियमसखभागमभहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायवा काउलेसाए ॥ ३६ ॥
 मुहुत्तद्ध तु जहन्ना, दोण्णुदही पलियमसखभागमभहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायवा तेउळेसाए ॥ ३७ ॥
 मुहुत्तद्ध तु जहन्ना, दस होइ त य सागरा मुहुत्तहिय । उक्कोसा होइ ठिई, नायवा पम्हलेसाए ॥ ३८ ॥
 मुहुत्तद्ध तु जहन्ना तेचीस सागरा मुहुत्तहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायवा सुक्केसाए ॥ ३९ ॥
 एसा खल्लेसाण, ओहण ठिई वणिण्या होइ । चउसु वि गईसु णत्तो, लेसाण ठिई तु वोच्छामि ॥ ४० ॥
 दस वाससहस्साइ, काऊए ठिई जहन्निया होइ । तिण्णुदही पलिओवम, असखभाग च उक्कोसा ॥ ४१ ॥
 तिण्णुदही पलिओवमसखभागो जहनेण नीलठिई । दस उदही पलिओवमसखभाग च उक्कोसा ॥ ४२ ॥
 दस उदही पलिओवमसखभाग जहन्निया होइ । तेचीससागराइ उक्कोसा, होइ किण्हाए छेसण ॥ ४३ ॥
 एसा नेरइयाण, लेसाण ठिइ उ वणिणा होइ । तेण पर वोच्छामि, तिरियमणुस्साण दवाण ॥ ४४ ॥
 अन्तोमुहुत्तमद्द, छेलाण जहिं जहि जाउ । तिरियाण नराण वा, वज्जिता केरल लेस ॥ ४५ ॥
 मुहुत्तद्ध तु जहन्ना उक्कोसा होइ पुबकोडीओ । नवहि वरिसेहि उणा, नायवा कसुलेसाए ॥ ४६ ॥

एसा तिरियनराण, लेसाण ठिई च वणिण्या होइ ।

तेण पर वोच्छामि, लेसाण ठिइउ दवाण । ४७ ॥

दस वाससहस्साइ, किण्हाए ठिई जहन्निया होइ ।

पलियमसखिज्ज इमो, उक्कोसो होइ किण्हाए ॥ ४८ ॥

जा किण्हाए ठिइ खल्ल, उक्कोसा सा उ समयमभहिया ।

जहन्नेण नीलाए, पलियमसख च उक्कोसो ॥ ४९ ॥

जा नीसाए ठिइ खल्ल, उक्कोसा सा उ समयमभहिया ।

जहनेण काऊए, पलियमसख च उक्कोसा ॥ ५० ॥

तेण पर वोच्छामि, तेऊलेसा जहा सुरमाण । भरणवइवाणमन्तरजोइसवेनाणियाण च ॥ ५१ ॥

पलिओवम जहन्न, उक्कोसा सागरा उ दुन्नहिया । पलियमसखेज्जेण, होइ भाणेण तेऊए ॥ ५२ ॥

द स वाससहस्साइ, तऊए ठिई जहन्निया होइ । दुनुदही पलिओवमसखभाग च उक्कोसा ॥ ५३ ॥

जा तेऊए ठिई खल्ल, उक्कोसा सा उ समयमभहिया ।

जहन्नेण पम्हाए, दस उ मुहुत्तहियाइ उक्कोसा ॥ ५४ ॥

जा पम्हाए टिई रखल, ँकीसा सा उ ममयमन्भहिया । जहनेण सुक्काए, तेत्तीम मुहुत्तमन्भहिया ॥ ५५ ॥
 किण्हा नीला काऊ, तिन्नि वि एयाओ अहमलेमाओ । एयाहि तिहिवि जीवो, दुग्गड उवज्जट ॥ ५६ ॥
 तेऊ पम्हा सुक्का, तिन्निवि एयाओ धम्मलेमाओ । एयाहि तिहिवि जीवो, सुग्गड उवज्जइ ॥ ५७ ॥
 लेसाहिं सव्वाहिं, पढमे समयमिं परिणया हिं तु । न हु कस्सइ उउयाओ, परे भव अत्थि जीउस्म ॥ ५८ ॥
 लेसाहिं सव्वाहिं, चरिमे समयमिं परिणयाहिं तु । न हु कस्सइ उउयाओ पर भवे होइ जीउस्म ॥ ५९ ॥
 अन्तमुहुत्तमि भए अ तमुहुत्तमि सेमए चेव । लेसाहिं परिणयाहिं, जीउा गच्छन्ति परलोय ॥ ६० ॥
 तम्हा एयासि लेमाण, आणुभावे वियाणिया । अप्पस याओ उज्जित्ता, पमत्थाओऽहिट्ठिए मुणि ॥ ६१ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ लेमज्जयण समत्त ॥ ३४ ॥

॥ अह अणगारज्जयण णाम पचत्तीसइम अज्जयण ॥

सुहेण मे एगग्गमणा, मग्ग वद्धेहि दसिय । जमायरन्तो भिक्खू, दुक्खान्त करे भवे ॥ १ ॥
 गिहवास परिचज्ज, पउज्जामस्सिए मुणी । इमे सगे वियाणिज्ज, जेहिं सज्जन्ति माणया ॥ २ ॥
 तहव हिंस अलिय, चोच्च अउम्भसेरण । उच्छाणाम च लोभ च, मज्जओ परिवज्जए ॥ ३ ॥
 मणोहर चित्तघर, मल्लभूवेण वासिय । सक्वाड पण्डुस्सोच, मणमावि न पत्थए ॥ ४ ॥
 इन्दियाणि उ भिक्खुस्स, तारिसम्मि उउस्मए । दुकराड निवारउ, कामरागविवड्ढणे ॥ ५ ॥
 सुसाणे सुनगार वा, रक्खमूले न इक्कओ । पउरिक्के परकडे वा, वाम तत्थाभिरोयए ॥ ६ ॥
 फासुयम्मि अणावाढ, इत्थीहिं अणभिद्दुए । तत्थ सउप्पए वाम, भिक्खू परमसज्जए ॥ ७ ॥
 न सय गिहाड कुविजा षेउ अत्थेहिं कारए । गिहकम्मममारम्भे भूयाण दिस्सए उहो ॥ ८ ॥
 तसाण थाउराण च, सुट्टमाण वाउराण य । तम्हा गिहममारम्भ, मज्जओ परिवज्जए ॥ ९ ॥
 तहव भत्तपाणेसु, पयणे पयाउणेसु य । पाणभूयदयट्ठाए, न पण न पयाउए ॥ १० ॥
 जलधन्ननिसिया जीउा पुठवीकड्ढनिम्मिया । हमन्ति भत्तपाणेसु तम्हा भिक्खू न पयाउए ॥ ११ ॥
 विमप्पे सबओ धारे, बहुपाणिविणामणे । नत्थि जोइसम सत्थ, तम्हा जोउ न दीवए ॥ १२ ॥
 हिण्ण जायउ च, मणमा वि न पत्थए । समलेट्ठउचणे भिक्खू, विगए ऊयविकए ॥ १३ ॥
 किण्तो कओ होइ, विकिण्णन्तो य वाणिणो । कयविकयम्मि वट्टतो, भिक्खू न भवइ तारिसी ॥ १४ ॥
 भिक्खियव्वन केयव, भिक्खुणा भिक्खउत्तिणा । उयविकओ महादोसी भिक्खउत्ती सुहाउहा ॥ १५ ॥
 समुयाण उउमेसिज्जा, जहामुत्तमणिन्दिय । लाभालाभम्मि सतुट्ठे पिण्डयाय चरं मुणी ॥ १६ ॥
 अलोले न रसे गिद्धे, जिं मान्त अमुत्तिउए । न रमट्ठाए धुनिज्जा, जणणट्ठाण महामुणी ॥ १७ ॥
 अचण रयण चेव, वउदण पूयण तहा । उट्ठीमकारसम्माण, मणमा वि न पत्थए ॥ १८ ॥
 सुक्कज्जाण श्रियाणज्जा, अणियाणे अक्किवणे । वोमट्टकाण विहरज्जा, जाउ कालम्म पज्जओ ॥ १९ ॥
 निज्जहिज्जण आहार, कालधम्म उवट्ठिए । जहिज्जण माणुस बोन्दि, पट्ट दुक्खे विमुच्चइ ॥ २० ॥
 निम्ममे निरहकारे, नीयरगो अणामओ । सपत्तो केउल नाण, मामय परिणिउुण ॥ २१ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ अणगारज्जयण समत्त ॥ ३५ ॥

॥ अह जीवाजीवविभत्ती णाम छत्तीसइम अज्जयण ॥

जीवाजीवविभत्ति, सुणेर मे एगमणा इओ । ज जाणिज्जण भिक्खू, सम्म जयइ सनमे ॥ १ ॥
 जीवा चेव अजीवा य, एस लोए वियाहिण । अजीवदममागासे, अलोमे से रियाहिण ॥ २ ॥
 दच्चओ खेतओ चेव, बालओ भाओ तहा । परूणा तेमि भवे, जीणमजीणाय ॥ ३ ॥
 रूविणो चेवरूवी य अजीवा दुविहा भवे । अरूनी दसहा उता, रूविणो य चउविहा ॥ ४ ॥
 धम्मरिथकाए तहेसे, तप्पएसे य आहिण । अहम्मे तस्म ढसे य तप्पएसे य आहिण ॥ ५ ॥
 आगासे तस्स देसे य, तप्पएसे य आहिण । अद्दासमए चेव, अरूवी दमहा भवे ॥ ६ ॥
 धम्माधम्मे य दो चेव, लोगमित्ता वियाहिया । लोगालोगे य आगासे, समए समयखेत्तिण ॥ ७ ॥
 धम्माधम्मागासा, तिन्निणि एए अणाइया । अपज्जवसिया चेव, सच्चद्ध तु वियाहिया ॥ ८ ॥
 समएणि सतइ पप्प, एवमेव वियाहिण । आएस पप्प माईए, सप्पज्जवसिएवि य ॥ ९ ॥
 खन्धा य सन्धदेसा य, तप्पएसा तहव य । परमाणुणो य बोधवा रूविणो य चउविहा ॥ १० ॥
 एगत्तेण पुत्तेण, खन्धा य परमाणुणो । लोएगदेसे लोए य, भइयवा ते उ भ्वेतओ ॥ ११ ॥

इत्तो कालविभाग तु, तेसि बुच्छ चउविह ॥ १२ ॥

सतइ पप्प तस्साई, अप्पज्जवमियावि य । ठिइ पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १३ ॥
 अससकालमुक्कोसएओ समओ जहन्नय । अजीवाण य रूवीण, ठिइ एमा वियाहिया ॥ १४ ॥
 अणकालमुक्कोसमेको, समओ जहन्नय । अजीवाण य रूवीण, अतरय वियाहिय ॥ १५ ॥
 वण्णओ गन्धओ चेव, रसओ फासओ तहा । सठाणओ य विन्नेओ, परिणामो तेमि पचहा ॥ १६ ॥
 वण्णओ परिणया जे उ, पञ्चहा ते पक्किच्या । किण्हा नीलाय लोहिया, लिइया सुक्किला तहा ॥ १७ ॥
 गन्धओ परिणया जे उ, दुविहा ते वियाहिया । सुन्धिग धपरिणामा, दुब्धिगन्धा तहेव य ॥ १८ ॥
 रसओ परिणया जे उ, पञ्चहा ते पक्किच्या । तिच्चक्रडुपकमाया, अम्बिला मज्जरा तहा ॥ १९ ॥
 फासओ परिणया जे उ, अड्डहा ते पक्किच्या । कक्खण्डा मउआ चेव, गरया लहुवा तहा ॥ २० ॥
 सोया उण्हा य निद्धा य, तहा लुक्खा य आहिया । इय फासपरिणया ण्ण, पुग्गला समुदाहिया ॥ २१ ॥
 सठाणओ परिणया जे उ पञ्चहा ते पक्किच्या । परिमण्डला य वट्टा य, तसा चउरसमापया ॥ २२ ॥
 वण्णओ जे भवे विण्णे, भइए से उ गन्धओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २३ ॥
 वण्णओ जे भवे नीले भइए से उ गन्धओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २४ ॥
 वण्णओ लोहिण जे उ, भइए से उ गन्धओ । रसओ फासओ चेव भइए सठाणओवि य ॥ २५ ॥
 वण्णओ पीयए जे उ, भइए से उ गन्धओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २६ ॥
 वण्णओ सुक्किले जे उ, भइए से उ गन्धओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २७ ॥
 गन्धओ जे भवे सुन्धी, भइए से उ वण्णओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २८ ॥
 गन्धओ जे भवे दुन्धी, भइए से उ वण्णओ । रसओ फासओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ २९ ॥
 रसओ तिच्चए ने उ, भइए से उ वण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भइए सठाणओवि य ॥ ३० ॥

- रमओ ऋण जे उ, भटए से उ वण्णओ । गन्धओ फासओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ३१ ॥
- रसओ कसाण जे उ, भटए से उ ण्णओ । गधओ फामओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ३२ ॥
- रसओ अम्पिछे जे उ भटए से उ वण्णओ । गन्धओ फासओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ३३ ॥
- रमओ महुरए जे उ, भटए से उ ण्णओ । गन्धओ फासओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ३४ ॥
- फामओ ककसडे जे उ, भटए से उ ण्णओ । गन्धओ रमओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ३५ ॥
- फामओ भटए जे उ, भटए से उ ण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ३६ ॥
- फामण गुरुए जे उ, भटए से उ ण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ३७ ॥
- फामओ लहुण जे उ, भटए से उ वण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ३८ ॥
- फासण सीयए जे उ, भटए से उ ण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ३९ ॥
- फामओ उण्हए जे उ, भटए से उ वण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ४० ॥
- फामओ निट्टण जे उ, भटए से उ ण्णओ । गन्धओ रमओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ४१ ॥
- फामओ लुक्खण जे उ, भटए से उ वण्णओ । गन्धओ रमओ चेव, भटए मठाणओवि य ॥ ४२ ॥
- परिमण्डलमठाणे, भटए से उ ण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भटए से फामओवि य ॥ ४३ ॥
- सठाणओ भवे ण्णए, भटए से उ ण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भटए से फामओवि य ॥ ४४ ॥
- सठाणओ भवे तसे, भटए से उ वण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भटए से फामओवि य ॥ ४५ ॥
- सठाणओ जे चउरसे, भटए से उ वण्णओ । गन्धओ रमओ चेव, भटए से फासओवि य ॥ ४६ ॥
- जे आययमठाणे, भटए से ण्णओ । गन्धओ रसओ चेव, भटए से फासओवि य ॥ ४७ ॥
- एसा अजीरिभत्ती, समासेण वियाहिया । इत्तो जीवविभत्तिं, वुञ्छामि अणुपुव्वमो । ४८ ॥
- समारत्था य सिद्धा य, दुविहा जीवा वियाहिया । सिद्धाणेगविहा वुत्ता, त मे कियतओ सुण ॥ ४९ ॥
- इत्थो पुरिसमद्दा य, तहेव य नपुसगा । सल्लिगे अन्नल्लिगे य, गिहिल्लिगे तहेव य ॥ ५० ॥
- उक्कोसोगाहणाए य, जहन्नमज्झिमान् य । उट्ठ अहे तिरिय च, समुत्थिम्मि जलम्मि य ॥ ५१ ॥
- त्स य नपुसणसु वीस रत्थियासु य । पुरिसेसु य अट्ठसय, ममएणेणेण सिज्झइ ॥ ५२ ॥
- चत्तारि य गिहिल्लिगे, अन्नल्लिगे दसेव य । सार्लिगण अट्ठमय समएणेण सिज्झइ ॥ ५३ ॥
- उक्कोसोगाहणाए य सिज्झन्ते जुगव दुवे । चत्तारि जहन्नाए, मज्जे अट्ठुत्तर मय ॥ ५४ ॥
- चउत्तुलोए य दुवे मग्गहे, तओ जठे वीसमह तहेव य ।
- मय च अट्ठुत्तर तिरियलोए, समएणेणेण सिज्झइ धुर ॥ ५५ ॥
- कहिं पडिहया सिद्धा, ण्हिं सिद्धा पडट्ठिया । कहिं जोन्दि, चउत्ताण, त्तय गन्तूण सिज्झइ ॥ ५६ ॥
- आलोए पडिहया सिद्धा, लीयगे य पडट्ठिया । इह जोन्दि चउत्ताण, तत्थ गत्तूण सिज्झइ ॥ ५७ ॥
- बारसहि जोयणेहिं, सबट्ठसुव्वरिं भवे । इत्तिपन्भारनामा, पुट्ठी उचसट्ठिया ॥ ५८ ॥
- पणयालमयमहस्सा, जोयणाण तु आयया । ताण्डय चेव विच्छिण्णा, तिग्गुणो तस्सेऽ परिमणो ॥ ५९ ॥
- अट्ठजोयणनाहुला, मा मज्झम्मि वियाहिया । परिहायन्ती चरिम ते, मन्टिपत्ताउ तणुयरी ॥ ६० ॥
- अन्नुणसुवण्णामहं, सा पुट्ठी निम्मला सहावेण ।
- उत्ताणगन्ठत्तगसट्ठिया य, मणिया चिण्णरहिं ॥ ६१ ॥

सखकहुदसकासा, पणुरा निम्मला सुहा । सीयाणे जोयणे तत्तो, लोयत्तो उ वियाहियो ॥ ६२ ॥
 जोयणस्स उ जोतत्थ, कोसो उरिमो भवे । तस्स कोसस्स सब्भाए, सिद्धाणोगाहणा भवे ॥ ६३ ॥
 तत्थ सिद्धा महाभागा, लोगगम्मि पइट्टिया । भयपपचओ मुक्का, सिद्धिं वरगं गया ॥ ६४ ॥
 उस्सेहो जेसिं जो होइ, भग्ग्मि चरिमम्मि उ । तिभागहीणो तत्तो य, सिद्धाणोगाहणा भवे ॥ ६५ ॥
 एगत्तेण साइया, अपज्जवसियावि य । पुहत्तेण अणाइया, अपज्जसियावि य ॥ ६६ ॥
 अरूविणो जीवघणा, नाणदसणमन्निया । अउल सुह सपन्ना, उवमा जस्स नत्थि उ ॥ ६७ ॥
 लोगेगदेसे ते सब्बे, नाणदसणमन्निया । ससारपारनित्थिण्णा, सिद्धिं वरगइ गया ॥ ६८ ॥
 ससारत्था उ जे जीना, दुविहा ते वियाहिया । तमा य थापरा चेय, थापरा तिविहा तहिं ॥ ६९ ॥
 पुटवी आउजीना य, तहेय य वणस्मई । इच्चेय थापरा तिविहा, तसिं भेए सुणेह मे ॥ ७० ॥
 दुविह पुटवीजीना य, सुहुमा बायरा तहा । पज्जत्तमपज्जत्ता, एग्गेए दुहा पुणो ॥ ७१ ॥
 बायरा जे उ पज्जत्ता, दुविहा ते वियाहिया । सण्हा खरा य बोधव्वा मण्हा सच्चविहा तहिं ॥ ७२ ॥
 विण्हा नीला य रुहिरा य, हलिदा सुक्किला तहा । पण्णुपणगमट्टिया, खरा छत्तीमइविहा ॥ ७३ ॥
 पुटवी य सब्बरा बालुया य, उतले सिला य लोण्णसे ।
 अय-तम्भ तउय-सीसग-रूप-सुण्णे य वइरे य ॥ ७४ ॥
 हरियाले हिंगुलुए, मणोसिला सासगजण-पवाले ।
 अब्भपडलब्भनालुय, बायरकाए मणिविहाले ॥ ७५ ॥
 गोमेज्जए य रुयगे, अके फलिहे य लोहियक्खे य । मरगय मसारगहे, भुयमोयम इन्दीले य ॥ ७६ ॥
 चन्दण गेरुय हसगम्भे, पुलए सोगन्धिए य बोधवे । चन्दप्पवेरुलिए, जलवन्ते सरकन्ते य ॥ ७७ ॥
 एए सरपुटवीए, मेया छत्तीसमाहीया । एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया ॥ ७८ ॥
 सुहुमा सब्बलोगम्मि, लोगदेसे य बायरा । इत्तो कालविभाग तु, वुच्छ तेमिं चउबिह ॥ ७९ ॥
 सतइ पण्णाईया, अपज्जवसियावि य । ठिइ पडुच्च साईया, सपज्जवसियावि य ॥ ८० ॥
 बावीससहस्साइ, वासाणुकोसिया भवे । आउठिई पुटवीण, अन्तोमुहुत्त जहन्नय ॥ ८१ ॥
 असखकालेमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । कायठिई पुटवीण, त काय तु अमुचओ ॥ ८२ ॥
 अणन्तकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । विजट्ठम्मि सए काए पुट्टिजीवाण अतर ॥ ८३ ॥
 एएसिं वण्णओ चेय, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्मसो ॥ ८४ ॥
 दुविहा आऊजीना उ, सुहुमा बायरा तहा । पज्जत्तमपज्जत्ता, एग्गेए दुहा पुणो ॥ ८५ ॥
 बायरा जे उ पज्जत्ता, पचहा ते पक्कित्थिया । सुद्धोदए य उस्से, हरतण्ण महिया हिमे ॥ ८६ ॥
 एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया । सुहुमा सब्बलोगम्मि, लोगदेसे य बायरा ॥ ८७ ॥
 सन्तइ पण्णणाइया, अपज्जवसियावि । ठिइ पडुच्च माईया, सपज्जवसियावि य ॥ ८८ ॥
 सत्तेव सहस्साइ, वासाणुकोसिया भवे । आइठिई आऊण, अत्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ ८९ ॥
 असखकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । कायठिई आऊण त काय तु अमुचओ ॥ ९० ॥
 अणन्तकालमुक्कोस, अत्तोमुहुत्त जहन्नय । विजट्ठम्मि सए काए, आऊजीवाण णन्तर ॥ ९१ ॥
 एएसिं वण्णओ चेय, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्मसो ॥ ९२ ॥

दुविहा वणस्मईजीवा, सुहुमा बायरा तथा । पञ्चतमपञ्चत्ता, एवमेव दुहा पुणो ॥ १३ ॥
 बायरा जे उ पञ्चत्ता, दुविहा ते वियाहिया । साधारणसरीरा य, पत्तेगा य तहेव य ॥ १४ ॥
 पत्तेगमरीराओऽणेगहा ते पक्कित्तिया । रुक्ता गुच्छा य मुम्मा य, लया बह्नी तणा तथा ॥ १५ ॥
 चल्या पद्मगा कुट्टणा, जलरुहा ओसही तथा । हरियकाया बोधवा, पत्तेगाइ वियाहिया ॥ १६ ॥
 साधारणसरीराओऽणेगहा ते पक्कित्तिया । आलुए मूलए चैव, सिगवरे तहेव य ॥ १७ ॥
 हरिली सिरिली सत्सिरिली, जावई केयकन्दली । पलण्डुलमणकन्दे य, कन्दली य कुडुणए ॥ १८ ॥
 लोहिणीहू य थीहू य, कुहगा य तहन य । कन्दे य वज्जकन्दे य, कन्दे सूरणए तथा ॥ १९ ॥
 सस्मरुणी य बोधवा, सीहकणी तहेव य । मुसुण्ठी य हलिहा, य णेगहा एवमायओ ॥ १०० ॥
 एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया सुहुमा सबलोगम्मि, लोगदेसे य बायरा ॥ १०१ ॥
 सतइ पप्पणाईया, अपञ्चवसियावि य । टिण पडुच्च साईया, सपञ्चवसियावि य ॥ १०२ ॥
 दस चैव सहस्साइ, वासाणुकोसिया पणगाण । नणफर्डण आउ, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १०३ ॥
 अणन्तकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । कायठिई पणगाण, त काय तु अमुचओ ॥ १०४ ॥
 असखकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । विजठम्मि सए काए, पणगनीवाण अन्तर ॥ १०५ ॥
 एएसिं वण्णओ चैव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदसओ वावि, विहाणाइ सहस्ससो ॥ १०६ ॥
 इच्चे थाररा तिनिहा, समामेण वियाहिया । इत्तो उ तसे तिनिहे, वुच्छामि अणुपुवसो ॥ १०७ ॥
 तेउ वाऊ य बोधवा, उराला य तमा तथा । इच्चे तसा तिनिहा, तेसिं मेए सुणेह मे ॥ १०८ ॥
 दुविहा तेऊजीरा उ, सुहुमा बायरा तथा । पञ्चतमपञ्चत्ता एवमेव दुहा पुणो ॥ १०९ ॥
 बायरा जे उ पञ्चत्ताणेगहा ते वियाहिया । इगाले मुम्मुरे अगणी अच्चिजाला तहेव य ॥ ११० ॥
 उका विज्जु य बोधवा णेगहा एवमायओ । एगविहमणाणत्ता, सुहुमा ते वियाहिया ॥ १११ ॥
 सुहुमा सबलोगम्मि, लोगदेसे य बायरा । इत्तो कालविभाग तु तेसिं उच्छ चउविह ॥ ११२ ॥
 सतइ पप्पणाईया, अपञ्चवसियावि य । टिई पडुच्च माइया, सपञ्चवसियावि य ॥ ११३ ॥
 तिण्णए अहोरत्ता, उक्कोसेण वियाहिया । आउठिई तेऊण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ ११४ ॥
 असखकालमुक्कोस, अतोमुहुत्त जहन्नय । कायठिई तेऊण, त काय तु अमुचओ ॥ ११५ ॥
 अणन्तकालमुक्कोस, अतोमुहुत्त जहन्नय । विजठम्मि सए काए, तेऊजीराण अन्तर ॥ ११६ ॥
 एएसिं वण्णओ चैव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ महस्ससो ॥ ११७ ॥
 दुविहा राजजीरा उ, सुहुमा बायरा तथा । पञ्चतमपञ्चत्ता, एवमेव दुहा पुणो ॥ ११८ ॥
 बायरा जे उ पञ्चत्ता, पञ्चहा ते पक्कित्तिया । उक्कलिपा मण्डलिया, घणगुञ्जा सुद्धवाया य ॥ ११९ ॥
 सबद्धगवाया णेगेगहा एवमायओ । एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया ॥ १२० ॥
 सुहुमा सबलोगम्मि, एगदेसे य बायरा । इत्तो कालविभाग तु, तेसिं उच्छ चउविह ॥ १२१ ॥
 सन्तइ पप्पणाईया, अपञ्चवसियावि य । टिड पडुच्च साईया, सपञ्चवसियावि य ॥ १२२ ॥
 तिण्णव महस्साइ, वासाणुकोसिया भवे । आउठिई काउण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १२३ ॥
 असखकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । कायठिई वाऊण, त काय तु अमुचओ ॥ १२४ ॥
 अणन्तकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । विजठम्मि सए काए, काऊनीवाण अन्तर ॥ १२५ ॥

- एएसिं वण्णओ चैव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्मसो ॥ १२६ ॥
 उराला तसा जे उ, चउहा ते पकित्तिया । वेइन्दिय-तेइन्दिय-चबरो पविन्दिया चैव ॥ १२७ ॥
 वेइन्दिया उ जे जीवा, दुविहा ते पकित्तिया । पज्जत्तमपज्जत्ता, तेसिं मेए सुणेह मे ॥ १२८ ॥
 किमिणो सोमगला चैव, अलसा भाइवाहया । चासीमुहा य सिप्पिया, सख सखणगा तहा ॥ १२९ ॥
 घटोयाणुल्लया चैव, तहेव य चराडगा । जलुगा जालगा चैव, चन्दणा य तहव य ॥ १३० ॥
 इइ वेइन्दिया एएऽणोगहा एयमायओ । लोगेगदसे ते सब्बे, न सब्बत्थ वियाहिया ॥ १३१ ॥
 सतइ पप्पणाइया, अपज्जवसियावि य । ठिइ पडुच साइया, सपज्जवसियावि य ॥ १३२ ॥
 वासाइ बारसा चैव, उक्कोसेण वियाहिया । वेइन्दियआउठिई अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १३३ ॥
 सखिज्जकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । वेइन्दियकायठिई, त काय तु अमुचओ ॥ १३४ ॥
 अणन्तकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । वेइन्दियजीवाण, अन्तर च वियाहिय ॥ १३५ ॥
 एएसिं वण्णओ चैव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्मसो ॥ १३६ ॥
 तेइन्दिया उ जे जीवा, दुविहा ते पकित्तिया । पज्जत्तमपज्जत्ता, तेसिं मेए सुणेह मे ॥ १३७ ॥
 कू धुपिवील्लिङ्गसा, उक्कलेहेहिया तहा । तणहारकट्टहारा य, मालुरा पत्तहारगा ॥ १३८ ॥
 कप्पासट्ठिमि जायन्ति, दुगा तवसमिजगा । मदावरी य गुम्मी य, घोघवा इन्दगाइया ॥ १३९ ॥
 इन्दगोवगमाइयाणोगहा एवमायओ । लोगेगदसे ते सब्बे, न सब्बत्थ वियाहिया ॥ १४० ॥
 सतइ पप्पणाइया, अपज्जवसियावि य । ठिइ पडुच साइया, सपज्जवसियावि य ॥ १४१ ॥
 एगूणपण्होरत्ता, उक्कोसेण वियाहिया । तेइन्दियआउठिई, अतोमुहुत्त जहन्निया ॥ १४२ ॥
 सखिज्जकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । तेइन्दियकायठिई, त काय तु अमुचओ ॥ १४३ ॥
 अणन्तकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । तेइन्दियजीवाण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १४४ ॥
 एएसिं वण्णओ चैव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्मसो ॥ १४५ ॥
 चउरिन्दिया उ जे जीवा, दुविहा ते पकित्तिया । पज्जत्तमपज्जत्ता, तेसिं मेए सुणेह मे ॥ १४६ ॥
 अन्धिया पोत्तिया चैव, मच्छिया मसगा तहा । भमरे कीडपयगे य, डिङ्गणे करुणे तहा ॥ १४७ ॥
 हुक्कुडे भिरीडी य, नन्दावत्ते य विन्लुए । टोले भिगारी य, वियडी अच्छिवेयए ॥ १४८ ॥
 अच्छिले माहए अच्छिरोडए, विचित्ते चित्तपत्तए ।
 उहिंजलिया जलकारी य, नीया तन्तवयाया ॥ १४९ ॥
 इय चउरिन्दिया, एएऽणोगहा एवमायओ । लोगेगदसे ते सब्बे, न सब्बत्थ वियाहिया ॥ १५० ॥
 सतइ पप्पणाइया, अपज्जवसिया वि य । ठिइ पडुच साइया, सपज्जवसिया वि य ॥ १५१ ॥
 छवेव मासाऊ, उक्कोसेण वियाहिया । चउरिन्दियआउठिई, अतोमुहुत्त जहन्निया ॥ १५२ ॥
 सखिज्जकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । चउरिन्दियकायठिई, त काय तु अमुचओ ॥ १५३ ॥
 अणन्तकालमुक्कोस, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । चउरिन्दियजीवाण, अन्तर च वियाहिय ॥ १५४ ॥
 एएसिं वण्णओ चैव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्मसो ॥ १५५ ॥
 पविन्दिया उ जे जीवा, चउविहा ते वियाहिया । नेरइयतिरिक्वा य, मणुया देवा य आहिया ॥ १५६ ॥
 नेग्गया सत्तविहा, पुट्ठीसु सतत्त भवे । रयणाममक्कराभा, वालुयाभा य आहिया ॥ १५७ ॥

पकाभा धूमाभा, तमा तमतमा तथा । इड नेरइया एए, सत्तहा परिकित्तिया ॥ १५८ ॥
 लोगम्म एगदेमम्मि, ते मवे उ वियाहिया । एत्तो कालविभाग तु, वोच्छ तेमिं चउव्विह ॥ १५९ ॥
 सतइ पप्पणाइया, अपज्जवसियावि य । ठिइ पट्टुच्च माइया, सपज्जवसियानि य ॥ १६० ॥
 सांगरोममेग तु, उक्कोसेण वियाहिया । पट्टमाए जहन्नेण, दससाससहस्सिया ॥ १६१ ॥
 तिण्णेय सागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया । दोच्चाण जहन्नेण, एग तु मागरोवम ॥ १६२ ॥
 मत्तेम सागरा ऊ, उक्कोसेण विगाहिया । चउत्थीए जहन्नेण, तिण्णेय मागरोवमा ॥ १६३ ॥
 दम सागरोममा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया । चउत्थीए जहन्नेण, सत्तेव मागरोममा ॥ १६४ ॥
 सत्तरस मागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया । चउत्थीए जहन्नेण, मत्तेम मागरोममा ॥ १६५ ॥
 वावीम मागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया । उट्टीए जहन्नेण, सत्तरम मागरोवमा ॥ १६६ ॥
 तेचीस सागरा उ, उक्कोसेण वियाहिया । सत्तमाए जहन्नेण, वापीस मागरोममा ॥ १६७ ॥
 जा चेव य आयठिई, नेरइयाण वियाहिया । सा तेमिं वायठिई, जहन्नुकोसिया भवे ॥ १६८ ॥
 अणन्तकालमुक्कोम, अत्तोमुहुत्त जहन्नय । विजडम्मि सए काए, नेरइयाण अन्तर ॥ १६९ ॥
 एएसिं वण्णओ चेव, गन्धओ रसफासओ । सठाणदेमओ वावि, त्रिहाणाड सहस्ससो ॥ १७० ॥
 पच्चिन्दियतिरिक्खाओ, दविणा ते वियाहिया ।
 ममुच्छिमतिरिक्खाओ, गम्भवक्कन्तिया तथा ॥ १७१ ॥
 दुविहा ते भवे तिविहा, जलयरा थलयरा तथा । नडयरा य वोग्गवा, तेसिं मेए सुणेह मे ॥ १७२ ॥
 मच्छा य कच्छभा य, गाहा य मगरा तथा । मुसुमाराय वोधवा, पचहा जलहराहिया ॥ १७३ ॥
 लोग्गदेसे ते सवे, न मवत्थ वियाहिया । एत्तो कालविभाग तु, वोच्छ तेसिं चउव्विह ॥ १७४ ॥
 सतइ पप्पणाइया, अपज्जवसिया वि य । ठिइ पट्टुच्च साइया, सपज्जवसिया वि य ॥ १७५ ॥
 एगा य पुव्वकोडी, उक्कोसेण वियाहिया । आउठिई जलयराण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १७६ ॥
 पुव्वकोडिपुहत्त तु, उक्कोसेण वियाहिया । कायट्ठिई जलयराण, अत्तोमुहुत्त जहन्नय ॥ १७७ ॥
 अणन्तकालमुक्कोम, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । विजडम्मि सए काए, जमयराण अन्तर ॥ १७८ ॥
 चउप्पया य परिमप्पा, दुविहा यलयरा भवे । चउप्पया चउविहा, ते मे त्रियनओ सुण ॥ १७९ ॥
 ग्गसुरा दुसुरा चेव, गण्डीपयसणहप्पया । हयमाइगोणमाइगयमाइसीहमाउणो ॥ १८० ॥
 भुओरगपरिसप्पा य, परिसप्पा दुविहा भवे । गोहाड गहिमाई य, एक्केकाणेगहा भवे ॥ १८१ ॥
 लोग्गदेसे ते सवे, न मवत्थ वियाहिया । एत्तो कालविभाग तु, वोच्छ तेमिं चउव्विह ॥ १८२ ॥
 सतइ पप्पणाइया, अपज्जवसियावि य । ठिई पट्टुच्च माइया, सपज्जवसियानि य ॥ १८३ ॥
 पलिओरमाइ तिण्णि उ, उक्कोसेण वियाहिया । आउठिई थलयराण, अत्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १८४ ॥
 पुव्वकोडिपुहत्तेण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया । कायट्ठिई थलयराण, अन्तर तसिम भवे ॥ १८५ ॥
 कालमणन्तमुक्कोम, अन्तोमुहुत्त जहन्नय । विजडम्मि सए काए, यलयराण तु अन्तर ॥ १८६ ॥
 चम्मे उ लोमपक्की य, तइया ममुग्गपक्किया ।
 विययपक्की य वोधवा, पक्कियाणो य चउव्विहा ॥ १८७ ॥
 लोग्गदेसे ते सवे, न मवत्थ वियाहिया । इत्तो कालविभाग तु वोच्छ तेमिं चउव्विह ॥ १८८ ॥

सतइ पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य । ठिई पडुच्च माईया, सपज्जवसियावि य ॥ १८९ ॥
 पलिओवमस्स भागो, असखेज्जइमो भवे । आउठिई रहयराण, अतोमुहुत्त जहन्निया ॥ १९० ॥
 असखभाण पलियस्स, उक्कोसेण उ साहिया । पुव्वकोडीपुहत्तेण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ १९१ ॥
 ठिई रहयराण, अन्तरे तेसिमे भवे । काल अणत्तकोस, मुक्कोस, अन्तोमुहुत्त, जहन्नय ॥ १९२ ॥
 एएसिं वण्णओ चेव गन्धओ रसफासओ । सठाणदेसओ वावि, विहाणाइ सहस्समो ॥ १९३ ॥
 मणुया दुविहमेया उ, ते मे कित्तयओ सुण । समुच्छिमा य मणुया, गन्धकन्तिया तथा ॥ १९४ ॥
 गन्धकन्तिया जे उ, तिविहा ते वियाहिया । कम्मअकम्मभूमा य, अन्तरहीवया तथा ॥ १९५ ॥
 पन्नरम तीसविहा, मेया अट्टवीमड । सखा उ कम्मसो तेसिं, इइ एसा वियहिया ॥ १९६ ॥
 समुच्छिमाण एसेव, मेओ होइ वियाहियो । लोगस्स एगदेसम्मि, ते सन्वे वि वियाहिया ॥ १९७ ॥
 सतइ पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य । ठिइ पडुच्च साईया, सपज्जवसियावि य ॥ १९८ ॥
 पलिओवमाउ तिण्णवि, असखेज्जइमो भवे । आउठिई मणुयण, अतोमुहुत्त जहन्निया ॥ १९९ ॥
 पलिओवमाइ तिण्ण उ, उक्कोसेण उ साहिया । पुव्वकोडिपुहत्तेण, अन्तोमुहुत्त जहन्निया ॥ २०० ॥
 कायठिई मणुयाण, अन्तर तेसिम भवे । अणन्तकालमुक्कोस, अतोमुहुत्त जहन्नय ॥ २०१ ॥
 एएसिं, वण्णओ चेव, ग वओ रसफासओ । सठाणदेमओ वावि, विहाणाइ सहस्समो ॥ २०२ ॥
 देवा चउव्विहा वुत्ता, ते मे कित्तयओ सुण । भोमिज्जवाणमन्तरजोइसवेमाणिया तथा ॥ २०३ ॥
 दसहा उ भवणमासी, अट्टहा वणचारिणो । पचविहा जोइसिया, दुविहा वेमाणिया तथा ॥ २०४ ॥
 असुरा नागसुण्णया, विज्जू अग्गी वियाहिया ।
 दीवोदहिदिसा वाया, धणिया भण्णमासिणो ॥ २०५ ॥
 पिसायभूया जक्खा य, रवरूसा किन्नरा किंपुरिसा ।
 महोरगा य गन्धवा, अट्टविहा वाणमन्तरा ॥ २०६ ॥
 चन्दा सुरा य नक्खत्ता, गहा ताराणया तथा ।
 ठिया विचारिणो चेव, पचहा जोइसालया ॥ २०७ ॥
 वेमाणिया उ जे देवा, दुविहा ते वियाहिया । कप्पोवगा य बोधवा, कप्पाईया तहेव य ॥ २०८ ॥
 कप्पोवगा बारसहा, सोइम्मीसणगा तथा । सणकुमारमाहिन्दबम्मलोगा य सन्तगा ॥ २०९ ॥
 महासुक्का सहस्सारा, आणया पाणया तथा । आरणा अञ्चुया चेव, इइ कप्पोवगा सुरा ॥ २१० ॥
 कप्पाईया उ जे देवा, दुविहा ते वियाहिया । गेविज्जाणुत्ता चेव, गेविज्जा नचविहा तहिं ॥ २११ ॥
 हेट्ठिमा हेट्ठिमा चेव, हेट्ठिमा मज्झिमा तथा । हेट्ठिमा उवरिमा चेव, मज्झिमा हेट्ठिमा तथा ॥ २१२ ॥
 मज्झिमा मज्झिमा चेव, मज्झिमा उवरिमा तथा ।
 उवरिमा हेट्ठिमा चेव, उवरिमा मज्झिमा तथा ॥ २१३ ॥
 उवरिमा उवरिमा चेव, इय गेविज्जगा सुरा । विजया वेजयन्ता य, जयता अपराजिया ॥ २१४ ॥
 सबत्थसिद्धगा चेव, पचहाणुत्तरा सुरा । इय वेमाणिया एएण्णेगहा एवमायओ ॥ २१५ ॥
 लोगस्स एगदेसम्मि, ते सबेवि वियाहिया । इत्थो कालविभाग तु, वुच्छ तेसिं चउव्विह ॥ २१६ ॥
 सतइ पप्पणाईया, अपज्जवसियावि य । ठिइ पडुच्च साईया, सपज्जवसियावि य ॥ २१७ ॥

साहीय मागर एक, उकोसेण ठिई भवे । भोमेज्जाण जहन्नेण, दमवाससहस्मिया ॥ २१८ ॥
 पलिओवममेग तु, उकोसेण ठिई भवे । पन्तराण जहन्नेण, दमनामसहस्मिया ॥ २१९ ॥
 पलिओवममेग तु, वासलक्खेण साहिय । पलिओवमट्टभागो, जोडसेसु जहन्निया ॥ २२० ॥
 दो चेव सागराड, उकोसेण नियाहिया । सोहम्मम्मि जहन्नेण, एग च पलिओवम ॥ २२१ ॥
 सागरा साहिया दुन्नि, उकोसेण नियाहिया । ईसाणम्मि जहन्नेण, साहिय पलिओवम ॥ २२२ ॥
 सागराणि य सत्तेव उकोसेण ठिई भव । सणट्टमार जहन्नेण, दुन्नि उ मागरोवमा ॥ २२३ ॥
 साहिया मागरा मत्त, उकोसेण ठिई भवे । माहिन्दम्मि जहन्नेण, साहिया दुन्नि सागरा ॥ २२४ ॥
 त्स चेव मागराड, उकोसेण ठिई भवे । उम्मल्लोण जहन्नेण, मत्त ऊ सागरोवमा ॥ २२५ ॥
 चउदम सागराड, उकोसेण ठिई भवे । लन्तगम्मि जहन्नेण, टम उ मागरोवमा ॥ २२६ ॥
 सत्तरस सागराड, उकोमेण ठिई भवे । मत्तामृक्के जहन्नेण, चोदस सागरोवमा ॥ २२७ ॥
 अट्टारम सागराड, उकोसेण ठिई भवे । सहस्मारम्मि जहन्नेण, सत्तरस सागरोवमा ॥ २२८ ॥
 सागरा अउणतीस तु, उकोसेण ठिई भवे । आणयम्मि जहन्नेण, अट्टारम सागरोवमा ॥ २२९ ॥
 वीम तु मागराड, उकोसेण ठिई भवे । पाणयम्मि जहन्नेण, सागरा अणवीमई ॥ २३० ॥
 सागरा इक्कीस तु, उकोसेण ठिई भवे । आरणम्मि जहन्नेण, वीसई सागरोवमा ॥ २३१ ॥
 चावीम सागराड, उकोसेण ठिई भवे । अच्चुयम्मि जहन्नेण, मागरा इक्कीसइ ॥ २३२ ॥
 तेवीम सागराड, उकोसेण ठिई भवे । पढमम्मि जहन्नेण, चावीस सागरोवमा ॥ २३३ ॥
 चउवीम सागराड, उकोसेण ठिई भवे । विइयम्मि जहन्नेण, तेवीस सागरोवमा ॥ २३४ ॥
 पणवीम सागराड, उकोसेण ठिई भवे । तइय जहन्नेण, चउवीस सागरोवमा ॥ २३५ ॥
 छवीस सागराड, उकोसेण ठिई भवे । चउत्थम्मि जहन्नेण, सागरा पणुवीमई ॥ २३६ ॥
 सागरा सत्तवीस तु, उकोसेण ठिई भवे । पञ्चमम्मि जहन्नेण, सागरा उ उवीमई ॥ २३७ ॥
 सागरा अट्टवीस तु, उकोसेण ठिई भवे । उट्टम्मि जहन्नेण, सागरा सत्तवीमई ॥ २३८ ॥
 सागरा अउणतीस तु उकोसेण ठिई भवे । मत्तमम्मि जहन्नेण, सागरा अट्टवीमइ ॥ २३९ ॥
 तीम तु सागराड, उकोसेण ठिई भवे । अट्टमम्मि जहन्नेण, सागरा अउणतीमई ॥ २४० ॥
 सागरा इक्कीस तु, उकोसेण ठिई भवे । नमम्मि जहन्नेण, तीमई सागरोवमा ॥ २४१ ॥
 तेत्तीसा सागराड उकोसेण ठिई भवे । चउसुपि विजयाडसु, जहन्नेणोक्कीमई ॥ २४२ ॥
 अनहन्नमणुकोमा, तेत्तीम सागरोवमा । महाविभाणे सबट्टे, ठिई एमा नियाहिया ॥ २४३ ॥
 जा चेव उ आउठिई, देवाण तु वियाहिया । सा तेसिं कायठिई, जहन्नेणोक्कीसिया भवे ॥ २४४ ॥
 अणत्तकालमुकोस, अतोमुहुत्त जहन्नय । विजडम्मि मए काए, देवाण हुज्ज अन्तर ॥ २४५ ॥
 एएमि वण्णओ चेव, गन्धओ रसफामओ । सठाणदमओ चावि, विहाणाइ सहम्मसो ॥ २४६ ॥
 ममारत्थाय सिद्धा य, इय जीवा नियाहिया । रुण्णिओ चेवन्वी य, अजीवा दुहिहायि य ॥ २४७ ॥
 इय जीवमजीवे य, मोचा सदहिकुण य । मव्वनयाणमणुमए रमेज्ज सनमे सुणी ॥ २४८ ॥
 तओ बहूणि वामाणि, सामण्णमणुपालिय । इमेण कम्मनोणेण, अप्पाण मलिइ सुणी ॥ २४९ ॥
 बारसेव उ यासाइ, सलेहुकोसिया भवे । मवरन्डरमज्झिमिया, छम्मामा य जहन्निया ॥ २५० ॥

- पद्मे मासचउक्कम्मि, त्रिगई-निज्जहण कर । विईए मासचउक्कम्मि, त्रिविण तु तव चरे ॥ २५१ ॥
 एगन्तरमायाम, कदडु मवच्छरे दुवे । तओ सवच्छरद्ध तु, नाविगडु तव चरे ॥ २५२ ॥
 तओ सवच्छरद्ध तु, त्रिगिट्ट तु तव चरे । परिमिय चेव आयाम, तम्मि मवच्छरे करे ॥ २५३ ॥
 कोडी सहियमायाम, कदडु, सवच्छरे मुणी । मासद्धमासिण्ण तु, आहारेण तव चरे ॥ २५४ ॥
 ऋदप्पमाभिओग च, त्रिविसिय मोहमासुरुत्त च ।
 एयाउ दुग्गईओ, मरणम्मि विराहिया होन्ति ॥ २५५ ॥
 मि-ठादमणरत्ता, मनियाणा उ हिंसगा । इय जे मरन्ति जीना, तेसि पुण दुल्लहा बोही ॥ २५६ ॥
 सम्मद्दसणरत्ता, अनियाणा सुक्केसमोगाढा । इय जे मरन्ति जीना, तेसि सुलहा भव बोही ॥ २५७ ॥
 मिच्छादसणरत्ता, मनियाणाम्पह्तेसमोगाढा ।
 इय जे मरन्ति जीना, तेसि पुण दुल्लहा बोही ॥ २५८ ॥
 जिणययणे अणुरत्ता, जिणवयण करेन्ति भावेणा । अमला अमङ्किलिट्ठा, ते होन्ति परित्तससारी ॥ २५९ ॥
 बालमरणाणि बह्मुओ, अक्राममरणाणि चेव य वट्टणि ।
 मरिहन्ति ते पराया जिणवयण चे न जानन्ति ॥ २६० ॥
 बह्मुआगमविनाणा, समाहिउप्पायगा य गुणगाही । एएण कारणेण, अरिणा आलोयण सोउ ॥ २६१ ॥
 कन्दप्पकुक्कुयाइ, तह सीलसढाउहमणविगहाइ । विम्हावेन्तोवि पर, ऋदप्प भावण कुणइ ॥ २६२ ॥
 माताजोग काउ, भूईकम्म च जे पउजति । माय-रय-डडिहउ अभिओग भाणण कुणइ ॥ २६३ ॥
 नाणस्म केउलीण, म्मायारियस्स सङ्गसाहण । माइ अण्णयाई, त्रिविसिय भाणण कुणइ ॥ २६४ ॥
 अणुबद्धरोमपसरो, तह य निमित्तम्मि होइ पडिसेवी । एएहि कारणेहि, आसुरिय भाणण कुणइ ॥ २६५ ॥
 मत्थगहण विसभक्कवण च जलण च जलपवेसो य ।
 अणायारभण्डसेना, जम्मणमरणाणि वधन्ति ॥ २६६ ॥
 इय पाउकरे बुद्ध, नायए परिनि बुए । छत्तीम उत्तरज्झाए, भवसिद्धीयसबुडे ॥ २६७ ॥
 त्ति वेमि ॥ जीवाजीउविभत्ती ममत्ता ॥ ३६ ॥
- ॥ इअ उत्तरज्झयण सुत्त समत्त ॥



॥ णमो समणस्म भगवओ महावीरस्स ॥

॥ सिरि-दसवेअलियं-सुत्तं ॥

॥ दुमपुप्फिया पढम अज्झयण ॥

धम्मो मगलमुक्किद्ध, अहिंसा सज्जमो तत्रो । देवा वि त नमसस्ति, जरम वम्मो सया मणो ॥ १ ॥
जहा दुमस्स पुप्फेसु, भमरो आवियइ रस । ण य पुप्फ किलामेइ, सो अ पीणेइ अप्पय ॥ २ ॥
एमेण ममणा मुत्ता, जे लोए सति साटुणो । विहगमा व पुप्फेसु, दाणभत्तेसणे रया ॥ ३ ॥
वय च वित्ति लम्भामो, ण य जोइ उरहम्मइ । अहागडमु रीयते, पुप्फेसु भमरा जहा ॥ ४ ॥
महुगा (का) रममा बुद्धा, जे भवति अणिस्सिया । नाणपिटरया दत्ता, नेण उच्चति माहुणो ॥ ५ ॥

त्ति वेमि ॥ दुमपुप्फिया पढममज्झयण समत्त ॥

॥ जह सामण्णपुव्वय दुट्ठअ अज्झयण ॥

कइ तु बुद्धा सामण्ण, जो कामे न निरारए । पए पण विसीअतो, सत्तप्पस्स वस गओ ॥ १ ॥
वत्थगधमलक्कार, इत्थीओ मयणाणि य । अत्ठटा जे न भुजति, न से चाइ त्ति उच्चइ ॥ २ ॥
जे य क्ते पिए भोए, लद्धे वि पिट्ठि कुव्वइ । माहीणे चयइ भोए, मे इ च्चइ त्ति उच्चइ ॥ ३ ॥

ममाइ पेहाइ परिव्वयतो, सिया मणो निम्मरइ वड्ढिद्धा ।

न सा मह नोवि अह वि तीसे, इच्चेव ताओ विणट्ठज राग ॥ ४ ॥

आयागयाही चय भोगमल्ल, कामे क्माहि क्कमिय खु दुक्कव ।

उट्ठिदाहिं दोस विणएज्ज राग, एव सुही होहिसि सपरण ॥ ५ ॥

पक्खद जलिय जोइ, धूमकेउ दुरासय । नेत्ठति उतय भोचु, कुले जाया अधगणे ॥ ६ ॥

धिरत्थु तेऽनमोकामी, जो त जीवियगरणा । वत् इत्थसि आवेउ, सेय ते मरण भवे ॥ ७ ॥

अह च भोगरायस्म त चऽमि अधगविण्हणो । मा कुले गधणा होमो, सनम निट्ठुओ चर ॥ ८ ॥

जइ त शहिसि भाव, जा जा दिन्धसि नारिओ । वायाविद्धो व हडो, अट्ठिअप्पा भविस्ससि ॥ ९ ॥

तीमे मो वयण सोचा, सजयाइ सुभासिय । अट्ठसेण जहा नागो, धम्मो सपट्ठिवाडओ ॥ १० ॥

एव करति सवुद्धा, पडिया पवियक्कवणा । विणियद्वति भोगेसु, जहा से परिमुत्तमो ॥ ११ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ सामण्णपुव्वय नाम अज्झयण समत्त ॥ २ ॥

॥ अह खुड्डयायारकहा तइम अज्झयण ॥

सजमे सुट्टिअप्पाण, विप्पमुक्काण ताडण । तेसिमेयमणाण्ण, निग्गधाण महसिण ॥ १ ॥
उदेसिय कीयगड, निपागममिहडाणि य । राइभत्ते सिणाणे य, गधमल्ले य वीयणे ॥ २ ॥
सनिही गिहिमत्ते य, रायपिंडे किमि ठए । सवाहणा दत्तपहोयणा य, सपुच्छणा देहपलोयणा य ॥ ३ ॥
अट्टावए य नालीए, छत्तस्म य धारणट्टाए । तेगिच्छ पाटणापाए, समारभ च जोडणो ॥ ४ ॥
सिज्जायरपिंड च, आसदीपलियकए । गिहतरनिसिज्जा य, गायस्सुबड्डणाणि य ॥ ५ ॥
गिहिणो वेआण्डिय, जा य आजीयत्तिया । तत्तानिब्बुडभोत्त, आउरस्सरणाणि य ॥ ६ ॥
मूलए सिंगवेरे य, उच्छुखडें अनिब्बुडे । कदे मूले य सच्चित्त, फले वीए य आमए ॥ ७ ॥
सोचचळे सिघवे लोणे, रोमालोणे य आमए । समुदे पएरारारे य, कालालोणे य आमए ॥ ८ ॥
धुवणे चि त्तमणे य, वत्थीकम्भविरेयणे । अजणे दत्तणे य, गायम्भगविभूसणे ॥ ९ ॥
सवमेयमणाइन्न, निग्गधाण महसिण । सजमम्मि अ जुत्ताण, लहुभूयविहारिण ॥ १० ॥
पचामन्नपरिण्णाया, तिगुत्ता छमु सजया । पचनिग्गहणा धीरा, निग्गथा उब्बुदसिणो ॥ ११ ॥
आयावयति गिम्हेसु, देमतेसु अवाउडा । वासासु पडिसलीणा, सज्जया सुममाहिया ॥ १२ ॥
परीसहरिऊदता, धूमोहा जिइदिया । सबदुक्खपहीणट्टा, पक्कमन्ति महसिणो ॥ १३ ॥
दुकराइ करित्ताण, दुस्महाइ सहित्तु य । केइत्थ दवलोएसु, केइ सिज्जन्ति नीरया ॥ १४ ॥
खवित्ता पुव्वकम्माइ, सज्जमेण तवेण य । सिद्धिभग्गमणुप्पत्ता, ताइणो परिणिब्बुड ॥ १५ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ खुड्डयायारकहा नाम तइयमज्जयण ॥

॥ अह छज्जीवणियानाम चउत्थ अज्झयण ॥

सुअ मे आउसतेण भगवया एवमक्खाय, इह खलु छज्जीवणिया नामज्झयण समणेण भग
वया महावीरेण कामवेण पवेइया सुअक्खाया सुपन्नत्ता सेअ मे अहिज्जिउ अज्झयण धम्मपण्णत्ती
॥ १ ॥ कयरा खलु साछज्जीवणिया नामज्झयण समणेण भगवया महावीरेण कासवेण पवेइया
सुअक्खाया सुपन्नत्ता सेअ मे अहिज्जिउ अज्झयण धम्मपण्णत्ती ॥ २ ॥ इमा खलु सा छज्जीवणिया
नामज्झयण समणेण भगवया महावीरेण कामवेण पवेइया सुअक्खाया सुपन्नत्ता सेअ मे अहिज्जिउ
अज्झयण धम्मपण्णत्ती ॥ तजहा—पुढविकाइया १, आउकाइया २, तेउकाइया ३, वाउकाइया ४,
वणस्सइकाइया ५, तसकाइया ६ । पुढवी चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुणेसत्ता अन्नत्थ सत्थप
रिणएण । आऊ चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुढोसत्ता अन्नत्थ सत्थपरिणएण । वाऊ चित्तमत
मक्खाया अणेगजीवा पुढोसत्ता अन्नत्थ सत्थपरिणएण । वाऊ चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुढो
सत्ता अन्नत्थपरिणएण । वणस्मई चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुढोसत्ता अन्नत्थ सत्थपरिणएण
तजहा—अग्गवीया, मूलवीया, पोरवीया, खधवीया, बीयरुहा, समुच्छिमा, तणलया, वणस्सइका
इया, सबीया चित्तमतमक्खाया अणेगजीवा पुढोसत्ता अन्नत्थ सत्थपरिणएण । से जे पुण इमे

अणोमे बहुवे तसा पाणा, तजहा-अडया, पोयया, जराउया, रसया, ससेडमा, समुच्छिमा उन्मिया उग्रयाडया, जेमि केसिंचि पाणाण, अभिक्त्त, पडिक्त्त, सडुचिय, पसारिय, रुय, भत, तसिय, पलाइय आगइगडविन्नाया, जे अ कीडपयड्ढा, जा य डुधुपिपीलिया, सवे वेडिया, सवे तैडिया, सवे चउरिंदिया सवे पचिंदिया, मवे तिरिक्त्तजोणिया, मवे नेरडया, सवे मणुआ, सवे देना, सवे पाणा, परमाहम्मिया, एसो रलु उट्टो जीवनिक्काओ तमक्काओ चि पवुच्चड । इच्चोसिं छण्ह जीवनि ऱायाण चेष सय दड समारभिज्जा, नेवनेहिं दट समारभाविज्जा, दड समारभन्ते वि अन्ने न समणुजाणामि, जावज्जीराण तिविह तिविहण मणेण वायाए काएण न करेमि न कारवेमि करतपि अन्न न ममणुजाणामि । तस्म भते पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोमरामि ॥

पढमे भन्ते ! महव्वए पाणाइयाओ वेरमण । सब भन्ते ! पाणाइयाय पच्चक्खामि । से सुहुम वा, चापर वा, तस वा, यावर वा, नेव सय पाणे अइवाज्जा, नेवनेहिं पाणे अइयायाविज्जा, पाणे अइयायन्तेऽवि अन्ने न ममणुजाणामि, जावज्जीराण तिविह तिविहण मणेण यायाए काएण न करेमि न कारवेमि करतपि अन्न न समणुजाणामि तस्म भते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोमरामि । पढमे भन्ते ! महव्वए उवड्डिओ मि सवाओ पाणाइयायाओ वेरमण ॥ १ ॥

अहावर दुचे भन्ते ! महव्वए मुसावायाओ वेरमण । सब भन्ते ! मुसावाय पच्चक्खामि । से कोहा वा, लोहा वा, भया वा, हासा वा, नेव सय मुस वड्ढा, नेवनेहिं मुस वायाविज्जा, मुस वयन्ते वि अन्ने न समणुजाणामि जावज्जीराण तिविह तिविहण मणेण यायाए काएण न करेमि न कारवेमि करतपि अन्न न समणुजाणामि तस्म भन्ते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोमरामि । दुचे भन्ते ! महव्वए उवड्डिओ मि सवाओ मुसावायाओ वेरमण ॥ २ ॥

अहावरे तचे भन्ते ! महव्वए अदिन्नादाणाओ वेरमण । मव्व भन्ते ! अदिन्नादाण पच्चक्खामि । से गामे वा, नगरे वा, रणे वा, अप्प वा, बहु वा, अणु वा, धूल वा, चित्तमत वा, अचित्तमत वा, नेव सय अदिन्न गिण्हिज्जा, नेवनेहिं अदिन्न गिण्हाविज्जा, अदिन गिण्हन्ते वि अन्ने न समणुजाणामि जावज्जीराण तिविह तिविहण मणेण यायाए काएण न करेमि न कारवेमि करतपि अन्न न समणुजाणामि । तस्म भन्ते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोमरामि । तचे भन्ते ! महव्वए उवड्डिओ मि सवाओ अदिन्नादाणाओ वेरमण ॥ ३ ॥

अहावर चउत्थ भन्ते ! महव्वए मेहुणाओ वेरमण । सब भन्ते ! पच्चक्खामि । से दिव वा, माणुस वा, तिरिक्त्तजोणिय वा, नेव सय मेहुण सेविज्जा, नेवनेहिं मेहुण सेगविज्जा, मेहुण सेयन्ते वि अन्ने न समणुजाणामि जावज्जीवरण तिविह तिविहण मणेण वायाए काएण न करेमि न कारवेमि करतपि अन्न न समणुजाणामि । तस्म भन्ते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोमरामि । चउत्थे भन्ते ! महव्वए उवड्डिओ मि सवाओ मेहुणाओ वेरमण ॥ ४ ॥

अहावरे पञ्चमे भन्ते ! महव्वए परिग्गहाओ वेरमण । सब भन्ते ! परिग्गह पच्चक्खामि । से अप्प वा, बहु वा, अणु वा, धूल वा, चित्तमत वा, अचित्तमत वा । नेव सयपरिग्गह परिगिण्हिज्जा,

नेवन्नेहिं परिग्गह परिगिण्हते वि अने न समणुज्जाणिज्जा जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करेमि न कारवेमि करतपि अन्न समणुजाणामि, तस्स भन्ते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि । पञ्चमे भन्ते ! महणए उवट्ठिओ मि सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमण ॥ ५ ॥

अहावरे छट्ठे भन्ते ! वए राइभोअणाओ वेरमण । मच्च भन्ते ! राइभोयण पच्चक्खामि । से असण वा, पाण वा, साइम वा, साइम वा । नेव सय राइ भुजिज्जा, नेव राइ भुजिज्जा, नेवन्नेहिं राइ भुजाविज्जा, राइ भुजतेऽपि अन्ने न समणुजाणामि जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करेमि न कारवेमि करतपि अन्न न समणुजाणाणि । तस्स भन्ते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि । छट्ठे भते ! वए उवट्ठिओ मि सव्वाओ राइभोअणाओ वेरमण ॥६॥ इच्चेयाइ पचमहवयाइ राइभोअणवेरमणछट्ठाइ अत्तिहियट्ठियाए उवसपज्जित्ता ण विहरामि ॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, सजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिमागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से पुट्ठिं वा, भित्तिं वा, सिल वा, लल वा, ससरक्क वा काय, ससरक्क वा वत्थ, हत्थेण वा, पाएण वा, कट्ठेण किर्लित्थेण वा, अणुलियाए वा, सिलागाए वा, सिलागहत्थेण वा न आलिहिज्जा, न विलिहिज्जा, न घट्टिज्जा, न भिदिज्जा, अन्न न आलिहाविज्जा न विलिहाविज्जा, न घटाविज्जा, न भिंदाविज्जा, अन्न आलिहत वा, वित्थि हत वा, घटत वा, भिदत वा न समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करेमि न कारवेमि करत पि अन्न न समणुजाणामि तस्स । भते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाण होसरामि ॥ १ ॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा सजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिमागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से उदग वा, ओस वा, हिम वा, महिय वा, करग वा, हरिगणुग वा, सुद्धोदग वा, उदउल्ल वा वत्थ, ससिणिद्ध वा काय, ससिणिद्ध वा वत्थ न आमुसिज्जा, न सफुसिज्जा, न आवीलिज्जा, न पवीलिज्जा, न अक्खोडिज्जा, न पक्खोडिज्जा, न आयाविज्जा, न पयाविज्जा, अन्ने न आमुसाविज्जा, न सफुसाविज्जा, न आवीलाविज्जा, न पवीला विज्जा, न अक्खोविज्जा, न पक्खोडाविज्जा, न आयाविज्जा, न पयानिज्जा, अन्न आमुसत वा, सफुमत वा, आवीलत वा, पवीलत वा, अक्खोडत वा, पक्खोडत वा, आयावत वा, पयावत वा न समणुजाणिज्जा, जावज्जीवाए, तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करेमि न कारवेमि करत पि अन्न न समणुजाणामि । तस्म भन्ते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि ॥२॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, सजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिमागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से अगणिं वा, इगाल वा, घुम्मुर वा, अच्चिं वा, जाल वा, अलाय वा, सुद्धागणिं वा, उक्क वा, न उज्जिज्जा, न घट्टिज्जा, न भिदिज्जा, न उज्जालिज्जा, न पज्जालिज्जा, न निवाविज्जा, अन्न न उज्जाविज्जा, न घटाविज्जा, न भिंदाविज्जा, न

उज्जालाविज्जा, न पज्जालाविज्जा, न निद्धाविज्जा, अन्न उज्जत वा, वडुत वा, भिदत वा, उज्जालत वा, पज्जालत वा, नि वापत वा, न ममणुजाणिज्जा जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करमि न कारवमि करत पि अन्न न ममणुजाणामि । तस्म भन्ते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि ॥ ३ ॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, सज्जयविरयपडिहयपच्चक्खायपात्रकम्म, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, ने सिएण वा, विहुयणेण वा, तालियटेण वा, पत्तेण वा, पत्तभणेण वा, साहाए वा, माहाभणेण वा, पिहुणेण वा, पिहुणलत्थेण वा, चेलेण वा, चेलकन्नेण वा, हत्थेण वा, मुहेण वा, अप्पणो वा काय, बाहिर वा पि पुग्गल न फुमिज्जा, न वीएज्जा, अन्न न फूमात्रिज्जा, न वीआत्रिज्जा, अन्न फूमत वा, वीअत वा न समणुजाणिज्जा जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करमि न कारवेमि करतपि अन्न न समणुजाणामि । तस्स भ ते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि ॥ ४ ॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, सजयविरयपडिहयपच्चक्खायपात्रकम्म, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से वीणसु वा, वीयपड्डेसु वा, रुडेसु वा, रुटपड्डेसु वा, जाएसु वा, जायपड्डेसु वा, हरिएसु हरियपड्डेसु वा, छि नेसु वा, छि नेसु वा, छिन्नपड्डेसु वा, सच्चित्तेसु वा, सच्चिन्नोलपडिनिस्सिणसु वा न गच्छेज्जा, न चिद्धेज्जा, न निसी इज्जा, न तुअट्टिज्जा, अन्न न गच्छाविज्जा, न चिद्धात्रिज्जा, न निसीआत्रिज्जा, न तुअट्टात्रिज्जा, अन्न गच्छत वा, चिद्धत वा, निसीअत वा, तुयडुत वा न समणुजाणि जावज्जीवाए तिविह तिविहेण मणेण वायाए काएण न करमि न कारवेमि करत पि अन्न न समणुजाणामि । तस्म भन्ते ! पडिक्कमामि निन्दामि गरिहामि अप्पाण वोसरामि ॥ ५ ॥

से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, सजयविरयपडिहयपच्चक्खायपात्रकम्म, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से कीट वा, पयग वा, कुटु वा, पिपीलिय वा, हत्थसि वा, पायसि वा, माहुसि वा, उरसि वा, उदरसि वा, सीससि वा, वत्थसि वा, पडिग्गहसि वा, कवलसि वा, पायपुन्ठणसि वा, रपहरणसि वा, गुच्छगसि वा, उडगसि वा दडगसि वा पीढगसि वा, फलगसि वा, सधारगसि वा, अन्नपरसि वा तहप्पगार उवगरणनाए तओ सनयामेव पडिलेहिय पणिलेहिय पमज्जिअ एगतमणिज्जा, नो ण सघायमात्रज्जिज्जा ॥ ६ ॥

अजय चरमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ । उन्धइ पावय कम्म, त से होइ कडअ फल ॥ १ ॥
 अजय चिट्टमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ । उधइ पावय कम्म, त से होइ कडअ फल ॥ २ ॥
 अनय आसमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ । उधइ पावय कम्म, त से होइ कडअ फल ॥ ३ ॥
 अनय मयमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ । उधइ पावय कम्म, त से होइ कडअ फल ॥ ४ ॥
 अजय भुनमाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ । उधइ पावय कम्म, त से होइ कडअ फल ॥ ५ ॥
 अनय भाममाणो अ, पाणभूयाइ हिंसइ । उधइ पावय कम्म, त से होइ कडअ फल ॥ ६ ॥

कह चरे कह चिट्ठे, वहमाए वह सए । कह भुजन्तो भासतो, पावकम्म न बधइ ॥ ७ ॥
 जय चरे जय चिट्ठे, जयमासे जय सए । जय भुजन्तो भासतो, पावकम्म न बधइ ॥ ८ ॥
 सबभूयप्पभूयस्स, सम्म भूयाइ पासओ । पिहिआसवस्स दतस्स, पावकम्म न बधइ ॥ ९ ॥
 पढम नाण तओ दया, एव चिट्ठइ सबसजए । अन्नाणी किं काही, किं वा नाही सेयपावग ॥ १० ॥
 सोच्चा जाणइ कल्लण, सोच्चा जाणइ पावग । उभय पि जाणइ सोच्चा, ज सेय त समायरे ॥ ११ ॥
 जो जीवे वि न याणइ, अजीवे वि न याणइ । जीवाजीवे अयाणतो, कह सो नाहीइ सजम ॥ १२ ॥
 जो जीवे वियाणइ, अजीवे वि त्रियाणइ । जीवाजीवे वियाणतो, सो हु नाहीइ सचम ॥ १३ ॥
 जय जीवमजीवे य, दोबि एण त्रियाण । तथा गइ बहुविह, सब जीवाण जाण ॥ १४ ॥
 जया गइ बहुविह, सबजीवाण जाणइ । तथा पुण्ण च पाव च, बध मुक्ख च जाणइ ॥ १५ ॥
 जया पुण्ण च पाव च, बध मुक्ख च जाणइ । तथा निर्विदए भोए, जे दिव्वे जे य माणुसे ॥ १६ ॥
 जया निर्विदए भोए, जे दिव्वे जे य माणुसे । तथा चयइ सजोग, सन्धिन्तर बाहिर ॥ १७ ॥
 जया चयइ सजोग, सन्धिन्तर बाहिर । तथा मुड भवित्ताण, पबइए अणगारिय ॥ १८ ॥
 जया मुडे भवित्ताण, पबइए अणगारिय । तथा सवरमुक्किट्ठ, धम्म फासे अणुत्तर ॥ १९ ॥
 जया सवरमुक्किट्ठ, धम्म फासे अणुत्तर । तथा धुगइ कम्मरय, अबोहिकल्लस कड ॥ २० ॥
 जया धुणइ कम्मरय, अबोहिकल्लस कड । तथा सवत्तग नाण, दमण चाभिगच्छइ ॥ २१ ॥
 जया सवत्तग नाण, दमण चाभिगच्छइ । तथा लोगमलोग च, जिणो जाणइ केवली ॥ २२ ॥
 जया लोगमलोग च, जिणो जाणइ केवली । तथा जोगे निरुभित्ता, सेलेसिं पडिवजइ ॥ २३ ॥
 जया जोगे निरुभित्ता, सेलेसिं पडिवजइ । तथा कम्म खवित्ताण, सिद्धिं गच्छइ नीरओ ॥ २४ ॥
 जया कम्म खवित्ताण, सिद्धिं गच्छइ नीरओ । तथा लोगमत्यथत्थो, सिद्धो हवइ सामओ ॥ २५ ॥

सुह सायगस्स समणस्स, सायाउलगस्स निगामसाइस्स ।
 उच्छोलणापहोअस्स, दुल्लहा सुगई तारिसगस्स ॥ २६ ॥
 तवोगुणपहाणस्स, उज्जुमइ खन्ति सजमरयस्स ।
 परीसहे जिणतस्स, सुलहा सुगई तारिसगस्स ॥ २७ ॥
 पच्छा वि ते पयाया, खिप्प गच्छति अमरभवणाइ ।
 जेसिं पिओ तवो सजमो अ, खती अ वमचर च ॥ २८ ॥
 इत्थेय छज्जीवणिअ, सम्मदिट्ठी सया जए ।
 दुल्लह लहित्तु सामण्ण, कम्मणा न विराहिआसि ॥ २९ ॥

त्ति बेमि ॥ इअ छज्जीवणिआ णाम चउत्थ अज्झयण समत्त ॥ ४ ॥

॥ अह पिंडेसणा गाम पचमज्झयण ॥

सपत्ते भिक्खुमालम्भि, असमतो अमुच्छिओ । इमेण कमजोगेण, भत्तपाण गवेसए ॥ १ ॥
 से गामे वा नगरे वा, गोअरग्गमओ मुणी । चरे मदमणुव्विग्गो, अब्बक्खित्तण चेअसा ॥ २ ॥
 पुरओ जुगमायाए, पेढमाणो महि चरे । उज्जतो वीअहरियाइ, पाणे अदगमट्टिअ ॥ ३ ॥
 ओवाथ विसम खाणु, विज्जल परिवज्जए । सरुमेण न गच्छिज्जा, विज्जमाणे परक्कमे ॥ ४ ॥
 पवडते व से तत्थ, पक्खलते न सजए । हिंसेज्ज पाणभूयाइ, तसे अदुव थापरे ॥ ५ ॥
 तम्हा तेण न गच्छिज्जा, सजए सुममाहिए । सह अण्णेण मग्गेण, जयमेव परक्कमे ॥ ६ ॥
 इगाले छारिय रमिं तुमरासिं च गोमय । समरक्खेहिं पाएहिं, सजओ त नइक्कमे ॥ ७ ॥
 न चरज्ज वासे वासते, महियाए पडतिए । महायाए व वायते, तिरीच्छसपाइमेसु वा ॥ ८ ॥
 न चरेज्ज वेससामते, वभचेरवसाणुए । वभयारिस्स दतस्स, होज्जा तत्थ विमोहिआ ॥ ९ ॥
 अणाययणे चरतस्स, ससग्गीए अभिक्खए । होज्ज ययाण पीला, सामणम्मि अ समओ ॥ १० ॥
 तम्हा एअ विआणिता, दोस दुग्गइउट्ठण । वज्जए वेससामन्त, मुणी एगतमस्मिण ॥ ११ ॥
 साण सइअ गारिं, दित्त गोण हय गय । सडिअ कतेह जुद्ध, दूरओ परिवज्जए ॥ १२ ॥
 अणुअए नात्रणए, अप्पहिट्ठे अणाउले । इदिआइ जहाभाग दमइत्ता मुणी चरे ॥ १३ ॥
 दनदवस्स न गच्छेज्जा, भासमाणो अगोचरे । हसन्तो नाभिगच्छेज्जा, कुल उच्चाय मया ॥ १४ ॥
 आलोअ थिग्गलदार, सधिं दग्गभवणाणि अ । चरन्तो न विणिज्जाए, सरुट्ठण विवज्जए ॥ १५ ॥
 रओ गिहनइण च, रहम्मरविक्खयाण य । सन्धिलेमकर ठाण, दूरओ परिवज्जए ॥ १६ ॥
 पडिक्कड्ड कुल न पविसे, मामग परिवज्जए । अचियत्त कुल न पविसे, चियत्त पविसे कुल ॥ १७ ॥
 साणीपात्रापिहिअ, अप्पणा नात्रपगुर । कण्ठ नो पणुल्लिज्जा, उग्गहसि अणाइआ ॥ १८ ॥
 गोअरग्गपविट्ठो ज, उच्चमुत्त न वारए । ओगास फासुअ नच्चा, अणुअविय वीसिरे ॥ १९ ॥
 णीय दुवार तमस कुट्ठग परिवज्जए । अचक्खुपिसओ जत्थ, पाणा दुप्पडिलेहगा ॥ २० ॥
 जत्थ पुप्फा वीआइ, निप्पइन्नाइ वोट्ठण । अहुणोत्तल्लि उल्ल, ददट्ठण परिवज्जए ॥ २१ ॥
 एलग दाग्ग साण, वउग्ग वा ति कुट्ठण । उल्लविआ न पविसे, पिउहित्ताण व सनए ॥ २२ ॥
 अससत्त पलोअ, नाडदूराउलेअए । उप्फुल्ल न विणिज्जाए, नियट्ठिज्ज अयपिरो ॥ २३ ॥
 अइभूमिं न गउजेज्जा, गोअरग्गमओ मुणी । कुलस्स भूमिं जाणिता, मिअ भूमिं परक्कमे ॥ २४ ॥
 तत्थव पडिठेहिज्जा, भूमिभागविअक्खणो । सिणाणस्स य वच्चस्स, सलोग परिवज्जए ॥ २५ ॥
 दग्गमअआयाणे, वीआणि हरिआणि अ । परिवज्जतो चिट्ठिज्जा, सव्विदिअसमाहिए ॥ २६ ॥
 तत्थ से चिट्ठमाणस्स, आहाणे पाणभोअण । अक्खियअ न इच्छिज्जा, पडिगाहिज्ज कप्पियअ ॥ २७ ॥
 आहाग्गन्ती सिआ तत्थ, परिसाइज्ज भोअण । त्तिअ पडिआक्खे, न मे उप्पइ तारिस्स ॥ २८ ॥
 समदमाणी पाणाणि, वीआणि हरिआणि अ । असजमअरिं नच्चा, तारिभिं परिवज्जए ॥ २९ ॥
 साहइ निक्खिअविच्चा ण, मच्चि चट्ठियाणि य । तह्य ममणुट्ठाए, उदग सपणुल्लिया ॥ ३० ॥

आगाहइत्ता चलइत्ता, आहारे पाणभोअण । दिंतिअ पडियाइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ३१ ॥
 पुरेकम्मेण हत्थेण, दक्वीए भायणेण वा । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ३२ ॥
 एव उदउल्ले मसिणिद्धे, ससरक्खे मट्टिआओसे । हरिआले हिंगुलए, मणोसिला अजणे लोणे ॥ ३३ ॥
 गेरुअग्निसिद्धिअ, सोरट्टिअपिट्टुक्खुक्खसक्खए अ । उक्किट्टमससट्टे, ससट्टे चेव बोद्धवे ॥ ३४ ॥
 अससट्टेण हत्थेण, दक्वीए भायणेण वा । दिज्जमाण न इच्छिज्जा, पत्ताक्खम्म जहिं भवे ॥ ३५ ॥
 ससट्टेण य हत्थेण, दक्वीए भायणेण वा । दिज्जमाण पडिच्छिज्जा, ज तत्थेसणिय भवे ॥ ३६ ॥
 दुण्ह तु भुजमाणण, एगो तत्थ निमतए । दिज्जमाण न इच्छिज्जा, छद से पडिलेहए ॥ ३७ ॥
 दुण्ह भुजमाणण, दो वि तत्थ निमतए । दिज्जमाण पडिच्छिज्जा, ज तत्थेसणिय भवे ॥ ३८ ॥
 गुत्थिणीए उवण्णत्थ, विविह पाणभोअण । भुजमाण विवज्जिज्जा, सुत्तसेस पडिच्छए ॥ ३९ ॥
 सिआ य समणट्टाए, गुत्थिणी कालमासिणी । उट्टिआ वा निसीज्जा, निसन्ना वा पुणुट्टए ॥ ४० ॥
 त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अक्खिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ४१ ॥
 थणग पिज्जमाणी, दारग वा इमारिअ । त निक्खिवित्तु रोअत, आहारे पाणभोअण ॥ ४२ ॥
 त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अक्खिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ४३ ॥
 ज भवे भत्तपाण तु, कप्पक्खम्मि मरुयि । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ४४ ॥
 दगवारेण पिहिअ, नीमाए पीढएण वा । लोटेण वा विलेवेण, सिलेसेण वा वेणइ ॥ ४५ ॥
 त च उच्चिदिआ दिज्जा, समणट्टा एव दावए । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ४६ ॥
 असण पाणग वावि, राइम साइम तहा । ज जाणिज्जा सुणिज्जा वा, दाणट्टा पगड इम ॥ ४७ ॥
 त भवे भत्तपाण तु, मजयाण अक्खिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ४८ ॥
 असण पाणग वावि, राइम साइम तहा । ज जाणिज्जा सुणिज्जा वा, पुण्णट्टा पगड म ॥ ४९ ॥
 त भवे भत्तपाण तु, मजयाण अक्खिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ५० ॥
 असण पाणग वावि, राइम साइम तहा । ज जाणिज्जा सुणिज्जा वा, वणिमट्टा पगड इम ॥ ५१ ॥
 त भवे भत्तपाण तु, मजयाण अक्खिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ५२ ॥
 असण पाणग वावि, राइम साइम तहा । ज जाणिज्जा सुणिज्जा वा, समणट्टा पगड इम ॥ ५३ ॥
 त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अक्खिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ५४ ॥
 उदेसिय कीयगड, पूइक्खम्म च आहड । अज्जोअरपामिच्च, मीमजाय विवज्जण ॥ ५५ ॥
 उग्गमसे अ पुच्छिज्जा, कस्मट्टाक्खण वा कड्ड । सुच्चा निस्सन्धिय सुद्ध, पडिगाहिज्जसनए ॥ ५६ ॥
 असण पाणग वावि, राइम साइम तहा । पुप्पेसु हुज्ज उम्मीम, वीएसु हरिएसु वा ॥ ५७ ॥
 त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अक्खिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ५८ ॥
 असण पाणग वावि, राइम साइम तहा । उदगम्मि हुज्ज निक्खित्त, उच्चिगपण्णेषु वा ॥ ५९ ॥
 त भवे भत्तपाण तु, मजयाण अक्खिअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ६० ॥

अमण पाणग वावि, राइम, साइम तहा ।

उम्मि (अगणिग्गि) होज्ज निक्खित्त, त च मरुट्टिआ दए ॥

॥ ६१ ॥

- त भवे भक्तपाण तु, सजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआउक्खे, न मे कप्पइ तारिम ॥ ६२ ॥
 एव उस्सिकिया ओमकिया, उज्जालिआ पज्जालिआ निवाविया ।
 उस्सिचिया निस्सिचिया, उवराचिया (उवत्तिया)ओमारिया दए ॥ ६३ ॥
 त भवे भक्तपाण तु, मजयाण अकप्पिअ । दिंतिअ पडिआउक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ६४ ॥
 हुज्ज वट्ट सिल वावि, इट्ठाल गारि एगया । ठविअ मकमट्ठए, त च हुज्ज चलाचल ॥ ६५ ॥
 न तेण भिक्खू गच्छिज्जा, दिट्ठो तत्थ असजमो । गभीर मुसिर चेव, सत्थिदिअ समाहिय ॥ ६६ ॥
 निस्सेणि फलम पीढ, उम्सपिआ ण मारहे । मच कील च पासाय, समणट्ठा एव दावए ॥ ६७ ॥
 दुरुहमाणी पनाडज्जा, (पडिवज्जा) हत्थ पाय व लूमण ।
 पुढवीजीवे पि हिंसेज्जा, जे अ तन्निस्सिआ जगे ॥ ६८ ॥
 एआरिसे महादोसे, जाणिऊण महेसिणो । तम्हा मालोहड भिक्ख, न पडिगिण्हसिसजया ॥ ६९ ॥
 कट मूल पलव वा, आम छिन्न च सन्निर । तुनाग सिंगवेर च, आमग परिवज्जए ॥ ७० ॥
 तहेव मत्तुचुनाइ, कोलतुनाइ आरणे । मक्कुलि फालिअ पूअ, अन्न ना पि तहाविह ॥ ७१ ॥
 रिकायमाण पमढ, रएण परिकासिअ । दिंतिअ पडिआउक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ७२ ॥
 बहुअट्ठिअ पुप्पाल, अणिमिम वा बहुकटय । अत्थिय तिंदुय विह्ल उच्चुसट म मित्रलिं ॥ ७३ ॥
 अप्पे सिआ भोअणजाए, उहुउज्जय वम्मिए (य) ।
 दिंतिअ पडिआउक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ७४ ॥
 तहेपुच्चावय पाण, अदुवा वारधोअण । ससे म चाउलोदग, अहुणापोअ विपज्जए ॥ ७५ ॥
 जाजाणेज्जा चिरावाआ, मइए दमणण वा, पडिपुच्छिउण सुच्चा वा, ज च निस्सकिय भवे ॥ ७६ ॥
 अजीव पडिणय नच्चा, पडिगाहिज्ज सजण । अह मकिय भजिआ, आसाइत्ताण रोअए ॥ ७७ ॥
 थोवमासायणट्ठाए, हत्थगम्मि दलाहि मे । मामे अच्चविल पूअ, नाण तिण्ह विणित्तए ॥ ७८ ॥
 त च अच्चविल पूअ, नाण तिण्हविणित्तए । दिंतिअ पडिआउक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ ७९ ॥
 त च हुज्जा अकामेण, विमणेण पडिच्छिअ । त अप्पणा न पिव । नो पि जन्मम दावए ॥ ८० ॥
 एगतमवक्कमिआ, अचित्त पडिलेहिआ । जय पडिट्ठविज्जा, परिट्ठप्प पडिक्कमे ॥ ८१ ॥
 सिया अ गोअग्गओ इच्छिज्जा परिभुत्तुअ । बुट्ठग मित्तिमूल वा पडिठेहित्ताण फासुअ ॥ ८२ ॥
 अणुन्नविचु मेहावी, पडिच्छिन्नम्मि सवुडे । हत्थग सपमज्जिता, तत्थ भुत्तिज मजए ॥ ८३ ॥
 तत्थ से भुज्जमाणस्स, अट्ठिअ कटओ सिआ । तणक्कट्टमरर वावि, अन्न वापि तहाविह ॥ ८४ ॥
 त अक्खिअविचु न निक्खिअवे, आसएण न छट्टए । हत्थेण त गहेऊण, एगतमवक्कमे ॥ ८५ ॥
 एगतमवक्कमिआ अचित्त पडिलेहिआ । जय परिट्ठविज्जा, परिट्ठप्प पडिक्कमे ॥ ८६ ॥
 सिआ आमिक्खुइच्छिज्जा, सिज्जमाणम्म भुत्तुअ । मपिडपायमाणम्म, उट्टुअ पडिलेहिआ ॥ ८७ ॥
 विणएण परिमिआ, सगासे गुरूणो मुणी । इरियाअहियमाययाय, आग्गओ अ पत्थिक्कमे ॥ ८८ ॥
 आभोइत्ताण नीसेस, अइआर च जहक्कम । गमणागमणे चेव, भत्ते पाणे च मनए ॥ ८९ ॥
 उज्जुप्पनो अणुविग्गो, अक्खिअत्तेण चेअमा । आलोण गम्मगासे, ज जहा गहिय भवे ॥ ९० ॥
 न मम्ममालोअ हुज्जा, पुत्तिं पत्ता व ज रड । पुणो पटिक्कमे तम्म, नोमट्ठो चित्तण इम ॥ ९१ ॥

अहो जिणेहिं असावज्जा, विची साहूण देसिआ । मुक्कससाहणहेउस्स, साहुदेहस्स धारणा ॥ ९० ॥
णमुक्कारेण पारित्ता, करित्ता जिणसथव । सज्जाय पट्टवित्ताण, वीसमेज्ज खण मुणी ॥ ९३ ॥
वीससतो इम चित्ते हिपमट्ट लाभमट्टिओ । मे अणुगह वुज्जा, साह वुज्जामि तारिओ ॥ ९४ ॥
साहवो तो चिअत्तेण, निमतिज्ज जहकम । जइ तत्थ केइ इज्जिज्जा, तेहिं सद्धिं तु भुजए ॥ ९५ ॥
अह कोइ न इच्छिज्जा, तओ भुजिज्ज एकओ । आलोए भायणे साहू जय अपरिसाडिअ ॥ ९६ ॥

तित्तग च कडुअ च, कसाय अविल च महुर लग्ग वा ।

एयलद्धमन्नत्थपउत्त महु घय व भुजिज्ज मजए ॥ ९७ ॥

अरस विरस वावि, सइअ वा असइअ । उल्ल वा जइ वा सुक्क, मधुकुम्मासभोअण ॥ ९८ ॥
उप्पण नाइहीलिज्जा, अप्प वा चट्टु फासुअ । मुहालद्ध मुहाजीवी, भुजिज्जा दोसवज्जिअ ॥ ९९ ॥
दुल्लहाओ मुहादाई, मुहाजीवी, वि दुल्लहा । मुहादाई मुहाजीवी, दो वि गच्छति सुग्गह ॥ १०० ॥

॥ इअ पिंडेसणाण पढमो उहेमो समत्तो ॥

पडिग्गह सलिहित्ताण, लेणमायाइ सजए । दुग्घ वा, सब भुजे न छडुए ॥ १ ॥
सेज्जा निसीहियाए, अमावन्नो अगोचरे । अयावयट्टा भुच्चाण, जइ तेण न सथर ॥ २ ॥
तओ कारणमुप्पण्णे, भत्तपाण गवेसए । विहिणा पुवउत्तेण, इमेण उत्तरेण य ॥ ३ ॥

कालेण निक्कमे भिक्खू, कालेण य पडिक्कमे ।

अकाल च विवज्जित्ता (ज्जा), काले काल समायर ॥ ४ ॥

अकाले चरिसि भिक्खू, काल न पडिलेहिसि ।

अप्पाण च ऱिलामेसि, सन्निवेस च गरिहासि ॥ ५ ॥

सइ काले चरे भिक्खू कुज्जा पुरिसकारिअ । अलामोत्ति न सोइज्जा तओ त्ति अहियासए ॥ ६ ॥

तइबुच्चावया पाणा, भत्तट्टाए समागया । त उज्जुअ न गच्छिज्जा, जयमेव परक्कमे ॥ ७ ॥

गोअरग्गपविट्ठो अ, न निसीज्ज वत्थइ । कह च न पवधिज्जा, चिट्ठित्ताण व सजए ॥ ८ ॥

अग्गल फलिह दार, कवाड वा वि सजए । अबलविआ न चिट्ठिज्जा, गोअरग्गओ मुणो ॥ ९ ॥

समण माहण वावि, ऱिविण वा वणीमग । उवसरुमत भत्तट्टा, पाणट्टाए व सजए ॥ १० ॥

तमइक्कमित्तु न पविसे, न चिट्ठे चक्खुगोअरे । एगतमयक्कमित्ता, तत्थ चिट्ठिज्ज सजए ॥ ११ ॥

वणीमगस्म वा तस्स, दायगस्सुभयस्म वा । अप्पत्तिअ सिआ हुज्जा, लहुच पनयणस्स वा । १२ ॥

पडिसेहिए व दिन्ने वा, तओ तम्मि नियत्तिए । उअसरुमिज्ज भत्तट्टा, पाणट्टाए व सजए ॥ १३ ॥

उप्पल पउम वावि, कुमुअ ना मगदत्तिअ । अन्न वा पुप्फमच्चिच, त च सल्लचिआ दए ॥ १४ ॥

त भवे भत्तपाण तु सजयाण अकरिपअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ १५ ॥

उप्पल पउम वावि, कुमुअ ना मगदत्तिअ । अन्न वा पुप्फमच्चिच, त च सम्मदिआ टण ॥ १६ ॥

त भवे भत्तपाण तु, सजयाण अकरिपअ । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस ॥ १७ ॥

साल्लुअ वा विरालिअ, कुमुअ उप्पलनालिय । मुणालिअ सासवनालिअ उच्छुखड अनिव्वुड ॥ १८ ॥
तरुणग वा पवाल, रक्कसम तणगस्स वा । अन्नस्स वा वि हरिअस्स, आमग परिवज्जए ॥ १९ ॥

तरुणिअ वा छिवाडिं, आमिअ भजिय सय । दिंतिअ पडिआइक्खे, न मे कप्पइ तारिस २० ॥
 तहा कोलमणुस्सिन्न वेळुअ कामपनालिअ । तिलपप्पडग नीम, आमग परिवज्जए ॥ २१ ॥
 तद्व चाउल पिट्ट, विअड तचनिव्वुड । तिलपिट्टुइपिन्नाग, आमग परिवज्जए ॥ २२ ॥
 कविट्ट माउलिं च, मूलग मूलगतिअ, आम अमत्थपरिणय मणसा मि न पत्थए ॥ २३ ॥
 तदेव फलमपूणि बीचमथूणि जाणिआ । विहलग पियाल च, आमग परिवज्जए ॥ २४ ॥
 समुआण चरे भिक्खु कुलमुच्चारय सया । नीय कुलमइक्कम्म, उंसठ नाभिवारए ॥ २५ ॥
 अदीणो वित्तिमेसिजा, न विसीएज्ज पडिए । अमुणम्मि भोजणम्मि, मायण्णे एमणारण ॥ २६ ॥
 बहु परघरे अत्थि त्रिविह राअमसाइम । न तथ पडिओ कुप्पे इच्छा दिज्ज परो नरा ॥ २७ ॥
 सयणासणवथ गा, भत्त पाण च सजण । अदिंतस्म न कुप्पिज्जा, पच्चकरो वि अ दीमओ ॥ २८ ॥
 इत्थिअ पुरिस गावि, डहर वा महल्लग । वदमाण न जाइजा, नो अण फरुस उप ॥ २९ ॥
 जे न वद न से कुप्पे, वदिओ न समुक्खे । एवमन्नेसमाणम्म, मामणमणुचिट्ठ ॥ ३० ॥
 सिआ एगओ लधु लोमेण विणिगूहड । मामेय दाइय सत, दट्टण मयमायण ॥ ३१ ॥
 अचट्टा गुरुओ लुट्ठो, बहु पाप पडुव्वइ । तुत्तमओ अ से (मो) होअ, निव्वान च न गच्छ ॥ ३२ ॥
 सिआ एगओ लधु, त्रिविह पाणभोजण । भद्दग भद्दग भुच्चा, विपन्न विरसमाहर ॥ ३३ ॥
 नाणतु ता इमे समणा, आययट्ठी अय सुणी । सत्तट्ठो मेरण पत, लहविच्ची सुतोसओ ॥ ३४ ॥
 पूयणट्ठा जमोसामी, माणसमाणकामण । उहु पमवर्दे पाप, मायासठ च कुव्वड ॥ ३५ ॥
 सुर गा मरग गावि, अन्न वा मज्जग रम । समक्ख न पिवे भिक्खु जस मारक्खमपणो ॥ ३६ ॥
 पिथण एगओ तेणो, न मे कोइ विआण ॥ तस्म पस्मह दोमाअ, नियटि च सुणेह मे ॥ ३७ ॥
 वट्ठई सुडिआ तम्म, मायामोस च भिक्खुणो । अयसो अनिव्वान, मयय च अमाहुआ ॥ ३८ ॥
 निच्चुव्विग्गो जहा तणो, अत्तम्मोहिं तम्मइ । तारिमो मरणते वि न आराइइ सवर ॥ ३९ ॥
 आयरिण नाराइइ, ममणे आवी तारिसो । गिहत्था वि ण गरिहति, जेण जाणति तारिम ॥ ४० ॥
 एव तु अभुप्पही गुणाण च विवज्जए । तारिमो मरणते वि, ण आराइइ सवर ॥ ४१ ॥
 तव बुव्व मेहावी, पणीअ वज्जए रस । मज्जप्पमायविरओ, तवस्सी अडउक्खसो ॥ ४२ ॥
 तस्म पस्मह कट्ठाण अणेगमाहुपुअ । त्रिजल अत्थसजुत्त, किच्चम्म सुणेह मे ॥ ४३ ॥
 एव तु गुणप्पेही, अगुणाण च विवज्जए (ओ) । तारिमो मरणते वि आराइइ सवर ॥ ४४ ॥
 आयरिण आराइइ समणे आवि तारिमो । गिहत्था मि ण पूयति, जेम जाणति तारिम ॥ ४५ ॥
 तत्रतेणे वयतणे, रुत्रतेणे अ जे नर । आयारभात्रतेणे अ, बुव्वड ट्वम्बिम ॥ ४६ ॥
 लद्धुग मि देवत्त, उग्रन्नो ट्वम्बिम । तत्थापि से न याणा कि मे किच्चा इम फल ॥ ४७ ॥
 तन्नो पि से चत्ताण, लभ पलमूअग । नरग तिग्गिक्खन्नोणि वा, नोदी जत्थ सुदुल्लहा ॥ ४८ ॥
 एअ च दोस टट्टण, नायपुत्तेण भासिअ । अणुमाय पि मेहावी, मायामोम त्रिज्जए ॥ ४९ ॥
 सिक्खिज्जण भिक्खेमणमोहिं, मत्तयाण पुद्धानमगासे । त य भिक्खु सुप्पणिहिंए, निव्वलज्जगुणप
 विहरिज्जासि ॥ ५० ॥ त्ति वेमि ॥ ५० अ पिंटेमणाण गीओ उहेसो ॥ पचमत्तयण ममत्त ॥

॥ अहं छद्म धम्मत्थकामज्झयण ॥

नाणदसणसपन्न, मज्जे अ तवे रय । गणिमागमसपन्न, उज्जाणम्मि समोसद ॥ १ ॥
 रायाओ रायमच्चा य, माहणा अदुव सत्तिआ । पुच्छति निहृअप्पाणो, कह मे आयागोयरो ॥ २ ॥
 तेसिं सो निहुओ दतो, मवभूअसुहाणहो, सिक्खाएसु समाउत्तो, आयक्खइ प्रिअक्खणो ॥ ३ ॥
 हदि धम्मत्थकामाण निग्गथाण सुणेह मे । आयागोअर भीम, सयल दुरहिड्डिअ ॥ ४ ॥
 नन्नत्थ एरिम वुत्त, ज लोण परमदुच्चर । पिउलट्टाणभास्म, न भूअ न भविस्सइ ॥ ५ ॥
 समुट्टगविअत्ताण, वाहिआण च जे गुणा । अकरडफुडिआ कायवा, त सुणेह जहा तथा ॥ ६ ॥
 दस अट्ट य ठाणाइ, जाइ बालोअरज्झइ । तत्थ अन्नयरे ठाणे, निग्गताओ भस्मइ ॥ ७ ॥
 वयछक कायछक, अकप्पो गिहिभायण । पलियकनिम [सि] उजा य, सिणाण सोहवउज्जण ॥ ८ ॥
 तत्थिम पढम ठाण, महावीरेण देसिअ । अहिंसा निउणा दिट्ठा, सबभूएसु सज्जमो ॥ ९ ॥
 जायति लोए पाणा, तसा अदुव थावरा । ते जाणमजाण वा, न हणे णो विघायण ॥ १० ॥
 मध्वे जीया वि उच्छति, जीविउ न भरिज्जिउ । तम्हा पाणिवह घोर, निग्गथा वज्जयति ण ॥ ११ ॥
 अप्पणट्ठा परट्ठा वा, कोहा वा जइ ना भया । हिंसण न मुम वूआ, नोमि अन्न वयाए ॥ १२ ॥
 मुसागओ य लोमम्मि, सबसाहहिं गरिहो । भविस्साओ य भूआण, तम्हा भोस निउज्जए ॥ १३ ॥
 चित्तमतमच्चि वा, अप्प वा जइ वा बहु । दत्तसोहणमिच पि, उग्गहसि अजाइया ॥ १४ ॥
 त अप्पणा न गिण्हति, नो वि गिण्ह्वाए पर । अन्न या गिण्हमाण पि, नाणुजाणति सज्जया ॥ १५ ॥
 अब्बमचरिअ घोर, पभाय दुरहिड्डिअ । नायरति सुणी-लोए मेआयणज्जिणो ॥ १६ ॥
 मूलमेयमहम्मस्म, महादोमसमुस्मय । तम्हा मेहुणसगग्ग, निग्गथा वज्जयति ण ॥ १७ ॥
 विडम्भ-भेइम लोण, तिच्छ मप्पि फाणिअ । न ते मन्निदिमिच्छति, नायपुत्तवओरया ॥ १८ ॥
 लोउस्सेसणुफास, मन्ने अन्नयरामवि । जे सिया सन्निहिं काम, गिही पवइए न से ॥ १९ ॥
 ज पि उत्थ च पाय या, क्वल पायपुल्लण । त पि सज्जमलज्जट्ठा, धारति परिहरति अ ॥ २० ॥
 न सो परिग्गहो उत्तो, नायपुत्तण ताइणा । मुच्छा परिग्गहो वुत्तो इइ वुत्त महसिणा ॥ २१ ॥
 सबधुगहिणा बुद्धा, सरक्खणपरिग्गहे अवि अप्पणोऽवि दहम्मि, नायरति ममाप ॥ २२ ॥
 अहो निच्च तगो म्म, सबउदेहि वन्निअ । जा य उज्जासमा विणी, एगभत्त च भोअण ॥ २३ ॥
 सति मे सुहुमा पाणा तमा अणु थावरा । जाइ राजो उपासतो, कहमेसणिअ चरे ॥ २४ ॥
 उदउल्ल वीअसत्त, पाणा निउडिया महिं । दिआ ताइ विउज्जिआ, राजो एत्थ कह चर ॥ २५ ॥
 एअ च तेस दट्टण, नायपुत्तेण पासिय । सवाणार न भुजति, निग्गथा राइभोअण ॥ २६ ॥
 पुढविकाय न हिंसति, मणसावयसा कायसा । तिविदेण करणजोएण, सज्जया सुसमाहिआ ॥ २७ ॥
 पुढविनाय विहिसतो, हिंसईउ तयस्मिए । तसे अ विविट्ट पाणे, चक्खुसे अचक्खुसे ॥ २८ ॥
 तम्हा एअ विशाणित्ता, दोस दुग्गइउट्टण । पुढविकायममारभ, जावजीवाए वज्जए ॥ २९ ॥
 आउकाय न हिंसति मणसा वयसा कायसा । तिविदेण करणजोएण, मनया सुसमाहिआ ॥ ३० ॥

आउकाय विहिंसतो, हिंसइ तयस्मिण् । तसे अ विविहे पाणे, चक्खुसे अ अचक्खुसे ॥ ३१ ॥
 तम्हा एअ विआणित्ता, दोम दुग्गडवड्डण । आउफायममारभ, जाउज्जीराए वज्जए ॥ ३२ ॥
 जायतेअ न इच्छति पायग जल्हत्तण । तिक्कमन्नपर मत्थ, मवओ वि दुरासयं ॥ ३३ ॥
 पाइण पडिण गापि, उड्डु अणुदिमामि । अहे दाहिणिओ ना मि दहे उत्तरओ वि अ ॥ ३४ ॥
 भूआणमेममाघाओ हवणाहो न मसओ । त पइउपयाउट्ठा, मज्जण किच्चि नारमे ॥ ३५ ॥
 तम्हा एयवियाणित्ता, दोम दुग्गट्टण । तेउफायममारभ, जाउज्जीराए वज्जए ॥ ३६ ॥
 अणिलरस ममारभ, उट्ठा मन्नति तारिस । साउज्जवड्डुल चेअ, नेअ तादहिं सेविअ ॥ ३७ ॥
 तालिउटण पत्तेण, माहाविट्ठअणण ना । न ते वीउमिच्छति, वीआनेअण ना पर ॥ ३८ ॥
 ज पि वत्थ व (च) पाय ना, कउल पायपुट्टण न त जायमुट्टरति, जय परिहरति अ ॥ ३९ ॥
 तम्हा एअ विआणित्ता, दोम दुग्गट्टण । आउकायसमारभ, जाउज्जीराए उज्जए ॥ ४० ॥
 वणस्सड न हिंसति, मणमा वयसा कायसा । तिविहेण करणजोएण, मज्जया सुममाहिआ ॥ ४१ ॥
 वणस्सड विहिंसतो, हिंसइ उ तयस्मिण् । तसे अ विविहे पाणे, चक्खुसे अ अचक्खुसे ॥ ४२ ॥
 तम्हा एय वियाणित्ता, दोस दुग्गडवड्डण । वणस्सड समारभ, जाउज्जीराए उज्जए ॥ ४३ ॥
 तसकाय न हिंसति, मणमा उयसा कायसा । तिविहेण करणजोएण, मज्जया सुममाहिआ ॥ ४४ ॥
 तसफाय विहिंसतो, हिंसइ उ तयस्मिण् । तसे अ विविहे पाणे, चक्खुसे अ अचक्खुसे ॥ ४५ ॥
 तम्हा एअ विआणित्ता, दोस दुग्गडवड्डण । तमफायममारभ, जाउज्जीराए [इ] उज्जए ॥ ४६ ॥
 जाइ चत्तारि भुज्जाइ, इसिणा हारमा णि । ताइ तु विउत्तते, मनम अणुपालए ॥ ४७ ॥
 पिंड सिज्ज च वत्थ च, चउत्थ पायमेव य । अफपिअ न इच्छिज्जा, पडिगाहिज्ज फपिअ ॥ ४८ ॥
 जे नियाग ममायति, कीअमुदोसिआहड । उह ते ममणुजाणति, इअ उ (वु)त्त महसिणा ॥ ४९ ॥
 तम्हा अमणपाणाइ, कीयमुदोसियाहड । उज्जयति ठिअप्पाणो, निग्गथा वम्मवीणिओ ॥ ५० ॥
 कसेसु ममपाणसु कुडभोएसु वा पुणो । भुजतो असणपाणाट, जायग परिमस्सड ॥ ५१ ॥
 सीओत्तग समारभे, मत्तवोअणउट्टण जाइ छनति भूआइ, दिट्ठो तत्थ असज्जो ॥ ५२ ॥
 पच्छाकम्म पुरकम्म, सिआ तत्थ न रूप्पड । एअमट्ट न भुजति, निग्गथा गिहिमायणे ॥ ५३ ॥
 आसदीपलिअक्खु, मच्चमामालएसु वा । अणायरिअमज्जाण जामडत्तु मत्तु ना ॥ ५४ ॥
 नासदीपलिअक्खु, न निसिज्जा न पीटए । निग्गथा पटिलेहाए, सुद्धउत्तमहिट्ठगा ॥ ५५ ॥
 गभीरविचया एए, पाणा दुप्पटिलेहगा । आसदी पलिअक्को अ, एयमट्ट विउज्जिआ ॥ ५६ ॥
 गोअरगपविट्ठस्स, निसिज्जा जम्म रूप्पइ । इमणिममणायार, आउज्ज अवीहिअ ॥ ५७ ॥
 विउत्ती वमचेरस्स, पाणाण च वह व्हो । उणीमगपडिउराओ, पटिकोहो अणगारिण ॥ ५८ ॥
 अणुत्ती वमचेरस्स, उ यीओ वा वि मज्जण । कसीलउट्टण, गण, दुग्गो परिउज्जए ॥ ५९ ॥
 तिउहमन्नयरागस्स, निसिज्जा जस्स रूप्पइ । जराण अभिभूअस्स, वाहिअस्स तउस्सिणो ॥ ६० ॥
 नाहिओ ना अरोगी वा, मिणाण जो उ पथए । उउत्तो हो आपारो, जतो हउ मनमो ॥ ६१ ॥
 सतिमे सुट्टमा पाणा, घमासु मिल्गामु अ । जे अ भिक्खु सिणायतो, विउत्तणुपिलानए ॥ ६२ ॥
 तम्हा त न मिणायति, सीणण उसिणेण ना । जाउज्जीर उय धोर, अमिणाणमहिट्ठगा ॥ ६३ ॥

सिणाण अदुवा षक्, एद्ध पउमगाणि अ । गायस्सुवट्टणट्ठाए, नायरति कयाइ वि ॥ ६४ ॥
 नगिणस्स वावि मुडस्स, दीहरोमनहसिणो । मेहुणाओ उवसतस्म, किं विभूसाय कारिअ ॥ ६५ ॥
 विभूसावत्तिअ भिक्खु, कम्म बघइ चिक्खण । ससारमायरे घोरे, जेण पडइ दुरुत्तरे ॥ ६६ ॥
 विभूसावत्तिअ चेअ, युद्धा मन्नति तारिस । साउज्ज बहलु चेअ, नेय ताईहि सेविअ ॥ ६७ ॥
 खवति अप्पाणममोहदसिणो, तवे रया सजम अज्जवे गुणे ।
 धुणति पानाइ पुरेकडाइ नवाइ पावाइ न ते करति ॥ ६८ ॥
 सओवसता अममा अकिचणा, मविज्जविज्जाणुगया जससिणो ।
 उउप्पसन्ने विमले व चदिमा । सिद्धिं विमाणाइ उव्वंति (वयति) ताइणो ॥ ६९ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ उट्ट धम्मत्थकामज्जयण समत्त ॥ ६ ॥

॥ अह सुवक्कसुद्धी णाम सत्तम जज्जयण ॥

चउण्ह खलु भासाण, परिसराय पन्नव । दुण्ह तु विणय सिम्मे, दा न भासिज्ज मन्नमो ॥ १ ॥
 जा अ सच्चा अउत्तवा, सच्चामोसा अजा मुसा । जा अ बुद्धेहि नाइन्ना, न त भामिज्ज पन्नव ॥ २ ॥
 असच्चमोस सच्च च, अणउज्जमकक्कस । समुप्पेहमसादिद्ध गिर भासिज्ज पन्नव ॥ ३ ॥
 एय च अट्टमन्न वा, जतु नामेइ सासय । स भास सच्चमोस च पि त (पि) धीरो विउज्जए ॥ ४ ॥
 वितह पि तहामुत्ति, ज गिर भासओ नरो । वम्हा मो पुट्टो पावण, कि पुण जो मुस वए ॥ ५ ॥
 तम्हा गच्छामो उन्नमो, अमुग वा णे भविस्सइ ।
 अह वा ण करिस्सामि, एसो वा ण करिस्सइ ॥ ६ ॥
 एवमाइ उ जा भासा, एसकालम्मि सकिआ । सपयाइअमट्टे वा, त पि धीरो विउज्जए ॥ ७ ॥
 अइअम्मि अ कालम्मि, पच्चुप्पणमणागए । जमट्ट तु न जाणिज्जा, एउमेअ ति नो वए ॥ ८ ॥
 अइअम्मि अ कालम्मि, पच्चुप्पणमणागए । जत्थ सका भवे त तु, एवमेअ तु नो वए ॥ ९ ॥
 अईअम्मि य कालम्मि, पच्चुप्पणमणागए । निस्सकिअ भवे ज तु, एवमेअ तु निहिसे ॥ १० ॥
 तहेव फरुमा भासा, गुरुभूओवघाइणी । सच्चा पि सा न वत्तवा, जओ पाउस्स आगमो ॥ ११ ॥
 तहेव काण काणत्ति, पडग पडग ति वा । वाहिअ ना वि रोगि ति, तेण चोरे ति नो वए ॥ १२ ॥
 एएणन्नेण अट्टेण, परो जेणुव्वहम्मइ । आयारभाउदोसन्नु न त भासिज्ज पण्णव ॥ ३ ॥
 तहेव होले गोलि ति, माणे वा वसुलि ति अ । दमए दुहए वा वि नेव भासिज्ज पण्णव ॥ १४ ॥
 अज्जिए पज्जिए ना वि अम्मो माउस्सिअ ति अ ।
 पिउस्सिए भायणिज्ज ति, धूए णत्तुणिअ ति अ ॥ १५ ॥
 हले हलित्ति अत्ति ति, भट्टे गामिणि गोमिणि ।
 होले गोठे वसुलि ति, इत्थिअ नेवमालवे ॥ १६ ॥
 णामधिज्जेण ण वृआ, इत्थीगुत्तेण ना पुणो । जहारिहमभिगिज्ज, जालविज्ज लविज्ज वा ॥ १७ ॥

अञ्जए पञ्जए वा वि, बप्पो चुल्लपिउत्ति अ। माडलो भाडणिञ्ज चि, पुत्ते णत्तुणिअ चि अ ॥ १८ ॥
हे भो! हल्लिचि अन्निचि, मट्टा सामिअ गोमिअ। होला गोल उमूलिचि, पुरिम नेवमालवे ॥ १९ ॥
नामधिञ्जेण ण नूआ, परिपुत्तेण वा पुणो। जहारिहमभिगिञ्ज, आलविञ्ज लविञ्ज वा ॥ २० ॥
पचिदिआण पाणाण, एस इत्थी अय पुम। जाण ण नो विजाणिञ्जा, ताण जाइ चि आलवे ॥ २१ ॥
तहेण मणुम एसु, पक्खिण वा वि मरीसिण। धूले पमेइले उञ्जे, पाडमि चि अ नो वण ॥ २२ ॥
परिबुद्धे चि ण वूआ, वूआ उअविण चि अ। मनाए पीणिण वावि महामाय चि आलवे ॥ २३ ॥
तहेव गाओ दुञ्जाओ, दम्मा गोरहण चि अ। वाहिमा रहजोगि चि, नेण भासिञ्ज पण्णय ॥ २४ ॥
जुण गवि चि ण नूआ, घेणु मसदय चि अ। रदस्से महल्लए वा वि वण सवहाणि चि अ ॥ २५ ॥
तहेण गणमुञ्जाण, पवयाणि वणाणि अ। रक्खा महल पेहाए, नेव भासिञ्ज पण्णय ॥ २६ ॥
अल पामायसमाण, तीरणाणि मिहाणि अ। फलिहग्गलनाण, अल उदग्गदीणिण ॥ २७ ॥
पीठए चगरे अ, नगले मइय सिआ। जतलद्धी व नामी वा, गडिआ व अल मिआ ॥ २८ ॥
आमण मयण जाण, हुञ्जा वा किञ्चुवस्मण। भूओउत्ताणि माम, नेण भासिञ्ज पण्णय ॥ २९ ॥
तहेण गणुमुञ्जाण, पवयाणि वणाणि अ। रक्खा महल पेहाए, एण भासिञ्ज पण्णय ॥ ३० ॥
जाणमता इमे रक्खा, दीहवट्टा महालया। पयायसाला विडिमा, एण दरिमणि चि अ ॥ ३१ ॥
तहा फलाइ पकाइ, पायगञ्जा नो एण। वेलोत्थाइ टालाइ, वेहिमाइ चि नो वए ॥ ३२ ॥
अमथडा इमे अवा, बट्टनिवटिमा फला। उञ्ज बट्टमभूआ, भअरूण चि वा पुणो ॥ ३३ ॥
तहवोमहीओ पकाओ, नीलिआओ छरीअ। लाइमा भजिमाउ चि, पिट्टगञ्ज चि नो वए ॥ ३४ ॥
रूढा नहुसभूआ, विरा ओमडा वि अ। गन्धिआओ पद्मआओ, समाराउ चि आलवे ॥ ३५ ॥

तहेण सराडि नचा, किञ्च कञ्ज ति नो एण।

सेणग वावि वञ्ज चि, सुत्तिथि चि अ आगगा ॥ ३६ ॥

सराडि सग्गडि नूआ, पणिअट्ट चि तणग।

बट्टममानि तित्थाणि, आगगाण विआगर ॥ ३७ ॥

तहा नइओ पुण्णाओ, मापतिञ्ज चि नो एण।

नाणहि तारिमाउ चि, पाणिपिञ्ज चि नो एण ॥ ३८ ॥

नट्टवाहडा अगाहा, बट्टमलिउत्पिलोत्तागा। बट्टवित्थडोत्तागा आवि एव भासिञ्ज पण्णय ॥ ३९ ॥

तइव साणञ्ज जोग, परम्मअ अ निट्ठिअ। कीरमाण ति वा नचा, माणञ्ज न लवे मुणी ॥ ४० ॥

सुण्टि चि सुपकि चि, सुच्छिन्ने सुहटे मट। मुनिट्ठिण सुट्ठिचि, माणञ्ज वज्जए मुणी ॥ ४१ ॥

पयत्तपकि चि व पक्कमालव, पयत्तठिण चि व ठिणमालव।

पयणलट्ठिचि व वम्मइउअ, पद्दाग्गाटि चि व गाढमालव ॥ ४२ ॥

सञ्जुक्कस परग्ग वा, अउल नन्धि णरिम। अनिक्रिमणचच्च अत्तिअत्त चेव नो वए ॥ ४३ ॥

मव्वमअ वइस्सामि, मव्वमअ चि नो एण। अणुणी मव्व मव्व थ, एण भासिञ्ज पण्णय ॥ ४४ ॥

सुकीअ वा सुविकीअ, अग्निञ्ज रिञ्जमेव वा। इम गिण्ह म्म म्म, पणिण नो विआगर ॥ ४५ ॥

अप्पग्घे वा गहग्घे वा, कए वा विकए चि वा । पडिअट्टे सम्पुप्पन्ने, अणवज्ज विआगरे ॥ ४६ ॥
 त्थहेवासजय धीरो, आस एहि करेहि वा । सयचिद्ध वयाहित्ति, नेव भासिअ पणव ॥ ४७ ॥
 बहचे इमे असाह, लोए वुच्चति साहुणो । न लवे असाह साहुत्ति, साहु साहुत्ति आलवे ॥ ४८ ॥
 नाणदसणसपन्न, सजमे अ तवे रय । एव गुणसमाउत्त, सजय साहुमालवे ॥ ४९ ॥
 देवाण मणुआण च, तिरिआण च वुग्गह । अणुगाण जओ होउ, मा वा होउत्ति नो वए ॥ ५० ॥

वाओ वुद्ध व सीउण्ह, खेम धाय सिउ ति वा ।

कया णु हुज्ज एयाणि, मा वा होउ त्ति नो वए ॥ ५१ ॥

तहेव मेह व नह ण मणव, न देवदेव त्ति गिर बइज्जा ।

समुच्छिअ उन्नए वा पओए, बइज्ज वा वुद्ध बलाहय त्ति ॥ ५२ ॥

अतलिव्वत्त त्ति ण वृआ, गुज्जाणुचरिअ त्ति अ ।

रिद्धिमत्त नर दिस्स, रिद्धिमत्त ति आलवे ॥ ५३ ॥

तहे सानज्जणुमोअणी गिरा, जा य परोवघायणी ।

से कोहलोह भय हाम माणवो, न हासमाणो विगिर बइज्जा ॥ ५४ ॥

सुवक्खुद्धि समुपेहिआ म्पणी, गिर च वुद्ध परिवज्जए सया ।

मिअ अट्टे अणुवीइ भासए, सयाण मज्जे लहइ पससण ॥ ५५ ॥

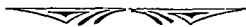
भासाइ दोसे अ गुणेअ जाणिआ, तीसेअ दुट्टे परिवज्जए सया ।

छसु सजए सामणिए सया जए, बइज्ज बुद्धे हिअमाणुलोअ ॥ ५६ ॥

परिव्वभासी सुसमाहिइदिए, चउकसायावगए अणिस्सिए ।

स निद्धुणे धुत्तमल पुरेक्कड, आराहए लोगमणि तहा यर ॥ ५७ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ सुवक्खुद्धिनाम सत्तम अज्जयण ममत्त ॥ ७ ॥



॥ अह आयारयणिही अष्टममज्झयण ॥

आयारयणिहिं लद्धु, जहा ऱायव भिक्खुणा । त मे उदाहरिस्सामि, आणुणुविं सुणेह मे ॥ १ ॥
 पुढदिग्गअगणिमारुअ, तणरुक्खस्स वीयगा । तमा अ पाणा जीव ति, डड जुत्त महेसिणा ॥ २ ॥
 तेसिं अच्छणजोएण, निच्च होअन्नय सिआ । मणसा कायवक्केण, एव हवड सजए ॥ ३ ॥
 पुढदिं भित्तिं सिल लेल्ल, नेव भिंदे न सलिहे । तिविहेण करणजोएण, सजए सुममाहिए ॥ ४ ॥
 सुद्धपुढवीं न निसीए, ससरक्खम्मि अ आसणे । पमज्जित्तु निसीइज्जा, जाडत्ता जस्म उग्गह ॥ ५ ॥
 सीओदग न सेविआ, सिलावुद्ध हिमाणि अ । उसिणोदध तत्तफामुअ, पडिगाहिज्ज सजए ॥ ६ ॥
 उदल्ल अप्पणो काय, नेव पुठे न सलिहे । समुप्पेड तहाभूअ, नो ण सघट्टए मुणी ॥ ७ ॥
 इगाल अगणिं अचि, अलाय वा सजोडअ । न उज्जिज्जा न षड्जिज्जा, नो ण निवाएण मुणी ॥ ८ ॥
 तालिअटेण पत्तेण, साहाए विहुयणेण वा । न वीइज्ज अप्पणो काय, वाहिर वा वि पुग्गल ॥ ९ ॥
 तणरक्ख न छिंदिज्जा, फल मूल च कस्सइ । आमग विविह नीअ, मणमा वि ण पत्थए ॥ १० ॥
 गहणेसु न चिट्ठिज्जा, वीएसु हरिएसु वा । उदगम्मि तहा निच्च, उत्तिंगपणणेसु वा ॥ ११ ॥
 तसे पाणे न हिंसिज्जा, वाया अदुव कम्मणा । उवरओ सबभूएसु, पासेज्ज निविह जग ॥ १२ ॥
 अट्ट सुहुमाड पेहाए, जाइ जाणित्तु मजए । दयाहिगारी भूएसु, आस चिट्ठ सएहि वा ॥ १३ ॥
 कयराड अट्ट सुहुमाइ, जाइ पुच्छिज्ज सजए । इमाड ताह मेहावी, आडक्खिज्ज निअक्खणो ॥ १४ ॥
 सिणेह पुप्फसुहुम च, पाणुत्तिंग एहेव य । पणग वीअ हरिअ च, अडसुहुम च अट्टम ॥ १५ ॥
 एवमेआणि जाणित्ता, सबभावेण सजए । अप्पमत्तो जए निच्च, मग्घिदिअसमाहिए ॥ १६ ॥
 धुव च पडिलेहिज्जा, जोगता पायक्कल । सिज्जमुच्चारभूमिं च, मथार अदुवामण ॥ १७ ॥
 उचार पामण, खेल सिंघाणजल्लिअ । फामुअ पडिलेहिता, परिट्ठाविज्ज न मजए ॥ १८ ॥
 पविमित्तु परागार, पाणट्ठा भोअणस्स वा । जय चिट्ठे मिअ भासे, न य र्वेसु मण ररे ॥ १९ ॥
 चहु सुणेड कण्णेहिं, बहू अच्छीहिं पिन्डइ । न य दिट्ठ सुअ सव्व भिक्खु अक्खवाउमरिहइ ॥ २० ॥
 सुअ मा जइ वा दिट्ठ, न लविज्जोपघाडअ । न य नेण उवाएण, गिहिजोग ममायर ॥ २१ ॥
 निट्ठाण रसनाज्जट्ठ, भदग पावग ति वा । पुट्ठो वापि अपुट्ठो वा, लाभालाभ न निहिसे ॥ २२ ॥
 न य भोअणम्मि गिद्धो, चरे उल्ल अपिपिरो । अफामुअ न मुज्जीज्जा, ऱीअमुए मिआइड ॥ २३ ॥
 मनिहीं च न कुब्बिज्जा, अणुमाय पि सत्तण । मुहापीपी अमवद्धे, हविज्ज जगनिस्सिमए ॥ २४ ॥
 ल्हविचि सुसत्तुट्ठे, अपि छे सुहर मिआ । आसुरत्त न गच्छिज्जा, सुचा ण त्तिणमामण ॥ २५ ॥
 कण्णसुक्खेहिं सदेहिं, प्रेम नामिनि वेमए । दारण ऱक्कम फास, काएण अट्ठिआमए ॥ २६ ॥
 सुइ पिवास दुस्सिज्ज, सीउण्ह अरइ भय । आहिआसे अन्नहिओ देहदु ग महाअ ॥ २७ ॥
 अत्थ गयम्मि आइ चे, पुरत्था अ अणुग्गए । आहारभाडअ मव्व, मणसा वि ण पत्तण ॥ २८ ॥
 अतिंतिणे अचमले, अप्पभामी, मिआमणे । हविज्ज उअर दत्त, थोप लत्थु न गिमण ॥ २९ ॥
 न वाहिर परिभवे अत्ताण न ममुक्खसे । मुअलामे न मत्तिज्जा, तत्ता तत्तम्मि पुट्ठिण ॥ ३० ॥

से जाणमजाण वा, कट्ट आहम्मिअ पय । सवरे सिप्पमप्पाण, वीअ त न समायरे ॥ ३१ ॥
 अणायार परक्कम्म, नेव गूढे न निण्हवे । सुई सया त्रियडभावे, असमत्ते जिइदिए ॥ ३२ ॥
 अमोह वयण कुज्जा, आयरीअस्ता महप्पणो । त परिगिज्ज वायाए, कम्मणुणा उववायए ॥ ३३ ॥
 अधुव जीविअ नच्चा, सिद्धिमग्ग विआणिआ । विणिअट्टिज्ज मोगेसु, आउ परिमिअमप्पणो ॥ ३४ ॥
 बल थाम च पेहाए, सद्धामारुग्गमप्पणो । सित्त काल च विच्चाय, तहप्पाण निजुजए ॥ ३५ ॥
 जरा जाव न पीडेइ, वाही जाव न वट्टइ । जाविदिआ न हायति, तार धम्म समायरे ॥ ३६ ॥
 कोह माण च माय च, लोभ च पापउट्ठण । उमे चत्तारि दोसे उ, इच्छतो हिअमप्पणो ॥ ३७ ॥
 कोहो पीइ पणासेइ, माणो विणयनासणो । माया भित्ताणि नासेइ, लोभो सव्वविणामणो ॥ ३८ ॥
 उवसमेण ढणे कोह, माण मद्दवया जिणे । मायमज्जरभावेण, लोभ सतोसओ जिणे ॥ ३९ ॥

कोहो अ माणो अ अणिग्गहीआ, माया अ लोभो अ पवहुमाणा ।

चत्तारि एए कसिणा कमाया, सिंचति मूलाइ पुणब्भयस्स ॥ ४० ॥

रायणिएसु विणय पउजे, धुवसीलय रायय न हावइज्जा ।

कुम्भु उ अल्लीणपलीणगुत्तो, परक्कमिज्जा तउसजम्मि ॥ ४१ ॥

निद्द च न बहु मन्निज्जा, सप्पहास विवज्जए । मिहो कहाहिं न रमे, सज्जायम्मि रओसया ॥ ४२ ॥

जोग च समणधम्मम्मि, जुजे अनलसो धुव । जुत्तो अ समणधम्मम्मि, अट्ट लहइ णणुत्तर ॥ ४३ ॥

इहलोगपारत्तहिअ, जेण गच्छइ सुग्गइ । बहुस्सुअ पज्जुरासिज्जा, पुच्छिउज्जथविणिच्छअ ॥ ४४ ॥

इत्थ पाय च काय च, पणिणाय चिइदिए । अल्लीणगुत्तो निसिए, मगासे गुरुणो मुणी ॥ ४५ ॥

न पक्खओ न पुरओ, नेव किच्चाण पिट्ठओ । न य ऊरु समासिज्ज, चिट्ठिज्जा गुरुणतिए ॥ ४६ ॥

अपुच्छिओ न भासिज्जा, भासमाणस्स अउरा । पिट्ठिमस न राइज्जा, मायादोस विवज्जए ॥ ४७ ॥

अपपत्तिअ जेण सिआ, आसु कुप्पिज्ज वा परो ।

सव्वसो त न भासिज्जा, भास अहिअगामिणिं ॥ ४८ ॥

दिट्ठ मिअ असदिट्ठ, पडिपुत्त विअ जिअ । अयपिरमणुव्विग्ग, भास निसिर अत्त ॥ ४९ ॥

आयारपन्नत्तिधर, दिट्ठिवायमहिज्जग । वायनिकसलिय नच्चा, न त उवहसे मुणी ॥ ५० ॥

नक्खत्त सुमिण जोग, निमित्त मतभेसज । गिहिणो त न आइक्खे, भूआहिगरण यय ॥ ५१ ॥

अन्नट्ट पगड लयण, भइज्जा सयणासण । उच्चारभूमिसपन्न, इत्थीपसुविवज्जिअ ॥ ५२ ॥

वित्रित्ता अ भवे सिज्जा, नारीण न लव कह । गिहिसथव न कुज्जा, कुज्जा माहहि सथव ॥ ५३ ॥

जहा कुक्कडपोअस्स, निच कुललओ भय । एव खु बभयारिस्स, इत्थीविग्गहओ नय ॥ ५४ ॥

चित्तिभिच्चिं न निज्जाए, नारिं वा सअलकिअ । भक्खर पिउ दट्ठण, दिट्ठिं पडिमसमाहरे ॥ ५५ ॥

इत्थपायपडिच्छिन्न, कन्ननासविगप्पिअ । अवि वासमय नारिं, बभयारि विवज्जए ॥ ५६ ॥

निभूसा इत्थिसमग्गी, पणीअ रसभोअण । नरस्मत्तगवेसिस्स, विस तालउड जहा ॥ ५७ ॥

अगपच्चगसठाण, चारल्लविअपेहिअ । इत्थीण त न गिज्जाए, कामरागविवहुण ॥ ५८ ॥

विसएसु मणुण्णेषु, पेम नाभिनिवेमए । अणिच्च तेसि विण्णाय, परिणाम पुग्गलाण उ ॥ ५९ ॥

पोगलाण परिणाम, तेसि नचा जहा तहा । विणीअतिण्हो विहरे, सीर्भूएण अप्पणा ॥ ६० ॥
 जाइ सद्दाइ निक्खतो, परिआयट्ठाणमुत्तम । तमेव अणुपालिज्जा, गुणे आयरियसमए ॥ ६१ ॥
 तव चिम सजमजोगय च, सज्झायजोग च सया अहिट्ट ए ।
 खरे व सेणा सम्मत्तमाउहे, अलमप्पणो ढोड अल परेसि ॥ ६२ ॥
 सज्झायसुज्जाणरयस्म ताइणी, अपावभावस्म तवे रयस्स ।
 विसुज्जटं ज सि मल पुरेक्कड, समीरिअ र्पमल व जोइणा ॥ ६३ ॥
 से तारिसे दुक्खमहे चिइदिए, सुएण जुत्ते अममे अक्किचणे ।
 विरायई कम्मघणाम्मि अवगए, कसिणभपुडावगमे व चदिम ॥ ६४ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ आचारपणिही णाम अट्टममज्झयण ममत्त ॥ ८ ॥

॥ अह विणयसमाही णाम नवममज्झयण ॥

थभा व कोढा व मयप्पमाया, गुरुस्सगासे विणय न सिम्भे ।
 सो चेव उ तस्स अभूइभावो, फल व कीअस्म उहाय होइ ॥ १ ॥
 जे आवि मदि त्ति गुरु विरत्ता, डहरे इमे अप्पसुए त्ति नचा ।
 हीलति मिन्ठ पडिउज्जाणा, करति आसायण ते गुरूण ॥ २ ॥
 पगईए मदा वि भवति एगे, डहरा वि अ जे सुअउद्धोववेआ ।
 आचारमता गुणसुट्टिअप्पा, जेहीलिआ सिहिरिव भाम कुज्जा ॥ ३ ॥
 जे आवि नाग डहर ति नचा, आसायए से अहिआय हो ।
 एवारियअ पि ह्ठ हीलयतो, निअन्ठइ आडपह खु मणे (द) ॥ ४ ॥
 आसीविसो वावि पर सुट्टो, कि जीवनामाउ पर न इज्जा ।
 आयरिआया पुण अप्पसन्ना, अबोहिआमायण नत्थि मुक्खो ॥ ५ ॥
 जो पावग जलिअमउक्किज्जा, आसीविम मा वि ह्ठ मोउज्जा ।
 जो वा विस खाय जीविअट्टो एमोउमायाणया गुरूण ॥ ६ ॥
 सिआ हु से पावय नो डहिज्जा, आसीविसो वा कुविओ न भक्खे ।
 सिआ विम हालहल न मारे, न आवि मुक्खो सुट्टीहलणाए ॥ ७ ॥
 जो पवप सिरमा भिनुमिच्छे, सुत्त व सीह पडिओहइज्जा ।
 जो वा दए सत्तिअग्गे पहार, एमोउमायाणया गुरूण ॥ ८ ॥
 सिआ ह्ठ सीसण गिरिं पि भिंद, सिआ हु सीहो कुविओ न भक्खे ।
 सिआ न भिदिज्ज व सत्तिअग्ग, न आवि मुक्खो सुट्टीहलणाए ॥ ९ ॥
 आयरिअवाया पुण अप्पमत्ता, अबोहिआसायण नत्थि मुक्खो ।
 उम्हा अणापाहसुहामिउग्गी, गुरुप्पसायामिमुहो रमिज्जा ॥ १० ॥
 जहाहिअग्गी जलण नमसे, नाणाहुइमतपयामिसिच्च ।

एवापरिअ उवचिद्वहज्जा, अणतनाणोवगओ वि सतो ॥ ११ ॥
 जस्ततिए धम्मपयाइ सिक्खे, तस्ततिए वेणइय पउजे ।
 भक्कारए सिरसापजलीओ, कापग्गिरा भो मणसा अ निच्च ॥ १२ ॥
 लज्जा दया सजमवभचेर, कल्लणमागिस्स विसोहिटाण ।
 जे मे गुरू सययमणुसासयति, तेहिं गुरू सयय पूजयामि ॥ १३ ॥
 जहा निसते तवणच्चिमाली, पभासई केवलमारह तु ।
 एवापरिओ सुअसीलवुद्धिए, विरापई सुरमज्जे व इदो ॥ १४ ॥
 जहा ससी कोमुइजोगजुत्तो, नक्खत्तारागणपरिउडप्पा ।
 खे सोहई विमले अन्भमुक्के, एव गणी सोहई भिक्खुमुज्जे ॥ १५ ॥
 महागरा आयरिआ महेसी, ममाहिजोगे सुअसीलवुद्धिए ।
 सपानिउकामे अणुत्तराड, आराहए तोमइ वम्मकामी ॥ १६ ॥
 सुच्चा ण मेहावी सुभासिआइ, सुस्समए आयरिअप्पमत्तो ।
 आराहइत्ताण गुणे अणेगे, से पावई मिद्धिमणुत्तर ति वेमि ॥ १७ ॥
 ॥ इअ विणयसमात्तिज्जयणे पढमो उद्वेसो ममत्तो ॥

मूलाउ उवप्पभओ दुमस्म, सुधाउ पच्छा समुविति साहा ।

साहप्पसाहा विरहति पत्ता, तओ सि (से) पुप्फ च फल रसो अ ॥ १ ॥

एव धम्मस्स विणओ, मूल परमो अ से मुक्खो, जेण किंतिं सुअ सिद्ध, नीसेस चाभिगच्छइ ॥ २ ॥

जे अ च्छे मिए वद्धे, दुबाई नियडी मटे । वुज्जह से अणिणीअप्पा, कट्ट सोअगय जहा ॥ ३ ॥

विणयम्मि जो उगाएण, चौइओ कुप्पइ नरो । दिव्य सो सिरिमिच्चति, दढेण पडिसेहिए ॥ ४ ॥

तहेव अविणीअप्पा, उवउज्जा हया गया । दीसति दुहमेहता, आभिओगमुवट्ठिआ ॥ ५ ॥

तहेव सुविणीअप्पा, उवउज्जा हया गया । दीसति सुहमेहता, इट्ठि पत्ता महायसा ॥ ६ ॥

तहेव अविणीअप्पा, लोगम्मि नरनारिओ । दीसति दुहमेहता, छाया तं विगलिंदिआ ॥ ७ ॥

दडसत्थपरिज्जुत्ता असवभयणेहि अ । कलुणा विउत्तच्छदा, सुप्पिवापपरिगया ॥ ८ ॥

तहेव सुविणीअप्पा, लोगसि नरनारिओ । दामति सुहमेहता, इहंदि पत्ता महायसा ॥ ९ ॥

तहेव अविणीअप्पा, देवा जक्खा अ गुज्जगा । दीसति दुहमेहता, आभिओगमुवट्ठिआ १० ॥

तहेव सुविणीअप्पा, देवा जक्खा अ गुज्जगा । दीसति सुहमेहता, इट्ठि पत्ता महायसा ॥ ११ ॥

जे आयरिअउउग्गायाण, सुस्ससाउयण कर । तेसिं सिक्खा पवइदति, जलसिच्चा इव पायवा ॥ १२ ॥

अप्पणट्ठा परट्ठा वा, सिप्पा षेउणिआणि अ । गिहिणो उवभोगट्ठा, इहलीगस्स कारणा ॥ १३ ॥

जेण वध वह धोर, परिआउ च दारुण । सिक्खमाणा निअच्छति जुत्ता ते ललिइदिआ ॥ १४ ॥

ते वि त गुरु पूअति तस्स सिप्पस्स कारणा । सकारति नमसति, तुट्ठा निर्देसउत्तिणो ॥ १५ ॥

कि पुण जे सुअगाही, अणतहिअकामण । आयरिआ च वए भिक्खू तम्हा त नाइवचए ॥ १६ ॥

नीअ सिज्ज गइ ठाण, नीअ च आसणाणि अ । नीअ च पाए वदिज्जा, नीअ बुज्जा अ अजलि ॥ १७ ॥
सघट्टत्ता काएण, तहा उगहिणामवि । खमेह अवराह मे, वइज्ज न पुणु त्ति अ ॥ १८ ॥
दुग्गओ वा पओएण, चोइओ वहइ रह । एव दुबुद्धिं किच्चाण, बुत्तो बुत्तो पकुव्वइ ॥ १९ ॥
आलवते लवते वा, न निसिज्जाए पडिस्सुणे । मुत्तूण आसण वीरो, सुस्समाए पडिस्सणे ॥ २० ॥
काल छदोवयार च, पडिलेहिच्चाण हेउहिं । तेण तेण उवाएण, त त सपडिवायए ॥ २१ ॥
विवति अविणीअस्स, सपत्ती विणिअस्म य । जस्सय दुइओ नाय, सिक्खसे अभिगच्छइ ॥ २२ ॥
जे आरि चडे मइइड्डिगारवे, पिद्धणे नरे साहसडीणपेसणे ।
अदिट्ठधम्ममे विणए अकोपिए, असविभागी न हु तम्म सुक्खो ॥ २३ ॥
निद्देसपित्ती पुण जे गुरूण, सुअत्थधम्मा विणयम्मि कोविआ ।
तरित्तु त ओधमिण दुरुत्तर, रवित्तु कम्म गइमुत्तम गया ॥ २४ ॥
त्ति वेभि इअ विणयसमाहिणामज्झयणे वीओ उअसो समत्तो ॥

आयरिअ(अ) जग्गिमिआहिअग्गी, सुस्ससमाणो पडिजागरिज्जा ।
आलोअ इग्गिअमेव नच्चा, जो छदमाराहयई स पुज्जो ॥ १ ॥
आयारमट्टा विणय पउजे, सुस्ससमाणो परिगिज्ज वक् ।
जहोवइइअ अभिकरुण्णो, गुरु च नामायइ जे म पुज्जो ॥ २ ॥
रायणिएसु विणय पउजे डहरा वि अ जे परिआयजिट्ठा ।
नीअत्तणे वट्टइ सच्चवइ, ओपायव उक्करं म पुज्जो ॥ ३ ॥
अन्नायउळ चरइ विसुद्ध, जणणट्टया ममुआण च निच्च ।
अलद्धुअ नो परिदेव इज्जा, लद्धु न विक्थइ स पुज्जो ॥ ४ ॥
सथारसिज्जायणभत्तपाणे, अपिच्छया अइलामे नि सत्ते ।
जो एवमप्पाणभित्तीसइज्जा, सतोसपाहन्नए स पुज्जो ॥ ५ ॥
मका सहउ आसाइ कटया, अओमया उच्छहया नरेण ।
अणासए जो उ सहिज्ज कटण, वडमण कन्नसरे म पुज्जो ॥ ६ ॥
सुट्टत्तदुक्खवा उ हनति कटया, अओमया ते नि तओ सुउद्धरा ।
यायादुरुत्ताणि दुरुद्धराणि, वेराणुवधीणि मयुक्कमयाणि ॥ ७ ॥
ममावयता वयणाभिघाया, रन्नगया दुम्मणिअ जाणति ।
धम्मु त्ति च्छिा परमग्गद्धरे, जिहदिए जो महइ म पुज्जो ॥ ८ ॥
अवण्णवाय च परम्मुहस्स, पच्चक्खओ पडिणीअ च भाम ।
ओहारणि अप्पिअरारणि च, भाम न भासिज्ज मया म पुज्जो ॥ ९ ॥
अलोएए अक्कुइए अमाइ, अपिमृणे आवि अदीणवित्ती ।
नो भावण्णो वि अ भात्रिअप्पा, अओउहल्लेअ मया म पुज्जो ॥ १० ॥

गुणेहि साहू अगुणेहिऽसाहू, गिण्हाहि साहू गुण शुचऽसाहू ।
 विआणिआ अप्पगमप्पण, जो रागदोसेहिं समो स पुज्जो ॥ ११ ॥
 तद्देव डहर च महल्लग वा, इत्थी पुम पवइअ गिहिं वा ।
 नो हीलए नो वि अ खिसइज्जा थम च कोह च चए पुज्जो ॥ १२ ॥
 जे माणिआ सययय माणयति जत्तेण कन्न व निवेशयति ।
 ते माणए माणरिहे तवस्सी, जिइदिए सचरण स पुज्जो ॥ १३ ॥
 तेसिं गुरुण गुणमायराण, सुच्चाण मेहावि सुभासिआइ ।
 चरे मुणी पचरण तिगुत्तो, चउकसायावगए स पुज्जो ॥ १४ ॥
 गुरुमिह सयय पडिगारिअ मुणी, जिणमयनिउणे अभिगमकुसले ।
 धुणिअ रयमल पुरेकड, भासुरमउल गइ वह (गय) ॥ १५ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ विणयसमाहीण तडओ उद्देसो समत्तो ॥

सुअ मे आउत्त-तेण भगवथा एवमकत्ताय । इह खलु थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमा
 हिठणा पन्नत्ता । कयरे खलु ते थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमाहिठ्ठणा पन्नत्ता । इमे खलु ते
 थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमाहिठ्ठणा पन्नत्ता । तजहा-विणयसमाही, सुअसमाही, तवस
 माही, आयारसमाही । “विणए सुए अ तवे, आयारे निच्च पडिआ । अभिरामयति अप्पाण, जे
 भवति जिइदिआ” चउबिहा खलु विणयसमाही भवइ । तजहा-अणुमासिज्जतो, सुस्सइ । सम्म
 पडिउज्जड । वयमारहइ । न य भवइ अत्तसपगगहिए । चउत्थ पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो ॥
 “पद्देइ हिसाणुसासण, सुम्भमइ त च पुणो अहिठ्ठिए । न य माणमएण मज्जइ, विणयसमाहिआ
 ययट्ठिए” ॥ २ ॥ चउबिहा खलु सुअसगाही भवइ । तजहा-सुअ मे मविस्सइ त्ति अज्झाइअव्व
 भवइ । एगग्गचित्तो भविस्सामि त्ति अज्झाइअव्व भवइ । अप्पाण ठाउइस्सामि त्ति अज्झाइअव्व
 भवइ । ठिओ पर ठावइस्सामि त्ति अज्झाइअव्व भवइ । चउत्थ पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो ॥
 “नाणमेगग्गचित्तो अ, ठिओ अ ठाव” पर । सुआणि अ अहिज्जित्ता, रओ सुअसाहिए” ॥ ३ ॥
 चउबिहा खलु तवसमाही भवइ । तजहा-नो इहलोगट्ठयाए तवमहिठ्ठिज्जा, नो परलोगट्ठयाए तव
 महिठ्ठिज्जा, नो किचिन्नमइसिलोगट्ठयाए तवमहिठ्ठिज्जा, नन्नत्थ निज्जरट्ठयाए तवमहिठ्ठिज्जा ।
 चउत्थ पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो ॥ “विभिहगुणतपोरण, निच्च भवइ थिरासए निज्जर
 ट्ठिए । तवसा धुणइ पुराणपावग, जुत्तो सया तवसमाहिए” ॥ ४ ॥ चउबिहा खलु आयारसमाही
 भवइ । तजहा-नो इहलोगट्ठयाए आयारमहिठ्ठिज्जा, नो नो परलोगट्ठयाए आयारमहिठ्ठिज्जा, नो
 किच्चिन्नमइसिलोगट्ठयाए आयारमहिठ्ठिज्जा, नन्नत्थ आरहतेहिं हेऊहिं आयारमहिठ्ठिज्जा । चउत्थ
 पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो । “जिणवयणरण अत्तितणे, पडिपुन्नययमाययट्ठिए । आया
 समाहिसवुडे, भवइ अ दते भाउसघए ॥ ४ ॥ अभिगम चउरो समाहिओ, सुविघुदो सुसमाहिअ
 प्पणो । पिउलहिअ सुदावह पुणो, कुवइ अ सो पयखेममप्पणो ॥ ६ ॥ जाइमरणाओ शुब्बइ इत्थत्थ

च चण्ड सबसो । सिद्धे वा हनड सासए, देवे वा अप्परए महिद्धिए ॥ ७ ॥

त्ति वेमि ॥ इअ विणयममाही नाम चउत्तो उहेमो नममज्झयण समत्त ॥ ९ ॥

॥ अह भिक्खू नाम दसमज्झयण ॥

तिक्खम्ममाणाह अ बुद्धयणे, निच्च चित्तसमाहिओ हविज्जा ।
 इत्थीण वस न आवि गन्डे, वत्त नो पटिआवड जे म भिक्खू ॥ १ ॥
 पुण्णि न राणे न खणावण, सीओदग न पिए न पिआए ।
 अगणि मत्थ जहा मुनिसिअ, त न जले न जलाए जे म भिक्खू ॥ २ ॥
 अनिलेण न वीए न वीयाए, हरियाणि न ठिंदे न छिंआए ।
 गीआणि सया विरज्जयतो, सचित्त नाहारण जे स भिक्खू ॥ ३ ॥
 वहण तसयापराण होइ, पुढरितणम्हनिस्मिआण ।
 तम्हा उणिसिअ न भुजे नो रि, पए न पयावण जे स भिक्खू ॥ ४ ॥
 रोडअ नाथपुत्तयणे, अत्तममे मन्निज्ज छप्पि काए ।
 पच य फासे मड्ढयाइ, पचामनसवरे जे स भिक्खू ॥ ५ ॥
 चत्तारि वमे मया रुसाए, धुनजोगी हविज्ज बुद्धयणे ।
 अहणे निज्जायरयण, गिहिजोग परिज्जए जे स भिक्खू ॥ ६ ॥
 मम्मदिद्धी सया जमूडे, अत्थि ह्नु नाणे तवे सजमे अ ।
 तत्तसा धुणइ पुराणपावग, मणययत्तायमुसजुड जे म भिक्खू ॥ ७ ॥
 तहेअ असण पाणग वा, विविह खात्तमाइम लभित्ता ।
 होही अट्ठो सुण परे वा, त न निहे न निहाए जे म भिक्खू ॥ ८ ॥
 तहेअ अमण पाणग वा, विविह खात्तमात्तम लभित्ता ।
 छट्ठिअ साहम्मिआण भुज, भुत्ता मज्झायए ज म भिक्खू ॥ ९ ॥
 न य गुग्गहिअ कह कहिज्जा, न य वुप्पे निट्ठटिण पसत ।
 सनमधुननोगजुत्ते, उतसत्ते उरहट्टए जे म भिक्खू ॥ १० ॥
 जो महड ह्नु गायकटण, अक्कोमपहारतज्जणाओ अ ।
 भयभेरवमहमप्पहाम, ममसुहदुक्कसहे अ जे स भिक्खू ॥ ११ ॥
 पडिम पडिवाज्जिआ समाणे, नो भायण भयभेरान् दिस्म ।
 विविहगुणतयोगए अ निच्च, न मरीर चाभिक्खण जे म भिक्खू ॥ १२ ॥
 अमइ पोसिट्ठचत्तदे, अकुट्ठे व हए लूसिए ग ।
 पुढविममे मुणीइविज्जा अनिआणे अक्कोउट्ठे जे म भिक्खू ॥ १३ ॥
 अभिभूअ काएण परीमदाइ, समुद्धर जाइपहाउ अप्पय ।
 विउत्तु जाइमरण महन्भय, तव रण मामणिण जे म भिक्खू ॥ १४ ॥

गुणेहि साहू अगुणेहिऽसाहू, गिण्हाहि साहू गुण मुचऽसाहू ।
 विआणिआ अप्पगमप्पएण, जो रागदोसेहिं समो स पुज्जो ॥ ११ ॥
 तदेव डहर च महल्लग वा, इत्थी पुम पव्वइअ गिहिं वा ।
 नो हीए नो वि अ खिसइज्जा थम च कोह च चए पुज्जो ॥ १२ ॥
 जे माणिआ सययय माणयति जत्तेण कन्न व निवेसयति ।
 ते माणए माणरिहे तवस्सी, जिहदिए सच्चरए स पुज्जो ॥ १३ ॥
 तेसिं गुरुण गुणसायराण, सुच्चाण मेहावि सुभासिआइ ।
 चरे म्पणी पचरए तिगुत्तो, चउकसापायणए स पुज्जो ॥ १४ ॥
 गुरुमिह सयय पडिगरिअ म्पणी, जिणमयनिउणे अभिगमकुसले ।
 पुणिअ रयमल पुरेकड, भासुरमउल गइ वइ (गय) ॥ १५ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ विणयसमाहीए तइओ उद्देसो समत्तो ॥

सुअ मे आउत्त-तेण भगवथा एवमकप्राय । इह खलु थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमा
 हिटाणा पन्नत्ता । कयरे खलु ते थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमाहिट्टाणा पन्नत्ता । इमे खलु ते
 थेरेहिं भगवतेहिं चत्तारि विणयसमाहिट्टाणा पन्नत्ता । तजहा-विणयसमाही, सुअसमाही, तवस
 माही, आयारसमाही । “विणए सुए अ तवे, आयारे निच्च पडिआ । अमिरामयति अप्पाण, जे
 भवति जिहदिआ” चउव्विहा खलु विणयसमाही भवइ । तजहा-अणुमासिज्जतो, सुस्ससइ । सम्म
 पडिवज्जइ । वयमाराहइ । न य भवइ अत्तसपग्गहिए । चउत्थ पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो ॥
 “पेहेइ हिसाणुसासण, सुस्समइ त च पुणो अहिट्टिए । न य माणमएण मज्जइ, विणयसमाहिआ
 ययट्टिए” ॥ २ ॥ चउव्विहा खलु सुअसमाही भवइ । तजहा-सुअ मे मनिस्सइ त्ति अज्झाइअव्व
 भवइ । एगग्गच्चित्तो मनिस्सामि त्ति अज्झाइअव्वय भवइ । अप्पाण ठाउडस्सामि त्ति अज्झाइअव्वय
 भवइ । ठिओ पर ठावइस्सामि त्ति अज्झाइअव्वय भवइ । चउत्थ पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो ॥
 “नाणमेगग्गच्चित्तो अ, ठिओ अ ठावइ पर । सुआणि अ अहिज्जित्ता, रओ सुअसाहिए” ॥ ३ ॥
 चउव्विहा खलु तवसमाही भवइ । तजहा-नो इहलोगट्टयाए तवमहिट्टिज्जा, नो परलोगट्टयाए तव
 महिट्टिज्जा, नो कित्तिवन्नमइसिलोगट्टयाए तवमहिट्टिज्जा, नन्नत्थ निज्जरट्टयाए तवमहिट्टिज्जा ।
 चउत्थ पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो ॥ “निविहगुणतोरए, निच्च भवइ थिरासए निज्जर
 ट्टिए । तवसा धुणइ पुराणपावग, जुत्तो सया तवसमाहिए” ॥ ४ ॥ चउव्विहा खलु आयारसमाही
 भवइ । तजहा-नो इहलोगट्टयाए आयारमहिट्टिज्जा, नो नो परलोगट्टयाए आयारमहिट्टिज्जा, नो
 कित्तिवन्नमइसिलोगट्टयाए आयारमहिट्टिज्जा, नन्नत्थ आरहतेहिं हेउहिं आयारमहिट्टिज्जा । चउत्थ
 पय भवइ । भवइ अ इत्थ सिलोगो । “जिणवयणरए अतिवत्ते, पडिपुन्नाययमायपट्टिए । आया
 समाहिसवुडे, भवइ अ दत्ते भावसयए ॥ ४ ॥ अभिगम चउरो समाहिओ, सुविमुद्धो सुममाहिअ
 प्पणो । निउलहिअ सुद्धान्ह पुणो, कुव्वइ अ सो पयखेममप्पणो ॥ ६ ॥ जाइमरणाओ मुच्चइ इत्थत्थ

जया अ माणिमो होइ, पच्छाहोइ अमाणिमो । सिद्धिब कबडे छूटो, स पच्छा परितप्पइ ॥ ५ ॥
जया अ धेरओ होइ, समरकतजुवणो । मच्छुब गलिं गलिता, स पच्छा परितप्पइ ॥ ६ ॥
जया अ कुकुबुवस्म, कुतत्तीहिं विहम्मइ । हत्थी व वधणे बद्धो, स पच्छा परितप्पइ ॥ ७ ॥
पुत्तदारपरिक्किन्नो, मोहसताणसतओ । पफोसन्नो जहा नागो, स पच्छा परितप्पइ ॥ ८ ॥
अज्ज आह गणी हुतो, भाविअप्पा बहूस्पुओ । जइ हरमतो परिआए, सामन्ने जिणदेसिए ॥ ९ ॥
देवलोमसमाणो अ, परिआओ महसिण । रयाण, अरयाण च, मदानरयसारिसो ॥ १० ॥

अमरोवम जाणिअ सुक्खमुत्तम, रयाण परिआए तहारयाण ।
निरओवम जाणिअ दुक्खमुत्तम, रमिज्ज तम्हा परिआयपडिए ॥ ११ ॥
धम्माउ भट्ट सिरिओववेय, जन्नाग्गि विज्जायमिअप्पतेअ ।
हीलति ण दुच्चिहिए कुसीला, दाढुद्धिअ घोरविस व नाग ॥ १२ ॥
इहेव यम्मो अपसो अकित्ती, दुन्नामधिज्ज च पिहुज्जणम्मि ।
चुअस्स धम्माउ अहम्मसेविणो, सभिन्नवित्तस्म य हिद्धओ गई ॥ १३ ॥
भुजित्तु भोगाइ पमज्ज चेअसा, तहाविह कट्टु असजम बहु ।
गड च गच्छे अणहिज्जिअ दुह बोही अ से नो सुलहा पुणो पुणो ॥ १४ ॥
इमस्म ता नेरइअस्स जतुणो, दुट्ठोवणीअस्स किलेसउत्तिणो ।
पलिओवम झिज्जइ सागरोरम, किमग पुण मज्ज इम मणोदुह ॥ १५ ॥
न मे चिर दुक्खमिण भविस्सइ, असामया भोगपिवाम जतुणो ।
न चे सरीरेण इमेण त्तिस्मइ, अविस्सइ जीविअपञ्चवेण मे ॥ १६ ॥
जस्सेवमप्पा उ हविज्ज निच्छिओ, चइज्ज दह न हू धम्मसामण ।
त तारिम नो पइलिति इदिआ, उविति वाया उ सुदसण गिरिं ॥ १७ ॥
इच्चेव मपस्सिअ बुद्धिम नरो आय उवाय विविह विआणिआ ।
काएण वाया अट्ट माणसेण त्रिगुत्तिगुचो जिणयणमहिद्धिज्जासि ॥ १८ ॥
त्ति वेमि ॥ इअ रइवक्का पढमा चूला समत्ता ॥ १ ॥

॥ अह विवित्तचरिया वीआ चूलिआ ॥

चूलिअ तु पवक्खामि, सुअ केरलिभासिअ । ज सुणित्तु सुपुण्णाण, यम्मो उप्पज्जए मइ ॥ १ ॥
अणुसोअपट्टिए बहुजणम्मि परिसोअलद्धलक्खेण । पडिसोअमेअ अप्पा, दायवो होउत्तामेण ॥ २ ॥
अणुसोअसुहो लोओ, पडिसोओ आमवो सुविहिआणाअणुसोओ मसरो, पडिमोओ तस्म उत्तरो ॥ ३ ॥
तम्हा आयापरक्खेण भवरसमाहिएहुलेण । चरिआ गुणा ज नियमा अ, हृति साहूण दट्टवा ॥ ४ ॥
अणिअवासो मधुआणचरिआ, अनायउठ पयरिवया अ ।
अप्पोमही फलहविअज्जणा अ, विहारचरिआ सिण पमत्था ॥ ५ ॥
आउन्नओ माणविअज्जणा अ, जोमअदिट्ठाहडभत्तपाणे ।

हृत्थसजए पायसजए, वायसजए सजइदिए ।
 अज्झप्परए सुसमाहिअप्पा, सुत्तथ च विआणइ जे स भिक्खू ॥ १५ ॥
 उवहिम्मि अमुच्छिए अगिद्वे, अन्नायउछ पुलनिप्पुलाए ।
 कयविक्रयसन्निहिओ विरए, सबसगावगए अ जे स भिक्खू ॥ १६ ॥
 अलोल(लु)भिक्खू न रसेसु गिज्जे, उछ चर जीविअनाभिक्खी ।
 इड्ढि च सकारण पूअण च, चए ठिअप्पा अणिहे जे स भिक्खू ॥ १७ ॥
 न पर वइज्जासि अय इसीले, जेण च कुप्पिज्ज न त वइज्जा ।
 जाणिअ पत्तेअ पुन्नपाव' अत्ताण न समुक्खसे जे स भिक्खू । १८ ॥
 न जाएमत्ते न य रूमत्ते, न लाभमत्ते न सुएण मत्ते ।
 मयाणि सवाणि विवज्जइत्ता, धम्मज्झाणरए जे स भिक्खू ॥ १९ ॥
 पवेअए अज्जपय महासुणी, धम्मे ठिओ ठावयइ पर पि ।
 निक्खरम्म वज्जिज्ज इसीललिंग, न आवि हास कुहए जे स भिक्खू ॥ २० ॥
 त देहवास अमुइ अमासय, सया चए निच्चहिअट्ठिअप्पा ।
 छिंदित्तु जाइमरणम्म वषण, उवेइ भिक्खू अपुणागम गइ ॥ २१ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ भिक्खु नाम दसमज्जयण ममत्त ॥

॥ अह रइवक्का पढमा चूलिआ ॥

इह खलु भो पवइएण उप्पण्णदुक्खेण सजमे अरइममाअन्नचित्तेण ओहाणुप्पेहिणा अणोहाइएण
 चेव हयरस्सिगयकुसपोयपडागाभूआइ इमाइ अट्टारस ठाणाइ सम्म सपडिलेहिअबाइ भवति । तजइ
 ह भो! दुस्समाइ दुप्पजीवी ॥ १ ॥ लहुसगा इत्तरिआ गिहीण कामभोगा ॥ २ ॥ भुज्जो अ साय
 बहुला मणुस्सा ॥ ३ ॥ इमे अ मे दुक्खे न चिरकालोउट्टाइ नविस्सइ ॥ ४ ॥ ओमज्जणपुरकारे
 ॥५॥ वतस्स य पडिआयण ॥ ६ ॥ अहरगइवासोवसपया ॥ ७ ॥ दुल्लहे खलु भो! गिहीण धम्मे
 गिह्वासे, निरुक्खेसे परिआए ॥ ११ ॥ धये गि'वासे, मुक्खे परिआए ॥ १२ ॥ सावज्जे गिह्वासे,
 अणवजे परिआए ॥ १३ ॥ बहुसाहारणा गिहोण कामभोगा ॥ १४ ॥ पत्तेअ पुन्नभाव ॥ १५ ॥
 अणिचे खलु भो! मणुआण जीविए कुसग्गनलविंदुचचले ॥ १६ ॥ वट्ट च खलु भो! पाय कम्म पगड
 ॥ १७ ॥ पावाण च खलु भो! ऋडण म्माण पुडिं दुच्चिन्नाण दुप्पडिन्नाण वेइत्ता मुक्खो नत्थि
 अवेइत्ता तवसा वा शोसइत्ता ॥ १८ ॥ अट्टारसम पय भनइ, भनइ अ इत्थ सिलोगो—
 जया य चयइ धम्म, जणज्जो भोगमारणा । से तत्थ मुच्छिए चाले, आयइ नावयुज्जई ॥ १ ॥
 जया ओहाविओ होइ, इदो वा पडिओ छम । सबधम्मपरि'भट्टो, स पच्छा परितप्पइ ॥ २ ॥
 जया अ वदिमो होइ, पच्छा हो' अवदिमो । दया वा चुआ ठाणा, म पच्छा परितप्पइ ॥ ३ ॥
 जया अ पडमो होइ, प'ठा हो' अपू'मो, राया व रज्जप भट्टो, स पच्छा परितप्पइ ॥ ४ ॥



॥ श्रीमद्देवशक्तिगणितमात्रमण्यप्रणीत ॥

श्री नन्दीसूत्र मूलपाठः ।

जयइ जग जीव जोणी वियाणओ । जगगुरू जगणणे ॥ जगणाहो जगनृ, जयइ जगप्पि
यामहोमयत्र ॥ १ ॥ जयइ मुआण पमवो । तित्थथरण अपच्छिमो जयइ ॥ जयइ गुरूलोमाण ।
जयइ महप्पा महावीरो ॥ २ ॥ भद् सब जणञ्जोयगस्म । भद् जिणम्म वीग्म्म ॥ भद् मुगसुरनम-
सियस्स । भद् धुयरयस्स ॥ ३ ॥ गुणभरणगहण । सुयरयण भग्गियत्तणप्रिसुद्धरत्तागा सघ नगर
भद् ते । अखड चारित्तपागाग ॥ ४ ॥ सत्तम तत्र तुयाग्यस्म । नमो मम्मत्त पागियहम्म ॥
अप्पडिचक्कस्स जओ होउ मया मघचक्कम्म ॥ ५ ॥ भद् सील पटागूसियम्म । तत्र नियम तुग्य
जुत्तम्म ॥ मत्रगहम्म भगवओ । मज्जाय सुनदिधोमम्म ॥ ६ ॥ कम्मरय जलोह विणिग्गयम्म ।
सुयरयण दीहनालम्म ॥ पच्च महवय थिग्गन्नियम्म । गुणकेमगलम्म ॥ ७ ॥ मावग जण महुअरि
परिउडम्म । निण खूर तेय बुद्धम्म ॥ मघपत्तम्मस्स भद् । ममण गण सहम्म पत्तम्म ॥ ८ ॥ तत्र
मघम मयलउण । अन्निरिय राहुमुह दुद्धरिमनिघ । जय मत्र चद् । निम्मल मम्मत्त विमुद्ध जो-
प्पागा ॥ ९ ॥ पर तित्थिय गह पद्द नामगस्म । तवतेय दिघ लेयस्म ॥ नाणु ङ्कोयम्म जण म-
दम मघ सुग्म्म ॥ १० ॥ भद् त्रि वेला परिगयम्म । मज्जाय जोग मगग्ग्म ॥ अक्खोहम्म मग-
वओ । मघ समुहस्स ह्दम्म ॥ ११ ॥ मम्म इमण वर उट्ट दट्ट म्ढ गाटावगाट पेटस्स ॥ पम्म
वररयण महिय चामीयर मेहलागम्म ॥ १२ ॥ निय मूमिय ऋणय मिलायउज्जल जलत चित्त-
हम्म ॥ नदण वण मणहर सुग्मि सील गधुत्तुमायम्म ॥ १३ ॥ जीवत्या सुग्ग ऋ ऋरिय
मुणियर महद् इन्नस्म ॥ इउ सय धार पगलत्त रयणत्तिचोमहि गृम्म ॥ १४ ॥ मत्र पर जत्त पग
ल्लिय उन्नर पत्तिराय माणहागस्स ॥ मावग जण पउग्ग रत्त मोर नत्त कुहग्म्म ॥ १५ ॥ निणय
नय परर मुणियर पुरत्त विज्जुत्तलत्त मिहग्म्म । मिग्गिह गुण ऋय ऋत्तग फल्लमग्ग कुमुमाउल
वणस्म ॥ १६ ॥ नाण पर रयण टिप्पत्त ऋत्त वेरुल्लिय विग्गत्त चूलम्म ॥ ऋत्तमि निणय पणओ
मत्र महामग्ग गिग्म्म ॥ १७ ॥ गुण रयणुत्त कटय मीत्त सुगवि तत्र मटिउत्तम ॥ सुयवाग्ग
गमिहर मघ महामदर उट ॥ १८ ॥ नगर म्ढ चक्क पउमे चट्ट खूर मग्गुद् मेरुग्म्मि ॥ जो उवमि
उत्त मयय त मघगुणापरं ऋत्त ॥ १९ ॥ ऋत्त उमम अत्तिय ममर ममिन्त्तण सुग्ग सुग्गम सुपात्त ॥

ससङ्कल्पेण चरिज्ज भिक्षू तज्जायससङ्क जई जइज्जा ॥ ६ ॥
 अमज्जमसासि अमच्छरीआ, अभिक्खण निव्विगइ गया अ ।
 अभिक्खण काउस्सग्गकारी, सज्झायजोगे पयओ हविज्जा ॥ ७ ॥
 न पडिन्नविज्जा सयणासणाइ, सिज्ज निसिज्ज तह भत्तपाण ।
 गामे कुले मा नगरे व देसे, ममत्तभाव न कहिं पि कुज्जा ॥ ८ ॥
 गिहिणो वेआनडिअ न वुज्जा, अभिनायण वदणपूअण वा ।
 असकिलिट्ठेहिं सम वसिज्जा, मुणी चरित्तस्स जओ न हाणी ॥ ९ ॥
 न या लभेज्जा निरण सहाय, गुणाहिअ वा गुणओ सम वा ।
 इको वि पावाइ निज्जयतो, विहरिज्ज कामेसु असज्जमाणो ॥ १० ॥
 सउच्छर वा वि पर पमाण, वीअ च वास न तहिं वसिज्जा ।
 सुत्तस्स मग्गेण चरिज्जभिक्षू, सुतस्म अत्थो जह आणवेइ ॥ ११ ॥
 जो पुव्वरत्तावरत्तकाले, सपिक्खण अप्पगमप्पण ।
 कि मे कड किं च मे किच्चसेम, कि सक्खिज्ज न समायरामि ॥ १२ ॥
 कि म परा पामइ किंच अप्पा, कि वाह सलिअ न विवज्जयामि ।
 इचेव सम्म अणुपाममाणो, अणागय नो पडिच्च कुज्जा ॥ १३ ॥
 जत्थेन पासे वइ दुप्पउत्त, काएण वाया अदु माणसेण ।
 तत्थेन धीरो पडिमाहरिज्जा, आन्धओ सिप्पमिव क्खलीण ॥ १४ ॥
 जस्सेरिसा जोग जिइदिअस्स, धिइमओ सप्पुरिसस्म निच्च ।
 तमाहु लोए पडियुद्धजीवी, सो जीअइ सत्तमजीनिएण ॥ १५ ॥
 अप्पा सल्लु सयय रक्खिअव्वो, मच्चिदिएहिं सुसमाहिएहिं ।
 अरक्खिओ जाइपह उवेइ, सुरक्खिओ मच्चदूहाण मुच्चइ ॥ १६ ॥
 त्ति वेमि ॥ इअ विवित्तचरिआ वीआ चूला समत्ता ॥

॥ इअ दसवेआलिअ सुत्त समत्त ॥



इति ।

सेल-घण, कुडग, चालणि, परिपूणग, हम महिम, मेसे य, ममग, जल्ग, विराली-आहग, गो,
मेरी आमीरी ॥ ५१ ॥

“सा समासओ तिविहा पन्नत्ता तजहा जाणिया, अजाणिया, दुवियड्डा” जाणिया जहा खीर-
मिव, जहा हसा जे घुट्टन्ति इह पुरपुण समिद्धा दोसे च विवज्जति त जाणसु जाणिय परिम ॥५२॥
अजाणिया जहा-जा होइ पगडमहुरा मियछावय सीह कुक्कुडय भूआ । रयणमिव असठविया ।
अजाणिया साभवे परिसा ॥ ५३ ॥ दुवियड्डा जह-नय कथ्यइ निम्माओ न य पुञ्जड परिभयम्म
दोसेण । वत्थिववायपुण्णो फुट्टइ गामिल्लयवियड्डो दुवियड्डो ॥ ५४ ॥ (सूत्र) नाण पञ्चविह पन्नत्त,
तजहा-आभिणि बोहियनाण सुयनाण, ओहिनाण, मणपज्जवनाण, केवलनाण ॥ १ ॥ त समासओ
दुविह पण्णत्त, तजहा-पच्चक्ख च परोक्ख च ॥ सू० २ ॥ से किं त पच्चक्ख ? पच्चक्ख दुविहप
ण्णत्त, तजहा इदियपच्चक्ख । नोइदियपच्चक्ख च ॥ सू० ३ ॥ से किं त इदिय पच्चक्ख ? इदिय-
पच्चक्ख पञ्चविह पण्णत्त, तजहा-सो इदियपच्चक्ख । चरिंसदिय पच्चक्ख । घाणिंदिय पच्चक्ख ।
जिर्मिदिय पच्चक्ख । फार्मिदिय पच्चक्ख । सेत इदियपच्चक्ख ॥ सू० ४ ॥ से किं त नोइदियप
च्चक्ख ? नोइदियपच्चक्ख तिविह पण्णत्त तजहा-ओहिनाण पच्चक्ख । मणपज्जवनाण पच्चक्ख ।
केवलनाण पच्चक्ख ॥ ५ ॥ से किं त ओहिनाण पच्चक्ख ? ओहिनाण पच्चक्ख दुविह पण्णत्त,
तजहा-भयपच्चदय च खा ओवममिय च ॥ ६ ॥ से किं त भयपच्चदय ? भयपच्चदय दुण्ह, तजहा-
देयाणय नेरहयाणय ॥ ७ ॥ से किं त खा ओवममिय ? खा ओवममिय दुण्ह, तजहा-मणूमाण
य पचेदिय तिरिक्ख जोणियाण य । को हेज्ज खाओवममिय ? खाओवममिय तथावरणि ज्ञाण
कम्माण उदिण्णाण मएण अणुदिण्णाण उरसमेण ओहिनाण ममुप्पज्जड ॥ सू० ८ ॥ अह्मा गुण-

पडिच्चन्नस्म अणगारम्म ओहिनाण समुप्पज्जड त समासओ छविह पण्णत्त, तजहा-आणुगामिय,

अणाणुगामिय, चट्टमाणय, हीयमाणय, पडिवाडग, अपडिवाडग ॥ ६ ॥ से किं त आणुगामिय
आणुगामिग ओहिनाण दुविह पण्णत्त, तजहा-अतगग च मज्झगग च । मे किं त अतगग ?
अतगग तिविह पण्णत्त तजहा पुरओ अतगग ? मग्गओ अतगग । पासओ अतगग से किं त पुग्गओ
अतगग ? पुरओ अतगग-से जहा नामए केड पुरिसे उक्खा चड्डलिय ना अलाय वा
मणि वा पईय वा जोइ वा पुरओ काउ पणुहेमाणे २ ग-ट्टेज्जा, म त पुरओ अतगग । मे किं त
मग्गओ अतगग ? मग्गओ अतगग से जहानामए केड पुरिसे उक्ख ना चड्डलिय वा अलाय वा
मणि वा पईय वा जोइ वा मग्गओ काउ अणुलड्डेमाणे २ गच्छिज्जा, मे त अतगग । मे किं त
पामओ अतगग ? पामओ अतगग से जहानामए केड पुरिसे उक्ख वा चड्डलिय वा अलाय वा मणि
वा पईय वा जोइ वा पासओ काउ परिणुहेमाणे २ गच्छिज्जा, मे त पामओ अतगग से त अत-
गग । म किं त मज्झगग ? मज्झगग से जहा नामए केड पुरिसे उक्ख वा चड्डलिय वा अलाय वा

ससि पुष्पदत्त सीयल सिञ्जस वासुपुञ्ज च ॥ २० ॥ विमल मणत य धम्म मन्ति कुथु अर च मल्लि
 च ॥ मुनिसुव्वप नमिनेमिं पास तह वद्धमाण च ॥ २१ ॥ पढमत्थि इदभूइ चीए पुणहोइ अग्गिभू
 इत्ति ॥ तईए य वाउभूइ तओ वियत्ते सुहम्मये ॥ २२ ॥ मडिअ भोरिय पुत्ते अकपिणे वेव अयल
 भायाय ॥ भे यज्जेय पहासेय गणहरा हुति वीरस्स ॥ २३ ॥ निच्चुइ पह सासणय जयइ सया सब
 भाव देसणय ॥ कु समय मय नासणय जिणंदवर वीर सासणय ॥ २४ ॥ सुहम्म अग्गिवेमाण जव
 नाम च कासव पभव ॥ कच्चायण वदे वच्छ सिञ्जभर तहा ॥ २५ ॥ जसभइ तुगिय वदे सभूय
 चेव माढर ॥ भइवाहु च पाइन्न धूलभइ च गोयम ॥ २६ ॥ ऐलावच्चसगोत्त वदामि महागिरिं
 सुहर्त्थि च ॥ तत्तो कोसियगोत्त बहुलस्स सरिष्वप वन्दे ॥ २७ ॥ हारिय गुत्त साइ च वदिमो
 हारिय च सामज्ज ॥ वन्दे कोसिय गोत्त सडिल्ल अज्ज जीयधर ॥ २८ ॥ तिममुइक्षायकित्ति दीव
 समुद्देसु गहिय पेयाल ॥ वदे अज्ज समुद्द अक्खुभिय समुद्दगभीर ॥ २९ ॥ भणग करग झरग
 पभावग णाणदमण गुणाण ॥ वदामि अज मयु सुय सागर पारग धीर ॥ ३० ॥ वदामि अज्ज धम्म
 तत्तो वदे य भइ गुत्त च ॥ तत्तोय अज्ज वइर तत्र नियम गुणेहिं वइर सम ॥ ३१ ॥ वदामि अज्ज
 रक्खिय खमणे रक्खिय चारिच सबस्से ॥ रयण ऋडग भूओ अणुओगो जेहिं ॥ ३२ ॥ नाणम्मि
 दसण म्मिय तव विणए णिच्च काल मुज्जुत्त ॥ अज्ज नदिलरमण सिरमा वद पसन्नमण ॥ ३३ ॥
 वड्डुउ पायगणसो नलनसो अज्ज नागहत्थाण ॥ जागरण करण भगिय कम्मपयटी पहाणाण ॥ ३४ ॥
 जच्चजण वाउ समप्पहाण सुदिय कुल्लय निहाण ॥ वड्डुउ वायगणसो रउदनक्खत्त नामाण ॥ ३५ ॥
 अयलपुरा णिकसते कालियसुय आणुओगिए वीर ॥ वभदीउगसीहे वायगणय मुत्तम पत्ते ॥ ३६ ॥
 जेमि इमो अणु ओगो पयरइ अत्ताविअड्डुढभरहम्मि ॥ बहु नयर निग्गय जसे ते वद सडिलाय
 रिए ॥ ३७ ॥ तत्तो हिमवन्त महत्त विक्रमे धिइ परक्कम मणते ॥ सज्जाय मणतधरे हिमवत्त वदि
 मो सिरसा ॥ ३८ ॥ कालिय सुय अणु ओगस्व धारए धारए य पुब्बाण ॥ हिमवत्त खमा समणे
 वदे णागज्जुणायरिये ॥ ३९ ॥ मिउमइउ सपन्ने आणुपुत्ति वायगत्तण पत्ते ॥ ओहसुय समायारे
 नाज्जुण वायप वद ॥ ४० ॥ गोविदाण पि नमो अणुओगे विउल धारिणिं दाण ॥ णिच्च खति
 दयाण पत्तणे दुल्लभिं दाण ॥ ४१ ॥ तत्तो य भूयदिन्न निच्च तत्र सज्जमे अनिविण्ण ॥ पडिय
 जण मामण्ण वदामो सज्जम विहिण्णु ॥ ४२ ॥ करकणगतविय चपग विमउलवर कमल गभ
 सरिवन्ने ॥ भविय जणहिययदइए दयाणुण विसारए धीरे ॥ ४३ ॥ अड्डु भरहपहाणे वड्डुविह सज्जाय
 सुमुणिय पहाणे ॥ अणुओगिय ऋ वमभे नाइल कुल वसनदिकरे ॥ ४४ ॥ भूयहियअपगग्गे वदइह
 भूयदिन्न मायरिए ॥ भनभय उच्छेय कर सीस नागज्जुण रिसीण ॥ ४५ ॥ सुमुणिय निच्चा निच्च
 सुमुणिय मुत्तत्थ धारय वदे ॥ मन्भाउग्गमाणया तत्थ लोहिच्चणामाण ॥ ४६ ॥ अत्थ महत्थ
 करारणिं सुममण वक्काण कइण निव्वारिणिं ॥ पयइए महुरवारणिं पयओ पणमामि दूत्तगणिं ॥ ४७ ॥
 तव नियम सच्च सत्तम विणपज्जउ सति मइवरयाण ॥ सील गुणगहियाण अणुओग जुगप्पहाणाण
 ॥ ४८ ॥ सुकुमाल कोमल तले तेसिं पणमामि लक्खण पत्तव पाए पावयणीण पडिच्च सय एहि
 पणि वइए ॥ ४९ ॥ जे अत्र भगवत्ते कालिय सुय आणु ओगिए धीरे ॥ ते पणमिउण सिरमा
 नाणस्स परूण वोच्छा ॥ ५० ॥

इति ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १ ११ १२
 शैल-घण, कुडग, चालणि, परिपूणा, हम महिम, मेसे य, ममग, जलूग, विराली-जाहग, गो,
 १३ १४
 मेरी आभीरी ॥ ५१ ॥

“सा समासओ तिविहा पन्नता तजहा जाणिया, अजाणिया, दुबियड्डा” जाणिया जहा खीर-
 मिव, जहा हसा जे घुडन्ति इह गुरुगुण समिद्धा दोसे य विपज्जति त जाणसु जाणिय परिस ॥ ५२ ॥
 अजाणिया जहा-जा होइ पगडमहुरा मियछावय सीह कुक्कुडय भूआ । रयणमिव असठविया ।
 अजाणिया साभवे परिसा ॥ ५३ ॥ दुबियड्डा जह-नय कत्थइ निम्माओ न य पुच्छइ परिभग्गस
 दोसेण । वत्थियववायपुण्णो फुड्डइ गामिल्लयवियड्डो दुबियड्डो ॥ ५४ ॥ (सूत्र) नाण पञ्चविह पन्नत,
 तजहा-आभिणि बोहियनाण सुयनाण, ओहिनाण, मणपज्जनाण, केवलनाण ॥ १ ॥ त समासओ
 दुविह पण्णत्त, तजहा-पच्चक्ख च परोक्ख च ॥ सू० २ ॥ से कि त पच्चक्ख ? पच्चक्ख दुविहप-
 ण्णत्त, तजहा इदियपच्चक्ख । नोइदियपच्चक्ख च ॥ सू० ३ ॥ से कि त इदिय पच्चक्ख ? इदिय-
 पच्चक्ख पञ्चविह पण्णत्त, तजहा-सो इदियपच्चक्ख । चरियदिय पच्चक्ख । धाणिंदिय पच्चक्ख ।
 जिर्भिमदिय पच्चक्ख । फामिंदिय पच्चक्ख । सेत इदियपच्चक्ख ॥ सू० ४ ॥ से कि त नोइदियप
 चक्ख ? नोइदियपच्चक्ख तिविह पण्णत्त तजहा-ओहिनाण पच्चक्ख । मणपज्जनाण पच्चक्ख ।
 केवलनाण पच्चक्ख ॥ ५ ॥ से कि त ओहिनाण पच्चक्ख ? ओहिनाण पच्चक्ख दुविह पण्णत्त,
 तजहा-भयपच्चक्ख च सा ओवसमिय च ॥ ६ ॥ से कि त भयपच्चक्ख ? भयपच्चक्ख दुण्ह, तजहा-
 देवाणय नेरइयाणय ॥ ७ ॥ से कि त सा ओवसमिय ? सा ओवसमिय दुण्ह, तजहा-मणूमाण
 य पचेदिय तिरिक्ख जोणियाण य । को इउ साओममिय ? साओमसमिय तयावरणि ज्ञाण
 म्माण उदिण्णाण सएण अणुदिण्णाण उरसमेण ओहिनाण समुप्पज्जइ ॥ सू० ८ ॥ अहवा गुण-

पडिवन्नस्म अणगारम्स ओहिनाण समुप्पज्जइ त समासओ छविह पण्णत्त, तजहा-आणुगामिय,

१
 २ ३ ४ ५ ६
 अणुगामिय, चहुमाणय, हीयमाणय, पडिवाइय, अपडिवाइय ॥ ६ ॥ से कि त आणुगामिय
 आणुगामिय ओहिनाण दुविह पण्णत्त, तजहा-अतगग च मज्झगग च । से कि त अतगग ?
 अतगग तिविह पण्णत्त तजहा पुरओ अतगग ? मग्गओ अतगग । पासओ अतगग से ि त पुग्गओ
 अतगग ? पुरओ अतगग-से जहा नामए केउ पुरिसे उक्का चहुलिय वा अलाय वा
 मणि वा पइय वा जोइ वा पुरओ काउ पणुल्लेमाणे २ गच्छेज्जा, मे त पुरओ अतगग । मे कि त
 मग्गओ अतगग ? मग्गओ अतगग से चहानामए केउ पुरिसे उक्का चहुलिय वा अलाय वा
 मणि वा पइय वा जोइ वा मग्गओ काउ अणुल्लेमाणे २ गच्छेज्जा, मे त अतगग । मे कि त
 पामओ अतगग ? पामओ अतगग से चहानामए केउ पुरिसे उक्का चहुलिय वा अलाय वा मणि
 वा पइय वा जोइ वा पामओ काउ परिसुद्धे माणे २ गच्छेज्जा, मे त पामओ अतगग से त अत-
 गग । से कि त मज्झगग ? मज्झगग से जहा नामए केउ पुरिसे उक्का चहुलिय वा अलाय वा

मणिं वा पईव वा जोइ वा मत्थए काउ समुद्ध माणे २ गच्छिज्जा सेत मज्झगय । अतगयस्त मज्झगयस्त य को पइविसेसो । पुरओ अतगएण ओहि नाणेण पुरओ चेव सखिज्जाणि वा असखे ज्जाणि वा जोयणाइ जाणइ पासइ मग्गओ अतगएण ओहिनाणेण मग्गओ चेव सखिज्जाणि वा असखिज्जाणि वा जोयणाइ जाणइ पासइ । पासओ अतगएण ओहिनाणेण पासओ चेव सखिज्जाणि वा असखिज्जाणि वा जोयणाइ जाणइ पासइ । मज्झगएण ओहिनाणेण सबओ समता सखिज्जाणि वा असखिज्जाणि वा जोयणाइ जाणइ पासइ । से त आणुगामिय ओहिनाण ॥ १० ॥ से किं त अणाणुगामिय ओहिनाण अणाणु गामिय ओहिनाण से जहानामए केइ पुरिसे णम महत् जोइइण काउ तस्सेन जोइइणस्स परिपर तेहिं परिपरतेहिं, परिघोले माणे परिघोलेमाणे तमेव जोइइण पासइ, अन्नत्थगए न जाणइ न पासइ एवामेव अणाणुगामिय ओहिनाण जत्थेव समुप्पज्जइ तत्थेव सखे ज्जाणि वा असखेज्जाणि वा सबद्दाणि वा असबद्दाणि वा जोयणाइ जाणइ पासइ, अन्नत्थगएण पासइ, से च अणाणुगामिय ओहिनाण ॥ ११ ॥ से किं त वड्डमाणय ओहिनाण ? वड्डमाणय ओहिनाण पमत्थेसु अज्जवसायट्ठाणेषु वड्डमाणस्स वड्डमाण चरित्तस्स । विसुज्जमाणस्स विसुज्जमाण चरित्तस्स । सबओ समता ओहि वड्डइ—

जावइआ तिसमयाहारगस्म सुहुमस्स पणगजीवस्स ॥ ओगाहणा जहन्ना ओहीखित्त जहन्न तु ॥ ५५ ॥ सब बहु अगणि जीमा निरतर जत्थिय भरिज्जंसु ॥ खित्त सबदिताग परमोही खेत्तनि दिट्ठो । ५६ ॥ अगुलमावलियाण भाग मसखिज्ज दोसु सखिज्जा ॥ अगुलमावलियतो आवलिया अगुल पुहुत्त ॥ ५७ ॥ हत्थम्मि सुहुत्ततो, दिवसतो गाठ्यम्मि बोद्धव्वो ॥ जोयण दिवमपुहुत्त, पक्खतो पन्नवीसाओ ॥ ५८ ॥ भरहम्मि अद्धमासो, जम्बुदीग्गम्मि साहिआ मासा ॥ वास च मणुय लोए, वासपुहुत्त च रुयगम्मि ॥ ५९ ॥ सखिज्जम्मि उ काले, दीग्गममुद्दावि हुति सखिज्जा ॥ कालम्मि असखिज्जे, दीग्गममुद्दा उ भइयन्ना ॥ ६० ॥ काले चउण्हवुद्धी, कालो भइयन्वु खित्त बुद्धीए ॥ बुद्धीए पन्नपज्जव, भइयन्ना खित्तकाला उ ॥ ६१ ॥ सुहुमो य होइ कालो, तत्तो सुहुमय र हवइ खित्त अगुल सेदी मित्ते, ओसप्पिणिओ असखिज्जा ॥ ६२ ॥ से च वड्डमाणय ओहिनाण छ ॥ १२ ॥ से किं त हीयमाणय ओहिनाण ? हीयमाणय ओहिनाण अप्पमत्थेहिं अज्जवसायट्ठाणेहिं वड्डमाणस्स वड्डमाणचरित्तस्स सकिलिस्स माणस्म सकिलिस्समाणचरित्तस्स सबओ समता ओही परिहायइ से च हीयमाणय ओहिनाण ॥ १३ ॥ से किं त पडिमा ओहिनाण ? पडिमा ओहिनाण जहण्णेण अगुलस्स असप्पिज्जय भाग वा सखिज्जय भाग वा बालग्ग वा बालग्ग पुहुत्त वा लिक्ख वा लिक्खपुहुत्त वा, जूय वा जूयपुहुत्त वा, जय वा जय पुहुत्त वा । अगुल वा अगुल पुहुत्त वा । पाय वा पायपुहुत्त वा । विहत्थि वा विहत्थि पुहुत्त वा । रयणि वा रयणि पुहुत्त वा । कुच्छि कुच्छिपुहुत्त वा, धणु वा धणुपहुत्त वा । गाउअ वा गाउयपुहुत्त वा । जोयण वा जोयण पुहुत्त वा । जोअणसय वा जोयणसय पुहुत्त वा जोयण महस्स वा जो यणसहस्स पुहुत्त वा । जो यणलक्ख वा जोयणलक्ख पुहुत्त वा । जोयणकोटिं वा जोयणरोडाकोटिं पुहुत्त वा । जोयणकोडाकोटिं वा जोयणकोडाकोटिं पुहुत्त वा । [जो अणसखिज्ज वा जो अणसखिज्ज पुहुत्त वा जो अण

अमखेज्जना जो अणअसखेज्जपूहुत्तवा ।] उक्कोसेण लोग वा पासि चाण पडिवइज्जा । स त पडिवाइ ओहिनाण ॥ १४ ॥ से किं त अपडिवाइ ओहिनाण । अपडिवाइ ओहिनाणजेण अलोगस्म एग-
मवि आगामपणस जाणइ पासइ तेण पर अपडिवाइ ओहिनाण । से त अपडिवाइ ओहिनाण ॥ १५ ॥
त समासओ चउव्हि पणत्त, तजहा दव्वओ, म्वित्तओ, कालओ, भाओ । तत्थ दव्व ओ ण ओहि-
नाणी जहन्नेण अणताइ रुविदव्वाइ जाणइ पामइ उक्कोसेण सवाइ रुविदव्वाइ जाणइ पासइ रिक्त
ओण ओहिनाणी जहन्नेण अगुलम्म असखिज्जय भाग जाणइ पासइ, उक्कोसेण अमवि ज्जाइ अलोगे
लोगप्पमाण मिचाइ खडाइ जाणइ पामइ, णालओ ण ओहिनाणी जहन्नेण आवलियाए असखिज्जय
भाग जाणइ पासइ, उक्कोसेण असखिज्जाओ उस्मप्पिणीओ अवसप्पिणीओ अईय मणागय च काल
जाणइ, पासइ भाओ ण ओहिनाणी जहन्नेण अणते भावे जाणइ पासइ, उक्कोसेणवि अणत भावे
जाणइ पासइ । सव्व भाओण मणत भाग भावे जाणइ पासइ ॥ १६ ॥ ओही भएपच्चओ गुणपच्च
इओ य णिणओ दुविहो । तस्स य धू विगप्पा दवे खित्ते य ऋलेय । नेग्गयदेवतित्थरुग य
ओहिस्सव्वाहिरा हुति । पासति सव्वओ खलु सेमा देसेण पासति । से च ओहिनाणपच्चकम्म से कि
त मणपच्चरनाण ? मणपच्चरनाणे ण भते ! किं मणुस्साण उप्पज्जइ अमणुस्माण ? गोयमा !
मणुस्साण नो अमणुस्साण ? जंमणुस्माण किं समुच्छिममणुस्माण गव्वभएकतिय मणुस्साण ?
गोयमा ? नोसमुच्छिममणुस्साण उपज्जइ गव्वभएकतियमणुस्माण । जइगंभवकतियमणुस्साण किं
कम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्साण, अकम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्साण, अन्तरदीरगगव्वभ-
एकतिय मणुस्साण, गोयमा ? इम्मभूमिय गव्वभएकतियमणुस्साण नो अइम्मभूमिय गव्वभएकतिय-
मणुस्साण, नो अन्तरदाउर गव्वभएकतियमणुस्साण जइ कम्मभूमियगव्वभएकतियमणुस्साण, किं
सखिज्जवासाउयकम्मभूमिय गव्वभएकतियमणुस्साण असखिज्जवासाउयइम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणु-
स्माण ? गोयमा ? सखेज्जनामाउय कम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्साण, नो अमखेज्जनासाउय
कम्मभूमिय मणुस्साण । जइ सखेज्जनामाउय कम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्साण, किं पज्जत्तग सखे-
ज्जनासाउयकम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्माण, अपज्जत्तग सखेज्जनासाउय कम्मभूमिय गव्वभएकतिय
मणुस्माण ? गोयमा ! पज्जत्तग सखेज्जनामाउय कम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्माण, नो अपज्जत्तग
सखेज्जनासाउय कम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्माण । जइ पज्जत्तग सखेज्जनासाउय इम्मभू-
मिय गव्वभएकतिय मणुस्माण ? किं सम्मदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्जनासाउय कम्मभूमिय गव्वभएक-
तिय मणुस्माण, मिच्छदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्जनासाउय कम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्माण, स
म्मामिच्छदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्जनासाउय कम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्माण ? गोयमा ! इम्म
दिट्ठि पज्जत्तग सखेज्जनासाउय कम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्माण नो मिच्छदिट्ठि पज्जत्तग
सखेज्जनासाउय इम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्माण, नो इम्मामिच्छदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्ज-
नासाउय इम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणुस्माण जंममदिट्ठिपज्जत्तग सखेज्जनासाउय इम्मभू-
मिय गव्वभएकतिय मणुस्माण किं मचय इम्मदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्जनासाउय कम्मभूमिय गव्वभ-
एकतिय मणुस्माण, असचय इम्मदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्जनासाउय कम्मभूमिय गव्वभएकतिय
मणुस्माण । मचया सचय इम्मदिट्ठि पज्जत्तग सखेज्जनासाउय कम्मभूमिय गव्वभएकतिय मणु-

स्साण ? गोयमा ! सनय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण, नो असजय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण । नो सजयासजय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण । जइ सजय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण कि पमत्त सनय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण, अपमत्त सनय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण ? गोयमा ! अपमत्तमनय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण, नो पमत्त सजय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण । ज अपमत्त मनय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण, कि इड्डीपत्त अपमत्त मनय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण अणिड्डीपत्त अपमत्त सनय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण ? गोयमा ! इड्डीपत्त अपमत्त सजय सम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय गम्भवकतिय मणुस्साण, नो अणिड्डीपत्त अपमत्तमजयसम्मदिद्धि पज्जत्तग सखेज्ज वासाउय कम्मभूमिय मणुस्साण । मणपज्जननाण समुप्पज्जइ ॥ सू० ॥ १० ॥ त च दुविह उप्पज्जइ तजहा उज्जुमइ य विउमइ य त समामओ चउन्निह पन्नत्त तनहा-दबओ, रिचओ, कालओ, भाओ । तत्थ दबओण उज्जुमइ अणते अणत पएसिण्ण पासइ, त चेव विउलमइ अब्भहियतराए विउलतराए विसुद्धतराए वितिमिरतराए जाणन् पासइ । रिचओण उज्जुमइ यजहन्नेण अगुलस्स असखेज्जय भाग उक्कोसेण अहे जाण इमीसे रयणप्पभाण पुढवीए उतरिणहट्टिल्ले खुड्ढुग पयर उड्ड जाण जोइसस्स उवरिमत्ते, तिरिय जाण अन्नोमणुस्सुम्मसिखे अट्टाज्जेसु दीससमुद्देशु पन्नरस्ससु कम्मभूमिसु तीसाए अकम्मभूमिसु लपन्नाण अन्तरदीगेषु सन्निपचदियाण पज्जत्तयाण मणोगए भाव जाणन् पासन् त चेव विउलमइ अट्टाईज्जेरिमगुलेहिं अब्भहियत्तर विउलतर विसुद्धतर वितिमिरतराग रेत्त जाणइ पासइ । कालओ ण उज्जुमइ जहन्नेण पलिओवमस्स असखिज्जयभाग अतीयमणागय वा काल जाणइ पासन् । त चेव विउलमइ अब्भहियतराग विउलतराग विसुद्धतराग वितिमिरतराग जाणइ पासइ । भाओ ण उज्जुमइ अणत भाव जाणइ पासन्, सब भायाण अणतभाग जाणइ पासन् । त चेव विउलमइ अब्भहियतराग विउलतराग विसुद्धतराग वितिमिरतराग जाणइ पासइ । मणपज्जननाण पुण जणमणपरिचित्तियत्थपागडण । माणुमखिचनिबद्ध गुणपच्चय चरिचओ ॥ ६* ॥ से त मणपज्जननाण सू० ॥ १८ ॥ से कि त कएलनाण ? केवलनाण दुविह पन्नत्त, तजहा-भरत्थकएलनाण च सिद्धकएलनाण च । से कि त भरत्थकएलनाण ? भरत्थकएलनाण दुविह पण्णत्त, तनहा-सजोगिभरत्थकएलनाण च अनोगिभरत्थकएलनाण च । से कि त मनोगिभरत्थकएलनाण ? मनोगिभरत्थकएलनाण दुविह पण्णत्त, तनहा-पढम समयसमनोगिभरत्थ, कएलनाण च अपढम समय सजोगिभरत्थकएलनाण च, अहा, चरमसमयसजोगिभरत्थकएलनाण च अचरमसमयसजोगिभरत्थकएलनाण च, से त्त सजोगिभरत्थकएलनाण । से कि त अनोगिभरत्थकएलनाण ? अनोगिभरत्थकएलनाण दुविह पन्नत्त, तजहा-पढमसमयसजोगि-

भरत्यकेवलनाण च अपढममयअजोगिभरत्यकेवलनाण च अहना चरमसमयअजोगिभरत्यकेवल
नाण च अचरममयअजोगिभरत्यकेवलनाण च, से च अजोगिभवत्यकेवलनाण, से च भरत्यके-
वलनाण ॥ सू० ॥ १९ ॥ से किं त सिद्धकेवलनाण? सिद्धकेवलनाण दुविह पण्णत्त, तजहा—अण
तरसिद्धकेवलनाण च परपरसिद्धकेवलनाण च ॥ सू० ॥ २० ॥ से किं त अणतरसिद्धकेवलनाण ?
अणतरसिद्धकेवलनाण पन्नमविह पण्णत्त, तजहा—तित्थसिद्धा १, अतित्थसिद्धा २, तित्थयरसिद्धा
३, अतित्थयरसिद्धा ४, मयत्तसिद्धा ५, पत्तोयुद्धसिद्धा ६, उद्धवोहियसिद्धा, ७ इत्थिलिंगसिद्धा
८, पुरिमलिंगसिद्धा ९, नपुमगलिंगसिद्धा १०, सलिंगसिद्धा ११, अन्नलिंगसिद्धा १२, गिहिलिंग
सिद्धा १३, एगसिद्धा १४ अणोगसिद्धा १५, से च अणतरसिद्धकेवलनाण ॥ सू० ॥ २१ ॥ म किं
त परपरसिद्धकेवलनाण? परपरसिद्धकेवलनाण अणोगविह पण्णत्त, तजहा—अपढममयसिद्धा, दुम
मयसिद्धा, तिममयसिद्धा, चउममयसिद्धा, जाउ ढममयसिद्धा, सत्थिज्जममयसिद्धा, असत्थिज्जम
मयसिद्धा, जणतसमयसिद्धा, से च परपरसिद्धकेवलनाण, से च सिद्धकेवलनाण ॥ त ममामजो
चउविह पण्णत्त, तजहा—द्वजो, खित्तजो, कालजो, भाउजो । त थ द्वजो ण केवलनाणी सब्द-
द्वाड जाणत्त पासइ । खित्तजो ण केवलनाणी सब्द रिच जाणइ पासइ । कालजो ण केवलनाणी सब्द
काल जाणइ पासइ । भाउजो ण केवलनाणी मच्चे भावे जाणइ पासइ । जह मच्चद्वयपरिणाम,
भाउत्तिपण्णत्तिमरणमणत्त । सासय मच्चिउत्तइ, पणविह केवल नाण ॥ ६३ ॥ सू० ॥ २२ ॥ केव-
लनाणेणत्थे नाउ ज तत्थ पण्णत्तजोमे । त भामत्ति यररो, उज्जोगसुय हवत्त सेस ॥ ६७ ॥
से च केवलनाण, म च नोइत्थियपच्चत्त म च पच्चकणनाण ॥ म० ॥ २३ ॥ से किं त परोक्ख
नाण? परोक्खनाण दुविह पन्नत्त, तत्तत्त—आभिणिपोहियनाणपरोक्ख च सुयनाण परोक्ख च,
जत्थ आभिणिपोहियनाण तत्थ सुयनाण, जत्थ सुयनाण तत्थाभिणिपोहियनाण, ढोइवि पयाइ
अणमण्णमण्णयाइ तहवि पुण इत्थ आचारया नाणत्तपण्णत्तयति-अभिनिउत्तइत्ति आभिणिपोहि-
यनाण, सुणत्ति सुय, मइपुव्व जेण सुय, न मइ सुयपुत्थिया ॥ सू० ॥ २४ ॥ अपिसेतिया मई,
मइनाण च मइअन्नाण च । विसेसिया सम्मत्तिस्स मई मन्नाण मिच्छदिट्ठिस्स मई मइणन्नाण ।
अपिसेतिय सुय सुयनाण च सुयअन्नाण च । निमेमिय सुय मम्मइत्तिस्स सुय सुयनाण, मिच्छ-
दिट्ठिस्स सुय सुयअन्नाण ॥ सू० २५ ॥ से किं त आभिणिपोहियनाण? आभिणिपोहियनाण
दुविह पण्णत्त, तत्तत्त—सुयनिस्सिय च, अस्सुयनिस्सिय च । से किं त अस्सुयनिस्सिय? अस्सुयनि
स्सिय चउत्थिह पण्णत्त, तत्तत्त—उत्पत्तिया १ वणइया २, कम्मया ३, परिणामिया ४ । उद्धि
चउत्थिहत्ता पचमा नोत्तत्तत्त ॥ ६८ ॥ सू० ॥ २६ ॥ पुत्तत्तद्विद्धमस्सुयमवइय, तत्तत्तत्त
सुद्धगहियत्था । अच्चाहयफलनोगा बुद्धि उत्पत्तिया नाम ॥ ६९ ॥ भरहमिल १ पणिय २ स्सुय
३ सुद्धा ४ पड ५ सरट ६ काय ७ उच्चार ८ । गय ९ घयण १० गोल ११ गभे १२, सुद्धा
१३ मग्गि १४ त्थि १५ पइ १६ पुत्ते १७ ॥ ७० ॥ भरह १ मिल २ मिद्ध ३ सुत्तत्त ४, तिल
५ वाल्लय ६ हत्थिय ७ अगड ८ वणत्तत्त ९ । पायम १० अइया ११ पत्ते १२, ग्याट्ठिहा १३
पच पिअरो य १४ ॥ ७१ ॥ मइमित्थ १८ सुद्धि १९ अरु २०, य नाणए २१ भिस्सु २२
चेडगनिदाणे २३ सिक्खा २४ य अत्थमत्थ २५, इत्थी य मह २६ मयनहम्मे २७ ॥ ७२ ॥

भरानित्थरणसमत्था, तिरग्गमुत्तथंगहियंपेयाला । उभओलोगफलवई, विणयसमुत्था हवइ बुद्धी
 ॥ ७३ ॥ निमित्ते १ अत्थसत्थे घं २ लेहे ३ गणिए य कूव ५ अस्से ६ घ । गहम ७ लक्खण
 ८ गती ९, अगए १० रहिए ११ य गणिया १२ य ॥ ७४ ॥ सीया साडी दीह, च तण अवस
 वय च हुचस्स १३ निज्जोदए १४ य गोणे, षोडसपडण च रुक्खाओ १५ ॥ ७५ ॥ उवओग-
 दिट्ठसारा, कम्मपसगपरिघोलणविसाला । साहुकारफलवई, कम्मसमुत्था हवइ बुद्धी ॥ ७६ ॥ हेर
 णिए १ करिसए २, कोलिय ३ डोवे ४ य मुत्ति ५ घय ६ पए ७ तुत्रापए ८ उड्डय ९ पूयइ
 १० घड ११ चित्तकारे १२ य ॥ ७७ ॥ अणुमाणहेउदिट्ठतमाहिया घयविवागपरिणामा । हिय-
 निस्सेयसफलवई, बुद्धी परिणामिया नाम ॥ ७८ ॥ अभए १ सिद्धि कुमारे ३, देवी ४ उदिओदए
 हइ राया ५ साहू य नदिसेणे ६, धणदत्ते ७ सावग ८ अमच्चे ९ ॥ ७९ ॥ खमए १० अमच्च
 पुत्ते ११, चाणके १२ चैन थूलभदे १३ य । नासिफुसुदेरिनद १४ वहर परिणामिया बुद्धी ॥ ८० ॥
 च्लणाहण १६ आभडे १७, मणी १८ य सप्पे १९ य रग्गि २० थुभिंद २१ । परिणामियबु
 द्धीए, एवमाई उदाहरणा ॥ ८१ ॥ सेत्त अस्सुयनिस्सिय । से किं त सुयनिस्सिय ? सुयनिस्सिय
 चउच्चिह पण्णत्त, तजहा-उग्गहे १ ईहा २ अवाओ ३ धारणा ४ ॥ ८० ॥ २६ ॥ से किं त
 उग्गहे ? दुग्गहे पण्णत्त, तजहा-अ युग्गइ य वनणुग्गइ य, ॥ ८० ॥ २७ ॥ मे किं त
 वजणुग्गहे ? वनणुग्गइ चउच्चिह पण्णत्त, तजहा-सोइदियवजणुग्गइ, धाणिदियवजणुग्गइ
 जिम्भिदियवजणुग्गइ फासिदियवजणुग्गइ, से च वजणुग्गइ ॥ ८० ॥ २८ ॥ से किं
 त अत्युग्गहे ? अत्युग्गहे छविह पण्णत्त, तजहा-सोइदियअत्युग्गहे, चकिंसदियअत्युग्गहे,
 धाणिदियअत्युग्गहे, जिम्भिदियअत्युग्गहे, फासिदियअत्युग्गहे, नोइदियअत्युग्गइ ॥ ८० ॥
 ॥ २९ ॥ तस्स ण इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावजणा पच नामधिज्जा भवति, तजहा-
 ओगेण्ठया, उवधारणया, सवणया, अवलवणया, मेहा, से च उग्गइ ॥ ८० ॥ ३० ॥ से किं त
 ईहा ? छविहा पण्णत्ता, तजहा-सोइदियईहा, चकिंसदियईहा, धाणिदियईहा, जिम्भिदियईहा, फा-
 सिदियईहा, नोइदियईहा, तीसेण इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणा वजणा पच नामधिज्जा भवति,
 तजहा-आभोगणया, मग्गणया, गवेसणया, चिंता, वीमसा, से च ईहा ॥ ८० ॥ ३१ ॥ से किं
 त अवाए ? अवाए छविह पण्णत्त, तजहा-सोइदियअवाए, चकिंसदियअवाए, धाणिदियअवाए
 जिम्भिदियअवाए, फासिदियअवाए, नोइदियअवाए, तस्स ण इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावजणा
 पच नामधिज्जा भवन्ति, तजहा-आउट्ठणया, पचाउट्ठणया अवाए, बुद्धी, विण्णाणे, से च
 अवाए ॥ ८० ॥ ३२ ॥ से किं त धारणा ? धारणा छविहा पण्णत्ता, तजहा-सोइदियधारणा, च
 किंसदियधारणा, धाणिदियधारणा, जिम्भिदियधारणा, फासिदियधारणा, नोइदियधारणा, तीसे ण
 इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावजणा पच नामधिज्जा भवति, तजहा धारणा, धारणा, उण्णा, पइह,
 कोट्टे, से च धारणा ॥ ८० ॥ ३३ ॥ उग्गहे इकसमइए, अतोमुहुत्तिया ईहा, अतोमुहुत्तिए अण
 ए, धारणा सखेज्ज वा काल असखेज्ज वा काल ॥ ८० ॥ ३४ ॥ पव अट्ठावीमइविहस्स आभि
 णिघोहियनाणस्स वनणुग्गइस्स परुण करिस्सामि पडिचोहगदिट्ठतेण मल्लगदिट्ठतेण । से किं त
 पडिचोहगदिट्ठण ? पडिचोहगदिट्ठतेणसे जहानामए कइ पुरिसे कचि पुरिस सुच पडिचोहज्जा,

अमुगा अमुगति तत्थ चोयगे पन्नवय एव ययासी-किं एगसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छति ?
दुममयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छति? जाव दससमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छति ? सखिज्ज-
समयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छति ? असखिरु ममयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छति ? , एव
वयत चोयग पण्णए एव ययासी-नो एगसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छति, नो दुसमयपविट्ठा
पुग्गला गहणमागच्छति, जाव नो दससमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छति, नो सखिज्जसमयप-
विट्ठा पुग्गला गहणमागच्छति, असखिज्जसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छति, से च पडिबोहग-
दिट्ठतेण । से किं त मल्लगदिट्ठतेण ? मल्लगदिट्ठतेण मे जहानामए केइ पुरिसे आवागसीसाओ
मल्लग गहाय तत्थेग उदगग्निदु पक्खेविज्जा, से नट्ठे, अण्णेऽवि पक्खिचो सेऽवि नट्ठे, एव पक्खि-
प्पमाणेसु पन्निवप्पमाणेसु होही से उदगग्निदु जे ण त मल्लग रावेहि चि, होही मे उदगग्निदु, जे ण
तसि मल्लगसि ठाहिति, होही से उदगग्निदु जे ण त मल्लग भरिहित, होही से उदगग्निदु, जे ण त
मल्लग पत्राहेहिति, एगमेव पक्खिप्पमाणेहि पक्खिप्पमाणेहि अणतेहि पुग्गलेहि जाहे त वज्जण
पूरिय हो, ताहट्ठति करेइ नो चेव ण जाणइ के वेम सदाइ ? तओ इह पणिमइ, तओजाणइ अ
मुगे एम सदाइ, तओ अत्राय पविमइ तओ से उत्रगय इवइ, तओ धारण पणिसइ, तओण धारइ
सखिज्ज वा काल, असखिज्ज वा काल, से जहानामए केइ पुरिसे अब्ब मइ सुणिना, तेण सदांवि
उग्गहिए, नो चेव ण जाणइ के वेम सदा, तओ ईह पणिमइ तओ जाणइ अमुगे एम मइ, तओ
अत्राय पणिमइ, तओ से उत्रगय हवइ, तओ धारण पणिसइ, तओ ण धारेइ सखेज्ज वा काल अ
सखेज्ज वा काल । से जहानामए केइ पुरिसे अब्ब रूय पासिज्जा तण रूयति उग्गहिए, नो चेव
ण जाणइ के वेम रूयति, तओ इहपणिमइ तओ जाणइ अमुगे एम रूये, तओ अत्राय पणिमइ,
तओ से उत्रगय हव, तओ धारण पणिमइ, तओ ण धारेइ सखेज्ज वा काल, असखेज्ज वा काल ।
से जहानामए केइपुरिस अब्बत्त गध अग्घाड्जा तण गयत्ति उग्गहिए, नो चेव ण जाणइ के वेम
गयेत्ति, तओ ईह पविमइ, तओ जाणइ अमुगे एम गधे, तओ अत्राय पणिम, तओ से उत्रगय
हवइ, तओ धारण पणिमइ, तओ ण धारेइ सखेज्ज वा काल अमखेज्ज वा काल । से जहानामए-
केइ पुरिसे अब्बत्त रस आमाइजा तण रमोत्ति उग्गहिए, नो चेव ण जाणइ के वेम रमत्ति, तओ
ईह पणिसइ, तओ जाणइ अमुगे एम रसे, तओ अत्राय पणिम, तओ से उत्रगय हवइ, तओ
धारण पणिस, तओ ण धारेइ सखिज्ज वा काल अमखिज्ज वा काल । से जहानामए केइ पुरिसे
अब्बत्त फाम पडिगवेइत्ता तेण फसेत्ति उग्गहिए, नो चेव ण जाणइ के वेम फामओत्ति, तओ
ईह पणिमइ, तओ जाणइ अमुगे एम फामे, तओ अत्राय पणिमइ, तओ से उत्रगय हवइ, तओ
धारण पणिसइ, तओ ण धारेइ सखेज्ज वा काल अमखेज्ज वा काल । से जहानामए केइ पुरिसे
अब्बत्त सुमिण पामिज्जा तेण सुमिणेत्ति उग्गहिए नो चेव ण जाणइ के वेम सुमिणेत्ति, तओ
पणिम, तओ जाणइ अमुगे एम सुमिणे, तओ अत्राय पणिम, तओ से उत्रगय हव, तओ धारण
पणिम तओ ण धारइ सखेज्ज वा काल अमखेज्ज वा काल, मे च मल्लगदिट्ठतेण । ॥ ३५ ॥
त ममामओ चउच्चिइ पण्णत्त तनहा च्चओ, खित्तओ, मालओ, भावओ, तत्र तत्रओ ण आ
भिणिओहियनाणी आपेयेण मच्चा दच्चा जाण, न पाम । खेत्तओण आभिणिओहियनाणी

भरनित्थरणसमत्था, तिवग्गसुत्तत्थं गहिंयपेयाला । उभओलोगफलवई, विणयसमुत्था हवइ बुद्धी ॥ ७३ ॥ निमित्ते १ अर्थसत्थे यं २ लेहे ३ गणिए य कूय ५ अस्से ६ य । गहम ७ लक्खण ८ गठी ९, अगए १० रहिए ११ य गणिया १२ य ॥ ७४ ॥ सीया साडी दीह, च तण अवस व्वय च कुचस्म १३ निव्वोदए १४ य गोणे, घोडगपडण च रक्खाओ १५ ॥ ७५ ॥ उवओग-दिट्ठसारा, कम्मपसगपरिघोलणनिसाला । साहुकारफलवई, कम्मसमुत्था हवइ बुद्धी ॥ ७६ ॥ इर ण्णिए १ करिसए २, कोलिय ३ डोवे ४ य मुत्ति ५ घय ६ पणए ७ तुन्नाए ८ वड्डुहय ९ पूयइ १० घड ११ चित्तकारे १२ य ॥ ७७ ॥ अणुमाणहेउदिट्ठतमाहिया वयविवागपरिणामा । हिय-निस्सेयसफलवई, बुद्धी परिणामिया नोम ॥ ७८ ॥ अभए १ सिट्ठि वुमारे ३, दवी ४ वदिओदए हवइ राया ५ साहू य नदिसेणे ६, धणदत्ते ७ सावग ८ अमच्चे ९ ॥ ७९ ॥ खमए १० अमच्च-पुत्ते ११, चाणके १२ चेव यूलभदे १३ य । नासिक्खुसुदरिनद १४ वहर परिणामिया बुद्धी ॥ ८० ॥ चलणाहण १६ आभडे १७, मणी १८ य सत्प १९ य खग्गि २० धुभिंद २१ । परिणामियबुद्धीण, एवमाई उदाहरणा ॥ ८१ ॥ सेत्त अस्सुयनिस्सिमय । से किं त सुयनिस्सिय ? सुयनिस्सिमय चउव्विह पण्णत्त, तजहा-उग्गहे १ इहा २ अवाओ ३ धारणा ४ ॥ ८० ॥ २६ ॥ से किं त उग्गहे ? दुव्विहे पण्णत्ते, तजहा-अ युग्गह य वज्जणुग्गह य, ॥ ८० ॥ २७ ॥ मे किं त वज्जणुग्गहे ? वज्जणुग्गह चउव्विहे पण्णत्ते तजहा-सोइदियवज्जणुग्गह, घाणिदियवज्जणुग्गह जिम्भदियवज्जणुग्गहे फासिदियवज्जणुग्गहे, से च वज्जणुग्गह ॥ ८० ॥ २८ ॥ से किं त अत्थुग्गहे ? अत्थुग्गह छव्विह पण्णत्ते, तजहा-सोइदियअत्थुग्गहे, चक्खिणदियअत्थुग्गह, घाणिदियअत्थुग्गहे, जिम्भदियअत्थुग्गहे, फासिदियअत्थुग्गहे, नोइदियअत्थुग्गहे ॥ ८० ॥ २९ ॥ तस्स ण इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावज्जणा पच नामधिज्जा भवति, तजहा-ओगेण्डया, उवधारणया, सवणया, अवलवणया, मेहा, से च उग्गहे ॥ ८० ॥ ३० ॥ से किं त ईहा ? छव्विहा पण्णत्ता, तजहा-सोइदियईहा, चक्खिणदियईहा, घाणिदियईहा, जिम्भदियईहा, फासिदियईहा, नोइदियईहा, तीसेण इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावज्जणा पच नामधिज्जा भवति, तजहा-आभोगणया, मग्गणया, गवेसणया, चिंता, वीमसा, से च ईहा ॥ ८० ॥ ३१ ॥ से किं त अवाए ? अवाए छव्विह पण्णत्ते, तजहा-सोइदियअवाए, चक्खिणदियअवाए, घाणिणियमवाए जिम्भदियअवाए, फासिदियअवाए, नोइदियअवाए, तस्स ण इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावज्जणा पच नामधिज्जा भवन्ति, तजहा-आउट्ठणया, पचाउट्ठणया, अत्राण, बुद्धी, विण्णाणे, से च अत्राए ॥ ८० ॥ ३२ ॥ से किं त वारणा ? धारणा छव्विहा पण्णत्ता, तजहा-सोइदियधारणा, चक्खिणदियधारणा, घाणिदियधारणा, जिम्भदियधारणा, फासिदियधारणा, नोइदियधारणा, तीसे ण इमे एगट्ठिया नाणाघोसानाणावज्जणा पच नामधिज्जा भवति, तजहा वरणा, धारणा, ठण्णा, पट्ठा, कोट्ठे, से च धारणा ॥ ८० ॥ ३३ ॥ उग्गह इकसमइए, अतोसुट्ठुत्तिया इहा, अतोसुट्ठुत्तिए अवाए, धारणा सखेज्ज वा काल असखेज्ज वा काल ॥ ८० ॥ ३४ ॥ ण्व अट्ठावीसइविहस्स आमि णिवोहियनाणस्स वज्जणुग्गहस्स परूणण करिस्सामि पडिबोहगदिट्ठतेण मल्लगदिट्ठतेण । से किं त पडिबोहगदिट्ठण ? पडिबोहगदिट्ठतेणसे जहानामए केइ पुरिसे कचि पुरिस सुच पडिबोहिजा,

४ विवाहपण्णत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अतगडदसाओ अतगडदसाओ ८ अ
 पुत्तरोववाडयदमाओ ९ पण्णानागरणाड १० विवागसुयं ११ दिट्ठिवाओ १२, इच्चैय दुवालसग
 गणिपिडग चोइसपुच्चिस्म सम्मसुय, अभिण्णदसपुच्चिस्म सम्मसुय, तेण पर भिण्णोसु भयणा, से
 च मम्मसुय ॥ सू० ॥ ४० ॥ से किं त मिच्छासुग ? मिच्छासुग ज इम अण्णाणिएहिं मिच्छादि-
 ट्ठिएहिं मच्छदबुद्धिमइविगप्पिय, तजहा—भारइ, रामायण, भीमासुरुक्ख, कोडिल्लग, सगड
 भदियाओ, सोड (घोडग) गृह, रुप्पासिय, नागसुहुम, कणागसत्तरी, बइसेरिग, बुद्धवयण,
 तेरासिय, काविलिय, लोगायय, सट्ठितत, माहर, पुराण, वागरण, भागरण, पागजली पुस्सदे-
 वय, लेह, गणिग, सउणरुप नाडयाइ, अहवा चानत्तरिकलाओ, चत्तारि य वैया सगोवगा,
 एयाइ मिच्छदिट्ठिस्म मिच्छत्तपरिगगहियाइ मिच्छासुय एयाइ चैव सम्मदिट्ठिस्म सम्मत्त-
 परिगगहियाइ सम्मसुय, अहना मिच्छदिट्ठिस्मवि ण्याइ चैव सम्मसुय, कम्हा ? सम्मत्तहेउत्तणओ
 जम्हा ते मिच्छदिट्ठिया तेहिं चैव समएहिं चोइया समाणा केइ सपक्खदिट्ठीओ चयति, से त मिच्छा
 सुय ॥ सू० ॥ ४१ ॥ से किं त माइय सपज्जवसिय, अणाइय अपज्जवसिय च ? इच्चैय दुवालसग
 गणि पिडग बुच्चित्तिनपट्टयाए साय्य सपज्जवसिय अजुच्चित्तिनपट्टयाए अणाइय अपज्जवसिय, त
 समामओ चउविह पण्णत्त, तनहा—दवओ, रिउत्तओ, फालओ, भावओ, तत्थ दवओ ण सम्मसुय
 एग पुरिस पट्टुच साइय सपज्जवसिय, बहव पुरिमे य पट्टुच अणाइय अपज्जवसिय, सेत्तओ ण पत्त
 भरहाइ पचेरवयाइ पट्टुच साइय सपज्जवसिय, पत्त महाविदेहाइ पट्टुच अणाइय अपज्जवसिय,
 फालओ ण उस्सप्पिणिं ओमप्पिणिं च पट्टुच माइय सपज्जवसिय, नो उस्सप्पिणिं नो ओसप्पिणिं
 च पट्टुच अणाइय अपज्जवसिय, भावओ ण जे जया जिणपत्तत्ता भावा आधविज्जन्ति, पण्णविज्जन्ति,
 पन्विज्जन्ति, दसिज्जन्ति, निदसिज्जन्ति, उदसिज्जन्ति, ते तथा भावे पट्टुच माइय मपज्जवसिय रत्ता
 ओरसमिय पुण भाव पट्टुच अणाइय अपज्जवसिय, अहना भवमिद्वियस्स सुय माइय मपज्जवसिय
 च, अमरासिद्वियस्स सुय अणाइय अपज्जवसिय च, मवागासपएमग्ग मवागासपएमेहिं अणत्तणिय
 पज्जवत्तर निप्पज्जन्त, मवजीराणपि य ण अत्तरस्स अणत्तभागो, निचुग्घाडियो जइ पुण सोडवि
 आररिज्जा तेण जीरो अनीवच पाविज्जा,— “सुट्टुवि मेहमसुए, होइ पभा चट्टघराण” से च
 साइय मपज्जवसिय, से च अणाइय अपज्जवसिय ॥ सू० ॥ ४२ ॥ से किं त गमिय ? गमिग
 दिट्ठिवाओ, से किं त अगमिय अगमिय ऱालिय सुय, से च गमिय, से च अगमिग । अहना त
 समामओ दुविह पण्णत्त, तनहा—अगपविट्ठ, अग चाहिर च । से किं त अगचाहिर ? अगचाहिर
 दुविह पण्णत्त, तजहा—आरस्सय च, आरम्मयत्तरिच च । से किं त आरस्सय ? आरम्मय
 छत्तिह पण्णत्त, तनहा—भामाइय, चउरीम वओ, उदणय, पडिक्कमण, फाउस्सगो, पत्तम्पण,
 से च आरम्मय । से किं त आरम्मयत्तरिच ? आरम्मयत्तरिच दुविह पण्णत्त, तनहा—ऱालिग
 च, उक्कालिय च । से किं त उक्कालिय ? अणेगविह पण्णत्त, तनहा—ऱमवेयालिग, ऱप्पियाऱप्पिग,
 चुल्लप्पसुग, महाप्पसुग, उवराय्य, रायपसेणिग, जीराभिगमो, पण्णपणा, महापण्णपणा,
 पमायप्पमाय, नदी, अणुओगत्तरा, दन्दिदवओ, नदल्लेयालिग, चत्तविज्जय, सूग्गणत्ती, पोदि
 सिमण्डक, मण्टपनो, विज्जाचग्गणिणिच्छओ, गणिविज्जा, ज्ञाणविभत्ती, मरणविभत्ती, आयदि

आएसेण सच्च खेत्त जाणइ न पासइ । कालओ ण आभिणिबोहियनाणी आएसेण सच्च काल जाणइ न पासइ । भावओ ण आभिणिबोहियनाणी आएसेण सच्चे भावे जाणइ, न पासइ ।

उग्गह ईहाऽवाओ, य धारणा एव ह्रुति चत्तारि । आभिणिबोहियनाणस्स भेयवत्थु समासेण ॥८२॥ * अत्थाण उग्गहणम्मि उग्गहो तह वियालणे ईहा । ववसायम्मि अवाओ, धरण पुण धारण विति ॥ ८३ ॥ उग्गह इक्क समय, ईडावाया मुहुत्तमद्द तु । कालमसख मख, च धारणा होई नायव्वा ॥ ८४ ॥ पुट्ट सुणेइ सद्द, रूव पुण पासइ अपुट्ट तु । गध रस च फास च बद्धपुट्ट विया गरे ॥ ८५ ॥ भासासमसेठीओ, सद्द ज सुणइ मीसिय सुणइ । वीसेठी पुण सद्द, सुणेइ नियमा पराघाए ॥ ८६ ॥ ईहा अपोह वीमसा, भग्गणा य गवेसणा । सन्ना सई मई पन्ना, मच्च आभि णिबोहिय ॥ ८७ ॥

से च आभिणिबोहियनाणपरोक्ख, से च मडनाण ॥ सू० ॥ ३६ ॥ से कि त सुयनाणपरोक्ख ? सुयनाणपरोक्ख चोद्दसविह पण्णत्त तजहा-अक्खरसुय १ अणक्खरसुय २ सण्णिसुय ३ असण्णिसुय ४ सम्मसुय ५ मिच्चसुय ६ साइय ७ अणाइय ८ सपज्जवसिय ९ अपज्जवसिय १० गमिय ११ अगमिय १२ अगपविट्ठ १३ अणगपविट्ठ १४ ॥ सू० ३७ ॥ से किं त अक्खरसुय ? अक्खरसुय तिविह पण्णत्त तजहा-सन्नक्खर वजणक्खर, लद्धिअक्खर । से किं त सन्नक्खर ? सन्नक्खर अक्खरस्स सठाणागिई, से च सन्नक्खर । से किं त वजणलक्खर ? वजणक्खरअक्खरस्स वजणा भिलावो, से च वजणक्खर । से किं त लद्धिअक्खर ? लद्धिअक्खर अक्खरलद्धियस्स लद्धिअक्खर ममुप्पजइ, तजहा-सोइदिय सद्धिअक्खर, चकिंउदिय लद्धिअक्खर, घाणिंदिय लद्धिअक्खर, रस णिंदिय लद्धिअक्खर, फासिंदिय लद्धिअक्खर, नोइदिय लद्धिअक्खर, स च लद्धिअक्खर, से च अक्खरसुय ॥ से किं त अणक्खरसुय ? अणक्खरसुय अणेगविह पण्णत्त, तजहा-ऊससिय नीमसिय, निन्हेट्ट खासिय च छीय च । निस्सिधियमणुसार, अणक्खर छेलियाईय ॥ ८८ ॥

से च अणक्खरसुय ॥ सू० ३८ ॥ से किं त सण्णिसुय ? सण्णिसुय तिविह पण्णत्त, तजहा-कालिओवणसेण, हेऊवएसेण, दिट्ठिवाओवएसेण । से किं त कालिओवणसेण ? कालिओवएसेण जस्स ण अत्थि ईहा, अणोहो, भग्गणा गवेसणा, चिंता, वीमसा, से ण सण्णीति लब्भइ । जस्सण नत्थि ईहा, अवोहो, भग्गणा, गवेसणा, चिंता, वीमसा, से ण अमण्णीति लब्भइ, से च कालिओ वएसेण । से किं त हेऊवएसेण ? हेऊवएसेण जस्सण अत्थि अभिसधारणपुब्बिया करणसत्ती से ण सण्णीति लब्भइ । जस्स ण नत्थि अभिसधारणपुब्बिया करणसत्ती से ण असण्णीति लब्भइ, से च हेऊवएसेण । से किं त दिट्ठिवाओवएसेण ? दिट्ठिवाओवएसेण सण्णिसुयस्स सओवसमेण मण्णी लब्भइ, असण्णिसुयस्स सओवसमेण अमण्णी लब्भइ, से च दिट्ठिवाओवएसेण, से च सण्णिसुय, से च असण्णिसुय ॥ सू० ॥ ३९ ॥ से किं त सम्मसुय ? सम्मसुय ज इम अरहत्तेहिं भगवत्तेहिं उप्पण्णनाणदसणधरेहिं तेलुक्कनिरिकउयमहियपू एहिं तीयपडुप्पण्णमणागयजाणएहिं सच्चणूहिं सच्चदरिसिहिं पणीय दुवालमग गणिपिडग, ततहा—आयारो १ सूयगडो २ ठाण ३ समवाओ

* अथाण उग्गहण च उग्गह तह वियालग इह । ववसाय च अवाय धरण पुण धारण वित ॥ १ ॥

४ विनाहपण्णत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उवासगदसाओ ७ अतगडदसाओ अतगडदसाओ ८ अ
 पुत्तरोववाडयदमाओ ९ पण्णावागरणाड १० विवागमुय ११ दिट्ठिमाओ १२, इच्चैय दुवालसग
 गणिपिडग चोइसपुब्बिस्स सम्मसुय, अभिण्णदसपुब्बिस्स सम्मसुय, तेण पर भिण्णेसु भयणा, से
 चा मम्मसुय ॥ सू० ॥ ४० ॥ से किं त मिच्छासुग ? मिच्छासुय ज इम अण्णाणिएहि मिच्छादि-
 ट्ठिएहि मच्छदबुद्धिमइविगप्पिय, तजहा—भारह, रामायण, भीमासुरुक्ख, कोडिल्लग, सगड-
 भदियाओ, खोड (धोडग) गृह, कप्पासिय, नागसुहूम, क्खणसत्तरी, वइसेसिग, बुद्धवयण,
 तेरासिय, काविलिय, लोगायय, सट्ठितत, माडर, पुराण, वागरण, भागवय, पागजली पुस्सदे-
 वय, लेह, गणिग, सञ्जरुप नाडयाइ, अहवा वाचरिक्कलाओ, चत्ताणि य वैया सगोपगा,
 एयाइ मिच्छदिट्ठिस्स मिच्छत्तपरिग्गहियाइ मिच्छासुय एयाइ चैव सम्मदिट्ठिस्स सम्मत्त-
 परिग्गहियाइ सम्मसुय, अहवा मिच्छदिट्ठिस्सवि एयाइ चैव सम्मसुय, कम्हा ? सम्मत्तहउत्तणओ
 जम्हा ते मिच्छदिट्ठिया तेहि चैर समण्हिं चोइया समाणा केड मपक्खविट्ठीओ चयति, से त मिच्छा
 सुय ॥ सू० ॥ ४१ ॥ से किं त माडय सपज्जवसिय, अणाइय अपज्जवसिय च ? इच्चैय दुवालसग
 गणि पिडग बुच्चित्तिनयट्ठयाए साइय सपज्जवसिय अबुच्चित्तिनयट्ठयाए अणाइय अपज्जवसिय, त
 समासओ चउविह पण्णत्त, तजहा—द्वओ, वित्तओ, कालओ, भाउओ, तत्थ द्वओ ण सम्मसुय
 एग पुरिस पडुच्च साइय सपज्जवसिय, बहव पुरिसे य पडुच्च अणाइय अपज्जवसिय, खेत्तओ ण पच्च
 मरहाइ पचेरवयाइ पडुच्च साइय सपज्जवसिय, पच्च महाविदेहाइ पडुच्च अणाइय अपज्जवसिय,
 कालओ ण उम्सप्पिणिं ओमप्पिणिं च पडुच्च साइय सपज्जवसिय, नो उम्सप्पिणिं नो ओसप्पिणिं
 च पडुच्च अणाइय अपज्जवसिय, भावओ ण जे जया जिणपत्तत्ता भावा आधविज्जन्ति, पण्णविज्जन्ति,
 परविज्जन्ति, दसिज्जन्ति, निदसिज्जन्ति, उवदसिज्जन्ति, ते तथा भावे पडुच्च साइय मपज्जवसिय खा-
 ओरसमिय पुण भाव पडुच्च अणाइय अपज्जवसिय, अहवा भवसिद्धियस्स सुय माडय मपज्जवसिय
 च, अभवमिद्धियस्स सुय अणाइय अपज्जवसिय च, सत्तागासपएमग्ग सत्तागासपएसेहि अणतएणिय
 पज्जवक्खर निप्फज्जड, सत्तजीराणपि य ण अक्खरस्स अणतमागो, निच्चुग्घाडियो जड पुण सोऽवि
 आररिजा तेण जीरो अजीवच पाविज्जा,— “सुट्ठवि मेहममुदए, होइ पमा चदव्हराण” से चा
 साइय मपज्जवसिय, से च अणाइय अपज्जवसिय ॥ सू० ॥ ४२ ॥ से किं त गमिय ? गमिग
 दिट्ठिवाओ, से किं त अगमिय अगमिय कालिय सुय, से च गमिय, से च अगमिग । अहवा त
 ममासओ दुविह पण्णत्त, तजहा—अगपविट्ठ, अग वाहिर च । से किं त अगवाहिर ? अगवाहिर
 दुविह पण्णत्त, तजहा—आरस्सय च, आरस्सयउररिच च । से किं त आरस्सय ? आरस्सय
 छत्तिह पण्णत्त, तजहा—सामाइय, चञ्चीमथओ, उदणय, पडिक्कमण, णाउस्सग्गो, पच्चक्खवाण,
 से चा आरस्सय । से किं त आरस्सयउररिच ? आरस्सयउररिच दुविह पण्णत्त, तजहा—कालिग
 च, उकालिय च । से किं त उकालिय ? उणेगविह पण्णत्त, तजहा—अमवेयालिग, कप्पियाकप्पिग,
 बुद्धप्पसुग, महान्प्पसुग, उववाउय, रायपसेणिग, जीराभिगमो, पण्णवणा, महापण्णवणा,
 पमायप्पमाय, नत्ती, अणुओगदाराट, दण्दिदत्थओ, तइलवेयालिग, चत्ताविज्जय, सुरपण्णत्ती, पोरि-
 सिमण्डर, मण्णत्तपनेमो, विजाचरणनिणिच्छओ, गणिविजा, ज्ञाणविभत्ती, मरणविभत्ती, आयादि

सोही, वीयरगसुय, सठेहणासुय, विहारकप्पो, चरणविही, आउरपचक्खाण, महापचक्खाण, एवमाइ, से च उक्कालिय। से किं त कालिय ? कालिग अणेगविह पण्णत्ता, तजहा-उत्तुरज्झयणाइ, दसाओ, कप्पो, ववहारो, निसीह, महानिसीह, इसिभासियाइ, जम्बूदीउपत्तत्ती, दीउसा गरपत्तत्ती, चदप पत्तत्ती, खुड्डिया विमाणपविभत्तोमहद्धिया विमाणपविभत्तो, अगचूलिया, वग्गचूलिया, विच्चाइचूलिया, अरुणोउवाए, उरुणोउवाए, गरुलोउवाए, धरुणोउवाए, वेममणोउवाए, वेल्धरोउवाए, देवि दोउवाए, णट्ठाणसुए, समुट्ठाणसुए, नागपरियावलियाओ, निरयाउलियाओ कप्पियाओ, कप्पवाड सियाओ, पुप्फियाओ, पुप्फचूलियाओ, वण्हीदसाओ, आसीरिसभावणाण, दिट्ठिविसभावणाण, सुमिण भावणाण महासुमिणभावणाण, तेयग्गिनिसग्गाण, एवमाइयाइ चउरासीइ पइन्नगमहस्साइ भगवओ अरहओ उसहसामिस्म आइतित्थयरस्स, तहा सरिज्जाइ पइन्नगमहस्साइ मज्झिमगाण जिणवराण, चोइस पइन्नगसहस्साइ भगवओ वट्ठमाणसामिस्स अउहा जस्म जत्तिया सीसा उप्पत्तियाए, वेणइयाए कम्मयाए, पारिणाभियाए, चउव्विहाए बुद्धीए उउवेया तस्स तत्तियाइ पइण्णगसहस्साइ, पचेयबुद्धानि तत्तिया चैव, से च कालिय, से च आउस्मयउरिच, से च अण गपविट्ठ ॥ ४० ॥ ४३ ॥ से किं त अगपविट्ठ ? अगपविट्ठ दुवालमणिं पण्णत्ता, तजहा-आयारे १ सूयगडे २ ठाण ३ समवाओ ४ विराहपत्तत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उवासदमाओ ७ अतग उदसाओ ८ अणुत्तरोउवाइयदमाओ ९ पण्हाउगरणाइ १० विवागसुय ११ दिट्ठिवाओ १२ ॥ ४० ४४ ॥ से किं त आयारे ? आयारे ण समणाण निग्गथाण आपारगोयरविणयवेण्णयसिक्खिभासा अभावाचरणकरणजायामायावित्तीओ आधविज्जति, से समा सओ पचविहे पण्णत्तो, तजहा-नाणा यारे दसणायारे, चरित्तायारे, तजायारे, वीरियायारे, आयारे ण परित्ता वायणा, सखेज्जा, अणुओग दारा, सरिज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, सरिज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखिज्जाओ सगहणीओ, सखिज्जाओ पडिउत्तीओ, से ण अगट्ठयाए पढमे अणे, दो सुयक्खधा, पणवीस अज्झयणा, पचासीइ उद्देमण काला, पचासीइ समुद्देसणकाला, अट्टारस पयसहस्साइ पयग्गेण, सरिज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा, सामयकडनिबद्धनिहाइया जिणपण्णत्ता भावा आध विज्जति पत्तविज्जति, परविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति उउदसिज्जति से एव आया, एव नाया, एव विण्णाया एव चरणकरणरूउवाणा आधविज्जइ, से च आयारे ? ॥ ४० ॥ ४५ ॥ से किं त सूयगडे ? सूयगडे ण लोए सूइज्जइ, अलोए सूइज्जइ, लोयालोए सूइज्जइ, जीग सूइज्जति, अजीवा सूइज्जति, जीवाजीवा सूइज्जति, ससमएसूइज्जद, परसमए सूइज्जइ, ससमयपरममए सूइज्जइ, सूयगडे ण असीयस्म फिरियाउइसयस्स, चउरासीइए अकिरियाउइण, सत्तट्ठीए अण्णाणीयवा ईण, वत्तीमाए वेणइयवार्इण, तिण्ह तेसट्ठाण पामडियसथाण वूह किच्चा ससमए ठाविज्जइ, सूय गडे ण परित्ता वायणा, सखिज्जा, अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा सखेज्जा सिलोगा, सरिज्जाओ निज्जुत्तीओ, सरिज्जाओ सगहणीओ, सरिज्जाओ पडिउत्तीओ, से ण अगट्ठयाए विण्ण अणे, दो सुयक्खधा, तेवीम अज्झयणा, तिच्चीस उद्देमणकाला, तिच्चीस समुद्देमणकाला, उच्चीस पयमहस्साइ पयग्गेण सरिज्जा, अक्खरा, अणता गमा अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा, सामय कडनिबद्धनिहाइया जिणपण्णत्ता भावा आधविज्जति, पणविज्जति, परविज्जति, दसिज्जति, निद-

सिञ्जति, उपदसिञ्जति, से एन आया, एव नाया, एन विष्णाया, एव चरणकरणपरूपाणा आघ
विञ्ज, से च सूयगडे २ ॥ सू० ॥ ४६ ॥ से किं त ठाणे ? ठाणे ण जीवा ठाविञ्जति, अजीवा
ठाविञ्जति, जीवाजीवा ठाविञ्जति, मसमए ठाविञ्जइ, परसमए ठाविञ्जइ, मसमयपरसमएठाविञ्जइ,
लोएठाविञ्जइ, अलोए ठाविञ्जइ, लोयालोए ठाविञ्जइ । ठाणे ण टका, कूडा, मेला, सिहरिणी,
पभारा, कुटाट, गुहाओ, आगरा दहा, नईओ, आघविञ्जति । ठाणे ण एगायाए एगुत्तरियाए
बुद्धीए दमद्वानगमिन्द्रियाण भाषाण परूपाणा आघविञ्जइ । ठाणे ण परिचा वायणा, सखेज्जा अणु
ओगदारा, सखेज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, सखेज्जाओ निञ्जुत्तीओ, सखेज्जाओ सगहणीओ,
सखेज्जाओ पडिपत्तीओ मे ण अगद्वयाए तइए अगे, एगे सुयक्खवे, दमअञ्जयणा एगरीस उद्देस
णमाला, एकरीस समुद्देमणकाला, बापचरि पयसहस्सा पयग्गेण, सखेज्जा अम्परा, अणता गमा,
अणता पज्जा, परिचा तमा, अणता वावग, सासयण्डनिबद्धनिजाइया जिणपणत्ता भाषा आघ
विञ्जति, पन्नाञ्जति, परविञ्जति दसिञ्जति, निदसिञ्जति उवदसिञ्जति । से एन आया, एन नाया,
एव विष्णाया एन चरणकरणपरूपाणा आपविञ्जइ, से च ठाणे ३ ॥ सू० ॥ ४७ ॥ मे किं त म
नाए ? समनाए ण जीवा ममासिञ्जति, अजीवा ममासिञ्जति, जीवाजीवा ममासिञ्जति, सममए
समासिञ्ज, परममए समासिञ्जइ, मसमयपरममए समामिञ्जट लोए समासिञ्जइ, अलोए समासिञ्जट
लोयालोए ममामिञ्जइ । समनाए ण एगायाए एगुत्तरियाए ठाणमयविन्द्रियाण भाषाण परूपाणा
आघविञ्ज, दुवालमविहस्म य गणिपिडगस्म पल्लग्गे ममामिञ्जइ, समनायस्स ण परिचा वायणा,
सखिज्जा अणुओगदारा, सखिज्जा वेढा, सखिज्जा मिलोगा, सखिज्जाओ, निञ्जुत्तीओ, सखिज्जाओ
सगहणीओ, सखिज्जाओ पडिपत्तीओ, से ण अगद्वयाए चउत्थ अगे, एगे सुयक्खवे, एगे अञ्ज
यणे, एगे उद्देमणकाले, एगे समुद्देमणकाले, एगे चोयाठे मयमहस्से पयग्गेण, मखेज्जा अक्खग,
अणता गमा, अणता पज्जा, परिचा तसा, अणता वावग, सामयण्डनिबद्धनिजाइया जिणपणत्ता
भाषा आघविञ्जति, पणविञ्जति, परविञ्जति, दसिञ्जति, निविञ्जति, उवदसिञ्जति से एन
आया, एव नाया, एन विष्णाया, एन चरणकरणपरूपाणा आघविञ्जइ । से च समनाए ४ सू० ॥ ४८ ॥
से किं त विवाहे ? विवाह ण जीवा विआहिञ्जति, अजीवा विआहिञ्जति, जीवाजीवा विआहिञ्जति,
ससमए विआहिञ्जति, परसमए विआहिञ्जति, सममएपरसमए विआहिञ्जति, लोए विआहिञ्जति,
अलोए विआहिञ्जति, लोयालोए विआहिञ्जति, विवाहस्सग परिचा वायणा, मखिज्जा अणुओग-
दारा सखिज्जा वेढा, सखिज्जा सिलोगा, सखिज्जाओ निञ्जुत्तीओ, मखिज्जाओ सगहणीओ, सखि-
ज्जाओ पडिपत्तीओ, से ण अगद्वयाए पम अगे, एगे सुयक्खवे, एगे साङ्गगे अञ्जयणसए, दम
उद्देमणमहस्साइ समुद्देमणसम्माम्माइ, छत्तीम वागणमहस्साइ, दो लम्मा अट्ठासी पयमहस्सा
पयग्गेण, मखिज्जा अक्खग, अणता गमा, अणता पज्जा, परिचा तमा, अणता वावग सामय
ण्डनिबद्धनिजाइया जिणपणत्ता भाषा आपविञ्जति, पणविञ्जति, परविञ्जति, दसिञ्जति,
निविञ्जति, उपदमिञ्जति, से एन आया, एन नाया, एन विष्णाया एन चरणकरणपरूपाणा
आघविञ्जइ, से च विवाह ५ ॥ सू० ॥ ४९ ॥ से किं त नायाघम्मकहाओ ? नायाघम्मकहाओ ण
नायाण नगराइ, उज्जाणारइ, चेइयाइ, रणमडाइ, समोवरणा गयाणो, अम्मापियरो, घम्मायरिया,

सोही, वीयरगसुय, सठेहणासुय, विहारकप्पो, चरणत्रिही, आउरपच्चक्खाण, महापच्चक्खाण, एवमाह,
 से च उकालिय। से किं त कालिय? कालिग अणेगविह पण्णत्त, तजहा-उत्तरज्झयणाइ, दसाओ,
 कप्पो, वण्हारो, निसीह, महानिसीह, इसिभासियाइ, जम्बुदीपपन्नत्ती, दीपसा गरपन्नत्ती, चदप
 पन्नत्ती, खुद्धिया विमाणपनिभत्तोमहल्लिया विमाणपविभत्तो, अगचूलिया, वग्गचूलिया, विवाहचू
 लिया, अरणीववाए, उरुणोववाए, गरुलोववाए, धरणोववाए, वेमणोववाए, वेल्धरोववाए, दर्वि
 दोरुवाए, णट्ठाणसुए, समुट्ठाणसुए, नागपरियाउलियाओ, निरयाउलियाओ कप्पियाओ, कप्पवाड
 सियाओ, पुप्फयाओ, पुप्फचूलियाओ, वण्हीदसाओ, आसीनिमभावणाण दिट्ठिविसभाउणाण,
 सुमिण भावणाण महासुमिणभाउणाण, तेयग्गिनिसग्गाण, एवमाइयाइ चउरासीइ पडन्नगमहस्साइ
 भगवओ अरहओ उसहसामिस्म आइतित्थयरस्म, तहा सखिज्जाइ पइन्नगसहस्साइ मज्झिमगाण
 जिणवराण, चोइस पडन्नगसहस्साइ भगवओ वद्धमाणसामिस्स अउहा जस्म जत्तिया सीसा
 उप्पत्तियाए, वेणइयाए कम्मयाए, पारिणामियाए, चउव्विहाए बुद्धीए उउवेया तस्म तत्तियाइ
 पइण्णगसहस्साइ, पचोयबुद्धानि तत्तिया चेव, से च कालिय, से च आउस्मयउरिच, से च अण
 गपविट्ठ ॥ सू० ॥ ४३ ॥ से किं त अगपविट्ठ? अगपविट्ठ दुवालसर्पिं पण्णत्त, तजहा-आयारो
 १ सूयगडो २ ठाण ३ समवाओ ४ विनाहपन्नत्ती ५ नायाधम्मकहाओ ६ उनासदसाओ ७ अतग
 डदसाओ ८ अणुत्तरोववाइयदमाओ ९ पण्हाउगरणाइ १० विनागसुय ११ दिट्ठिवाओ १२ ॥ सू०
 ४४ ॥ से किं त आयारे? आयारे ण समणाण निग्गधाण आयारुगोयरविणयवेणइयसिक्खाभासा
 अभाभाचरणकरणजायामायाविचीओ आधविज्जति, से समा सओ पचविहे पण्णत्तो, तजहा-नाणा
 यारे दसणायारे, चरित्तायारे, तनायारे, वीरियायारे, आयारे ण परित्ता वायणा, सखेज्जा, अणुओग
 दारा, सखिज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोमा, सखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखिज्जाओ सगहणीओ, सखिज्जाओ
 पडिबत्तीओ, से ण अगट्ठयाए पढमे अगे, दो सुयक्खधा, पणवीम अज्झयणा, पचासीइ उदेमण
 काला, पचासीइ समुदेसणकाला, अट्ठारस पयमहस्साइ पयग्गेण, सखिज्जा अक्खरा, अणता गमा,
 अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा, सामयकडनिवद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आध
 विज्जति पन्नविज्जति, पण्णत्तविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति उवदसिज्जति से एव आया, एव
 नाया, एव विण्णयाया एव चरणकरणपरूवणा आधविज्जइ, से च आयारे १ ॥ सू० ॥ ४५ ॥ से
 किं त सूयगडे? सूयगडे ण लोए सूइज्जइ, अलोए सूइज्जइ, लोयालोए सूइज्जइ, जीमा सूइज्जति,
 अजीवा सूइज्जति, जीवाजीमा सूइज्जति, ससमए सूइज्जद, परसमए सूइज्ज, ससमयपरममए सूइज्जइ,
 सूयगडे ण असीयस्म किरियावाइसयस्स, चउरासीइए अकिरियाउणाण, सत्तट्ठीए अण्णाणीयवा
 इण, वचीसाए वेणइयवाइण, तिण्ह तेसट्ठाण पासडियसयाण वूह किच्चा ससमए ठाभिज्जइ, सूय
 गडे ण परित्ता वायणा, सखिज्जा, अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा सखेज्जा सिलोमा, सखिज्जाओ
 निज्जुत्तीओ, सखिज्जाओ सगहणीओ, सखिज्जाओ पडिबत्तीओ, से ण अगट्ठयाए विण्ण अगे, दो
 सुयक्खधा, तेवीम अज्झयणा, तिचीस उदेमणकाला, तिचीस समुदेमणकाला, उचीस पयमहस्साण
 पयग्गेण सखिज्जा, अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परित्ता तसा, अणता थावरा सामय
 कडनिवद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आधविज्जति, पण्णत्तविज्जति, पण्णत्तविज्जति, दसिज्जति, निद-

अणुचरोववाडयदसामु ण अणुचरोववाडयाण नगराड, उज्जाणाड, चेडयाड, षणमडाड, ममोमरणाड, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोडयपरलोडया इड्डिविसेमा, भोगपरिचागा, पवज्जाओ, परिआगा, सुयपरिग्गहा, तत्रोवहाणाड, पटिमाओ, उवमग्गा, सलेहणाओ, मचपचवखाणाड पाओवगमणाड, अणुचरोववाडय चि चवत्ती, सुकुलपचायाडओ, पुणवोहिलाभा, अतत्रिरियाओ, आघविज्जति, अणुचरोववाडयदसामु ण परिचा वायणा, सखेज्जा अणुओगदारा, मखेज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, मखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, मखेज्जाओ मगहणीओ, सखेज्जाओ पट्टिचत्तीओ, से ण अगट्टयाण नवमे अगे, एगे सुयक्खवे, तिन्नि वग्गा, तिन्नि उहेसणकाला, तिन्नि ममुद्देमणकाला, मखेज्जाड पयमहस्माड पयग्गेण सखेज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परिचा तमा, अणता थावरा, सामयक्कडनिवद्धनिकाडया निणपण्णत्ता भावा आघविज्जति, पण्णविज्जति, परूविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति, उवदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विण्णाया, एव चरणकरणरूपणा आघविज्जति से च अणुचरोववाडयदमाओ ९ ॥ सू० ॥ ५३ ॥ से किं त पण्हावागरणाड ? पण्हावागरणेसु ण अट्टुत्तर पसिणय, अट्टुत्तर अपसिणमय अट्टुत्तर पसिणापसिणसय, तनहा—अणुट्टुपसिणाड गहुपमिणाड, अहागपमिणाड, अन्नेविविचिच्चा विज्जाटमया, नगसुवणोहिं मद्धि दिवा सत्राया आघविज्जति, पण्हावागरणाण परिचा वायणा, मखेज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा, मखेज्जा मिलोगा, मखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखेज्जाओ मगहणीओ, मखेज्जाओ पट्टिचत्तीओ, से ण अगट्टयाण दममे अगे एगे सुयक्खवे, पणयालीम अज्जयणा, पणयालीम उहेसणकाला, पणयालीम ममुद्देमणकाला, मखेज्जाड पयमहस्माड पयग्गेण, मखेज्जा अक्खरा, अणतागमा, अणता पज्जवा परिचा तमा, अणता थावरा, सामयक्कडनिवद्धनिकाडया निणपण्णत्ता भावा आघविज्जति, पण्णविज्जति, परूविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति, उवदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विरणाया, एव चरणकरणरूपणा आघविज्जति, से च पण्हावागरणाड १० ॥ सू० ॥ ५४ ॥ से किं त त्रिआगसुय ? त्रिआगसुय ण सुक्कट्टुक्कडाण कम्माण फलविवागे आघविज्जति, तत्र ण दम दुहविवागा दम सुहविवागा । से किं त दुहविवागा ? दुहविवागेसु ण दुहविवागाण नगराड, उज्जाणाड, षणमडाड, चेडयाड, ममोमरणाड, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोडयपरलोडया इड्डिविसेमा, भोगपरिचागा, पवज्जाओ, परियागा, सुयपरिग्गहा, तत्रोवहाणाड, सलेहणाओ, मचपचक्खणाणा, पाओवगमणा, देवलेगगमणाड, सुहपरपराओ, सुकुलपचायाडओ, पुणवोहिलाभा, अतत्रिरियाओ, आघविज्जति । विवागसुयसु ण परिचा वायणा, मखेज्जा अणुओगदारा, मखेज्जा उढा मखेज्जा मिलोगा, मखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, मखिज्जाओ मगहणीओ, मखिज्जाओ पट्टिचत्तीओ । से ण अगट्टयाण ट्काग्गमे अगे, दो सुयक्खवा, वीस अज्जयणा, वीम उहेमणकाला, वीम ममुद्देमणकाला, मखिज्जाड पयमहस्माड पयग्गेण, सखेज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जवा, परिचा तमा, अणता थावरा, सामयक्क-

धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इङ्गिविसेसा, भोगपरिचाया, पव्वज्जाओ, परिआया, सुयपरिग्गहा, तवोवहाणाइ, सलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइ पाओवगमणाइ, देवलोगगमणाइ, सुकुलपच्चाइओ, पुणबोहिलाभा, अतकिरियाओ य आघविज्जति, दस धम्मकहाण वग्गा, तत्थ ण एगमेगाए धम्म कहाए पच पच अक्खाइयासयाइ, एगमेगाए अक्खाइयाए पच पच उवाक्खाइया सयाइ एगमेगाए उवक्खाइयाए पच पच अक्खाइयउवक्खाइयासयाइ एवामेअ सपुद्धारण अद्घुट्टाओ कहाणगको डीओ हवतिचि समक्खाय । नायाधम्मकहाण परिचा वायणा, सखिज्जा अणुओगदारा, सखिज्जा वेढा, सखिज्जा सिलोगा, सखिज्जाओ निज्जुत्तीओ सगहणीओ, सखिज्जाओ पडिवत्तीओ । से ण अगट्टयाए छट्ठे अगे, दो सुयक्खपा, एगूणवीस अज्जयणा, एगूणवीस समुद्देसणकाला, सखेज्जा पयसहस्सा पयग्गेण, सखेज्जा अक्खरा अणता गमा, अणता पज्जना, परिचा तमा, अणता थावरा, सासयकडनिवद्धनिआइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति पण्णविज्जति परूविज्जति दसिज्जति निदसिज्जति उवदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विन्नाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से च नायाधम्मकहाओ ६ ॥ सू० ॥ ५० ॥ से किं त उवासगदमाओ ? उवासगदसा सुण समणोवामयाण नगराइ उज्जाणाइ, चेइयाइ वणसडाइ, समीसरणाइ, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइया इङ्गिविसेसा, भोगपरिचाया, पव्वज्जाओ, परिआया, सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइ सीलवयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोअनासपडिपज्जणया, पडिमाओ, उवासग्गा, सलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइ पाओवगमणाइ, देवलोगगमणाइ, सुकुलपच्चाइओ, पुणबोहिलाभा, अतकिरियाओ आघविज्जति, उवासगदसाण परिचा वायणा, सखेज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, सखेज्जाओ निज्जुत्तीओ सखेज्जाओ सगहणीओ, सखेज्जाओ पडिवत्तीओ । से ण अगट्टयाए सत्तमे अगे, एगे, एगे सुयक्खपा, दस अज्जयणा, दस उद्देसणकाला, दस समुद्देसणकाला सखेज्जा पयसहस्सा पयग्गेण सखेज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जना, परिचा तमा अणता थावरा, सासयकडनिवद्धनिआइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति पन्नविज्जति परूविज्जति दसिज्जति, निदसिज्जति, उवदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विन्नाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से च उवासगदमाओ ७ ॥ सू० ॥ ५१ ॥ से किं त अतगडदसाओ ? अतगडदसासु ण अतगडण नगराइ उज्जाणाइ, चेइयाइ, वणसडाइ, समीसरणाइ, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ इहलोइयपरलोइया इङ्गिविसेसा, भोगपरिचाया, पव्वज्जाओ परिआया, सुयपरिग्गहा तवोवहाणाइ, सलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइ पाओवगमणाइ, अतकिरियाओ, आघविज्जति, अतगडदसासु ण परिचा वायणा, सखिज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वेढा, सखेज्जा सिलोगा, सखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, सखेज्जाओ सगहणीओ, सखेज्जाओ पडिवत्तीओ से ण अगट्टयाए अट्ठमे अगे, एगे सुयक्खपा, अट्ठवग्गा अट्ठ उद्देसणकाला, अट्ठ समुद्देसणकाला सखेज्जा पयसहस्सा पयग्गेण, सखेज्जा अक्खरा, अणता गमा, अणता पज्जना, परिचा तमा, अणता थावरा, सासयकडनिवद्धनिआइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जति, पन्नविज्जति परूविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति, उवदसिज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विन्नाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, से च अतगडदसाओ ८ ॥ सू० ॥ ५२ ॥ से किं त अणुचरोववाइयदमाओ ?

आजीवियसुत्तपरिवाडीए, इच्छेइयाइ बावीस सुत्ताइ तिगणइयाणि तैरासिय सुत्तपरिवाडीए, इच्छेइ
याइ बावीस सुत्ताइ चउकनइयाणि ससमयसुत्तपरिवाडीए, एवामेव सपुञ्चावरेण अट्टासीई सुत्ताइ
भवतित्ति मक्खाय, स च सुत्ताइ २ । से किं त पुञ्चगए ? पुञ्चगए चउइसविहे पणत्ते, तजहा—
उप्पायपुञ्च १ अग्गाणीय २ वीरिय ३ अत्थिनत्थिप्पवाय ४ नाणप्पवाय ५ सच्चप्पावाय ६ आय-
प्पवाय ७ कम्मप्पवाय ८ पच्चक्खाणप्पवाय (पच्चक्खाण) ९ विज्जणुप्पवाय १० अन्न ११
पाणाऊ १२ किरियाविसाल १३ लोकविंदुसार १४ । उप्पायपुञ्चस ग दस वत्थू, चत्तारि चूलि
यावत्थू पणत्ता । अग्गाणीयपुञ्चस ग चोइस वत्थू, दुवालस चूलियावत्थू पणत्ता । वीरियपुञ्चस
ग अट्ट वत्थू अट्ट चूलियावत्थू पणत्ता । अत्थिनत्थिप्पवायपुञ्चस ग अट्टारस वत्थू, दस चूलिया-
वत्थू पणत्ता । नाणप्पवायपुञ्चस ग बारस वत्थू पणत्ता । सच्चप्पवायपुञ्चस ग दोणिवत्थूपण
त्ता । आयप्पवायपुञ्चस ग सोलम वत्थू पणत्ता । कम्मप्पवायपुञ्चस ग तीस वत्थू पणत्ता । पच्च-
क्खाणपुञ्चस ग बीस वत्थू पणत्ता । विज्जाणुप्पवायपुञ्चस ग पन्नरस वत्थू पणत्ता अवज्ञपुञ्चस
ग बारस वत्थू पणत्ता । पाणाउपुञ्चस ग तेरस वत्थू पणत्ता । किरियाविसाल पुञ्चस ग तीस
वत्थू पणत्ता । लोकविंदुसारपुञ्चस ग पशुवीस वत्थू पणत्ता, गाहा—

दस / चोदस २ अट्ट ३ ऽट्टारसेव ४ बारस ५ दुवे ६ य वत्थूणि । सोलस ७ तीम ८ चीमा
९, पन्नरस १० अणुप्पवायमिम ॥ ८९ ॥

बारस इकारसमे, बारसमे तेरसेव वत्थूणि । तीसा पुण तेरसमे, चोइसमे पणवीसाओ ॥९०॥

चत्तारि १ दुवालस २ अट्ट ३ चेउदस ४ चेव चुल्लवत्थूणि । आइल्लण चउण्ह, चूलिया नत्थि ॥९१॥
से च पुञ्चगए । से किं त अणुओगे ? अणुओगे ढविहे पणत्ते, तजहा—मूलपढमाणुओगे, गडिया-
णुओगे य । से किं त मूलपढमाणुओगे ? मूलपढमाणुओगे ग अरहताण भगवताण पुबभवा, देउ
गमणाइ, आउ, चवणाइ, जम्मणाणि अमिसेया रायपरसिरीओ, पव्वजाओ, तवा य उग्गा, कवलना
णुप्पयाओ, तित्थपवत्तणाणि य, सीमा, गणहरा, अज्जपवत्तिणीओ सघसस चउविहम्म ज च परिमाण,
निणमणपज्जवओहिनाणी, मम्मत्तसुपनाणिणो य दाई अणुत्तरगईय, उत्तरवेउ, चिणो य मुण्णिणो,
जत्तिया सिद्धा, सिद्धिपढो जड देसिओ, जच्चिर च काल, पोआनगया जे जहिं जत्तियाइ भत्ताइ अपण
णाए ढेइत्ता अतगडे मुणिवरुत्तमे, तिमिरओध विप्पमुक्के मुक्खमुहमणुत्तर च पत्ते, एउमन्ने य एवमाइ
भाना मूलपढमाणुओगे कहिया, से च मूलपढमाणुओगे से किं त गडियाणुओगे ? गडियाणुओगे
कुलगरगडियाओ, तित्थपरगडियाओ चक्कत्रिगडियाओ, दसारगडियाओ, बलदणगडियाओ,
बामुदवगडियाओ, गणधरगडियाओ, भद्वाहुगडियाओ, तवोक्कम्मगडियाओ, हरिवमगडियाओ
उस्मप्पिणीगडियाओ, ओमप्पिणीगडियाओ, चिचत्तरगडियाओ अमरनरतिरिपनिरयग्गमणवि
विहपरियट्टेणु एवमाइयाओ गडियाओ आघविज्जति, पणविज्जति मे च गडियाणुओगे, स च
अणुओगे ४ । से किं त चूलियाओ ? आइल्लण चउण्ह पुञ्चण, चूलिया सेमाइ पुवाइ अचूलियाइ,
से च चूलियाओ । दिट्ठिवायस्म ग परिचा वायणा सखेज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वडा, सखेज्जा

दनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भात्ता आघविज्जति, पन्नविज्जति, परुविज्जति, दसिज्जति, निंदसि
 ज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विन्नाया, एव चग्णकरणपरूग्णा आघविज्जइ, से च विन्ना
 गसुय ११ ॥ सू० ॥ ५५ ॥ से किं त दिट्ठिमाए ? दिट्ठिमाएण सवभावपरूवणा आघविज्जइ, से
 समासओ पचविहे पण्णत्ते, तजहा-परिकम्मे १ सुत्ताइ २ पुव्वगए ३ अणुओगे ४ चूलिया ५ । से
 किं त परिकम्मे ? परिकम्मे सचविहे पण्णत्ते, तजहा-सिद्धसेणिया परिकम्मे १ मणुस्मसेणियापरि
 कम्मे २ पुट्टसणिग्ण-परिकम्मे ३ ओगाढसेणियापरिकम्मे ४ उवमपज्जसेणियापरिकम्मे ५ विप्प
 जहणसेणियापरिकम्मे ६ चुयाचुयसेणियापरिकम्मे ७ । से किं त सिद्धसेणियापरिकम्मे ? सिद्धसेणि-
 यापरिकम्मे चउद्दमविह पण्णत्ते, तजहा-मउगापयाइ १ एगड्डियपयाइ २ अट्टपयाइ ३ पाटोआगा
 सपयाइ ४ केउभूय ५ रासिबद्ध ६ एगगुण ७ दुगुण ८ तिगुण ९ केउभूय १० पडिग्गहो ११
 ससारपडिग्गहो १२ नदावत्त १३ सिद्धावत्त १४, से च सिद्धसेणियापरिकम्मे १ । से किं त मणु
 स्मसेणियापरिकम्मे ? मणुस्मसेणियापरिकम्मे चउद्दमविह पण्णत्ते, तजहा-माउयापयाइ १ एगड्डिय
 पयाइ २ अट्टपयाइ ३ पाटोआगासपयाइ ४ केउभूय ५ रासिबद्ध ६ एगगुण ७ दुगुण ८ तिगुण
 ९ केउभूय १० पडिग्गहो ११ ससारपडिग्गहो १२ वदावत्त १३ मणुस्सावत्त १४ से च मणुस्स-
 सेणियापरिकम्मे २ । से किं त पुट्टसेणियापरिकम्मे ? पुट्टसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते, तजहा
 पाटोआगामपयाइ १ केउभूय २ रासबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो
 ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० पुट्टावत्त ११, से च पुट्टसेणियापरिकम्मे ३ । से किं त ओगाढ-
 सेणियापरिकम्मे ? ओगाढसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते तजहा-पाटोआगासपयाइ १ केउ-
 भूय रामबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदा
 वत्त १० ओगाढावत्त ११, से च ओगाढसेणियापरिकम्मे ४ । से किं त उवसपज्जणसेणियापरिक-
 म्मे ? उवसपज्जणसेणिया परिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते, तजहा-पाटोआगासपयाइ १ केउभूय २
 रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त
 १० उवसपज्जणवत्त ११, से च उवसपज्जणसेणियापरिकम्मे ५ । से किं त विप्पजहणसेणियापरि-
 कम्मे ? विप्पजहणसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते, तजहा-पाटोआगासपयाइ १ केउभूय २
 रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त
 १० विप्पजहणावत्त ११, से च विप्पजहणसेणियापरिकम्मे ६ । से किं त चुयाचुयसेणियापरिक-
 म्मे ? चुयाचुयसेणियापरिकम्मे इक्कारसविहे पण्णत्ते, तजहा-पाटोआगासपयाइ १ केउभूय २
 रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो ८ ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त
 १० चुयाचुयवत्त ११ से च चुयाचुयसेणियापरिकम्मे ७ । छ चउक्कनपयाइ सत्त तरासियाइ, से
 च परिकम्मे १ । से किं त सुत्ताइ बानीस पन्नत्ताइ, तजहा-उज्जुसुय १ परिणयापरिणय २
 चहुमगिय ३ विजयचरिय ४ अणत्तर ५ परपर ६ मामाण ७ सज्जह ८ सम्भिण्ण ९ आह्वाय १०
 सोरथियावत्त ११ नदावत्त १२ बहुल १३ पुट्टापुट्ट १४ वियावत्त १५ एवभूय १६ दुयावत्त १७
 वत्तमाण पय १८ सममिरूढ १९ सबओमद २० पस्सास २१ दुप्पडिग्गह २२, इचेइयाइ बानीस
 सुत्ताइ छिन्नत्तेयनइयाणि सममयसुत्तपरिवाटीण; इचेइयाइ बानीस सुत्ताइ अत्थिन्नत्तेयनइयाणि

आजीवियसुचपरिवाडीए, च्चेह्याइ बावीस सुत्ताइ तिगणइयाणि तैरासिय सुत्तपरिवाडीए, उच्चेइ
याइ बावीस सुत्ताइ चउकनइयाणि मसमयसुत्तपरिवाडीए; एवामेव सपुञ्चावरेण अट्टासीई सुत्ताइ
भववित्ति मक्खाप, से च सुत्ताइ २ । से किं त पुत्रगए? पुत्रगए चउइसविहे पण्णत्ते, तजहा—
उप्पायपुत्र १ अग्गाणीय २ वीरिय ३ अत्थिनत्थियप्पनाय ४ नाणप्पवाय ५ सच्चप्पावाय ६ आय
प्पवाय ७ कम्मप्पनाय ८ पच्चक्खाणप्पवाय (पच्चक्खाण) ९ विज्जाणुप्पवाय १० अन्न ११
पाणाऊ १२ किरियाविमाल १३ लोकनिंदुसार १४ । उप्पायपुत्रस्म ण दम वत्थू, चत्तारि चूलि
याव यू पण्णत्ता । अग्गाणीयपुत्रस्म ण चोइम उत्तू, दुवालस चूलियावत्थू पण्णत्ता । वीरियपुत्रस्म
ण अट्ट वत्थू अट्ट चूलियावत्तू पण्णत्ता । अत्थिनत्थियप्पवायपुत्रस्म ण अट्टारम वत्थू, दम चूलिया-
वत्तू पण्णत्ता । नाणप्पनायपुत्रस्म ण वारम वत्थू पण्णत्ता । सच्चप्पनायपुत्रस्म ण दोणिवत्थूपण्ण
त्ता । आयप्पनायपुत्रस्म ण सोलम वत्थू पण्णत्ता । कम्मप्पनायपुत्रस्म ण तीस वत्थू पण्णत्ता । पच्च
क्खाणपुत्रस्म ण वीस वत्थू पण्णत्ता । विज्जाणुप्पनायपुत्रस्म ण पन्नरस वत्थू पण्णत्ता अनन्नपुत्रस्म
ण वारम वत्थू पण्णत्ता । पाणाउपुत्रस्म ण तेरस वत्थू पण्णत्ता । किरियाविमाल पुत्रस्म ण तीस
वत्तू पण्णत्ता । लोकनिंदुसारपुत्रस्म ण पणुवीस वत्तू पण्णत्ता, गाहा—

दम / चोइस २ अट्ट ३ उट्टारसेन ४ वारस ५ दुवे ६ य वत्थूणि । सोलम ७ तीम ८ वीमा
९, पन्नरम १० अणुप्पवायम्मि ॥ ८९ ॥

वारम इकारसमे, वारसमे तेरसेव वत्थूणि । तीसा पुण तेरसमे, चोइसमे पण्णवीसाओ ॥९०॥

चत्तारि १ दुवालस २ अट्ट ३ चेउदम ४ चेव चुछउत्थूणि । आच्छण चण्ह, चूलिया नत्थि ॥९१॥
से च पुत्रगए । से किं त अणुओगे ? अणुओगे इविहे पण्णत्ते, तजहा—मूलपढमाणुओगे, गडिया-
णुओगे य । मे किं त मूलपढमाणुओगे ? मूलपढमाणुओगे ण अरहताण भगवताण पुत्रभना, देउ
गमणाइ, आउ, चवणाइ, जम्मणाणि अमिमेया रायउरसिरीओ, पवज्जाओ, तमा य उग्गा, कउरलना
णुप्पयाओ, तित्थपवचणाणि य, सीमा, गणहरा, अज्जपवत्तिणीओ सघस्म चउविहम्म ज च परिमाण,
निणमणपज्जनओहिनाणी मम्मत्तसुयनाणिणो य गट्ट अणुत्तरगट्ठय, उत्तरवेउ, चिणो य मुणिणो,
जत्थिया सिद्धा, सिद्धिपहो जइ देसिओ, जच्चिर च माल, पोआनगया जे जहिं जत्थियाइ मत्ताइ अणम
णाए उइत्ता अतगड मुणिवरुत्तमे, तिमिरओघ विप्पमुक्के मुक्कउमृहमणुत्तर च पत्ते, एउमन्ने य एउमाइ
माता मूलपढमाणुओगे कहिया, से च मूलपढमाणुओगे से किं त गडियाणुओगे ? गडियाणुओगे
इलगरगडियाओ, तिथयरगडियाओ चक्रउट्टिगडियाओ, दमारगडियाओ, बलदेउगडियाओ,
बामुदुनगडियाओ, गणधरगडियाओ, भइवाहुगटियाओ, तपोउम्मगटियाओ, हरिवमगडियाओ
उम्मपिणीगडियाओ, ओमपिणीगडियाओ, चित्ततरगडियाओ अमरनरतिरियनिरयगग्गमणवि
विहपरियउट्टेणु एउमाइयाओ गडियाओ आघविज्जति, पण्णविज्जति मे च गडियाणुओगे, स च
अणुओग ४ । से किं त चूलियाओ ? आच्छण चउण्ह पुत्राण, चूलिया सेसाइ पुवाइ अचूलियाइ,
से च चूलियाओ । टिट्ठिनायस्म ण परिचा वायणा, सग्गेज्जा अणुओगदारा, सखेज्जा वेडा, सखेज्जा

दनिबद्धनिराह्या जिणपण्णत्ता भाया आघविज्जति, पन्नविज्जति, परुविज्जति, दसिज्जति, निदसि
ज्जति, से एव आया, एव नाया, एव विनाया, एव चग्णपरणपरूणणा आघविज्जइ, से च विवा
गसुय ११ ॥ सू० ॥ ५५ ॥ से किं त दिट्ठिणण १ दिट्ठिणणण सवभावपरूवणा आघविज्जइ, से
समांसओ पचविहे पण्णत्ते, तजहा-परिकम्मे १ सुत्ताइ २ पुव्वगए ३ अणुओगे ४ चूलिया ५ । से
किं त परिक्कम्मे ? परिक्कम्मे सत्तविहे पण्णत्ते, तजहा-सिद्धसेणिया परिक्कम्मे ६ मणुस्मसेणियापरि
क्कम्मे २ पुट्टसेणिया-परिकम्मे ३ ओगाढसेणियापरिकम्मे ४ उवसपज्जसेणियापरिकम्मे ५ विप्प
जहणसेणियापरिकम्मे ६ चुयाचुयसेणियापरिकम्मे ७ । से किं त सिद्धसेणियापरिकम्मे ? सिद्धसेणि-
यापरिकम्मे चउद्दमविह पण्णत्ते, तजहा-मउगापयाइ १ एगट्टियपयाइ २ अट्टपयाइ ३ पाढोआगा
सपयाइ ४ केउभूय ५ रासिबद्ध ६ एगगुण ७ दुगुण ८ तिगुण ९ केइभूय १० पडिग्गहो ११
ससारपडिग्गहो १२ नदावत्त १३ सिद्धावत्त १४, से च सिद्धसेणियापरिकम्मे १ । से किं त मणु
स्मसेणियापरिकम्मे ? मणुस्मसेणियापरिकम्मे चउद्दमविह पण्णत्ते, तजहा-माउयापयाइ १ एगट्टिय
पयाइ २ अट्टपयाइ ३ पाढोआगासपयाइ ४ कउभूय ५ रासिबद्ध ६ एगगुण ७ दुगुण ८ तिगुण
९ केउभूय १० पडिग्गहो ११ समारपडिग्गहो १२ नदावत्त १३ मणुस्सावत्त १४ से च मणुस्म-
सेणियापरिकम्मे २ । से किं त पुट्टसेणियापरिकम्मे ? पुट्टसेणियापरिकम्मे इकारसविह पण्णत्ते, तजहा
पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २ रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केउभूय ७ पडिग्गहो
ससारपडिग्गहो ९ नदावत्त १० पुट्टावत्त ११, से च पुट्टसेणियापरिकम्मे ३ । से किं त ओगाढ-
सेणियापरिकम्मे ? ओगाढसेणियापरिकम्मे इकारसविह पण्णत्ते, तजहा-पाढोआगासपयाइ १ केउ-
भूय रामबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ कउभूय ७ पडिग्गहो ८ समारपडिग्गहो ९ नदा
वत्त १० ओगाढावत्त ११, से च ओगाढसेणियापरिकम्मे ४ । से किं त उवसपज्जणसेणियापरिक-
म्मे ? उवसपज्जणसेणिया परिकम्मे इकारसविह पण्णत्ते, तजहा-पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २
रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केइभूय ७ पडिग्गहो ८ समारपडिग्गहो ९ नदावत्त
१० उवसपज्जणवत्त १, से च उवसपज्जणसेणियापरिकम्मे ५ । से किं त विप्पजहणसेणियापरि-
क्कम्मे ? विप्पजहणसेणियापरिकम्मे इकारसविह पण्णत्ते, तजहा-पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २
रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केइभूय ७ पडिग्गहो ८ समारपडिग्गहो ९ नदावत्त
१० विप्पजहणावत्त १, से च विप्पजहणसेणियापरिकम्मे ६ । से किं त चुयाचुयसेणियापरिक-
म्मे ? चुयाचुयसेणियापरिकम्मे इकारसविह पण्णत्ते, तजहा-पाढोआगासपयाइ १ केउभूय २
रासिबद्ध ३ एगगुण ४ दुगुण ५ तिगुण ६ केइभूय ७ पडिग्गहो ८ समारपडिग्गहो ९ नदावत्त
१० चुयाचुयवत्त १, से च चुयाचुयसेणियापरिकम्मे ७ । छ चउक्कनइयाइ सत्त तेरासियाइ, से
च परिक्कम्मे १ । से किं त सुत्ताइ वानीस पन्नत्ताइ, तजहा-उज्जुसुय १ परिणयापरिणय २
बहुभगिय ३ विजयचरिय ४ अणतर ५ परपर ६ मामाण ७ सज्जूह ८ सम्भिण्ण ९ आहवाय १०
सोमत्थियावत्त ११ नदावत्त १२ बहुल १३ पुट्टापुट्ट १४ वियावत्त १५ एवभूय १६ दुयावत्त १७
वत्तमाण पय १८ समभिरूढ १९ सव्वओभइ २० पस्सास २१ दुप्पडिग्गह २२, इचेइयाइ वानीस
सुत्ताइ छिन्नच्छेयनइयाणि समयसुत्तपरिवादीण, इचेइयाइ वानीस सुत्ताइ अत्थिन्नच्छेयनइयाणि

मूञ हुकार वा, वाढक्कार पडिपुन्छ धीमसा । तत्तो पसगपारायण च परिणिट्ट सत्तमए
॥ ९६ ॥

सुत्तयो खल्ल पढमो, चीओ निज्जुचिमीसिओ भणिओ । तडओ य निरवसेसो, एस विही होइ
अणुओगे ॥ ९७ ॥

से त्त अगपविट्ट, से च सुयनाण से च परोक्खनाण, से च नदी ॥ नदी समत्ता ॥

इअ नन्दीसुत्तं समत्तम्

सिलोगा सखेज्जाओ पडिवचीओ सरिज्जाओ निज्जुचीओ, सखेज्जाओ सगहणीओ से ण अगड्ढयाए वारसमे अगे, एगे सुयक्खये, चोद्दम पुद्दाह, सखेज्जा वत्थु, सखेज्जा चूलवत्थु, सखेज्जा पाहुडा, सखेज्जापहुडपाहुडा, सखेज्जाओ पाहुडियाओ, सखेज्जाओ पाहुडपाहुडियाओ, सखेज्जाइ पयसद स्साइ पयग्गण, सखेज्जा अक्खण, अणता गमा, अणता पज्जवा परिचा तसा अणता थावरा, सा सयकडनिवद्धनिकाइया जिणपन्नत्ता भागा आघविज्जति, पण्णविज्जति, परूविज्जति, दसिज्जति, निदसिज्जति, उवदसिज्जति । से एव आया, एव नाया एव विण्णयाया, एव चरणकरणपरूवणा आघविज्जति, से त्त्त दिट्ठिवाए १२ ॥ सू० ५६ ॥ इच्चेइयमि दुवालसगे गणिपिडगे अणता भावा अणता अभावा, अणता हेऊ, अणता अहेऊ, अणता कारणा, अणता अकारणा, अणता जीवा अणतता अजीवा अणता भवसिद्धिया अणता अभवसिद्धिया अणता सिद्धा, अणता असिद्धा पण्णत्ता-

भावमभावा हेऊमहेऊ, कारणमकारणे चेव । जीवाजीवा भवियमभविया सिद्धा असिद्धा य ॥ ९२ ॥

इच्चेइय दुवालसग कणिपिडग तीए काले अणता जीवा आणाए विराहिच्चा चाउरत ससारक तार अणुपरियट्ठिंथु इच्चेइय ट्ठुत्तसग गाणपिडग पडुप्पणकाले परिच्चा जीवा आणाए विराहिच्चा चाउरत ससारकतार अणुपरियट्ठति । इच्चेइय दुवालसग गणिपिडग अणागए काले अणता जीवा आणाए विराहिच्चा चाउरत ससारकतार अणुपरियट्ठिस्सति । इच्चेइय दुवालसग गणिपिडग तीए णाळे अणता जीवा आणाए आराहिच्चा चाउरत ससारकतार वीईवइसु । इच्चेइय दुवालसग गणि पिडग पडुप्पणकाले परिच्चा जीवा आणाए आराहिच्चा चाउरत ससारकतार वीईवयति । इच्चेइव दुवालसग गणिपिडग अणागए काले अणता जीवा आणाए आराहिच्चा चाउरत ससारकतार वीईव इस्सति । इच्चेइय दुवालसग गणिपिडगि न कयाइ नासी, न कयाइ न भवइ, न कयाइ न भवि स्सइ, भुवि च, भवइ य, भविस्सइ य, धुवे नियए, सासए, अक्खए अब्बए, अब्बट्ठिण निच्चे । से जहानाए पचत्थिकाए न कयाइनासी च कयाइ नत्थि, न कयाइ न भविस्सइ, भुवि च, भवइ य, भविस्सइ, य, धुवे, नियए, सामए, अक्खए, अब्बए, अब्बट्ठिए, निच्चे, एवामेव दुवालसग गणिपिडग न कयाइ नासी, न कयाइ नत्थि, न कयाइ न भविस्सइ, भुवि च, भवइ य, भविस्सइ य, धुवे, नियए, सासए अक्खए, अब्बए, अब्बट्ठिए निच्चे । से समासओ चउच्चिहे पण्णत्ते, तज्जा-दच्चओ, सिच्चाओ, कालओ, भावओ । तत्थ दच्चओ ण सुयनाणी उउत्ते सब्बदच्चाइ जाणइ पासइ, सिच्चाओ ण सुयनाणी उउत्ते सच्च खेत्त जाणइ पासइ, कालओ ण सुयनाणी उउत्ते मव खेत्त जाणइ पासइ, भावओ ण सुयनाणी उउत्ते सच्चे भावे जाणइ पासइ ॥ सू० ५७ ॥

अक्खर सन्नी सम्म, साइय खलु सयज्जवसिय च । गमिय अगपविट्ठ, सत्तवि एए सपडिड क्खत्ता ॥ ९३ ॥ जागमसत्थग्गाहण, ज बुद्धिगुणेहि अट्ठहि दिट्ठ । विति सुयनाणलभ, त पुच्चविसा रया धीरा ॥ ९४ ॥

सुस्समइ १ पडिपुच्छ, २ सुणोड ३ गिण्हइ ४ य ईहएयावि ५ । तत्तो अपोहए ६ वा, थारेइ ७ करेइ वा सम्म ८ ॥ ९५ ॥

॥ श्री सुखविपाक-सूत्रम् ॥

तेण कालेण तेण समएण रायग्निहे णयरे गुणसिलण चेइए सोहग्मे समोसठे जवू जाव पञ्जु वासमाणे एव वयासी-जइ ण भते ! समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण दुहविवागाण अयमठ्ठे पण्णत्ते सुहविवागाण भते ! समणेण भगवया महावीरेण जाव सपत्तेण के अट्ठे पण्णत्ते ? तते ण से सुहम्मै अणगारे जवू अणगार एव वयासी-एव खलु जवू समणेण भगवया महावीरेण जान सपत्तेण सुहविवागाण दस अज्झयणा पण्णत्ता । तजहा-सुवाहू ? भदनदी य २, सुजाए य ३, सुवासवे ४ । तहेव जिणदासे ५, धणपती य ६ महच्चले ७ ॥ १ ॥ भदनदी ८ महच्चद ९ वरदत्ते १० ॥

जइण भते ! समणेण जान सपत्तेण सुहविवागाण दस अज्झयणा पण्णत्ता पठमस्म ण भते ! अज्झयणस्स सुहविवागाण जाव के अट्ठे पण्णत्ते ? तते ण से सुहम्मै अणगारे जवू अणगार एव वयासी-एव खलु जवू ' तेण कालेण तण समएण हत्थिसीसे णाम णयर हो या रिद्धित्थिमियसमिद्धे तस्स ण हत्थिसीस्स णगरस्स बहिया उत्तरपुरत्थिम दिसीभाए एत्थ ण पुप्फकरडए णाम उज्जाणे होत्था सब्बोउय० तत्थण कयवणभालपियस्स जकरस्स जकराययणे होत्था दिव्वे०, तत्थ ण हत्थिसीसे णयरे अदीणसच्चू णाम राया होत्था महया० उण्णओ, तस्स ण अदीणसच्चुस्स रण्णे धारिणीपाम्मुए दवीसहस्म ओरोहे यावि होत्था । तते ण मा धारिणी देवी अण्णया कपाड तसि तारिसगसि वासघरसि जान सीह सुमिणे पामइ जहा मेहस्स जम्मण तहा भाणियव्व । सुवाहुकुमारं जाव अल भोगस्समत्थ यावि जाणति, जाणिता अम्मापियरो पच पामाययाडिंसगसयाइ करावेति, अब्भुग्गय० भवण एव जहा महाच्चलस्म रण्णे, णवर पुप्फचूलापामोकराण पचण्ह रायवरकण्णय मयाण पगदिवसेण पाणि गिण्हावति तद्व पचमइओ दाओ जान उट्ठि पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुडगमत्थएहिं जाव विहरइ । तेण कालेण तण समएण ममणे भगव महावीरं समोमदे, परिसा निग्गया, अदीणमच्चू जहा कृणिओ तहन निग्गओ सुवाहू विजहा जमाली तहा रहेण निग्गए जाव धम्मो कहिओ राया परिसा पडिगया । तण्ण से सुवाहुकुमारं समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म सोच्चा णिसम्म दइ तुट्ठं उट्ठाए उट्ठेति जाव एव वयासी—महहामि ण भते ! णिग्गथ पाययण० जहा ण दवाणुप्पियाण अतिए बहवे राइसर जान सत्थवाहप्पमिहओ मुडे भविता अगा राओ अणगारिय पव्वइया नो खलु अगहण तहा सचाएमि मुडे भविता अगाराओ अणगारिय पव्वत्तए अइण्ण दवाणुप्पियाण अतिए पचाणुव्वइय मत्तसिम्प्राउडय दुजालमविह गिहिधम्म पडिबज्जि स्सामि, अहासुह देवाणुप्पिया ! मा पडिबध करइ । ततेण से सुवाहुकुमारं ममणस्म भगवओ महा वीरस्स अतिए पचाणुव्वइय सत्तसिक्खावइय दुजालमविह गिहिधम्म पडिउज्जति पडिबज्जिता तमेव चाउग्घट आमरइ दुरूहति जामेव दिम पाउब्भू ताममदिस पडिगए । तेण कालेण तण ममएण समणस्स भगवओ महावीरस्स जेहे अतवामी इदभूइ नाम अणगार जाव एव वयासी—अहो ण भते ! सुवाहुकुमारं इहे इड्ठरूव कत २ पिए २ मणुण्णे ० मणाम २ सोमे सुमगे पियदसणे सुरूवे

उववाइं सूतं



(२ वाचीस गाथा)

कर्हि पडिहया सिद्धा ? कर्हि सिद्धा पइट्टिया ? । कर्हि चोदि चइत्ता ण, कत्थ गतूण सिज्झइं ॥ १ ॥
 अलोगे पडिहया सिद्धा, लोयग्गे य पडिट्टिया । इहचोदिं चइत्ता ण, तत्थ गतूण सिज्झइं ? ॥ २ ॥
 ज सठाण तु इह भव चय तस्स चरिमसमयमि । आसी य पएसघण त सठाण तर्हि तस्स ॥ ३ ॥
 दीह वा हस्स वा । ज चरिमभवे ह्वेज्ज-सठाण । तत्तो तिभागहीण सिद्धाणोगाहणा भणिया ॥ ४ ॥
 तिण्णि सया तेचीसा घणुत्तिभागो य होइ बोधवा । एसा खलु सिद्धाण उक्कोसोगाहणा भणिया ॥ ५ ॥
 चत्तारि य रयणीओ रयणित्ति भागूणिया य बोधवा । एसा खलु सिद्धाण मज्झिमओगाहणा भणिया ॥ ६ ॥
 एका य होइ रयणी साहीवा अगुलाइ कट्ट भवे । एसा खलु सिद्धाण जहण्णओगाहणा भणिया ॥ ७ ॥
 ओगाहणाए सिद्धा भवत्तिभागोण होइ परिहीणा । सठाणमणित्थथ जरामरणविप्पमुक्काण ॥ ८ ॥
 जत्थ य एगोसिद्धो तत्थ अणता भवक्खयविमुक्का । अण्णोणसमोगाटा पुट्टा सन्वे य लोगते ॥ ९ ॥
 फुसइ अणते सिद्धे सन्वपएसेहि णियमसा सिद्धो । ते वि असखेज्जागुणा देसपएसेहिं जे पुट्टा ॥ १० ॥
 असरीरा जीवघणा उवउत्ता दसणे य णाणे य । सागारमणागारं लक्खणमेय तु सिद्धाण ॥ ११ ॥
 केवलणाणुवउत्ता जाणहि सन्वभारगुणभावे । पासति सन्वओ खलु केवलदिट्ठीअणताहिं ॥ १२ ॥
 णवि अत्थि माणुसाण त सोदख णविय सन्वदेवाण । ज सिद्धाण सोक्ख अवावाह उवगयाण ॥ १३ ॥
 ज देवाण सोक्ख सन्वद्वारिपिंडिय अणतगुण । ण य पावइ मुत्तिसुह णताहिं वग्गवग्गूहि ॥ १४ ॥
 सिद्धस्स सुहो रासो सन्वद्वारिपिंडिओ जइ ह्वेज्जा । सोणतवग्गभइओ सन्वागासे ण माएज्जा ॥ १५ ॥
 जह णाम कोइ मिच्छो णगरगुणे बहुविदे वियाणतो । ण चएइ परिकहेउ उवमाए तर्हि असतीए ॥ १६ ॥
 इय सिद्धाण सोक्ख अणोवम णत्थि तस्स ओरम्म । किंचि विसेसेणेचो ओवम्ममिण सुणह चोच्छ ॥ १७ ॥
 जह सन्वकामगुणिय पुरिसो भोचूण भोयण कोई । तण्हालुहाविमुक्को अच्छेज्ज जहा अमियत्तित्तो ॥ १८ ॥
 इय सन्वकालतित्ता अतुल निव्वाणमुनगया सिद्धा । सासयमवावाह चिट्ठति सुही सुह पत्ता ॥ १९ ॥
 सिद्धत्ति य कुद्धत्ति य पारगयत्ति य परपरगयत्ति । उम्मुक्कम्मकवया अजरा अमरा असगा या ॥ २० ॥
 णिच्छिण्णसन्वदुक्खा जाइजरामरणवधणविमुक्का । अवावाह सुक्ख अणुहोती सामय सिद्धा ॥ २१ ॥
 अतुलसुहसागरगया अवावाह अणोवम पत्ता । सन्वमणागयमद चिट्ठति सुह पत्ता ॥ २२ ॥

॥ उववाइ उवग समत्त ॥

विहार विहरति । तते ण से सुबाहुकुमारे समणीवासण जाते अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे विहरेति । तते ण से सुबाहुकुमारे अन्नया कयाइ चाउदमदुग्घुद्विद्वुपुण्णमासिणीसु जेणेण पोसहसाला तेणेव वागच्छति २ चा पोसहसाल पमज्जति २ चा उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहति २ चा दब्भ सथार सथरेड २ चा दब्भसथार दुरूहइ २ चा अट्टमभत्त पग्गिण्हइ २ चा पोसहसालाए पोसहिए अट्टमभत्तिए पोसह पडिजागरमाणे विहरति । तए ण तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स पुव्वरत्तावरत्तकाल-समपत्ति धम्मजागरिय जागरमाणस्स इमे एयास्वे अज्झरिथिए ५ समुप्पन्ने घण्णा ण ते गामागरणगर जाव सन्नियेसा ज ५ ण समणे भगव महावीर जाव विहरति, धन्ना ण तेराइसरतलवरं जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुडा जाव पव्वयति, धन्ना ण त राइसरतलवरं जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए पचाणुव्वडय जाव गिहिधम्म पडिवज्जति, धन्ना ण ते राइसर जाव जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म सुणेति, त जति ण समण भगव महावीरं पुच्चाणुपुच्चिं चरमाण गामाणुगाम दूइज्जमाणे इहमागच्छिज्जा जाव विहरज्जा तते ण अह समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुडे भत्तिचा जाव पव्वणज्जा । तते ण समणे भगव महावीरं सुबाहुस्स कुमारस्स इम इयारूप अज्झरिथिय जाव वियाणित्ता पुव्वानुपुच्चिं जाव दूइज्जमाणे जेणेण इत्थि सीसे णगरे जेणेण पुप्फकरडे उज्जाणे जेणेण कयवणमालपियस्स जक्कपस्स जक्खाययणे तेणेव उतागच्छइ २ चा अहापडिरूप उग्गह उगिगिहत्ता सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे विहरति परिसा राया निग्गया । तते ण तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स त महया जहा पढम तहा निग्गओ धम्मो व्हिओ परिमा राया पडिग्गया । तते ण से सुबाहुकुमारं समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म मोच्चा निसम्म दट्ट तुट्ट जहा मह तहा अम्मापियरो आपुच्छति, णिक्खमणाभिसेओ तहव जाव अणगारं जाते वरियामभिण जाव वभयारी, ततेण स सुबाहु अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूपाण थेमाण अतिए मामाडयमाडयाड एक्कारस अणाइ अहिज्जति २ चा बहूहिं चउत्थल्लदुट्टमं ततोविहाणेहिं अप्पाण भावित्ता बहूइ यासाइ मामन्नपरियाग पाउणित्ता मासियाए मलेहणाए अप्पाण अत्तिचा सत्तिं भत्ताइ अणत्तणाए उदिचा आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते कालमासे णाल किच्चा सोहम्मं कप्पे दत्तणाए उज्वन्ने, से ण ततो देवलोगाओ आउक्खएण भवक्कएण ठिड कएणण अणतर चय चन्ना माणुस्स विण्णाह लभिहिति २ चा केवल बोहिं बुज्झिहिति २ चा तहारूपाण धराण अतिए मुडे जाव पव्वइस्समत्ति, से ण तत्थ बहूइ यासाइ सामण्ण परियाग पाउ णिहिति आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते काल करिहिति सण्हुमारे कप्पे देवत्ताए उव्वज्झिहिति, से ण तओ देवलोगाओ माणुस्स पव्वज्जा वभलोए ततो माणुस्स महासुक्के ततो माणुस्स आणत द्दे ततो माणुस्स ततो आरण दवे ततो माणुस्स सव्वट्टसिद्धे, से ण ततो अणतर उज्झित्ता महाविदेह यास जाव अट्टाइ जहा ददपन्ने सिज्झिहिति ५ जाव एण खलु जव् ! समणेण जाव सपत्तेण सुहविवागाण पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ट पन्नत्ते अज्झभयण समत्त ॥ १ ॥

चितियम्म ण उक्खेयो-एव सत्तु जम्बू ! तण कालेण तेण समएण उसमपुर णगर धूमक्कट

बहुजणस्सवि य ण भते ! सुवाहुकुमारे इहे ५ सोमे ४ साहुजणस्सवि य ण भते ! सुवाहुकुमारे इहे ६ जाव सुरूवे । सुवाहुणा भते ! कुमारण इमा एयारूना उराला माणुस्सरिद्धी किण्णा लद्धा ? किण्णा पत्ता ? किण्णा अभिममन्नागया ? के वा पम आसी पुव्वभने ? एव खलु गीयमा ! तेण कालेण तेण समएण इहेव जवुदीवे दीवे भारहे वासे हत्थिणाउरं णाम णगरे होत्था रिद्धं तत्थ ण हत्थिणाउरे णगरे सुमुहं नाम गाहाण्ड परिउसइ अहे ० तेण कालेण तणेण समएण धम्मघोसा णाम थेरा जातिसपन्ना जाव पचहिं ममणसएहिं सारिं सपरिवुडा पुव्वाणुपुविं चरमाणा गामाणुगाम द्दुहं ज्जमाणा जेणेण हत्थिणाउरं णगरे जेणेव सहसचरणे उज्जाणे तणेण उत्रागच्छइ उत्रागच्छिता अहा पडिरूव उग्गह उग्गिण्हिता सज्जेण तउसा अप्पाण भावेमाणा विहरति । तेण कालेण तेण ममएण धम्मघोसाण थेराण अवेवासी सुदत्ते णाम अणगारे उराले जाण लेस्से मास मासेण खममाणे विहरति तए ण से सुदत्ते अणगारे मासकरमणपारणगसि पढमाए पोरिसीए मज्झाय करेति जहा गीयमसामी तहेव धम्मघोसे (सुधम्म) अरे आपुच्छति जाण अडमाणे सुमुहरस गाहाण्ठितरस गहे अणुपविट्ठे तए ण से सुमुहे गाहावती सुदत्त अणगार एज्जमाण पामति २ चा हट्टुत्ठे आमणातो अन्मुट्ठेति २ चा पायपीढाओ पचोरुहति २ चा पाय्याओ ओमुयति २ चा एगासाडिय उत्तरासग करेति २ चा सुदत्त अणगार सचट्ट पयाइ अणुगच्छति २ चा तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिण क्कंइ २ चा वदति णमसति २ चा जेणेव भत्तघरे तेणेण उत्रागच्छति २ चा सयहत्थेण त्रिउत्रेण असण पाणखाइमसाइमेण पडिलाभेस्सामीति तुट्ठे पडिलाभेमाणणि तुट्ठे पडिलाभिपरिं तुट्ठे । तते ण तस्म सुमुहस्म गाहावइस्स तेण दव्वसुद्धण दायगसुद्धेण पडिगाहगसुद्धेण तिविहण तिर्रणसुद्धेण सुदत्ते अणगारे पडिलाभिए समाणे ससार परिचीरुण मणुस्साउए निवद्ध गेहसि य से इमाइ पच दिव्वाइ पाउन्भूयाइ तजहा—

वसुहारा बुद्धा १ दसद्धवने कुसुमे निगतिते २ चेलुक्खेने कए आहयाओ देवदुदुहीओ ४ अतरावि य ण आगाससि अहो दाणमहो दाण पुट्ट य ५ । हत्थिणाउरे नयरे सिंघाडग जाण पइमु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ ४-धण्णेण दवाणुप्पिया ! सुमुहं गाहाण्डं सुरूयपुत्रे कयलकरणे सुलद्धे ण मणुस्सज्जमे सुकयरिद्धी य जाण त धन्ने ण दवाणुप्पिया ! सुमुहं गाहाण्डं । तते ण स सुमुहे गाहावई बहुइ वाससयाइ आउय पालइत्ता कालमासे काल त्रिचा इहव हत्थिमीसे एगरे अदीणमत्तस्स रत्तो धारिणीए देवीए कुच्छिसि पुत्तनाए उत्रन्ने । तते ण सा धारिणा देवी सय णिज्जसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ सीह पामति सेस त चेव जाण उरिप पामाए विहरति त एव खलु गीयमा ! सुवाहुणा इमा एयारूना माणुस्सरिद्धी लद्धा पत्ता अभिममन्नागया पभू ण भते ! सुवाहुकुमार देवाणुप्पियाण अतिण मुट्ठे भत्तिता अगागआ अणमारिय पव्वइत्तए ? हता पभू । तते ण से भगव गीयमे समण भगव महावीर वदति नममति २ चा सज्जेण तउसा अप्पाण भावेमाणे विहरति । तते ण से समणे भगव महावीरे अन्नया क्याइ हत्थितीसाओ णगराओ पुप्फकरडाओ उज्जाणाओ कयवणमालपियस्स जवखस्स जक्काययणाओ पडिणिक्खमति २ चा बहिया जणय

विहार विहरति । तते ण से सुबाहुकुमारे समणोवामए जाते अभिगयजीवाजीवे जात्र पडिलामेमाणे विहरेति । तत ण से सुबाहुकुमारे अनया कयाइ चाउद्दमद्दुमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु जेणेण पोमहसाला तेणेण उवागच्छति २ चा पोसहसाल पमज्जति २ चा उच्चारपासवणभूमि पडिलेहति २ चा दब्भ सथार सथरेइ २ चा दब्भसथार दुरूहइ २ चा अट्टमभत्त पगिण्हइ २ चा पोसहसालाए पोसहिए अट्टमभत्तिए पोसह पडिजागरमाणे विहरति । तए ण तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स पुच्चरत्तावरत्तकाल-समयसि धम्मजागरिय जागरमाणस्स इमे एयारूवे अज्झत्थिए ५ समुप्पन्ने धण्णा ण ते गामागरणगर जात्र सन्नोसंसा जत्थ ण समणे भगव महावीरे जात्र विहरति, धन्ना ण तेराइसरतलवर० जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुडा जात्र पव्वयति, धन्ना ण ते राईसरतलवर० जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए पच्चाणुवण्डय जात्र गिहिधम्म पडिवज्जति, धन्ना ण त राईसर जात्र जे ण समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिण धम्म सुणेति, त जति ण समणे भगव महावीरे पुच्चाणुपुच्चि चरमाण गामाणुगाम दूइज्जमाणे इहमागच्छिज्जा जात्र विहरज्जा तते ण अइ समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए मुडं भविता जात्र पव्वएज्जा । तते ण समणे भगव महावीरे सुबाहुस्स कुमारस्स इम डयारूव अज्झत्थिय जात्र वियाणिता पुच्चाणुपुच्चि जात्र दूइज्जमाण जेणेण इत्थि सीसे णारे जणप पुष्करुदे उज्जाणे जेणेण कयवणमालपियस्स जक्खस्स जक्खाययणे तेणेव उत्रागच्छइ २ चा अहापडिरूव उग्गह उगिगिहत्ता सज्जेण तत्तसा अप्पाण भावेमाणे विहरति परिमा राया निग्गया । तत ण तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स त महया जहा पढम तहा निग्गओ धम्मो व्हिओ परिमा राया पडिग्गया । तते ण से सुबाहुकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म मोचा निसम्म इट्ठ तुट्ठ जहा मइ तहा अम्मापियरो आपुच्छति, णिक्खत्तमाभिसेओ तदव जात्र अणगारे जाते इनियासमिण जात्र बभयारी, ततेण म सुबाहु अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूपाण थेराण अतिए मामाडयमाडयाइ एक्कारस्स अणाइ अहिज्जति २ चा बहूहि चउत्थछट्ठम० ततोविहाणेहि अप्पाण भाविता बहूइ वासाइ सामन्नपरियाग पाउणिता मामियाए सलेहणाए अप्पाण झूसिता सट्ठि भत्ताइ अण्णणाए उदिता आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते कालमासे काल किच्चा सोहम्मे कप्पे दत्तणाए उववन्ने, से ण ततो दवलोगाओ आउक्खएण भक्खएण ठिइ कएएण अणतर चय चइत्ता माणुस्स विण्णह लभिहिति २ चा केवल बोहिं बुज्झिहिति २ चा तहारूपाण थेराण जतिए मुडे जात्र पव्वइस्सति, से ण तत्थ बहूइ वासाइ सामण्ण परियाग पाउ णिहित आलोइयपडिक्कते समाहिपत्ते काल करिहिति सणकुमारे कप्पे देवत्ताए उववज्जिहिति, से ण तओ दवलोगाओ माणुस्स पव्वज्जा बभलोए ततो माणुस्स महासुक्के ततो माणुस्स आणते दने ततो माणुस्स ततो आरणे दने ततो माणुस्स मव्वइसिदे, से ण ततो अणतर उअट्ठित्ता महाविदेइ वासे चाव अट्ठाइ जहा ददपडन्ने सिज्झिहिति ५ जात्र एव खल्ल जवु ! समणेण जात्र मपत्तण सुहविवामाण पढमस्स अज्झवणस्स अयमट्ठ पन्नचे अज्झमयण समत्त ॥ १ ॥

चितियम्म ण उक्खेणो-पव खल्ल जम्मू ! तण कालेण तेण समएण उसभपुरे णगर धुभक्खइ

बहुजणस्सवि य ण भते ! सुबाहुकुमारे इहे ५ मोमे ४ साहुजणस्मवि य णं भते ! सुबाहुकुमारे इहे ६ जाण सुरूवे । सुबाहुणा भते ! कुमारेण इमा एयारूपा उराला माणुस्सरिद्धी किण्णा लद्धा ? किण्णा पत्ता ? किण्णा अभिसमन्नागया ! क वा पम आसी पुव्वभने ? एव खलु गीयमा ! तेण कालेण तेण समएण इहेव जवुदीवे दीवे भारह वासे हत्थिणाउर णाम णगरं होत्था रिद्धं तत्थ ण हत्थिणाउरे णगरं सुमुह नाम गाहावइ परिवसइ अहे ० तेण फालेण तेण समएण घम्मघोसा णाम थेरा जातिसपन्ना जाव पचहिं ममणसएहिं सद्धिं सपरिउडा पुव्वाणुपुविं चरमाणा गामाणुगाम द्द ज्जमाणा जेणेव हत्थिणाउरे णगरं जेणेव सहसवणणे उज्जाणे तणेव उपागच्छइ उपागच्छत्ता अहा पडिरूव उग्गह उग्गिण्हिता सज्जेण तवसा अप्पाण भायेमाणा विहरति । तेण कालेण तण ममएण घम्मघोसाण थेराण अतेवासी सुदत्ते णाम अणगारे उराले जाण लेस्से मास मासेण खममाणे विहरति तए ण से सुदत्ते अणगारे मासकवमणपारणगसि पढमाए पोरिसीए मज्झाय करति जहा गीयमसामी तहेव घम्मघोसे (सुधम्म) थेरे आपुञ्जति जाण अटमाणे सुमुहरस गाहावतिरस गेहे अणुपविट्ठे तए ण से सुमुह गाहावती सुदत्त अणगार एज्जमाण पासति २ चा हट्टुट्ठे आमणातो अच्युट्ठेति २ चा पायपीढाओ पच्चोरुहति २ चा पाउयाओ ओम्वयति २ चा एगासाडिय उचरासग करेति २ चा सुदत्त अणगार सत्तइ पयाइ अणुगच्छति २ चा तिक्खुत्तो जायाग्गिण्णयाहिण कइ २ चा वदति णमसति २ चा जेणेव भचघरे तेणेव उपागच्छति २ चा सयहत्थेण त्रिउलेण अमण पाणखाइमसाइमेण पडिलाभेस्सामीति तुट्ठे पडिलाभेमाणि तुट्ठे पडिलाभिपरिं तुट्ठ । तते ण तस्स सुमुहस्स गाहावइस्स तेण दव्वसुद्धेण दायगसुद्धेण पडिगाहगसुद्धेण तिविहेण तिकरणसुद्धेण सुदत्ते अणगारे पडिलाभिए समाणे ससारे परिचीकए मणुस्माउए निवट्ठे गेहसि य से इमाइ पच पत्ता पाउब्भूयाइ तजहा—

सुहारा बुद्धा १ दसद्ववने कुसुमे निगतिते २ चेलुक्खेव कए आहयाओ दवदुद्दीओ ४ अतरावि य ण आगाससि अटो दाणमहो दाण धुट्ट य ५ । हत्थिणाउरे नयरं सिंघाडग जाण पदमु बहुजणो अन्नमन्नस्स पयमाडक्खइ ४-घण्णेण देवाणुप्पिया ! सुमुह गाहावई सुकयपुने कयलकरणे सुलद्धे ण मणुस्सज्जमे सुकयरिद्धी य जाव त वने ण देवाणुप्पिया ! सुमुह गाहावई । तत ण स सुमुहे गाहावई बहुइ वाससयाइ आउय पालत्ता कालमासे काल त्रिच्चा इहेव हत्थिमीसे एगरे अदीणमत्तस्स रत्तो धारिणीए दधीए कुच्छिसि पुत्तत्ताए उवत्ते । तते ण सा धारिणी दवी सय णिज्जसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ सीह पामनि सेस त चेव जान उप्पि पायाए विहरति त एव खलु गीयमा ! सुबाहुणा इमा एयारूपा माणुस्सरिद्धी लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया पभू ण भत ! सुबाहुकुमार देवाणुप्पियाण अतिए मुडे भित्ता अगाराओ अणगारिय पव्वइत्तए ? हता पभू । तत ण से भगव गीयमे समण भगव महावीर वदति नममति २ चा सज्जेण तवसा अप्पाण भावमाणे विहरति । तते ण से समणे भगव महावीरे अन्नया क्याइ हत्थिमीसाओ णगराओ पुप्फकरडाओ उज्जाणाओ कयवणमालपियस्स जवस्स जवस्स जवस्सयायणाओ पडिणिक्खमति २ चा बहिया जणवय

जेयसत्तु राया धम्मवीरिए अणगारे पाटलाभिए जाव सिद्धे ॥ नवम अज्झयण समत्त ॥ ९ ॥

जति ण दममस्स उक्खेवो— एव खलु जब्बु ! तेण कालेण तेण समएण साएय नाम नयर होत्था
उत्तरकुब्जजाणे पाममिओ जकसो मित्तनदी राया सिरिकता देवी वरदत्ते कुमारे वरसेणापामोक्खा
ण पचदेवीमया तित्थयरागमण सावग्गधम पुग्गभवो पुच्छा सत्तदुवारे नगरे विमलवाहणे राया
धम्मरुई अणगारे पडिलामिण ससार परिचीरुण मणुस्ताउए निवद्धे इह उप्पन्ने सेस जहा सुबाहुस्स
कुमारस्म चिंता जाव पग्गजा कप्पतरिओ जाव सव्वट्टसिद्धे ततो महाविदेहे जहा दट्ठपइन्नो जाव
सिज्झिहिति बुज्झिहिति मुच्चिहिति परि निव्वाहिति सव्वट्टुखाणमत करेहिति ॥ एण खलु जब्बु !
समणेण भगवया महावीरण जाव सपत्तेण सुहविवागाण दसमस्स अज्झयणस्म अयमट्ठे पन्नत्ते,
सेव भते ! सेव भत ! सुहविवागा ॥ दसम अज्झयण ममत्त ॥ १० ॥

नमो सुयदेवाण-विवागसुयस्स दो सुयवसथा दुहविवागो य सुहविवागो य, तत्थ दुहविवागे
अज्झयणा दस एकसरगा दससुचेर दिवसेसु उद्दिस्सिज्जति, एण सुहविवागो वि सेस जहा आयारस्स ॥
इति एकारमम अग समत्त ॥

॥ इअ सुखविपाकसुत्त समत्तम् ॥



॥ सूत्रकृलागसूत्रे वीरस्तुत्यारय पट्टमध्ययन ॥

पुच्छिस्सु ण समणा माहणा य, अगारिणो या परतित्थिआ य ।
से कह णेगतहिय धम्माहु, अणेलिम माहु समिक्कयाए ॥ १ ॥
कह च णाण कह दसण से, सील कह नायसुतस्स आसी ! ।
जाणासि ण भिक्खु जहातइण, अहासुत वूहि जहा णिसत्त ॥ २ ॥
खेयन्नं से कुमलापन्ने (ले ममी) अणतनाणीय अण तदसी ।
जससिणो चक्खुपइ ठियस्स, जाणाहि वम्म च धिइ च पेहि ॥ ३ ॥
उड्ड अइय तिरिय दिसासु, तमा य जे थारर जे य पाणा ।
से णिच्चणिच्चेहि मभिरस पन्न, दीव व धम्म ममिय उदाहु ॥ ४ ॥
से सबदसी अभिभूयनाणी, णिरामगधे धिम्म ठितप्पा ।
अणुत्तरे सव्वजगसि विज्ज, गथा अतीते अभए अणाऊ ॥ ५ ॥
से भूइपण्णे अणिएअचारी, ओहतर धीर अणतचक्खु ।
अणुत्तर तप्पति घरिए वा, वइरोयणिदे व तम पगासे ॥ ६ ॥
अणुत्तर धम्ममिण निणाण, जेया मुणी कामव आसुपन्ने ।
इदं दवाण महाणुभाव, सहस्मणता दिवि ण विसिद्धे ॥ ७ ॥
से पन्नया अक्खयमागर वा, महोदही चावि अणतपारे ।
अणाइले ना अकसाइ मुक्के, मक्केन दगाहिवइ पुईम ॥ ८ ॥

उज्जाणे धन्नो जक्खो घणान्हो राया सरस्सई देवी सुमिणदसण व्हण जम्मण बालत्तण कालाओ य जुव्वणे पाणिग्गहण दाओ पासाद० भोगा य जहा सुबाहुस्स, नरर भद्ददी कुमारे सिरिदेवीपा मोक्खा ण पचसया सामी समोसरण सावगधम्म पुव्वभनपुच्छा महाविदेहे वासे पुडरीकिणी नगरी विजयत कुमारे जुगवाहू तिथयरे पडिलाभिण माणुस्साउए निग्दे इह उप्पन्ने, नेस जहा सुबाहुस्स जाव महाविदह गासे सिज्झिहिति चुज्झिहिति सुच्चिहिति परिनिव्वाहिति सच्चुक्खाणमत करहिति ॥ वितिय अज्झयण समत्त ॥ २ ॥

तच्चस्म उक्खेओ—वीरपुर नगर मणोरम उज्जाण वीरक्खं जक्खे मिच्चे राया सिरि देवी सुजाए कुमारे बलसिरिपामोक्खा पचसयक्खा सामी समोसरण पुव्वभनपुच्छा उसयार नयरे उसमदत्ते गाहाउई पुप्फदत्ते अणगारे पडिलाभिण मणुस्साउए निग्दे इह उप्पन्ने जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिति ५ ॥ तह्य अज्झयण समत्त ॥ ३ ॥

चोत्थस्स उक्खेओ—विजयपुर नगर णदणवण [मणोरम] उज्जाण असोमो जक्खो वासवदत्ते राया कण्हा देवी सुजासवे कुमारे भदापामोक्खा ण पचमया जाण पुव्वभवे कोसवी नगरी घणपाले राया वेसणभद अणगारे पडिलाभिण इह जाव सिद्धे । चोत्थ अज्झयण समत्त ॥ ४ ॥

पचमस्म उक्खेओ—सोगधिया नगरी नीलासोए उज्जाणे सुकालो जक्खो अप्पडिहओ राया सुकन्ना देवी महच्चे कुमारे तस्म अरहदत्ता मारिया जिणदासो पुत्तो तिथयरागमण जिण दामपुव्वभवो मज्झमिया नगरी मेहरहो राया सुधम्मो अणगारे पडिलाभिण जाव सिद्धे ॥ ॥ पचम अज्झयण समत्त ॥ ५ ॥

छट्ठस्म उक्खेओ—वणगपुर नगर सेयासोय उज्जाण वीरभदो जक्खो पियचदो राया सुभद्दा देवी उममणे कुमारे जुवराया सिरिदेवी पामोक्खा पचसया कन्ना पाणिग्गहण तिथयरागमण धनवती ववरायपुत्ते जाव पुव्वभवो मणित्रया नगरी मिच्चो राया सभूतिविजए अणगारे पडिलाभिते जाण सिद्ध ॥ छट्ठ अज्झयण समत्त ॥ ६ ॥

सत्तमस्स उक्खेओ—महापुर नगर रत्तासोय उज्जाण रत्तपाओ जक्खो बळे राया सुभद्दा देवी महब्बले कुमार रत्तवईपामोक्खाओ पचसयाग्गहा पाणिग्गहण तिथयरागमण जाव पुव्वभवो मणिपुर नगर णाग्दत्ते गाहावती इन्ददत्ते अणगार पडिलाभित जाव सिद्धे ॥ सत्तम अज्झयण समत्त ॥ ७ ॥

अट्ठमस्स उक्खेओ—सुधोस नगर दवरमण उज्जाण वीरसेणो जक्खो अज्जुण्णो राया तत्तपती देवी भद्ददी कुमार सिरिदेवीपामोक्खा पचसया जाव पुव्वभने महाधोसे नगर धम्मधोसे गाहाउती धम्मसीहे अणगारे पडिलाभिण जाव सिद्धे ॥ अट्ठम अज्झयण समत्त ॥ ८ ॥

णवमस्म उक्खेओ—चपा नगरी पुव्वभदे उज्जाण पुव्वभदो जक्खो दत्ते राया रत्तवई देवी महच्चे कुमारे जुवराया सिरिकतापामोक्खा ण पच सया कन्ना जाव पुव्वभवो विमिच्छी नगरी

निष्वाणसेट्टा जह मन्वधम्मा, ण णायपुत्ता परमत्थि नाणी ॥ २४ ॥
 पुटोममे धुण्ड विगयगेहि, न मण्णिहिं कुव्वति आसुपन्ने ।
 तरिउ समुद् व महाभवीध, मपक्के वीर अणतच्चक्खू ॥ २५ ॥
 कोह च माण च तहेन माय, लोभ चउत्थ अज्झत्थदोसा ।
 एजाणि वता अरहा महसी, ण कुव्वड पावण ऩावेड ॥ २६ ॥
 किरियाकिरिय वणडयाणु वाय, अण्णाणियाण पडियच्च ठाण ।
 से सव्वयाय इति वेयडत्ता, उरुट्ठिण सजमदीहराय ॥ २७ ॥
 स ऩारिया इत्थी सगडभत्त, उरुहाणव दक्खरखयट्टयाए ।
 लोम विदित्ता आर पर च, सव्व पभू वारिय सव्ववार ॥ २८ ॥
 मोच्चा य धम्म अरहतभासिय, ममाहित अट्टपदोमसुद्ध ।
 त सहहाणा य जणा अणाउ, इदा व देवाहिउ आगमिस्सति ॥ २९ ॥

॥ इति श्रीश्रीरस्तुत्यारय षष्टमध्ययनम् ॥



॥ भोक्षमार्गनामक एकादशाध्ययनम् ॥

त मग्ग पुत्तर सुद्ध, सव्वदुवरवमोक्खण । जाणामि ण जहा भिक्खु, त णो वूहि महामुणी ॥२॥
 कपरं मग्गे अक्खण, पाहणेण मत्तमता ! ज मग्ग उज्जु पापित्ता ओह तरति दुत्तर ॥ १ ॥
 जइ णो वइ पुच्छिज्जा, देवा अदुन माणुमा । तेसिं तु कपर मग्ग, आइक्खेज्ज? कहाहि णो ॥ ३ ॥
 जइ यो कइ पुच्छिज्जा, देवा मदुव माणुमा । तेसिमि पडिसाहिज्जा, मग्गसार सुणेह मे ॥ ४ ॥
 अणुपुच्चेण महाधीर ऩामेण पव्वइय, । जमात्ताय ओ पुव्व, समुद् उरुहारिणो ॥ ५ ॥
 अतरिंसु तरतेगे, तरिस्सति अणागया । त मोच्चा पटियक्खामि, जतमो त सुणेह मे ॥ ६ ॥
 पुटनीजीवा पुटो सत्ता, आउजीवा तहाउगणी । वाउनीवा पुटो सत्ता, तणत्क्खता मनीयमा ॥ ७ ॥
 अटावरा तमा पणा, एव छक्काय आहिया । एतावण जीवमाण, णावर कोइ विज्जई ॥ ८ ॥
 सव्वाहिं अणुनुत्तीहिं, मत्तिम पडिलेहिया । मच्चे अक्कतदुक्कया य अतो सव्वे न हिसया ॥ ९ ॥
 एय सु णाणिओ मार, ज न हिंमति क्कचण । अदिमा ममय चेव, एतावत विजाणिया ॥ १० ॥
 उट्टु अइ य तिरिय, जे ऱड तमथावरा । सव्व व विगतिं तिज्जा, सति निष्वाणमाहिय ॥ ११ ॥
 पभू दोमे निराग्गिच्चा, ण निरुज्जज्ज कणट । मणमा उयमा चन, कायमा चेव अतमो ॥ १२ ॥
 सउड मे महापन्न, धीर दत्तेमण चर । एमणासमिण णिच्च, उज्जयते अणेसण ॥ १३ ॥
 भूयाइ च ममारभ, तमूहिमा य ज ऱड । तारिस तु ण गिण्डज्जा, अन्नपाण सुमनण ॥ १४ ॥
 पूईस्सम न मविज्जा एस धम्मे तुमीमओ । न किंचि अमिस्स्येज्जा, मच्चमो त न ऱप्पण ॥ १५ ॥
 हणत णाणुजाणेज्जा, आययुत्ते जीइदिण । ठाणाइ सति मट्टीण, गामेसु नपरेसु वा ॥ १६ ॥
 तहा गिर समाग्गभ, अयि प्पुण्णति एग उए । अहता णयि प्पुण्णति, एव मेय महम्मय ॥ १७ ॥

से वीरिएण पडिपुन्नवीरिए, सुदसणे वा णगस-वसेट्ठे ।
 सुरालए वासिमुदागरे से, विरायए षेगगुणोववेए ॥ ० ॥
 सय सहस्साण उ जोयणाण, तिकडगे पडगवेजयते ।
 से जोयणे णवणवते सहस्से उध्धुस्सितो हट्ठ महस्समेग ॥ १० ॥
 पुट्ठे णमे चिट्ठइ भूमिवट्ठिए, ज सूरिया अणुपरिवट्ठयति ।
 से हेमवन्ने बहूनदणे य, जसी रतिं वेदयती महिंदा ॥ ११ ॥
 से पव्वए सद्महप्पगासे, विरायती कच्चणमट्टपन्ने ।
 अणुत्तरे गिरिसु य पव्वदुग्गे, गिरीवर से जलएव भोमे ॥ १२ ॥
 महीड मज्झमि ठिते णग्गिदे, पन्नायते सूरिय सुद्धटेसे ।
 एव सिरीए उ स भूरिवन्ने, मणोरमे जोयइ अच्चिमाली ॥ १३ ॥
 सुदसणस्सेव जसो गिरिस्स, पवुच्चइ महतो पव्वयस्स ।
 एतोवमे समणे नायपुत्ते, जातीजसोदसणनाणसीले ॥ १४ ॥
 गिरीवर वा निसहाऽऽययाण, रुयए व सेट्ठे बलयायताण ।
 तओवमे से जगभूइपन्ने, मुणीण मज्जे तमुदाट्ट पन्ने ॥ १५ ॥
 अणुत्तर धम्ममुईरइत्ता, अणुत्तर ज्ञाणवर ज्ञियाइ ।
 सुसुक्कसुक अपगडसुक, सखिट्टुएगतपदात्तसुक ॥ १६ ॥
 अणुत्तरग्ग परम महेसी, असेमकम्म स विसोहइत्ता ।
 सिद्धिं गते साइमणतपत्ते, नाणेण सीलेण य दसणेण ॥ १७ ॥
 रुक्खेसु णाते जह सामली वा, जसिं रतिं वययती सुवन्ना ।
 वणेसु वा णदणमाहु सेट्ठ, जाणेण सीलेण य भूतिपन्ने ॥ १८ ॥
 थणिय व सदाण अणुत्तरे उ, चदो व ताराण महाणुभाये ।
 गधेसु वा चदणमाहु सेट्ठ, एण मुणीण अपडिन्नमाहु ॥ २० ॥
 जहा सयभू उदहीण सेट्ठ, नागेसु वा धरणिंदमाहु सेट्ठे ।
 खोओदए वा रस वेजयते, तओवहाणे मुणिवेजयते ॥ २० ॥
 हत्थीसु एरावणमाहु णाए सीहो मिग्गाण सलिलाण गगा ।
 पक्खीसु वा गरुले वेणुदवो, निव्वाणपदीणिह णायपुत्ते ॥ २१ ॥
 जोहेसु णाए जह वीससेणे, पुप्फेसु वा जह अरनिदमाहु ।
 रत्तीण सेट्ठे जह दत्तके, इसीण सट्ठे तह वद्धमाणे ॥ २२ ॥
 दाणाण सेट्ठ अभयप्पयाण, सच्चेसु वा अणउज वयति ।
 तवेसु वा उत्तम बभचेर, लोगुत्तमे समणे नायपुत्ते ॥ २३ ॥
 ठिईण सेट्ठा लवसत्तमा वा, सभा सुहम्मा ना सभाण सेट्ठा ।

दवदाणवगवव, जकरकरस्मकिनग । उभयारिं नमसति दुकर जे करतित ॥ ५ ॥

पम धम्मे धुवे निचे, मामए निणदेमिए । सिद्धा सिज्जति चाणेण, सिज्जिम्मसति तहापर ॥ ६ ॥

(उत्तमचयन सूत्रे) षोडशमाध्ययन

अरहत सिद्ध पयण गुरु धर उहुस्सुण तवम्मीसु । उच्छ्रयाय तेरिं अभिकरणाणोवओगे य ॥ ७ ॥

दसण विणए आरम्मण य, मीलव्वए निरइयाग । गणए तव चियाए, वेयापचे ममाही य ॥ ८ ॥

अपुव्वणाणगहणे सुयभत्ती, पव्वणे पभापणया । एएहिं ऋणेहिं तित्तररत्त लहइ जीओ । ९ ॥

(गाताधर्मकथासूत्रे)

जिणवयणे अणुरत्ता निणवयण जे ऋरति भावेण । अमलाअसम्मिलिद्धा, तेउतियपरित्तसमारि ॥ १० ॥

एयए खुनाणीणोमार, ज नहिं मइ रिचण । अहिंममय चेव, एताउत्त वियाणि य ॥ ११ ॥

जातिं च उट्ठिं च उह दूपास, भूतेहिं जाणेहिं पटिलेइमाय ।

तम्हातिविचओपरमतिणचा, मम्मत्तदसी न ऊण्ड पाव ॥ १२ ॥

उम्मुच्चपास उह मच्चिएहिं, आरभजीरीऊज्जपयाणुपम्मी ।

गामेसु सिद्धाणिचयऋरति, ससिंचमाणापुणरतिगइ ॥ १३ ॥

सावणेनाणेविनाणे, पचमेकयाणेपसनभो । अणणहएतनेचेव, षोदाणे अरिरियासिद्धि ॥ १४ ॥

एगोह नत्थि मे कोइ, नाह मच्चम्म ऋम्म । एव अदीणमणस्सा, अप्पाणमणु मामइ ॥ १५ ॥

एगोमे मामओ अप्पा, नाणदमणसतओ । सेमामे वाहिग भावा, मच्च सत्तो ग लउखणा ॥ १६ ॥

जीविओ नाभिगएजेजा मरण नो विपरथण । उहउ विनइउजेजा, जीविओ मरण तहा ॥ १७ ॥

सार दमण नाण, मारतव नियम मत्तमसाल । मारजिण उर धम्म, मारसलेइणापडियमण ॥ १८ ॥

कह्हाणओटिमारिणी, दुगएदुइनिठवणी, ममारजलतागणी, एगतहोइजीवया ॥ १९ ॥

आरमे नत्थि दया, महिलएमगनामाउवम । मजाणनामममत्त, उच्चज्जाअथग्गहण च ॥ २० ॥

मच्चविमयकमाय, निहाविरुहायमच्चमामणिया । एव पचप्पमाया, जीवापडतिसत्तार ॥ २१ ॥

उज्जति विमलाभोए, लज्जति सुग्मपया । उरति पुत्तमित्त च । एगोधम्मो न लज्जइ ॥ २२ ॥

नविमुहीदवतादवलोए, नविमुहीपुट्टीपग्गया । नविमुहीसट्ठिसेणाउवय, एगतमुहीसुणीवीपगणी ॥ २३ ॥

नगरी सोहति जलमूलवागे, नारीभोहतिपरपुष्पत्यागे ।

गजमोहत्त ममा पुराणी, माउमोहत्ता अमृतवाणी ॥ २४ ॥

चलतिमेरुचलतिभदिर, चलतितारागविचट्टमए ।

उदापि काले पृथ्वी चरति, माहपुष्पवाक्यो न चलति धर्म । २५ ॥

अशोकवृक्ष मुरपुष्पवृष्टि-विश्व-प्रतिशामगमामन च ।

भामटल उदभिरानपत्र, मत्प्रातिहार्याणिचिनेश्वरणा ॥ २६ ॥

रूप अनोपम तुल्य न कोइ, वाणीसुणता उरणसुम्भोए ।

दहसुगती हए पुष्पवाम, चउमटइउरह प्रथु पाव ॥ २७ ॥

चउपुरवधाररुहिय, नानाघागएवाणीये । चिननहिं पण चिनमग्गिआ, त्रीसुधर्मस्वामी जाणीण ॥ २८ ॥

रूप अनोपम पखाणीण, उरतान वल्लभ लाग । एइवा श्रीन उम्पामी जाणीने, मावीए मन भावथी ॥ २९ ॥

दाण्ड्या य जे पाणा, हम्मति तसधावरा । तेसिं सारकखण्ड्याए, तम्हा अतिथिचि णो वए ॥ १८ ॥
 जेसिं त उअरुप्पति, अन्नपाण, तहाविह । तेसिं लाभतरायति, तम्हा णत्थिचि णो वए ॥ १९ ॥
 जो य दाण पससति, वहमिच्छति पाणिण । जे य ण पडिमहति, त्रिचिन्त्रेय करति त ॥ २० ॥
 दुहओवि ते ण भासति, अत्थि वा नत्थि वा पुणो । आय रयस्स हेच्चा ण निव्वाण पाउणति तो ॥ २१ ॥
 निव्वाण परम बुद्धा, णकएत्ताण व चदिमा । तम्हा सदा जए दते, निव्वाण सधए सुणी ॥ २२ ॥
 बुद्धमाणाण पाणाण, किच्चताण मरुमुणा । आघाति माहु त दीव पतिट्ठेसा पवुच्चई ॥ २३ ॥
 आयगुत्ते सया दते, छिन्नमोए अणासरे । ज धम्म सुद्धमकराति, णट्ठिपुन्नमणेलिम ॥ २४ ॥
 तमेव अविजाणता, अबुद्धा बुद्धमाणिणो । बुद्धा मोत्ति य मन्नता, अत एव ममाहिए ॥ २५ ॥
 ते य वीओदग चेव तमुद्दिस्सा य ज रुढ । मोच्चा ज्ञाण ज्ञियायति, अखेयन्ना(अ)समाहिया ॥ २६ ॥
 जहा टका य कका य, कुलला मग्गुका सिही । मच्छेमण ज्ञियायति ज्ञाण त कलुनाधम ॥ २७ ॥
 एव तु समणा एगे, मिच्छदिट्ठी अणारिया । विसएसण ज्ञियायति, कका वा कलुनाहमा ॥ २८ ॥
 सुद्ध मग्ग विराहिया, इहमेगे उ दुम्मती । उम्मग्गगता दुक्ख, धायमसति त तहा ॥ २९ ॥
 जहा आसाविणिं नाव जाइअधो दुरूहिया । इच्छद् पारमागत, अतरा य विसीयति ॥ ३० ॥
 एव तु समणा एगे, मिच्छदिट्ठी अणारिया । सोय वसिणमापन्ना, आगतरो महम्मय ॥ ३१ ॥
 इम च धम्ममादाय, कामरेण पवेदित । तरे सोय महाधोर, अत्तचाए परिव्वए ॥ ३२ ॥
 त्रिए गामधम्मोहिं, जे केई जगई जगा । तेसिं अत्तमायाए, वाम कुव्व परिव्वए ॥ ३३ ॥
 अहमाण च माय च, त परिन्नाय पडिए । मव्वमेय गिराकिच्चा, निव्वाण सधए सुणी ॥ ३४ ॥
 सधए साहुधम्म च, पापधम्म गिराकरे । उवहाणवीरिए भिक्खू, कोह माण ण पत्थए ॥ ३५ ॥
 जे य बुद्धा अतिककता, जे य बुद्धा अणामया । सति तेसिं पइट्ठाण, भूयाणा जगती जहा ॥ ३६ ॥
 अह ण वयमावन्न, फामा उच्चावयाफुमे । ण तेसु विणिट्ठणोच्चा, वाएण व महागिरि ॥ ३७ ॥
 सवुडे से महापन्न, धीरे दत्तेसण चरे । निव्वुडे कालमाकसी, एव (य) कवलिणोमय ॥ ३८ ॥

॥ इति मोक्षमार्गनामक एकादशमध्ययनम् ॥



सुभाषित केटलीक गाथानो संग्रह

पचमहव्वयसुव्वसुल, समणामणाइलएत्त्वा दुसुच्चीन्न । वेरविरामणपज्जमाण मव्वममुद्धमोद्धधी तित्था ॥ १ ॥
 तित्थकरहिंसु देसियमग्ग, नरगतिरि छत्रियज्जियमग्ग ।

सव्वपवित्त सुनिम्भियसार, सिद्धिविमाण अवगुयदार ॥ २ ॥

दवनरिदिनमसियपूय, सव्वजगुत्तममगलमग्ग । उधरिसगुणनायगमेग, मोक्खपहस्सवडिसगभूय ॥ ३ ॥

(प्रश्न-याचरणसूत्रे स्वरद्वारे)

धम्मारामेचरेभिवस् । पिहम धम्मसारही । धम्मा रामेरयादत्त । भवचेरसमाहिए । ४ ॥

अप्य	पृष्ठ	गाथाक	अंगुद्ध	गुद्ध
३४	६३	१५	जप्पस्थान	अप्पमः रीण
३४	६३	१६	लंलाण	लेमाण
३४	६४	४५	नायवाक्क	नाय तामुक्क
३४	६४	४६	परिमण्णला	परिमण्णला
३४	६६	२२	भङ्ग	महुण
३६	६७	३	मत्तेवना	दग्गचेरसा
३६	७१	१६५	निगवयण	निगवयणज



शैकालिक शुद्धिपत्रकम्

३	७८	८	सिधव	सिं रे
४	७६	८लागी	वाऊ	तेऊ
४	७८	१ ,	परिग्गह	परिणिण्हामिस्ता
४	७८	२३ ,	वा	वा, उद्धलवाकय
४	७९	१९ ,	समणुजामि	समणुजाणिजा
४	७९	२१	वा	वा, मज्झमिवा
४	७९	३९ ,	हिंल्ल	हिंमड
५	८३	१२	कोल्लुसग्ह	कोल्लुसग्ह
५	८५	७	अणुगम्मि	अणुच्छिणो
६	८६	२	शयाओ	शयाओ

अप्य	पृष्ठ	गाथाक	अंगुद्ध	गुद्ध
६	८९	१६	भभायण	भभायमण
७	९०	५३	तहे	तह्व
८	९१	१५	अह्व	तह्व
८	९१	२७	महाकम	महाकल
८	९२	३५	अमप्पणो	ममप्पणो
८	९२	४१	सजमिम	सजममिम
८	९५	७	आपरिआया	आपरियपा
८	९३	९	गुरहीलसाण	गुरहीगाण
९	९८	१०लीगी	सुभद हिण	सुहममादिण
९	९६	३१	सुत्तवइ	सुत्तवइ



नन्दीसूत्र शुद्धिपत्रकम्

१	१	७	गुण	उत्तमगुण
१०२	३२		जहिं	रविग्गओजेहिं
१	२	४	नात्तुण	नागत्तुण
१११	१	लीगी	अंतगन्दमाभार	अतगददमाभा
११२	२९		अणु भोगदारा	अणु भोगदारा
११४	७		सग	सविजाओसग
११६	२		से	उच्चइममिज्जतिस
११८	५७	गाथा	वत्त	वत्तवा



॥ शुद्धिपत्रकम् ॥



उत्तरा यनसूत्र

अध्याय	पृष्ठ	गाथाक	अशुद्ध	शुद्ध	अध्याय	पृष्ठ	गाथाक	अशुद्ध	शुद्ध
१	१	४	दुरस्सील	दुसील	१४	२३	३५	भिक्षवाचरिय	भिक्षवाचरिय
१	२	३	निरट्टाह	निरट्टाइन	१४	२४	५०	धम्म	णध्व
२	३	१९	चर	चरे	१५	१४	४	सयणासन	सयणासन
२	४	२९	सुओ	सेओ	१६	२५	४	सजमबहूले	सजमबहूले
२	४	३८	अभिवायण	अभिवाय				सवरबहूले	सवरबहूले
३	५	४	कथुपीवाल्या	कथुपिपालिया	१७	२७	३	निहाभाल	निहाद्रीले
४	६	५	वीमसे	वीमसे	१७	८	१२	डणोरड	डणीरड
५	६	१	दुक्कर	दुक्करे	१७	२८	२१	लोमिण	लोमिण
५	६	४	महावीरण	महावीरिण	१८	२७	१८	सोजण	सोडण
५	६	८	समारभइ	समारभइ	१९	२१	४८	इम	नहाइम
५	७	११	पमीओ	पमीओ	१९	३१	४५	अनतसो	अनतसो
५	७	१९	गाविसु	गारिसु	१९	३२	५६	अस	अवसे
५	७	२६	अससिणो	अससिणो	१९	३२	१५	सवदुक्ख	सवदुक्ख
५	७	२७	अचिम	अचिमा	२	३५	६	असपया	असपया
५	७	३८	भिक्षवागे	भिक्षवागे	२२	३८	२३	चित्ताहि	चित्ताह
६	७	३	पियाण्डुसा	पियाण्डुसा	२२	३८	२६	रत्तीण	रत्तिण
७	९	२६	दवि	दवति	२	३९	१२	मसुसुणा	महामुणी
७	९	२८	नरण	नरणसु	२३	४	५४	ससवो	ससवो इमो
८	१	१७	लाहा	लोहो	२	४१	१६	गोमय	गोयम
९	११	६	मिच्छिहा	मिच्छिहाओ	२६	४६	५०	सवदुक्खण	सवदुक्खण
९	११	५३	कामे	कामेभोगे				विमोखवण	विमोखवण
९	१२	५६	अहो	अहो स	२९	५	५	रद्धाओ	रद्धाओ
९	१२	६१	सहाण	सहाण	२९	५	६	ज	जेमि
१०	१३	१	निवडइ	निवडुइ	३	५१	७२	आणपाणु	आणुपाणा
११	१५	६	चोइसहि	चोइस्महि	३१	५३	१७	खधारे	खधारे
१२	१७	२६	मत्तेहि	दत्तेहि	३१	५४	६	जे	जेमिक्खु
१२	१८	२७	वदह	वहेह	३२	५५	५	पवाइ	पावाइ
१	२०	१९	महिट्ठी	महिट्ठीओ	३२	५५	६	मिइ	इइ
१३	२१	३२	कम्भाइ	कम्भाइ	३२	५५	१७	चवसु	कव
१४	१	५	चपाड	अक्राड	३२	५६	२७	रक्खण	रक्खण
१४	२१	६	सुच्चिण	सुचिण	३२	५७	४	सायमसाय	सायमसाय
१४	२१	६	हीयमाड	नीयमाड	३३	६२	७	काऊण	काण
१४	२२	२५	सफला	सफला	३४	६३	१७	खग्गूर	खग्गूर
१४	२३	३१	सुमभिया	सुमभिया	३४	६३	१५	खडसकरसो	खडसकरसो

